इस कोशमें सब संस्कृत धातुओंका अर्थ सरल हिंदीभाषामें लिखा है प्रत्येक धातुके आगे गणबोधक अंक, पदबोधक अक्षर तथा वर्तमानकालिक तृतीय पुरुषका एकवचनी रूप लिखके उसके आगे आजकल उस धातुके जितने अर्थ प्रसिद्ध है वे सब लिखे है जिन धातुओंके अर्थ उपसर्ग जोडनेसे भिन्न २ होते है उनको वैसेही उपसर्गसहित लिखके उनके सब भिन्न २ अर्थ लिखे है आखिर परिशिष्टमें धातुरूपावलि दी है जिसमें इक्कीस धातुओंके दशों लकारोंके रूप लिखे है और थोडेसे उपयुक्त प्रथमगणस्थ तथा द्वितीयगणस्थ धातुओंकेभी दशों लकारोके प्रथम पुरुषके एकवचनी रूप लिखे है, तथा कर्मणि जैसे दा धातुका दीयते-दिया जाता है, णिच् जैसे दा धातुका दापयति-दिलाता है, सन्नत जैसे दा धातुका दित्सति-देनेको चाहता है और यङत और यङ्लुगत जैसे दा धातुका देदीयते, दादेति-वारवार देता है, येभी रूप लिखे है उपयुक्त सब धातुओंके ऐसेही रूप देनेका विचार था परंतु ग्रंथ बढ जानेके सबब वैसा नही किया गया इस कोशमें प०-परस्मैपदी, आ०-आत्मनेपदी, उ०-उभयपदी, प्र०-प्रयोजक, सौ०-सौत्र वे०-वैदिक इस प्रकार पूर्ण शब्दके लिये एक २ अक्षर उपयुक्त किया है. जिन धातुओंके आदिमें ष और ण है ऐसे धातु सकारादि तथा नकारादि लिखे है और धातुओंके अनुबंधभी नही लिखे है क्योंकि इस पुस्तकमें इनका कुछ प्रयोजन नही है, इनका विशेष प्रयोजन कौमुदी सीखनवालोंको है अस्तु, यदि इस पुस्तकसे विद्यार्थियोंको कुछभी लाभ होगा तो मैं अपना परिश्रम सफल समझूगा

आखिरमें सब सज्जन लोगोंसे मैं सविनय यही प्रार्थना करता हू कि इसमें कहा भ्रमवशसे गणमें पदमें, अर्थमें या उपसर्गोंके क्रममें गलती हो गई हो तो क्षमा करके मुझे उपकृत करें इति शम्

सज्जनकृपाभिलाषी-

काळे इत्युपाव्ह काशीनाथात्मज गणेशशर्मा.

॥ श्रीः ॥

अर्थ भाषार्थसहित
संस्कृत धातुकोश।

अ

अक् (१ प० अकति) १ जाना २ टेढा जाना

अक्ष् (१ प० अक्षति, ५ प० अक्ष्णोति) १ इच्छितार्थ प्राप्त होना २ पैठना, घुसना ३ सब जगह फैलना, व्यापना ४ बटरना, एकत्र होना, जमा होना

अग् (१ प० अगति) १ घूमना, टेढा जाना २ टेढे रास्तेसे जाना ३ जाना

अगद (११ प० अगद्यति) १ नीरोग रहना

अघ् (प्र०, १० प० अघयति) १ पाप करना २ गुनाह करना, अपराध करना

अङ्क् (१ आ० अङ्कते) १ टेढा जाना २ चिह्न करना, निशान करना (१० उ० अङ्कयति-ते) चिह्न करना, निशान करना २ गिनना ३ निंदा करना, दाग लगाना. ४ टहलना, अकडके चलना ५ गोदमें लेना

अङ्ख् (१० प०अङ्खयति) १ रेंगना, हाथ पांवसे चलना २ लटकना, लगा रहना ३ अटकाना

अङ्ग् (१ प० अङ्गति) १ समीप जाना या आना २ चलना, टहलना (१० प० अङ्गयति) १ टहलना, चारों ओर जाना २ चिह्न करना, निशान करना

पारि-(पल्यङ्गयति) १ प्रवृत्त करना, जगाना, उकसाना

विपरि-(विपल्यङ्गयति) १ छिपाना, ढांपना

अङ्घ् (१ आ० अङ्घते) १ जाने लगना २ शुरू करना ३ जल्दी जाना ४ जल्दी करना ५ धमकाना, घुटकना, दाग लगाना ६ जूआ आदि खेलना

अच् (१ उ०अचति-ते) १जाना, चलना २ आदर करना, मान करना ३ मांगना

अज् (१ प० अजति) १ जाना. २ हांकना, दौडाना ३ फेंकना

अञ्च् (१ उ० अञ्चति-ते) १ झुकाना, टेढा करना २ किसी ओर झुकना, जाना ३ पूजना, मान करना ४ सवारना, शोभित करना ५ मागना, चाहना ६ कुडकुडाना, अस्पष्ट बोलना अव-१ दक्षिणका ओर जाना उद्-१ उत्तरका ओर जाना पर-१ साधा जाना २ बाजसे हो जाना प्र-१ पूवका आर जाना प्रति-१ पाश्चमका ओर जाना (१ प० अचति, प्र० १० उ० अचयति-त) १ प्रकट करना, न्यूनाधिक देखना, (प्र० १० उ० अचयति-त) १ प्रकट करना, जाहिर करना अप-१ दूर करना, हटा देना आ-१ झुकाना उप १ निकालना (जल आदि) परि-१ घुमाना वि-१ फैलाना, विस्तृत करना सम्-१ एकत्र करना, बटोरना, जमा करना

अञ्ज् (७ प० अनक्ति, कचित् आ० अङ्क्ते) १ जाना २ साफ करना, स्वच्छ करना ३ सराहना, तारीफ करना ४ चमकना, प्रकाशित होना ५ तैलमर्दन करना, अभ्यंजन करना ६ सँवारना, सजाना अभि-१ अभ्यंजन करना, तैलमर्दन करना वि-१ स्पष्ट करना २ उत्पन्न करना अधि-१ भरना, सँवारना आ-१ तेल मलना २ चिकना करना, चिकनाना ३ मान करना नि-१ तेल मलना २ छिपना प्रति-१ तेल मलना २ सँवारना, सजाना सम्-१ तेल मलना २ मान करना ३ भरना, ४ एकत्र करना, जोडना ५ खाना ६ सँवारना (प्र०, १० उ० अञ्जयति-ते) १ बोलना, स्पष्ट करना

अट् (१ प० अटति कचित् आ० अटते) १ घूमना, फिरना, पार-१ जाना, भटकना

अट्ट् (१ आ० अट्टते) १ अधिक होना २ मार डालना ३ दुःख देना (१० प० अट्टयति) १ अनादर करना, अपमान करना २ सूक्ष्म होना

अठ् (१ प० अठति) १ जाना

अड्ड् (१ प० अडति) १ उद्यम करना, प्रयत्न करना (५ प० अड्नोति) उपभोग करना, अपने अधिकारमें लाना (वै०) १ फैलना, व्यापना

अड्ड् (१ प० अड्डति) १ जोड़ना, संयुक्त करना. २ वाक्यादिकों का प्रतिपादन करना ३ हल्ला करना, घेर लेना ४ प्रयत्न करना. ५ फर्याद करना

अण् (१ प० अणति) १ शब्द करना, आवाज करना (४ आ० अण्यते) १ जीते रहना, जीना, श्वासोच्छ्वास करना. २ बलवान् होना प्र–१ जीना.

अण्ठ् (१ अण्ठते) १ जाना, चलना

अत् (१ प० अतति) १ जाना २ सदैव जाते रहना (वे०) १ बाधना, २ पाना, हासिल करना

अद् (२ प० अत्ति) १ खाना, भक्षण करना. २ नष्ट करना (प्र० आदयति) १ खिलाना (इ० प० जिघत्सति) १ खानेकी इच्छा करना अव–१ तृप्त होना २ मुँह बंद हो जाना. ३ खाना छोड देना. आ–१ खाना. प्र–१ खाना. सम्–१ खाना. वि–१ काटना, कुतर लेना, चबाना.

अधरयति (नामधातु) १ कम करना, न्यून करना. २ जीतना

अन् (२ प० अनिति, ४ आ० अन्यते) १ जाना २ समर्थ होना. ३ जाना. (प्र० आनयति) १ जिलाना.

अन्त् (१ प० अन्तति)
अन्द् (१ प० अन्दति) } १ बांधना.

अन्दोल (१० प० अन्दोलयति) झुलाना, हिलाना.

अन्ध् (१० उ० अन्धयति–ते) १ अंधा होना, दिखाई न देना २ आंखे मूंदना

अभ्र् (१ प० अभ्रति) १ जाना.

अम् (१ प० अमति, वे० आमिति, अमीति) १ जाना २ शब्द करना, बोलना ३ सेवा करना ४ खाना (प्र०, १० उ० आमयति–ते) १ बीमार होना, रोगग्रस्त होना. २ रोगयुक्त करना.

अम्ब् (१ प० अम्बति) १ जाना. (१ आ० अम्बते) १ शब्द करना २ जाना.

अम्बर (११ प० अम्बरयति) १ एकत्र करना, बटोरना.

अम्भ् (१ आ० अम्भते) १ शब्द करना.

अय् (१ आ० अयते क्वचित् प० अयति) १ जाना प्र–(प्लायते) १ भाग जाना. परा–(पलायते) १ भाग जाना

अरर (११ प० अररयति) १ आरे

से काटना. २ यत्न करना.

अरहायते (ना०) १ प्रसिद्ध होना, समझमे आना.

अर्क् (१० उ० अर्कयति–ते) १ प्रशसा करना, स्तुति करना. २ तपाना, गरम करना.

अर्घ् (१ प० अर्घति) १ पीडा देना, सताना. २ कीमत होना, मोल पडना, कीमती होना. (१० उ० अर्घयति–ते) १ कीमत होना, मोल पडना.

अर्च् (१ उ० अर्चति–ते, १० उ० अर्चयति–ते) १ पूजा करना. २ सेवा करना ३ मान करना. ४ सँवारना. ५ प्रशसा या स्तुति करना (वे०) चमकना. प्रकाशित होना (इ० अर्चिचिषति) १ पूजनेकी इच्छा करना. अनु–१ जयजयकार करना या मानना. प्र–१ पूजना. सम्–१ पूजना. २ स्थिर करना, सस्थापन करना

अर्ज् (१ प० अर्जति) १ सपादन करना, पाना. २ उठाना. (१० उ० अर्जयति–ते) १ कमाना, पाना. २ तैयार करना. ३ उद्योग करना. ४ पदार्थको सस्कृत करना. अति–१ जाने देना. २ दूर करना. अनु–१ जाने देना, मुक्त करना. अन्वव–१ पीछेसे जाने देना २ हराना. अपि–१ जोडना. अप्यति–१ जोडना, मिलाना. अव–१ जाने देना, मुक्त करना. उद्–१ चलाना. (प्र०) १ सपादन करना.

अर्थ् (१० आ० अर्थयते क्वचित् प० अर्थयति) १ मांगना, याचना करना २ चाहना. प्र–१ मागना. २ चाहना. ३ ढूंढना. ४ पकडना, घेरना. ५ अर्ज करना. ६ विवाहमें मांगना

अर्द् (१ प० अर्दति) १ मांगना, याचना करना. २ जाना (१ उ० अर्दति–ते, १० उ०अर्दयति–ते) १ मार डालना, बधना. २ दुःख देना, सताना

अर्ब् (१ प० अर्बति) १ मार डालना, बधना २ जाना.

अर्व् (१ प०अर्वति) १ मार डालना, बधना.२दुःख देना,सताना.

अर्ह् (१ प० अर्हति १० उ० अर्हयति–ते) १ पूजा करना, सत्कार करना. २ पूजनीय होना, पूजा करने योग्य होना. ३ योग्य होना या करना.

अल् (१ उ०अलति–ते) १ सँवारना, भूषित करना. २ निवारण

करना. ३ शक्तिमान् होना. ४ पूरा करना.

अव् (१ प० अवति) १ सरक्षण करना, बचाना. २ सतुष्ट करना, आनदित करना, खुश करना. ३ घूमना, भटकना. ४ प्यारा होना, प्यार बढाना. ५ तृप्त करना, समाधान करना. ६ जानना, समझना. ७ प्रवेश करना, पैठना, घुसना, धसना. ८ पास रखना, पास होना. ९ मालिक होना, प्रभु होना. १० आज्ञा मानना, हुक्म मानना. ११ वर्तना, काम करना. १२ इच्छा करना, चाहना, १३ कांतियुक्त होना, चमकना, शोभित होना. १४ प्राप्त होना, मिलना, पाना. १५ आलिंगन करना, गले लगाना. १६ मार डालना या दुःख देना, सताना. १७ ग्रहण करना, लेना. १८ होना. १९ बढना. २० शक्तिमान् होना. २१ दहन करना, जलाना. २२ विभाग करना, हिस्सा करना, बांटना. २३ श्रवण करना, सुनना. २४ याचना करना, मांगना. २५ पहुँचना. अनु–१ ढाढस देना. उद्–१ ध्यान देना. २ बाट जोहना. ३ प्रवृत्त करना. उप–१ स्नेह करना. सम्–१ तृप्त करना. २ संरक्षण करना.

अवधीर् (उ० अवधीरयति–ते) १ अपमान करना, तिरस्कृत करना, घिन करना.

अश् (५ आ० अश्नुते) १ फैलना, व्यापना. २ पहुँचना. ३ पाना, प्राप्त करना. ४ सग्रह करना, बटोरना, राशि करना, ढेर करना. अनु–१ पहुँचना. २ समान होना. आ–१ पहुँचना. २ पाना, प्राप्त करना. ३ सौंपना (अपनेको). उद्–१ ऊपरको पहुँचना. २ पाना, प्राप्त करना. ३ शासक होना. उप–१ पाना, प्राप्त करना, उपार्जन करना. २ शासक होना. परि–१ पहुँचना. २ समाना, पूर्ण होना. प्र–१ पहुँचना. २ समाना, परिपूर्ण होना. (९ प० अश्नाति क्वचित् आ०) खाना. २ भोगना. अति–१ अधिक खाना. उप–१ खाना. २ भोगना. अति–१ अधिक खाना. उप–१ खाना. २ भोगना. (प्र० आशयति) १ खिलाना. २ पिलाना.

अशनायति (ना०) १ खानेकी इच्छा करना, क्षुधित होना.

अंश् (१० उ० अंशयति–ते, अंशापयति) १ विभाग करना, बांटना.

अप् (१ उ० अपति-ते) १ जाना, टहलना. २ ग्रहण करना, लेना. ३ चमकना.

अस् (१ उ० असति-ते) १ जाना, २ लेना. ३ चमकना. (२ प० अस्ति) १ होना, रहना. (४ प० अस्यति) १ फेकना, बिथराना, उडाना अनु-१ नीचे बैठना. अप-१ छोडना, त्यागना, वर्जित करना नि-१ रखना, धरना, स्थापित करना. निर्-१ निकाल देना, बहिष्कृत करना. पर्युप-१ चारों ओर घिर बैठना. २ उपासना करना. प्र-१ फेकना, बिथराना, उडाना. २ खडन करना, स्वीकार नही करना, मान्य नही करना वि-१ विभाग करना, हिस्सा करना. व्या-१ फैलाना, विस्तृत करना २ क्रमसे लगाना, अनुक्रमसे रखना सनि-१ सन्यास धारण करना, प्रपच छोडना, विरक्त होना. सम्-१ एकत्र होना. सम्-१ एकत्र करना, इकट्ठा करना, मिलाना

अस (११ प० अस्यति) १ बीमार होना, रोगग्रस्त होना

अंस् (१० उ० असयति-ते, असापयति) १ विभाग करना, हिस्सा करना, बांटना.

असु (११ प० असूयति) १ रोगी होना, बीमार होना.

असू (११ उ० असूयति-ते) १ रोगी होना, बीमार होना.

अस्त् (१० प० अस्तयति) १ अस्त होना, कांतिहीन होना, ग्रसित होना.

अह् (५ प० अह्नोति) १ फैलना विस्तृत होना, व्यापना.

अंह् (१ आ० अहते) १ जाना, (१० उ० अहयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना.

आ.

आञ्छ् (१ प० आञ्छति) १ बढाना, दीर्घ करना, लबा करना.

आन्दोल् (१० उ० आन्दोलयति-ते) १ झुलाना

आप् (५ प० आप्नोति) १ व्यापना अभिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. अव-१ प्राप्त होना, मिलना, पाना. उपसम्-१ समीप प्राप्त होना, पास आना. २ ग्रथादिककी समाप्ति करना. परि-१ तृप्त करना. २ परिपूर्ति करना. परिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. प्र-१ प्राप्त होना, पाना. वि-१ व्यापना सवि-१ अच्छी तरह व्यापना (१० उ० आपयति-ते) १ प्राप्त होना,

पाना. अभिवि–१ चारों ओरसे व्यापना. अव–१ पाना. परि–१ चारों ओरसे व्यापना. परिसम्–१ समाप्त करना, पूरा करना.

आस् (२ आ० आस्ते) १ बैठना. २ उपस्थित होना, विद्यमान होना, हजर रहना. ३ जीना. ४ होना. अभि–१ वास करना, रहना. २ ऊपर बैठना. ३ वस्तुसादृश्यके होनेसे इच्छित वस्तुको छोडके दूसरी वस्तुको लेना. अभि–१ अध्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. उत्–१ छोडना, त्यागना, उपेक्षा करना. २ हिलाना, कंपित करना, कंपाना. उप–१ उपासना करना, भजन करना. निर्–१ बाहर निकाल देना, देशसे निकाल देना.

इ.

इ (१ प० अयति) १ जाना. अभ्युत्–१ ऐश्वर्यादिकसे प्रसिद्ध होना. उत्–१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. परा–१ पीछे लौटना. पला–१ दौडना, भागना, भाग जाना. (२ प० एति) १ जाना. अति–१ अतिक्रमण करना, समय बिताना. अधिक श्रेष्ठ होना. अधि–१ स्मरण करना, याद करना. २ विचार करना, मनन करना. अनु–१ पीछेसे जाना. २ अनुसरण करना ३ अनुकरण करना, दूसरेके समान करना. अप–१ निकल जाना. अभि–१ सामने आना. २ सर्वत्र जाना. अभ्युत्–ऐश्वर्यादिकसे प्रसिद्ध होना. अभ्युप–१ अंगीकार करना, स्वीकार करना. २ संमुख आना, सामने आना. अव–१ जानना, समझना. उत्–१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. उप–१ साथ करना, मदद देना. २ पास आना या जाना. ३ लेना. निर्–१ निकल जाना. परि–१ चारों ओर घूमना, प्रदक्षिणा करना. परा–१ पीछे लौटना. सम्–१ संगत होना, मिलना. समुप–१ सामने आना. अधि–(२ आ० अधीते) १ अध्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. वि–१ व्यय करना, खर्च करना. २ विध्वस्त करना, नहस नहस करना. प्रति–१ स्पष्ट होना. २ विश्वास करना.

इख् (१ प० एखति) १ जाना.

इङ्ख् (१ प० इङ्खति) १ जाना.

अप् (१ उ० अपति-ते) १ जाना, टहलना. २ ग्रहण करना, लेना. ३ चमकना.

अस् (१ उ० असति-ते) १ जाना, २ लेना. ३ चमकना. (२ प० अस्ति) १ होना, रहना. (४ प० अस्यति) १ फेकना, बिथराना, उडाना. अनु-१ नीचे बैठना. अप-१ छोडना, त्यागना, वर्जित करना. नि-१ रखना, धरना, स्थापित करना. निर्-१ निकाल देना, बहिष्कृत करना. पर्युप-१ चारों ओर घिर बैठना. २ उपासना करना. प्र-१ फेकना, बिथराना, उडाना. २ खडन करना, स्वीकार नहीं करना, मान्य नहीं करना. वि-१ विभाग करना, हिस्सा करना. व्या-१ फैलाना, विस्तृत करना २ क्रमसे लगाना, अनु क्रमसे रखना सनि-१ सन्यास धारण करना, प्रपच छोडना, विरक्त होना. सम्-१ एकत्र होना. सम्-१ एकत्र करना, इकट्ठा करना, मिलाना

अस (११ प० अस्यति) १ बीमार होना, रोगग्रस्त होना.

अंस् (१० उ० असयति-ते, असापयति) १ विभाग करना, हिस्सा करना, बाटना.

असु (११ प० असूयति) १ रोगी होना, बीमार होना.

असू (११ उ० असूयति-ते)१रोगी होना, बीमार होना.

अस्त् (१० प० अस्तयति) १ अस्त होना, कांतिहीन होना, ग्रसित होना.

अह (५ प० अह्नोति) १ फैलना विस्तृत होना, व्यापना

अंह् (१ आ० अहते) १ जाना, (१० उ० अहयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना.

आ.

आञ्छ् (१ प० आञ्छति) १ बढाना, दीर्घ करना, लबा करना.

आन्दोल् (१० उ० आन्दोलयति-ते) १ झुलाना.

आप् (५ प० आप्नोति) १ व्यापना अभिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. अव-१ प्राप्त होना, मिलना, पाना उपसम्-१ समीप प्राप्त होना, पास आना. २ ग्रथादिककी समाप्ति करना. परि-१ तृप्त करना. २ परिपूर्ति करना. परिवि-१ चारों ओरसे व्यापना. प्र-१ प्राप्त होना, पाना. वि-१ व्यापना सवि-१ अच्छी तरह व्यापना. (१० उ० आपयति-ते) १ प्राप्त होना,

पाना. अभिवि–१ चारों ओरसे व्यापना. अव–१ पाना. परि–१ चारों ओरसे व्यापना. परिसम्–१ समाप्त करना, पूरा करना.

आस् (२ आ० आस्ते) १ बैठना. २ उपस्थित होना, विद्यमान होना, हजर रहना. ३ जीना. ४ होना. अभि–१ वास करना, रहना. २ ऊपर बैठना. ३ वस्तुसादृश्यके होनेमें इच्छित वस्तुको छोडके दूसरी वस्तुको लेना. अभि–१ अध्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. उद्–१ छोडना, त्यागना, उपेक्षा करना. २ हिलाना, कंपित करना, कंपाना. उप–१ उपासना करना, भजन करना. निर्–१ बाहर निकाल देना, देशसे निकाल देना.

इ.

इ (१ प० अयति) १ जाना अभ्युत्–१ ऐश्वर्यादिकसे प्रसिद्ध होना उत्–१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. परा–१ पीछे लौटना. पला–१ दौडना, भागना, भाग जाना (२ प० एति) १ जाना अति–१ अतिक्रमण करना. समय बिताना. अधिक श्रेष्ठ होना. अधि–१ स्मरण करना, याद करना. २ विचार करना, मनन करना. अनु–१ पीछेसे जाना. २ अनुसरण करना ३ अनुकरण करना, दूसरेके समान करना. अप–१ निकल जाना. अभि–१ सामने आना. २ समीप जाना. अभ्युत्–ऐश्वर्यादिकसे प्रसिद्ध होना. अभ्युप–१ अंगीकार करना, स्वीकार करना. २ सन्मुख आना, सामने आना. अव–१ जानना, समझना. उद्–१ उदय होना, उगना. २ ऊपर जाना. उप–१ साथ करना, मदद देना. २ पास आना या जाना. ३ लेना. निर्–१ निकल जाना. परि–१ चारों ओर घूमना, प्रदक्षिणा करना. परा–१ पीछे लौटना. सम्–१ संगत होना, मिलना. समुप–१ सामने आना. अधि–(२ आ० अधीते) १ अध्ययन करना, अभ्यास करना, सीखना. वि–१ व्यय करना, खर्च करना. २ विध्वंस करना, तहस नहस करना प्रति–१ स्पष्ट होना. २ विश्वास करना.

इख् (१ प० एखति) १ जाना.

इङ्ख् (१ प० इङ्खति) १ जाना.

इङ्ग् (१ प० इङ्गति) १ जाना २ कांपना, थरथराना

इट (१ प० एटति) १ जाना

इन्दु (१ प० इन्दति) १ अमानवी पराक्रम होना, ईश्वरी शक्ति होना

इन्ध् (७ आ० इन्धे) १ प्रदीप्त होना, जलना २ प्रकाशित होना, चमकना

इम्भ् (१० आ० इम्भयते) १ एकत्र करना इकट्ठा करना, बटारना

इर् (११ उ० ईर्यति-ते) १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना

इरज् (११ प० इरज्यति) }
इरम (११ प० इरस्यति) } १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना

इल (६ प० इलति) १ सोना, नींद लेना २ जाना ३ भेजना ४ फेंकना, उडाना, बिखरना (१० उ० एलयति-ते) १ प्रेरणा करना, प्रोत्साहित करना

इला (११ प० इलायति) १ विलास करना

इव् (१ प० इन्वति) १ तृप्त होना २ व्यापना ३ सतुष्ट करना, खुश करना

इवस् (११ प० इवस्यति) १ चारों ओरसे संताप होना २ सेवा करना

इष् (४ प० इष्यति) १ जाना अनु-१ ढूढना, खोजना (६ प० इच्छति) १ इच्छा करना, चाहना अनु-१ ढूढना प्रति-१ ग्रहण करना, लेना २ प्रतिवचन देना (९ प० इष्णाति) १ कोई कर्म बराबर करना

इषुध (११ प० इषुध्यति) १ बाणोंको धारण करना

ई.

ई (२ प० एति) १ जाना २ फैलना, व्यापना ३ गर्भवती होना, गाभिन होना ४ इच्छा करना, चाहना ५ भक्षण करना, खाना ६ उडाना, फेंकना ७ भेजना, प्रेरणा करना (४ आ० ईयते) १ जाना, चलना

ईक्ष् (१ आ० ईक्षते) १ देखना, अवलोकन करना अव-१ प्रतीक्षा करना, बाट जोहना २ अपेक्षा करना, चाहना अभि-१ टक लगाना, टकटकी बांधना आ-१ देखना, निहारना उद्-१ ऊपर देखना उप-१ उपेक्षा करना, छोडना, त्यागना निर्-१ देखना, ताकना परि-१ परीक्षा करना, सोचना, जांचना प्र-१ देखना निहारना २ कबूल करना वि-१ देखना,

ताकना. प्रति-१ मार्गप्रतीक्षा करना, वांट जोहना. २ पूज्य बुद्धिसे आदर सत्कार करना, मानना. प्रत्युत्-१ दूसरेके देखनेपर आपभी उसकी ओर टकटकी लगाके निहारना. सम्-१ तुलना करना, बराबरी करना.

ईख् (१ प० ईखति) } १ जाना.
ईङ्ख् (१ प० ईङ्खति) }

ईज् (१ आ० ईजते) १ जाना. २ दोष लगाना, निंदा करना.

ईञ्ज् (१ उ० ईञ्जति-ते) १ जाना. २ दोष लगाना, निंदा करना.

ईड् (२ आ० ईट्टे, १० उ० ईडयति-ते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.

ईन्त् (१ प० ईन्तति) १ बांधना, जकडना.

ईर् (१० उ० ईरयति-ते) १ जाना. २ हांकना, प्रेरणा करना. ३ फेंकना. उत्-कहना, बोलना. प्र-१ भेजना. सम्-१ वायुके समान जाना. (१ प० ईरति) १ जाना. २ हांकना, प्रेरणा करना. ३ फेंकना. (२ आ० ईर्ते) १ जाना. २ कांपना, थरथराना, हिलाना.

ईर्क्ष्य् (१ प० ईर्क्ष्यति) १ ईर्षा करना, मत्सर करना.

ईर्ष्य् (१ प० ईर्ष्यति) १ ईर्षा करना, मत्सर करना.

ईश् (२ आ० ईष्टे) १ अधिकार होना, चाहे सो करनेकी शक्ति होना.

ईष् (१ आ० ईषते) १ जाना. २ मार डालना या दुःख देना. ३ देखना, अवलोकन करना. ४ (१ प० ईषति) १ उच्छन करना, विनना.

ईह् (१ आ० ईहते) १ यत्न करना, उद्योग करना. २ सम्-१ इच्छा करना, चाहना.

उ.

उ (आ० अवते) १ शब्द करना, आवाज करना.

उक्ष् (१ प० उक्षति) १ निर्मल करना, स्वच्छ करना, साफ करना. २ गीला करना, प्रोक्षण करना, सींचना. ३ भेजना. (वे०) १ दृढ होना. प्र-१ सींचना. २ जलसिंचनसे संस्कृत करना. ३ मार डालना.

उख् (१ प० ओखति) } १ जाना.
उङ्ख् (१ प० उङ्खति) } २ पास जाना या आना. ३ अलकृत

इङ्ग् (१ प० इङ्गति) १ जाना. २ कांपना, थरथराना.

इट् (१ प० एटति) १ जाना.

इन्द् (१ प० इन्दति) १ अमानवी पराक्रम होना, ईश्वरी शक्ति होना.

इन्ध् (७ आ० इन्धे) १ प्रदीप्त होना, जलना. २ प्रकाशित होना, चमकना.

इम्भ् (१० आ० इम्भयते) १ एकत्र करना इकट्ठा करना, बटोरना

इर् (११ उ० ईर्यति-ते) १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना

इरज् (११ प० इरज्यति)
इरम् (११ प० इरस्यति) } १ ईर्ष्या करना, मत्सर करना

इल (६ प० इलति) १ सोना, नीद लेना २ जाना. ३ भेजना. ४ फेंकना, उडाना, बिथराना (१० उ० एलयति-ते) १ प्रेरणा करना, प्रोत्साहित करना

इला (११ प० इलायति) १ विलास करना

इव् (१ प० इन्वति) १ तृप्त होना २ व्यापना. ३ सतुष्ट करना, खुश करना.

इवस् (११ प० इवस्यति) १ चारों ओरसे सताप होना. २ सेवा करना

इष् (४ प० इष्यति) १ जाना. अनु-१ ढूंढना, खोजना (६ प० इच्छति) १ इच्छा करना, चाहना अनु-१ ढूंढना प्रति-१ ग्रहण करना, लेना २ प्रतिवचन देना (९ प० इष्णाति) १ कोई कर्म बराबर करना.

इषुध (११ प० इषुध्यति) १ बाणोंको धारण करना.

ई.

ई (२ प० एति) १ जाना २ फैलना, व्यापना ३ गर्भवती होना, गाभिन होना ४ इच्छा करना, चाहना. ५ भक्षण करना, खाना ६ उडाना, फेंकना. ७ भेजना, प्रेरणा करना. (४ आ० ईयते) १ जाना, चलना.

ईक्ष् (१ आ० ईक्षते) १ देखना, अवलोकन करना. अप-१ प्रतीक्षा करना, बाट जोहना. २ अपेक्षा करना, चाहना. अभि-१ टक लगाना, टकटकी बांधना अव-१ देखना, निहारना. उत्-१ ऊपर देखना. उप-१ उपेक्षा करना, छोडना, त्यागना. निर्-१ देखना, ताकना. परि-१ परीक्षा करना, सोचना, जांचना. प्र-१ देखना निहारना. २ कबूल करना. वि-१ देखना,

ताकना प्रति-१ मार्गप्रतीक्षा करना, बाट जोहना २ पूज्य बुद्धिसे आदर सत्कार करना, मानना प्रत्युद्-१ दूसरेके दृष्टि देनेपर आपभी उसकी ओर टकटकी लगाके निहारना सम्-१ तुलना करना, बराबरी करना

ईख् (१ प० ईखति) } १ जाना
ईङ्ख् (१ प० ईङ्खति) }

ईज् (१ आ० ईजते) १ जाना २ दोष लगाना, निंदा करना

ईञ्ज (१ उ० ईञ्जति त) १ जाना २ दोष लगाना, निंदा करना

ईड् (२ आ ईट्टे, १ उ० ईड यति-ते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना

ईन्त् (१ प ईन्तति) १ बाँधना, जकड़ना

ईर् (१० उ० ईरयति-ते) १ जाना २ हाँकना, प्रेरणा करना ३ फेंकना उत्-कहना, बोलना प्र-१ भेजना सम्-१ वायुके समान जाना (१ प० ईरति) १ जाना २ हाँकना, प्रेरणा करना ३ फेंकना (२ आ० ईर्ते) १ जाना २ काँपना, थरथराना, हिलाना

ईर्क्ष्य् (१ प० ईर्क्ष्यति) १ ईर्षा करना, मत्सर करना

ईर्ष्य् (१ प० ईर्ष्यति) १ ईर्षा करना, मत्सर करना

ईश् (२ आ० ईष्टे) १ अधिकार होना, चाहे सो करनेकी शक्ति होना

ईष् (१ आ० ईषते) १ जाना २ मार डालना या दुःख देना ३ देखना, अवलोकन करना ४ (१ प ईषति) १ उञ्छन करना, चिनना

ईह् (१ आ० ईहते) १ यत्न करना, उद्योग करना २ सम्-१ इच्छा करना, चाहना

उ.

उ (आ अवते) १ शब्द करना, आवाज करना

उक्ष् (१ प० उक्षति) १ निर्मल करना, स्वच्छ करना, साफ करना २ गीला करना, प्रोक्षण करना, सींचना ३ भेजना (व०) १ दृढ होना प्र-१ सींचना २ जलसिंचनसे संस्कार करना ३ मार डालना

उख् (१ प० ओखति) } १ जाना
उङ्ख् (१ प० उङ्खति) } २ पास जाना या आना ३ अङ्कित

करना, सँवारना, शुष्क होना, सूखना ५ म्लान होना, मुर्झाना
उच् (४ प० उच्यति) १ एकत्र होना, इकट्ठा होना २ एकत्र करना, इकट्ठा करना, बटोरना
उछ् (१ प० उच्छति, वि-व्युच्छति) १ पूरा करना, समाप्त करना २ छोडना, त्यागना ३ बांधना, जकडकर बांधना प्र-१ पोछना
उज्ज् (६ प० उज्जति) १ साधारीतिसे वर्ताव करना
उज्झ (६ प० उज्झति) १ छोडना, त्यागना प्र-१ छूट जाना, मुक्त होना
उञ्छ् (१ प० उञ्छति) १ थोडा २ एकत्र करना, थोडा २ बटोरना ३ बिनना, उञ्छन करना, चुनना
उठ् (१ प० ओठति) १ मारना, ठोंकना, नीचे गिराना
उन्द् (७ प० उनत्ति) १ आर्द्र होना, गीला होना
उध्रस् (९ प० उध्रस्नाति, १० उ० उध्रासयति-ते) १ हर समय थोडा २ चुनना, बिनना
उब्ज् (६ प उब्जति) १ साधी गतिमे करना, साधी गीतिमे वर्ताव करना २ दबाना, दमन करना, नि-१ अधोमुख होना
उभ् (६ प० उभति) १ भरना, पूर्ण करना
उम्भ् (६ प उम्भति) १ भरना, पूर्ण करना
उर् (१ प० ओरति) १ जाना चलना.
उरस् (११ प० उरस्यति) १ बलवान होना
उर्ज् (१० प ऊर्जयति) १ छोटना
उर्द् (१ आ० ऊर्दते) १ नापना, गिनना २ नाटा करना, खेलना
उर्व् (१ प० ऊर्वति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना
उल् (३ प ओलति) १ जलना
उलण्ड् (१० उ० उलण्डयति ते) १ फेंकना, उपर फेंकना, उठाना, झोंकना
उष् (१ प ओषति) १ हिंसा करना, वधना २ जलना
उषस् (११ प० उषस्यति) १ प्रभात होना, पौ फटना
उह् (१ प ओहति) १ मार डालना, नष्ट करना २ दुःख देना, सताना

ऊ.

ऊठ (१ प ऊठति) १ मारना, ठोंकना, नीचे गिराना

ऊन् (१० उ० ऊनयति–ते) १ कम करना, घटाना. २ नापना, गिनना. ३ सक्षेप करना.

ऊय् (१ आ० ऊयते) १ सीना. २ बुनना.

ऊर्ज् (१० उ० ऊर्जयति–ते) १ शक्तिमान् होना, पराक्रमी होना. २ जीना. ३ जिलाना.

ऊर्णु (२ उ० ऊर्णोति, ऊर्णाति, ऊर्णुते) १ आच्छादन करना, ढकना.

ऊर्द् (१ आ० ऊर्दते) १ नापना, गिनना. २ क्रीडा करना, खेलना.

ऊष् (१ प० ऊषति) १ रोगी होना, बीमार होना. २ एकत्र होना, इकट्ठा होना

ऊह् (१ आ० ऊहते) १ ऊहापोह करना, कल्पना करना, तर्क करना प्रवि–१ कुछ कालतक ठहरना. वि–१ व्यूहरचना करना सम्–१ एकत्र होना, इकट्ठा होना.

ऋ.

ऋ (१ प० ऋच्छति) १ जाना. २ सपादन करना, प्राप्त करना, मिलाना. ३ पहुँचाना. (३ प० इयर्ति) १ जाना. २ फैलाना. (५ प ऋणोति) १ हिंसा करना, मार डालना, व धना.

ऋक्ष् (५ प० ऋक्ष्णोति) ऋक्षि (५ प० ऋक्षिणोति) १ मार डालना या दुःख देना. २ दुःख देनेका यत्न करना.

ऋच् (६ प० ऋचति) १ प्रशसा करना, स्तुति करना २ आच्छादित करना, ढकना. ३ चमकना.

ऋच्छ् (६ प० ऋच्छति) १ जाना. २ कठिन होना, दृढ होना. ३ इंद्रियका बल घट जाना

ऋज् (१ आ० अर्जते) १ जाना. २ खडा रहना. स्थिर होना. ३ बलिष्ठ होना, सामर्थ्यवान् होना. ४ जीना. ५ सपादन करना, प्राप्त करना, मिलाना.

ऋञ्ज् (१ आ० ऋञ्जते) १ भूजना.

ऋण् (८ उ० अर्णोति–अर्णुते, ऋणोति–ऋणुते) १ जाना, गमन करना.

ऋत् (१ प० अर्तति) १ जाना. २ शक्ति होना, अधिकार होना. ३ द्वेष करना, शत्रुता करना. ४ कठिनतासे शासन करना, कठिनाईसे अमल चलाना. (२ आ० ऋतीयते) १ निंदा करना, दोष लगाना २ कृपा करना, दया करना, मिहर करना.

पयाने-ने) १ कहना. २ व्याख्यान करना, बयान करना.

कद् (१ आ० कदते) १ भ्रमित होना, घबर जाना, व्याकुल होना. २ पुकारना. ३ रोना. ४ मार डालना. (४ आ० कद्यते) भ्रमित होना.

कन् (१ प० कनति) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ चाहना, प्रीति करना. ३ समीप जाना या आना. ४ तृप्त होना.

कन्द् (प० कन्दति) १ रोना २ बुलाना. (१ आ० कन्दते) १ भ्रमित होना, घबर जाना. २ घबराना. ३ मार डालना.

कब् (१ आ० कबते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ रंग देना, रंगाना

कम् (१ आ० कामयते) १ चाहना, इच्छा करना.

कम्प् (१ आ० कम्पते) १ हिलना, कांपना. अनु-१ दया करना.

कम्ब् (१ प० कम्बति) १ जाना.

कर्क् (१ प० कर्कति) १ हँसना. (सौ०)

कर्ष् (१ प० कर्षति) १ जाना.

कर्ज् (१ प० कर्जति) १ पीडा करना, सताना

कर्ण् (१० उ० कर्णयति-ते) १ वेधना, बांधना, छेदना, कोंचना. उपा-१ सुनना. समा-१ सुनना.

कर्त् (१० उ० कर्तयति-ते) १ छोडना, मुक्त करना, ढीला करना.

कर्त्र् (१० प० कर्त्रयति) १ छोडना, मुक्त करना, ढीला करना.

कर्द् (१ प० कर्दति) १ कौवे-केसा शब्द करना. २ पेटमें गुडगुटना, अन्न कूजन होना.

कर्ब् (१ प० कर्बति) १ जाना.

कर्व् (१ प० कर्वति) १ गर्व करना, बडाई करना.

कल् (१ आ० कलते) १ शब्द करना. २ गिनना. (१० उ० कालयति-ते) १ उडाना, फेंकना. (१० उ० कलयति-ते) १ जाना. २ गिनना. आङ्-प० १ बांधना. २ लेना. परि-प० १ याद रखना. वि-प० १ व्याकुल होना. सन्-प० १ सारांश निकालके कहना, तात्पर्य कहना.

कल्ल् (१ आ० कल्लते) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ शब्द करना. ३ गूंगा होना, शब्द न करना.

कव् (आ० कवते) १ कविता

करना, वर्णन करना. २ तसवीरें खींचना.

कश् (१ उ० कशति-ते) १ मार डालना, दुःख देना. २ दंड देना, शासन करना.

कष् (१ प० कषति, १० प० कषयति) १ मार डालना, दुःख देना. २ परीक्षाके लिये घिसना. वि-१ सोना रूपा आदिकी परीक्षा करना.

कस् (१ प० कसति) १ हिलना, कांपना. वि-१ खिलना. (२ आ० कस्ते) १ जाना. २ नष्ट करना. ३ आज्ञा करना, हुक्म बजाना. ४ दंड देना, शासन करना.

कंस् (२ आ० कस्ते) १ जाना. २ नष्ट करना. ३ आज्ञा करना. ४ शासन करना, दंड देना.

काङ्क्ष् (१ प० कांक्षति, आ-आकांक्षति.) १ चाहना, इच्छा करना, लोभ रखना.

काञ्च् (१ आ० काञ्चते) १ बांधना. २ चमकना, प्रकाशित होना.

काल १० उ० कालयति-ते) १ उपदेश करना. २ कालकी गिनती करना.

काश् (१ आ० काशते) १ चमकना. (४ आ० काश्यते) १ चमकना. निर् (प०) १ निकाल देना. २ छिपाना, लुकाना. प्र-१ प्रकट करना.

कास् (१ आ० कासते) १ चमकना. २ खासना, खखारना.

कि (३ प० चिकेति) १ जानना. समझना. नि-१ निश्चयपूर्वक जानना.

किट् (१ प० केटति) १ जाना. २ सताना. ३ डराना.

कित् (३ प० चिकेत्ति) १ जानना. (१० प० केतयति) १ चाहना. २ निवास करना, रहना. (१ उ० चिकित्सति-ते) १ रोगप्रतिकार करना, वैद्यकी करना. २ शासन करना. ३ नष्ट करना. वि-प० १ आशंका करना, विश्वास न रखना.

किल् (६ प० किलति) १ सपेद होना. २ क्रीडा करना, खेलना. (१० प० केलयति) १ भेजना. २ उडाना.

कीट् (१० उ० कीटयति-ते) १ रंग देना, रंगमें डुबोना. २ बांधना, बंधन करना.

कील् (१ प० कीलति) १ बांधना, कीलोंसे मजबूत करना.

कु (१ आ० कवते, २ प० कौति, ६ आ० कुवते, ९ उ० कुनाति, कुनीते) १ शब्द करना, अस्पष्ट शब्द करना. २ पक्षी या भौंरेके समान शब्द करना, गुजारव करना.

कुक् (१ आ० कोकते) १ ग्रहण करना, लेना.

कुच् (१ प० कोचति) १ पक्षीके माफ़िक जोरसे पुकारना. २ २ स्वच्छ करना, माजके सफा करना. ३ स्पर्श करना, छूना. ४ जोतना, हल चलाना. ५ वक्र होना, टेढा होना. ६ लिखना, रेखा खीचना. ७ आकुचित करना या होना. ८ कलह करना, व्यग करना. ९ रोकना, अडाना, प्रतिबध करना. सम्–१ सकोचित होना (६ प० कुचति) १ आकुचित होना या करना. स–१ आकुचित करना या होना.

कुज् (१ प० कोजति) १ चोरना, चोरी करना, मूसना.

कुश्र् (१ प० कुश्नाति) १ जाना. २ टेढा जाना. ३ टेढा होना या करना. ४ अल्प या कम होना या करना. आङ्–आकुचित होना, अकड जाना.

कुञ्ज् (१ प० कुञ्जति) १ अस्पष्ट शब्द करना, गुजारव करना.

कुट् (६ प० कुटति) १ टेढा होना. २ ठगना, फसाना. (१० आ० कोटयते) १ कतरना. २ गरम करना.

कुटुंब् (१० आ० कुटुबयते) १ परिवारका पालन करना.

कुट्ट् (१० उ० कुट्यति–ते) १ कतरना. २ निदा करना, दोष लगाना. ३ रगडना (१ प० कुट्टति, १० प० कुट्टयति) १ गरम करना.

कुड् (६ प० कुडति) १ बालकके समान खेलना. २ खाना. ३ बटोरना, जमा करना.

कुण (६ प० कुणति) १ शब्द करना. २ दानादिकसे सरक्षण करना, सभालना. ३ दुःखमे रहना. (१० उ० कुणयति–ते) १ उपदेश करना २ बोलना. ३ बुलाना.

कुण्ट् (प० कुण्टति) १ कुठित करना. २ दुःखादिसे श्रमित होना.

कुण्ठ् (१ प० कुण्ठति) १ कुठित करना. (१० उ० कुण्ठयति–ते) १ घेरना. २ कुठित करना.

कुण्ड् (१ प० कुण्डति) १ कुठित

करना. २ दुःखादिसे कुंठित होना. (१ आ० कुण्टते) १ जलना. (१० उ० कुण्डयति–ते) १ रक्षा करना, समालना.

कुत्स् (१० आ० कुत्सयते) १ दोष लगाना, निंदा करना. २ तिरस्कार करना.

कुथ् (४ प० कुथ्यति) १ बदबू आना. (९ प० कुथ्नाति) १ सलग्न होना, मिलके रहना. २ दुःखित होना, संकटग्रस्त होना.

कुन्थ् (१ प० कुन्थति) १ मार डालना. २ दुःख देना. ३ दुःख भोगना, पीडित होना. (प० कुन्थ्नाति) १ दुःख पाना. २ संयुक्त होना, मिलके रहना.

कुन्द्र् (१० उ० कुन्द्रयति–ते) १ झूंठ बोलना.

कुप् (४ प० कुप्यति) १ गुस्सा करना. (१० उ० कोपयति–ते) १ बोलना. २ चमकना.

कुम्प् (१ प० कुम्पति, १० प० कुम्पयति) १ फैलना. २ याद करना.

कुम्ब् (१ प० कुम्बति, १० प० कुम्बयति) १ आच्छादित करना, ढांपना.

कुम्भ् (१० उ० कुम्भयति–ते) १ आच्छादित करना, ढांपना.

कुमार् (१० उ० कुमारयति–ते) १ बालकके समान खेलना, क्रीडा करना.

कुमाल् (१० उ० कुमालयति–ते) १ बालकके समान खेलना, क्रीडा करना.

कुर् (६ प० कुरति) १ शब्द करना.

कुर्द् (१ आ० कूर्दते) १ खेलना, क्रीडा करना.

कुल् (१ प० कोलति) १ बटोरना. २ आपके समान बर्तना. ३ सजातीयतासे रहना. ४ गिनना. आ–१ तत्पर होना. २ व्याकुल होना.

कुश् (४ प० कुश्यति), गले लगाना, आलिंगन देना. २ लपेटना.

कुंश् (१ प० कुंशति, १० उ० कुंशयति–ते) १ चमकना.

कुष् (९ प० कुष्णाति) १ बाहर निकालना, रगडके निकालना २ चमकना. ३ परीक्षा करना, कसोटीपर घिसके परीक्षा करना. अव–१ सिद्ध या स्थापित करना. निस्–१ खैंचके बाहर निकालना.

कुषुभ (११ प० कुषुभ्यति) १ छोडना, फेंकना.

कुस् (४ प० कुस्यति) १ मिलना. २ घेरना.

कुंस् (१ प० कुसति, १० उ० कुंसयति-ते) १ चमकना. २ बोलना.

कुस्म् (१० आ० कुस्मयते) १ विचार करके देखना २ अयोग्य रीतिसे हँसना.

कुह् (१० आ० कुहयते) १ ठगना. २ आश्चर्य या चमत्कार दिखाना. ३ मोहित करना.

कू (६ आ० कुवते, ९ उ० कुनाति-नीते) १ दुःखकारक शब्द करना २ विह्वल होना.

कूज् (१ प० कूजति) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ कूजना.

कूट् (१० आ० कूटयते) १ नहीं देना. २ अस्पष्ट, गूढ या मालूम न हो ऐसा करना, कूट करना. (१० उ० कूट्यति-ते)१ दुःख देना, सताना. २ जलाना, दग्ध करना. ३ बुलाना, आमंत्रण करना. ४ सलाह देना, उपदेश करना.

कूड् (६ प० कूडति) १ दृढ होना. कठिन होना. २ खाना.

कूण् (१० उ० कूणयति-ते) १ संकोचित होना. २ ऐंठना.

कून् (१० आ० कूनयते)१ संकोचित होना. २ ऐंठना.

कूप् (१० प० कूपयति) १ अशक्त होना. २ अशक्त करना.

कूर्द् (१ आ० कूर्दते) १ खेलना, क्रीडा करना.

कूल् (१ प० कूलति) १ आच्छादित करना, ढांपना. २ छिपाना. अनु-१ अनुकूल होना

कृ (५उ० कृणोति-णुते) १ दुःख देना, सताना. २ मार डालना. (८ उ० करोति-कुरुते) १ करना. अति-आ० १ अधिक करना. अधि-आ० १ जीतना, बढकर होना. २ अधिकार होना, चौकस होना. ३ शांततासे सहन करना. ४ थभाना, स्थिर करना. अनु-प० अनुकरण करना, दूसरेके माफिक करना. अप-आ० १ अपकार करना. २ झूठा या खराब करना. आ-आ० १ वेषांतर करना, भेष बदलना. २ बुलाना. उत्-आ० १ मार डालना, मरणोन्मुख करना. २ बटोरना, जमा करना. उदा-आ० १ दूषण लगाना, छलना. उप-प० १ उपकार करना. उपस्-उ० १ पटलना, बदलना.

उपस्-प० १ स्वच्छ करना, सवारना २ बटोरना, जमा करना. ३ उत्तर देना तिरस्-प० १ अपमान करना, घिन करना, तिरस्कार करना. दुस् (ष्)-प० दुष्कर्म करना, खराब काम करना निरा-आ० १ निर्भत्सना करना, निंदा करना, तिनकेके समान मानना २ त्यागना, छोड़ देना, निकाल देना. ३ नष्ट करना, विध्वंसित करना. परिस् (ष्)-प० १ स्वच्छ करना, ओप देना परा-प० १ निराकरण करना २ सदाचारपूर्वक रहना, अच्छी रीतिसे वर्तना प्र-आ० १ प्रारंभ करना, शुरू करना २ सेवा करना, नौकरी करना ३ जल्दी करना ४ बाटना, बांट देना ५ भंग करना, ६ कहना, बोलना प्रति-आ० १ प्रतिकार करना २ बदला लेना ३ उपाय करना प्रत्युप-आ० १ प्रत्युपकार करना. वि-आ० १ ढूढ़ना. २ शब्द करना. वि-प० १ बदलना, रूपांतर करना. २ संतापित करना, कंपित करना. व्या-आ० १ स्पष्ट करना, प्रकट करना. २ समझाना सम्-प० १ स्वच्छ करना, २ बटोरना, एकत्र करना सु-प० १ अच्छा करना

कृड् (६ प० कृडति) १ दृढ या कठिन होना, स्थिर होना. २ जमना, जम जाना.

कृत् (७ प० कृणत्ति) १ घेर लेना, वेष्टित करना. (६ प० कृंतति) १ कतरना.

कृप् (१ आ० कल्पते) १ शक्तिमान होना, समर्थ होना (१० उ० कल्पयति-ते) १ कल्पना करना, विचार करना. २ मिश्रित करना. ३ चित्रित करना, रंगाना (१० उ० कृपयति-ते) १ दुर्बल होना.

कृव् (५ प० कृणोति) १ मार डालना २ करना. ३ जाना. ४ दुःखित होना.

कृञ् (५ प० कृणोति) १ मार डालना २ करना. ३ जाना. ४ दुःखित होना.

कृवि (५ प० कृविणोति) १ मार डालना, सताना, दुःख देना

कृश् (४ प० कृश्यति) १ कृश होना, सूक्ष्म होना, महीन होना.

कृष् (६ उ० कृषति-ते) १ कृषिकर्म करना, जोतना, हल चलाना. २ रेखा करना (१ प० कर्षति) १ जोतना, कृषि करना हल चलाना, रेखा खींचना अप-स्राव करना, बहाना. २

हलका या कमीना करना, हीन करना. ३ तिरस्कृत करना, घृणा करना. अव–१ तिरस्कृत करना. २ निकालना, उद्धृत करना, बाहर निकालना, ऊपर उठाना. आ–१ आकर्षण करना, खींचना. उद्–१ उठाना, उद्धृत करना, उठा लेना. २ उत्तेजन देना. सम्–आकुंचित करना, समेटना. सन्नि–१ खैंचके नजदीक लाना.

कॄ (९ उ० कृणाति–णीते) १ दुःख देना. २ मार डालना. (६ प० किरति) १ फेंक देना. अप–१ हलसे रेखा करना. २ विरल करना, अलग करना. ३ उडाना, फेंकना. अव–१ फेंकना आ–१ भरना, भर डालना. प्रति–(स्) १ दुःख देना. २ हिंसा करना. वि–१ विरल करना, फेंकना. सम्–१ एकत्र करना, बटोरना. अभि–१ उलांडना, गर्तगत होना, नष्ट होना, उप–(स्)–१ च्छेदन करना. २हिंसा करना.

कॄत् (१० प० कीर्तयति) १ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना. २ कीर्ति करना.

केत् (१० उ० केतयति–ते) १बुलाना, आमन्त्रित करना. २ सलाह देना.

केप् (१ आ० केपते) १ जाना. २ कंपित होना.

केल् (१ प० केलति) १ जाना. २ कंपित होना.

केला (११ आ० केलायते) १ क्रीडा करना, खेलना.

केव् (१ आ० केवते) १ सेवा करना.

कै (१ प० कायति) १ शब्द करना, आवाज करना.

क्न (१ प० क्नयति, १० प० क्नथयति) १ दुःख देना. २ २ मार डालना.

क्नस् (प० क्नस्यति) १ मनसे या शरीरसे वक्र होना. २ चमकना.

क्नंस् (१ प० क्नसति, १० प० क्नसयति,) १ चमकना.

क्नू (९ उ० क्नुनाति–नीते) १ शब्द करना, आवाज करना.

क्नूय् (१ आ०क्नूयते) १ आवाज करना. २ आर्द्र होना, गीला होना. ३ दुर्गंध आना, बदबू आना.

क्मर् (१ प० क्मरति) १ शरीर या मनसे टेढा होना. २

वंचक होना, ठग बनना.

क्रथ् (१ प० क्रथति, १० उ० क्रथयति-ते, क्राथयति-ते) १ मार डालना. (१० प० क्रथयति) १ वार २ क्रीडा, आनंद, मनोरंजन करना.

क्रद् (१ आ० क्रदते) १ दुःखित होना. २ विकल होना. ३ घबरै जाना.

क्रन्द् (१ उ० क्रन्दति-ते) १ दुःख करना. २ घबर जाना. (आ० क्रन्दते) १ पुकारना, जोरसे बुलाना.

क्रप् (१ आ० क्रपते) १ जाना. २ दया करना.

क्रम् (१ आ० क्रमते-म्यते) १ निर्भयतासे जाना २ रक्षण करना. ३ बढना, वृद्धिंगत होना. आ-१ उगना, उदित होना. उप-प्र-१ प्रारंभ करना. वि-१ पग गिनते जाना. व्या-१ अतिक्रम करना, आज्ञा भंग करना. (१ प० क्रामति-म्यति) १ जाना, चलना. अति-१ अतिक्रम करना, हद्दसे बाहर जाना. अनु-१ क्रमसे जाना. अभि-१जीतना. २ पराभव करना, हल्ला करना. अप-१ बाहर जाना. आ-१ जय पाना, अधिक होना. उत्-१ अतिक्रम करना, आज्ञा भंग करना. उप-१ निकल जाना. निस्-१ आगे जाना. परा-१ पराक्रम करना. प्र-१ निकल जाना, नजदीक आना. परि-१ घूमना. वि-१जीतना. २ ऊपर जाना. सम्-१ स्थलांतर करना, अन्य जगह जाना.

क्री (९ उ० क्रीणाति-णीते) १ खरीदना. २ बदलेमें देना लेना. ३ जीतना. वि-१ बेचना

क्रीड् (१ प० क्रीडति) १ खेलना, विहार करना. २ ठट्ठा करना, उपहास करना. ४ मन बहलाना. अनु-आ० १ खेलना. आ-परि-सम्-आ० १ खेलना. सम्-प०१ शब्द करना.

क्रुञ्च् (१ प० क्रुञ्चति) १ नजदीक जाना या आना. २ वक्र घूमना या जाना. ३ वक्र होना या करना. ४ अल्प होना या करना.

क्रुड् (६ प० क्रुडति) १ छोकरेकीसी चेष्टा करना, २ डूबना. ३ खाना. ४ दृढ होना.

क्रुथ् (९ प० क्रुथ्नाति) १ मार डालना.

क्रुन्थ् (९ प० क्रुथ्नाति) १ दुःखित होना, विह्वल होना. २

चिपकके रहना, सटके रहना.

क्रुध् (४ प० क्रुध्यति) १ क्रोध करना, घुस्सा करना.

क्रुश् (१ प० क्रोशति) १ पुकारना. २ रोना अनु–दया करना. आ–१ निंदा करना, गाली देना. उप–१ दाग लगाना, दोष देना. प्र–जोरसे पुकारना.

क्लेव् (१ क्लेवते) १ लेना, सेवन करना, २ भजना.

क्लथ् (१ प० क्लथति) १ दुःख देना. २ मार डालना. ३ घूमना.

क्लद् (१ आ० क्लदते) १ घबरना. २ विह्वल होना, दुःखित होना.

क्लन्द् (१ प० क्लन्दति) १ रोना २ बुलाना, पुकारना. (१ आ० क्लन्दते) १ घबरना, २ दुःखित होना.

क्लप् (१० उ० क्लापयति–ते) १ क्रूरतासे बोलना. २ अस्पष्ट बोलना.

क्लम् (४ प० क्लाम्यति) श्रमित होना, थकजाना २ कुम्हलाना.

क्लव् (१ आ० क्लवते ४ आ० क्लव्यते) १ डरना.

क्लिद् (४ प० क्लिद्यति) १ आर्द्र होना, गीला होना.

क्लिन्द् (१ उ० क्लिन्दति–ते) १ रोना, शोक करना.

क्लिश् (४ आ० क्लिश्यते) १ दुःख सहन करना. (९ प० क्लिश्नाति) १ क्लेश या दुःख देना. २ हरकत करना. ३ दुःख सहन करना.

क्लीब् (१ आ० क्लीबते १) दुर्बल होना, निर्बल होना, वीर्यरहित होना. २ लज्जालु या डरपोक होना

क्लीव् (१ आ क्लीवते) १ दुर्बल होना, निर्बल होना, वीर्यरहित होना. २ लज्जालु या डरपोक होना.

क्लु (१ आ० क्लवते) १ जाना.

क्लेव् (१ आ० क्लेवते) १ सेवा करना

क्लेश् (१ आ० क्लेशते) १ स्पष्ट शब्द करना. २ मार डालना. ३ हरकत करना. ४ दुःख देना, सताना

क्वण् (१ प० क्वणति) १ शब्द करना. २ कण कण ऐसा शब्द करना

क्वथ् (१ प० क्वथति) १ उबालना, पकाना.

क्वेल् (१ प० क्वेलति) १ कंपित होना, हिलना.

क्षंज् (१ आ० क्षजते) १ जाना, सरकना. २ देना, दान करना, भेंटमें देना. ३ मार डालना.

क्षञ्ज् (१ आ० क्षञ्जते) १ जाना, सरकना २ देना, दान करना, भेंटमें देना. (१प० क्षञ्जति, १० उ० क्षञ्जयति-ते) १ दुःख सहन करना, विपत्तिमें रहना

क्षण् (८ उ० क्षणोति-क्षणुते) १ मार डालना, जानसे मारना. २ दुःख देना, सताना. ३तोडना.

क्षद् (१ प० क्षदति) १ खाना, भक्षण करना. २ मुक्की मारना, कूटना. ३ ढँकना. ४ मार डालना.

क्षप् (१० उ० क्षपयति-ते) १ भेजना २ सहन करना. ३ डूकना (१ उ०क्षपति-ते)१सयमी होना.

क्षम्प् (१ प० क्षम्पति, १० प० क्षम्पयति-ते) १ सहन करना. २ दया करना. ३ चमकना.

क्षम् (१ आ० क्षमते, ४ प० क्षाम्यति) १ सहन करना, सहना, २ क्षमा करना. ३ समर्थ होना. ४ रोकना.

क्षर् (१प० क्षरति) १ टपकना, सरना, झरना, चूना. २ गिरना, हिलना. ३ गिराना, हिलाना. ढाना ४ गलना. ५ अनुपयुक्त होना. ६ बहना. सम्-१बहना. (१० आ० आक्षारयते) १ दोष लगाना, निंदा करना.

क्षल् (१प० क्षलति) १ जाना, सरकना. २ कांपना, थरथराना. (१० उ० क्षालयति-ते) १ स्वच्छ करना, पवित्र करना, धोना. वि-१ धोना.

क्षि (१ उ० क्षयति-ते)१ सूक्ष्म होना, ह्रास होना, कम होना. २ नष्ट करना. ३ राजा सरीखा काम चलाना, शासक होना. (५ प० क्षिणोति) १ मार डालना, जानसे मारना. २ दुःख देना, सताना. ३ क्षत करना, घाव करना. (६ प० क्षियति) १ जाना, चलना. २ वास करना, रहना, मुकाम करना, बसना. (९प० क्षिणाति) १ मार डालना, जानसे मारना. २ दुःख देना, सताना.

क्षिण् (८ उ० क्षिणोति-क्षिणुते, क्षेणोति-क्षेणुते) १ मार डालना. २ दुःख देना, पीडा करना.

क्षिद् (१ प० क्षेदति) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ कराहना.

क्षिप् (४ प० क्षिप्यति) १ फेंकना. २ उडाना, ३ भेजना. (६ उ० क्षि-

ति-ते) १ फेंकना, उडाना, झीकना २ भेजना ३ रखना, धरना. ४ मारडालना ५ दोष लगाना ६ नष्ट करना. अधि-१ दोष लगाना, आरोप करना. अव-१ नीचे फेंकना. आ-१ उपहास करना, ठट्ठा करना २ आकर्षण करना, खींचना. उत्-१उठाना, उठा लेना. नि-१ रखना पर्या-१ बांधना प्र-१ जोरसे फेंकना. वि-१ फैलाना. विनि-१ देना २ छोटना समा-१भेजना. सम्-१ संक्षेप करना २ नष्ट करना. ३ आकर्षण करना, खींचना.

क्षिव् (१ प० क्षेवति, ४ प० क्षीव्यति) १ मुखसे बाहर निकालना, थूकना, कै करना.

क्षी (१ उ० क्षयति-ते, ९ प० क्षीणाति) १ दुःख देना, पीडा करना २ मार डालना.

क्षीज् (१ प० क्षीजति) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ कराहना.

क्षीब् (१ आ० क्षीबते)१ मदोमत्त होना, मस्त होना.

क्षीव् (१ आ० क्षीवते) १ मदोन्मत्त होना, मस्त होना.

क्षु (२ प० क्षौति) १ छींकना. २ ससारना.

क्षुद् (७उ० क्षुणत्ति-क्षुन्ते) १ कूटना, पीसना, मुक्की मारना. २ कुचलना.

क्षुध् (४ प० क्षुध्यति) १ क्षुधित होना, भूख लगना.

क्षुभ् (१ आ० क्षोभते) १ मथना. २ क्रोध करना, गुस्सा होना. (४प० क्षुभ्यति, ९ प० क्षुभ्नाति) १ मथना.

क्षुर् (१ प० क्षुरति) १ कतरना, चीरना, छेदना २ लकीर खींचना.

क्षेड् (१० उ० क्षेडयति-ते) १ भक्षण करना, खाना.

क्षेव् (१ प० क्षेवति) १ मदोन्मत्त होना, मस्त होना.

क्षै (१ प० क्षायति) १ नष्ट होना, ह्रास होना, कम होना, म्लान होना.

क्षोद् (१० उ० क्षोदयति-ते) १ भेजना २ फेंकना.

क्ष्णु (२ प० क्ष्णौति, आ० संक्ष्णुते)१ तीक्ष्ण करना, पैना करना, तेज करना, पैनाना. (२ आ० क्ष्णुते) ले जाना.

क्ष्माय (१ आ० क्ष्मायते) १ हिलना, कांपना.

क्ष्मील्-खञ्ज्	खट्-खर्व्

क्ष्मील् (१ प० क्ष्मीलति) १पलक लगाना, पलक मारना.
क्ष्विड् (१प० क्ष्वेडति) १ अस्पष्ट शब्द करना. (४ प० क्ष्विड्यति) १ नल्हाना, तेलकी मालिस करना, चुपडना.
क्ष्विद् (१ प० क्ष्वेदति) १ अस्पष्ट शब्द करना. (४ क्ष्विद्यति)१ नल्हाना, तेलकी मालिस करना, चुपडना. २ मुक्त करना, छोड देना.
क्ष्वेल् (१ प० क्ष्वेलति) १ जाना. २ कांपना, थरथराना. ३ कूदना. ४ खेलना.

ख.

खक्ख् (१ प० खक्खति) १ हँसना.
खच् (१ प० खचति, ९ प० खच्नाति) १ मर्यादा होनेपरभी देरसे जन्म लेना. २ सफाईयुक्त करना. ३ स्वच्छ, पवित्र या पावन करना. (१० प० खचयति) १ खैंचके बांधना. २ कोंदण करना, खचित करना.
खज् (१ प० खजति) १ मथना, हिलाना, मथन करना.
खञ्ज् (१ प० खञ्जति) १ लगडा होना, लगडाना.
खट् (१ प० खटति) १ चाहना. २ शोधन करना, ढूंढना.
खट्ट् (१० उ० खट्टयति-ते) १ आच्छादन करना, छिपाना, ढांकना.
खड् (१० उ० खाडयति-ते) १ टुकडे करना, खड करना.
खण्ड् (१ उ० खण्डयति-ते) १ टुकडे २ करना, खंडित करना. (१ आ० खण्डते) १ मथन करना, मथना.
खद् (१ प० खदति) १ खाना. २ मार डालना. ३ सताना. ४ स्थिर रहना (१० प० खादयति) १ आच्छादित करना.
खन् (१ उ० खनति-ते) १ दुःख देना. २ खोदना.
खम्ब् (१ प० खम्बति) १ जाना.
खर्ब् (१ प० खर्बति) १ जाना.
खर्ज् (१ प० खर्जति) १ दुःख देना, सताना. २ स्वच्छ करना, साफ करना. ३ आतिथ्य पूजन करना, सन्मान करना.
खर्द् (१ प० खर्दति) १ चबाना, दांतोंसे काटना.
खर्व् (१ प० खर्वति) १ हठ करना, २ गर्व करना.

खर्व् (१ प० खर्वति) १ हठ करना २ गर्व करना

खल् (१ प० खलति) १ स्थलांतर करना, जाना २ बटोरना

खव् (९ प० खौनाति) १ सप त्तियुक्त करना २ स्वच्छ कर ना, पवित्र करना ३ द्रव्य स्पष्ट करना ४ मर्यादा होनेपरभी बहुत देरसे जन्म लेना

खप् (१ प० खपति) १ मार डालना, सताना

खाद् (१ प० खादति) १ खाना

खिट् (१ प० खेटति) १ डराना २ दु ख देना, सताना

खिद् (१ प० खेदति) १ भय दिखाना, घबराना २ सताना, दु ख देना (४ आ० खिद्यते, ७ आ० खिन्ते) १ सख्त, दु ख सहन करना

खिन्द् (६ प० खिन्दति) १ दु ख देना, सताना

खिल् (६ प० खिलति) १ बिनना, उञ्छन करना

खु (१ आ० खवते) १ आवाज करना, शब्द करना

खुज् (१ प० खोजति) १ चोर ना, मूसना.

खुड् (१ प० खोडति, १० प० खोडयति) १ टुकडे करना, चीरना (६ प० खुडति) १ छिपाना २ निकाल देना

खुण्ड (१ प० खुण्डति, १० उ० खुण्डयति-ते) १ टुकडे करना, चीरना (१ आ० खुण्डते) १ लगडा होना

खुर् (१ प० खुरति) १ कतरना, चीरना २ खुरचना

खुर्द् (१ आ० खूर्दते) १ खेलना, क्रीडा करना

खेट् (१ प० खेटति) १ घबर जाना (१० उ० खेटयति-ते) १ खाना, भक्षण करना

खेड् (१० उ० खेडयति-ते) १ खाना, भक्षण करना

खेल् (१ प० खेलति) १ कंपित होना २ खेलना

खेला (११ प० खेलायति) १ विलास करना, क्रीडा करना

खेव् (आ० खेवते) १ सेवा कर ना, नौकरी करना

खै (१ प० खायति) १ स्थिर रहना २ मार डालना ३ सताना ४ दु ख करना ५ खोदना

खोट् (१ प० खोटति) १ लग डाना (१० उ० खोटयति-ते)

१ फेंकना. २ खाना, भक्षण करना.

खोड् (१ प० खोडति) १ लगडाना. (१० प० खोडयति) १ फेंकना.

खोर् (१ प० खोरति) १ लगडाना.

खोल् (१ प० खोलति) १ लगडाना.

ख्या (२ प० ख्याति) १ प्रसिद्ध करना, प्रख्यात करना. २ कहना, व्याख्यान करना. अभि-१ दैदीप्यमान होना, चमकना. आ-१ कीर्तिमान् होना. वि-१ प्रख्यात करना. सु-१ पसद होना. प्रत्या-१ नाहीं करना, स्वीकार नही करना. सम्-१ गिनना, सकलन करना. समा-१ सज्ञा देना, नाम रखना.

ग.

गग्घ् (१ प० गग्घति) १ हँसना.

गज् (१ प० गजति) १ मदोन्मत्त या वेसुध होना. २ शब्द करना. (१० उ० गजयति-ते) १ शब्द करना.

गञ्ज् (१ प० गञ्जति) १ शब्द करना.

गड् (१ प० गडति, १० प० गडयति) १ वहना, झरना. २ सींचना. ३ चुआना (१० प० गडयति) १ छिपाना, ढँकना.

गण्ड् (१ प० गण्डति) १ गालोंमें रोग होना, गडमाला होना.

गण् (१० प० गणयति) १ गिनना, नापना. २ मानना, समझना. अधि-१ वखानना, स्तुति करना. २ गिनना.

गद् (१ प० गदति) १ स्पष्ट बोलना. २ बीमार होना. (१० उ० गदयति-ते) १ गर्जना करना.

गद्गद् (११ प० गद्गदयति) १ गद्गद स्वरसे बोलना, रुके हुए कठसे बोलना.

गध् (४ प० गध्यति) १ मिश्रित होना, मिल जाना.

गन्ध् (१० आ० गन्धयते) १ दुःख देना. २ मार डालना. ३ जाना. ४ मांगना, याचना करना. ५ सजाना, शोभित करना.

गम् (१ प० गच्छति) १ जाना २ इष्टार्थ सिद्ध होना. अनु-१ अनुसरण करना, दूसरेका देखके वैसाही करना. आ-१ आना. २ बीचमें या किसीकी ओर जाना. अधि-१ मिलना, प्राप्त होना. २ पुस्तकादि पढना. ३ त्यागना, छोड देना. अप-१ लौट आना. अव-१ जानना. उद्-१ नजदीक जाना या आना. उप-१ नजदीक जाना. २ पैदा करना.

३ अनुमोदन देना, सलाह देना उपा–१ नजदीक जाना या आना दुर्–१ दुःखसे जाना नि–१ ज्ञानप्राप्ति करना निर्–१ आगे जाना २ बाहर जाना पर्युद्–१ ऊपर उठना परि–१ घेर लेना २ बाहर जाना प्र त्या–१ लौट आना वि–१ शत्रु की ओर चढ जाना समा–१ भेंटना, एकत्र होना समुप–कबूल करना, मान्य करना सु–१ आनंदसे या खुशीसे जाना २ पार जाना सम्–आ० १ साथ जाना २ भेंटना, एकत्र होना ३ (सकर्मक) जाना

गम्व् (१ प० गम्वति) १ जाना

गर्ध् (१ प० गर्धति) १ जाना

गर्ज् (१ प० गर्जति, १० उ० गर्जयति ते) १ गर्जना करना

गर्द् (१ प० गर्दति, १० उ० गर्दयति–ते) १ गर्जना करना

गर्ध् (१० उ० गर्धयति–ते) १ चाहना, इच्छा करना, आशा करना

गर्व् (१ प० गर्वति) १ जाना

गर्व् (१ प० गर्वति) १ गर्व करना हठ करना (१० आ० गर्वयते) गर्वको बढाना

गर्ह् (१ उ० गर्हति–ते, १० उ० गर्हयति–ते) १ दोष लगाना, निंदा करना २ दुःखित होना.

गल् (१ प० गलति) १ टपकना गिरना ३ नष्ट होना (१० आ० गलयते) १ टपकना अव–१ नीचे गिरना वि–१ जाना, नजदीक जाना २ मदद देना, साह्य करना परि–१ टपकना. २ डूबना ३ नष्ट होना ४ गल जाना

गल्भ् (१ आ० गल्भते) १ धीर धारण करना, धैर्य रखना, साहस करना

गल्ह् (१ आ० गल्हते) १ दोष देना, निंदा करना

गवेष (१ आ० गवेषते, १० उ० गवेषयति–ते) १ ढूंढना, पता लगाना २ प्रयत्न करना

गह् (१० प० गहयति) १ घना होना, निबिड होना.

गा (१ आ० गाते) १ जाना, गमन करना (३ प० जिगाति) १ प्रशंसा करना, सराहना

गाध् (१ आ० गाधते) १ ढूंढना. २ रहना, ठहरना ३ ग्रंथ बनाना.

गाह् (१ आ० गाहते) १ नष्ट करना २ मर्मभेद करना. ३ फेर-

ना, हिलाना. अव्-१ स्नान करना. वि-१ स्नान करना २ कँपाना

गिल् (६ प० गिलति) १ निगलना.

गु (६ प० गुवति) १ हगना, झाडा होना, दस्त होना. (१ आ० गवते) १ अस्पष्ट बोलना.

गुज् (१ प० गोजति, ६ प० गुजति) १ अस्पष्ट बोलना, गुंजारव करना.

गुञ्ज् (१ प० गुञ्जति) १ अस्पष्ट बोलना, गुंजारव करना.

गुड् (६ प० गुडति) १ सरक्षण करना, बचाना

गुण् (१० उ० गुणयति-ते) १ बुलाना, आमन्त्रण करना २ उपदेश करना. ३ गुणाकार करना, गुणन करना ४ सलाह देना

गुण्ठ् (१० प० गुण्ठयति) १ घेरना, घेर लेना. अव-१ घूंघट लेना, परदा डालना

गुण्ड् (१ प० गुण्डति, १० उ० गुण्डयति-ते) १ घेर लेना, घेरना. २ पिष्ट चूर्ण करना ३ सरक्षण करना.

गुद् (१ आ० गोदते) १ खेलना, क्रीडा करना

गुध् (१ आ० गोधते) १ खेलना, क्रीडा करना (४ प० गुध्यति) १ घेरना. (९ प० गुध्नाति) १ क्रोध करना, गुस्सा करना

गुन्द् (१० प० गुन्द्रयति) १ अनृत बोलना, झूठ कहना

गुप् (१ आ० जुगुप्सते) १ बचाना, सरक्षण करना २ छुपाना, छिपाना ३ दोष लगाना, निंदा करना. (४ प० गुप्यति) १ व्याकुल होना, भ्रांत होना २ व्याकुल करना. भ्रान्त करना (१ प० गोपायति) १ सरक्षण करना (१० उ० गोपयति-ते) १ प्रकाशना, चमकना. २ बोलना

गुफ् (६ प० गुफति), गुम्फ् (६ प० गुम्फति) १ गूथना गुंफन करना. २ रचना

गुर् (६ आ० गुरते) १ प्रयत्न करना, उद्योग करना

गुर्द् (१ आ० गूर्दते) १ क्रीडा करना, खेलना (१० उ० गूर्दयति-ते) १ रहना, वास करना, बसना २ आमन्त्रण करना, बुलाना.

गुर्व् (१ प० गूर्वति) १ प्रयत्न करना, उद्योग करना

गुह् (१ उ० गोहति–ते) १ छिपाना, वस्त्रादिसे ढांकना.

गू (६ प० गुवति) १ हगना, मलविसर्जन करना, शौचविधि करना.

गूर् (१० आ० गूरयते) १ प्रयत्न करना, उद्योग करना. २ भक्षण करना, खाना (४ आ० गूर्यते) १ मार डालना, दुःख देना. २ जीर्ण होना, पुराना होना. ३ जाना, गमन करना.

गुर्द् (१ आ० गूर्दते) १ क्रीडा करना, खेलना. (१० उ० गूर्दयति–ते) १ बसना. २ बुलाना.

गृ (१ प० गरति) १ सींचना, गीला करना. (१० आ० गारयते) १ समझना, जानना.

गृज् (१ प० गर्जति)
गृञ्ज् (१ प० गृञ्जति) } १ गर्जना करना, पुकारना.

गृध् (४ प० गृध्यति) १ चाहना

गृह् (१ आ० गर्हते, १० आ० गृहयते) १ लेना, स्वीकार करना.

गॄ (६ प० गिर (ल) ति) १ खाना, निगलना. (९ प० गृणाति) १ शब्द करना, आवाज करना. (१० आ० गारयते) १ समझना, जानना. २ समझाना, जताना. नि–उत्–६ प० १ के करना, वमन करना. समुत्–१० आ० १ जोरसे पुकारना. २ ऊपर फेंकना.

गेप् (१ आ० गेपते) १ कांपना, हिलना. २ जाना, स्थलांतर करना.

गेव् (१ आ० गेवते) १ सेवा करना.

गेष् (१ आ० गेषते) १ ढूंढना, पता लगाना.

गै (१ प० गायति) १ गाना. उत्–प्र–१ जोरसे गाना या जोरसे कहना वि–१ निश्चयपूर्वक कहना

गोम् (१० उ० गोमयति–ते) १ लीपना, पोतना.

गोष्ट् (१ आ० गोष्टते) १ बटोरना.

ग्रन्थ् (१ आ० ग्रन्थते) १ वक्र होना, टेढा होना. २ दुष्ट होना. ३ गांठ बांधना, गूथना. ४ झुकाना, नताना. (९ प० ग्रथ्नाति, १० प० ग्रन्थयति) १ गांठ बांधना. बांधना, गूथना. २ संदर्भ लगाना. उत्–१ छोड देना, मुक्त करना.

ग्रस् (१ आ० ग्रसते) १ खाना, निगलना. (१० उ० ग्रासयति–ते) १ घेर लेना. २ हरण करना.

ग्रह् (१ प० ग्रहति, १० प० ग्राहयति) १ लेना, स्वीकार करना. (९ प० गृह्णाति-ह्णीते) १ लेना, स्वीकार करना. अनु-उ० १ कृपा करना, अनुग्रह करना. अव-उ० १ अटकाना. उत्-प० १ विश्वास करना. उप-१ कृपा करना. २ भरना. नि-१ ले लेना, हरण करना. २ शासन करना. ३ प्रतिबंध करना, अटकाव करना. परि-१ धरना, पकडना, लेना. प्रति-१ अनुमोदन देना, हो कहना. २ गले लगाना, आलिंगन करना. ३ जीतना. ४ प्रतिग्रह करना, लेना. ५ अंगीकार करना. वि-१ झगडना, झगडा करना. सम्-१ बटोरना, एकत्र करना.

ग्राम् (१० उ० ग्रामयति-ते) १ बुलाना. २ बुद्धिवाद कहना.

ग्रुच् (१ प० ग्रोचति) १ चोरना, चोरी करना, मूसना.

ग्लस् (१ आ० ग्लसते) १ खाना, भक्षण करना.

ग्लह् (१ उ० ग्लहति-ते, १० प० ग्लहयति) १ लेना, स्वीकार करना.

ग्लुच् (१ प० ग्लोचति) १ चोरना, मूसना. २ जाना, स्थलांतर करना.

ग्लुञ्च् (१ प० ग्लुञ्चति) १ जाना, स्थलांतर करना.

ग्लेप् (आ० ग्लेपते) १ पराधीन होना. २ दरिद्री होना. ३ जाना. ४ हिलना, कांपना.

ग्लेव् (१ आ० ग्लेवते) १ सेवा करना.

ग्लेष् (१ आ० ग्लेषते) १ ढूंढना, शोध करना.

ग्लै (१ प० ग्लायति) १ म्लान होना, ग्लानियुक्त होना. २ जम्हाई लेना

घ.

घग्घ् (१ प० घग्घति) } हँसना,
घघ् (१ प० घघति) } उपहास करना.

घट् (१ आ० घटते) १ होना. २ करना. (१० उ० घाटयति-ते) १ घोटना, हिलाना. २ बटोरना, एकत्र करना. ३ मार डालना, दुःख देना. ४ चमकना, प्रकाशित होना.

घण्ट् (१० उ० घण्टयति-ते) १ बोलना, कहना. २ चमकना, प्रकाशित होना.

घट्ट् (१ आ० घट्टते, १० प० घट्टयति) १ जाना, स्थलांतर करना. परि-१ फैलाना. वि-१ मांजना, धोना. २ विगाडना.

घण् (८ प० घणोति, आ० घणुते) १ चमकना, प्रकाशित होना

घम्व् (१ प० घम्वति) १ जाना.

घर्व् (१ प० घर्वति) १ जाना.

घष् (१ आ० घषते) १ घिसना. २ घिसके स्वच्छ करना.

घस् (१ प० घसति) १ खाना.

घंस् (१ आ० घसते) १ सींचना, प्रोक्षण करना

घिण्ण् (१ आ० घिण्णते) १ लेना

घु (१ आ० घवते) १ आवाज करना.

घुट् (१ आ० घोटते) १ लौटना, पीछे आना. २ बदलना, बदल देना. (६ प० घुटति) १ प्रतिकार करना २ मार डालना ३ प्रतिबंध करना ४ रक्षण करना.

घुड् (६ प० घुडति) १ प्रतीकार करना २ मार डालना

घुण् (१ आ० घोणते, ६ प० घुणति) १ चक्राकार फिरना, घूमना, लौटता फिरना.

घुण्ण् (१ आ० घुण्णते) १ लेना.

घुर् (६ प०घुरति) १ भयंकर होना. २ शब्द करना, आवाज करना, घुर्राना. (४ आ० घूर्यते) १ अज्ञानी होना. २ ढूंढना, शोध करना

घुष् (१ प० घोषति) १ चुपके काम करना. (१० उ० घोषयति–ते) १ मनमें विचार कर वह सुनाना. २ प्रशंसा करना, घोषित करना. ३ तरह २ के शब्द करना आ–१ एक साथ रोना २ ढंढोरा पीटना

घुंप् (१ आ घुपते) १ स्वच्छ करना, साफ करना

घूर् (४ आ० घूर्यते) १ हिंसा करना, दुःख देना. २ वृद्ध होना, पुराना होना

घूर्ण् (१ आ० घूर्णते, ६ प० घूर्णति) १ चक्राकार घूमना

घृ (१ प० घरति, ३ प० जिघर्ति, १० उ० घारयति–ते) १ गीला करना, तरडा देना, सींचना. २ चमकना, प्रकाशित होना. ३ बूंद २ गिरना, टपकना.

घृण् (८ प० घृणोति, घर्णोति, आ० घृणुते, घर्णुते) १ चमकना, प्रकाशित होना.

घृण्ण् (१ आ० घृण्णते) १ लेना, स्वीकार करना.

घृष् (१ प० घर्षति) १ पीसना २ कूटना. ३ घिसना.

घोर् (१ प० घोरति) १ चतुरा ईसे चलना

घ्रा (३ प० जिघ्रति) १ सूघना २ चूमना

ट.

ङु (१ आ० ङवते) १ शब्द करना, आवाज करना

च.

चक् (आ० चकते) १ निवारण करना, पीछे हटना (१ उ० चकति-ते) तृप्त होना, सतुष्ट होना २ चमकना, प्रका शित होना

चकास् (२ प० चकास्ति, क्वचित् आ० चकास्ते) १ चमकना, प्रकाशित होना

चक्क् (१० उ० चक्कयति-ते) १ दुःख पाना, २ दुःख देना

चक्ष् (२ आ० चष्टे) १ साफ बोलना २ देखना ३ चूसना ४ छोडना आ-१ देखना

चञ् (९ प० चञोति) १ मार डालना

चञ्च् (१ प० चञ्चति)१ जाना २ कूदना ३ हिलना

चट् (१ प० चटति, १० उ० चा टयति-ते) १ वरसना २ टू टना ३ मार डालना ४ तोडना उत्-(१०उ०)१ उचाटन करना

चण् (१ प० चणति) १ दान करना, देना २ आवाज होना. ३ मार डालना, दुःख देना.

चण्ड (१ आ० चण्डते, १० आ० चण्डयते) १ गुस्सा करना

चत् (१ उ० चतति-ते)१ मांगना, याचना करना, २ जाना

चद् (१ उ० चदति-ते)१ याचना करना, मागना

चन् (१ प० चनति, १० उ० चानयति-ते) दुःख देना, मार डालना २ शब्द करना, आवा- ज करना ३ भरोसा रखना, विश्वास करना

चन्द् (१ प० चन्दति) १ चम कना २ आनंद पाना, खुश होना

चप् (१ प० चपति) १ शान्त कर ना, समझाना (१० उ० चप यति-ते) १ पीसना २ कूटना ३ ठगना

चम् (१ प० चमति, ५ प० च म्नोति) १ खाना, २ पाना आ- (आचामति) १ आचमन करना, पतला पदार्थ मुंहमें लेना वि-(विचमति) १ खाना

चम्प् (१ प० चम्पति, १० उ० चम्पयति-ते) १ जाना.

चम्ब् (१ प० चम्बति) १ जाना.
चय् (१ उ० चयति–ते) १ जाना.
चर् (१ प० चरति) १ जाना. २ खाना. ३ आचरण करना. अत्या–आज्ञाभग करना. अभि–१ ठगना. २ टोना करना, जादू करना. ३ ध्यान देना. अनु–१ अनुसरण करना, नकल करना. आ–१ कर्म करना. उत्–आ० १ आज्ञाभग करना, हुक्म न मानना. २ देशसे निकाल देना. उत्–प० ऊपर जाना. उप–१ सेवा करना, सन्मान देना २ नजदीक जाना. परि–१ सेवा करना. प्र–१ प्रसिद्ध करना २ आचरण करना. व्यभि–१ दुष्कर्म करना, व्यभिचार करना सम्–प० १ साथ जाना सम्–आ० १ ऊपर चढना समा–१ प्रसिद्ध करना. २ अच्छा आचरण करना (१० उ० चारयति–ते) १ सशय होना. २ सशयरहित होना वि–१ विचार करना.
चर्ब् (१ प० चर्बति) १ जाना
चर्च् (१–६ प० चर्चति) १ बोलना, चर्चा करना. २ गाली देना, निंदा करना. ३ दुःख देना ४ विचारना, ढूंढना. (१० उ० चर्चयति–ते) १ पढना, अध्ययन करना, चर्चा करना.
चर्च्च् (१ आ० चर्च्चते, १० आ० चर्च्चयते) १ दोष लगाना, निंदा करना. २ बोलना. ३ अध्ययन करना, पढना.
चर्व् (१ प० चर्वति) १ जाना. २ खाना. ३ चबाना.
चर्व् (१ प० चर्वति, १० प० चर्वयति) १ खाना २ चबाना.
चरण (११ प० चरण्यति १ जाना.
चल् (१ प० चलति) १ हिलना, कांपना. (६ प० चलति) १ खेलना, क्रीडा करना. (१० प० चालयति) १ पालना, बढाना (१० प० च(चा)लयति) १ हिलाना, कपाना. प्र–१ गिरना.
चप (१ प० चपति) १ मार डालना, दुःख देना (१ चपति–ते) १ खाना.
चह् (१ प० चहति, १० उ० चहयति–ते) १ ठगना. २ दुष्कर्मी होना, गर्वीला होना. (१० उ० चहयति–ते) १ पीसना, कूटना.
चाय् (१ उ० चायति–ते) १ जानना, समझना. २ पूजा करना, सन्मान करना.

चि (५उ० चिनोति-चिनुते,१०प० चययति, चपयाति) ढूंढना. २ बटोरना, एकत्र करना. (१ उ० चयति-ते) १ बटोरना. अप-१ नाश करना, विध्वंस करना. उप-सम्-१ पाना, प्राप्त करना. निर्-१ निश्चय करना, ठहराना. विनि-र्-१ ठीक २ निश्चय करना. (१प० चयति) १ पीडा करना, दुःख देना. (१ आ० चयते) १ घिन करना. २ वैर लेना, बदला लेना. (३ प० चिकेति) १ ढूढना. २ देखना.

चिक्क् (१० उ० चिक्कयति-ते) १ पीडा करना, दुःख देना.

चिट् (१ प० चेटति, १० प० चेटयति) १ सेवक होना. २ सेवकके समान आज्ञा करना.

चित् (१ प० चेतति, १० उ० चेतयति-ते) १ विचार करना, चिंतन करना, याद करना.

चित्र् (१० उ० चित्रयति-ते) १ तसवीर खींचना, चित्र खींचना. २ आश्चर्य करना. ३ आश्चर्य देखना.

चिन्त् (१० उ० चिन्तयति-ते) १ विचार करना, स्मरण करना, याद करना.

चिरि (५ प० चिरिणोति) १ पीडा करना, दुःख देना.

चिल् (६ प० चिलति) १ कपडे पहरना.

चिल्ल् (१ प० चिल्लति) १ मुक्त करना, ढीला करना. २ मनका अर्थ-भाव दिखाना. ३ कामबुद्धिसे वर्तना, ठगविद्या करना.

चिह्न् (१० प० चिह्नयति)१ चिह्न करना, निशान करना.

चीक् (१प० चीकति, १० उ० चीकयति-ते) १ सहन करना, सहना. २ उतावला होना, असहिष्णु होना. ३ छूना, स्पर्श करना.

चीव् (१ प० चीवति) १ लेना, स्वीकार करना.

चीभ् (१ प० चीभति) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ व्याजस्तुति करना.

चीय् (१ उ० चीयति-ते) १ लेना, स्वीकार करना. २ धारण करना, पहरना.

चीव् (१ उ० चीवति-ते) १ लेना. २ पहरना. ३ पकडना. (१० उ० चीवयति-ते) १ चकमना. २ बोलना.

चुक् (१० उ चुक्कयति-ते) १ दुःख देना. २ दुःख होना.

चुच्य् (१ प० चुच्यति) १ अर्क निकालना २ नहाना, स्नान करना

चुट् (१ प० चोटति, १० उ० चोटयति-ते) १ छोटा होना, कलाहीन होना, थाह होना (६ प० चुटति, १० प० चोटयति) १ कतरना

चुट्ट् (१० उ० चुट्टयति-ते) १ कम होना, अल्प होना, थाह होना २ बटोरना

चुड् (६ प० चुडति) १ लपेटना, घेरना २ छिपना

चुड्ड् (१ प० चुड्डति) १ बर्तना २ कामक्रीडा करना, इश्कबाजी करना ३ अभिप्राय सूचित करना, इशारा करना

चुण् (६ प० चुणति) १ कतरना, हिस्सा करना

चुण्ट (१ चुण्टति) १ अल्प होना, थाह होना, (१ प० चुण्टति, १० प० चुण्टयति) १ कतरना ताडना

चुण्ड (१ प० चुण्डति) १ कम होना, अल्प होना, थाह होना (१० प० चुण्डयति) १ कतरना, तोडना

चुत (१ प० चोतति) १ गाला होना या करना २ चूना

चुद् (१० प० चोदयति-ते) १ प्रेरणा करना २ पूछना, प्रश्न करना ३ प्रार्थना करना (१ उ० चोदति-ते १ प्रवृत्त करना २ जल्दी करना ३ जल्दी देना

चुन्द् (१ उ० चुन्दति-ते) १ तीक्ष्ण करना, पैना करना, धार रखना

चुप् (१ प० चोपति) १ धीरे धीरे चलना

चुम्ब् (१ उ० चुम्बति-ते) १ चूमना (१० उ० चुम्बयति ते) १ हिंसा करना, मार डालना

चुर् (१० उ० चोरयति-ते) १ चुराना, मूसना (१ प० चोरति, ४ आ० चूर्यते) १ जलना, जल जाना

चुरण् (११ प० चुरण्यति) १ चुराना, मूसना

चुल् (१० उ० चोलयति-ते) १ बढाना, ऊंचा करना २ भिगोना, डुबोना

चुलुम्प् (१ प० चुलुम्पति) १ कतरना २ अतर्धान होना, नष्ट होना झूलना, डोलना उद्- १ झलना

चुह्ल् (१ प० चुह्लति) १ अपना अभिप्राय स्पष्ट करके दिखाना

२. विलास करना, इश्कबाजी करना.

चूण् (१० प० चूणयति) १ आकर्षण करना, खींचना, सकोच करना.

चूर् (४ आ० चूर्यते) १ जलाना, भस्म करना.

चूर्ण् (१ उ० चूर्णयति-ते) १ आकर्षण करना, खींचना, सकोच करना. २ प्रेरणा करना. ३ चूर्ण करना, पीसना. ४ दबाना.

चूष् (१ प० चूषति) १ चूसना.

चृत् (१ प० चर्तति, १० प० चर्तयति) १ प्रकाशित करना, जलाना.

चृन्त् (६ प० चृन्तति) १ पीडा करना, मार डालना. २ एकत्र करके बांधना. ३ गूंथना.

चृप् (१ प० चर्पति, १० उ० चर्पयति-ते) १ प्रकाशित करना, चमकाना.

चेल् (१ प० चेलति) १ कंपित होना, हिलना.

चेष्ट् (आ० चेष्टते) १ चेष्टा करना.

च्यु (१ प० च्यवते) १ गिरना. गिर पडना. २ भटकना, जाना. (१० उ० च्यावयति-ते) १ हँसना. २ सहना, सहन करना.

च्युत् (१ प० च्योतति) १ सींचना, भिगोना. बहना.

च्युस् (१० उ० च्योसयति-ते) १ हँसना. २ सहन करना, सहना. ३ मुक्त करना, छोड देना. ४ पीडा देना, मार डालना.

छ.

छद् (१ उ० छदति-ते, १० उ० छादयति-ते) १ आच्छादित करना, ढँकना. २ छिपाना, बचाना. आ-१ ढँकना.

छन्द् (१ प० छन्दति) १ बलवान् होना या करना. (१ प० छन्दति, १० उ० छन्दयति-ते) १ ढँकना, आच्छादन करना, लपेटना.

छम् (१ प० छमति) १ खाना.

छम्प् (१ प० छम्पति, १० प० छम्पयति) १ स्थलांतर करना, जाना.

छर्द् (१० प० छर्दयति) १ वमन करना या होना, कै करना.

छष् (१० उ० छाषयति-ते) १ मार डालना.

छिद् (७ उ० छिनत्ति-छिन्ते) १ छिन्न करना, तुकडे करना. आ-१ पकडना, पञ्जोंसे पकडना. उद्-१ हिंसा करना. २ कतरना.

छिद्र् (१० उ० छिद्रयति-ते) १ कानोंको छिदाना.

छुट् (६ प० छुटति, १० प० छोटयति) १ कतरना, तोडना. २ ढँकना, आच्छादन करना.

छुड् (६ प० छुडति) १ ढँकना, आच्छादित करना.

छुप् (६ प० छुपति) १ छूना, स्पर्श करना.

छुर् (६ प० छुरति) १ कतरना, तोडना.

छृद् (७ उ० छृणत्ति, छृन्ते) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ क्रीडा करना, खेलना. ३ कै करना, वमन करना (१ प० छर्दति, १० उ० छर्दयति-ते) १ जलाना, प्रज्वलित करना.

छृप् (१० उ० छर्पयति-ते) १ जलाना.

छेद् (१० उ० छेदयति-ते) १ कतरना, तुकडे करना.

छो (४ प० छ्याति) १ कतरना, छाटना.

छ्यु (१ आ० छ्यवते) १ जाना, गमन करना.

ज.

जक्ष् (२ प० जक्षिति) १ खाना. २ हँसना.

जज् (१ प० जजाति)
जञ्ज् (१ प० जञ्जति) युद्ध करना, लडाई करना, मारना.

जट् (१ प० जटति)
जड् (१ प० जडति) १ जम जाना, एकत्र होना, जमा होना

जन् (३ प० जजन्ति) १ उत्पन्न करना, जनना, पैदा करना (४ आ० जायते) १ उत्पन्न होना, पैदा होना. (१० उ० जनयति-ते) १ उत्पन्न करना, पैदा करना.

जप् (१ प० जपति) १ स्पष्ट बोलना, २ जपना, जप करना ३ मनहीमन कहना, नही सुन पडे ऐसा कहना

जभ् (१ आ० जभते) १ जम्हाई लेना.

जम् (१ प० जमति) १ खाना, भक्षण करना.

जम्भ् (१ आ० जम्भते) १ जम्हाई लेना (१० उ० जम्भयति-ते) १ नष्ट करना.

जर्च् (६ प० जर्चति)
जर्छ् (६ प० जर्छति) १ बोलना, कहना. २ डराना. ३ निंदा करना, दोष लगाना.

जर्ज् (१-६ प० जर्जति) १ बोलना, कहना. २ हिंसा करना. ३ निंदा करना, दोष लगाना.

जर्झ् (६ प० जर्झति) १ बोलना,

कहना, २ डराना, ३ निंदा करना, दोष लगाना.

जर्त्स् (६ प० जर्त्सति) १ बोलना, कहना. २ दोष लगाना, निंदा करना.

जल् (१ प० जलति) १ तीक्ष्ण होना, तेजस्वी होना या करना, पैना करना २ श्रीमान् होना, धनवान् होना, संपन्न होना. (१० उ० जालयति–ते) १ढां कना, निवारण करना. १ जालसे ढांकना.

जल्प् (१ प० जल्पति)१ बोलना. २ बकना.

जष (१ प० जषति) १ मार डालना, पीडा करना.

जस (४ प० जस्याति) १ मुक्त करना, छोड देना. (१ प० जसति, १० जासयति–ते) १ मार डालना, पीडा करना. २ ताडना करना. ३ उपेक्षा करना.

जंस् (१ प० जसति, १० उ० जस यति–ते) १ संरक्षण करना. २ मुक्त करना, छोड देना.

जागृ (२. जागर्ति) १ जगना, नींद न लेना.

जि (१ प० जयति) १ सबोंसरसे रहना, सबसे बढके रहना. २ जीतना, पराभव करना. परा–वि–आ०१ जीतना, पराजय करना

जिम् (१ उ० जेमति–ते)१ खाना भक्षण करना.

जिरि (५ प० जिरिणोति) १हिंसा करना, दुःख देना.

जिव् (१ प० जिन्वति) १ संतोषित करना. खुश करना. २ आनंद पाना, खुश होना. ३ मुक्त करना, छोड देना.

जिषु (१ प० जेषति) १ सेवा करना. २ प्रोक्षण करना सींचना.

जीव् (१ प० जीवति) १ जीना आ–१ उदरनिर्वाहके लिये कमाना उप–१ उदरनिर्वाहके लिये परस्वाधीन होना, नौकरी करना. सम्–प्र १सुखसे रहना, सुखी होना

जु (१ आ० जवते) १ जाना. २ जल्द जाना. (१ प० जवति)१ पाप करना. २ जाना.

जुङ्ग् (१ प० जुङ्गति) १ त्यागना, छोड देना. २ वर्जित करना. ३ जातिबहिष्कृत करना.

जुभ्र (१ प० जुभ्रति, १० उ० जुभ्रयति–ते) १ बोलना. २ प्रकाशित करना, व्यक्त करना

जुड् (६ प० जुडति) १ बांधना

२ जाना. ३ जोडना. (१० उ० जोडयति–ते) १ प्रेरणा करना, भेजना. २ चूर्ण करना, पीसना.
जुण्ड् (१० प० जुण्डयति) १ पीसना, चूर्ण करना. २ प्रेरणा करना, भेजना
जुत् (१ आ० जोतते) १ प्रकाशित होना, चमकना.
जुन् (६ प० जुनति) १ जाना. २ हिलना, कांपना.
जुर्व् (१ प० जूर्वति) १ मार डालना, दुःख देना.
जुल् (१० उ० जोलयति–ते) १ पीसना, चूर्ण करना.
जुष् (१ प० जोषति, १० उ० जोषयति–ते) १ विचार करना. २ पीडा करना. ३ मार डालना. ४ चाहना, दुलारना (६ आ० जुषते) १ सेवा करना. २ खुश करना, सतोषित करना.
जूर् (४ आ० जूर्यते) १ जीर्ण होना २ गुस्सा करना. ३ मार डालना, दुःख देना
जूर्व् (१ प० जूर्वति) १ मार डालना, दुःख देना.
जूष् (१ उ० जूषति–ते) १ पीडा करना, मारना.
जॄ (१ प० जरति) १ अल्प होना, छोटा होना, ह्रस्व होना.
जृभ् (१ आ० जर्भते)
जृम्भ् (१ आ० जृम्भते) १ जम्हाई लेना.
जॄ (१ प० जरति, १० उ० जारयति–ते, ४ प० जीर्यति, ९ प० जृणाति) १ वृद्ध होना, जीर्ण होना.
जेप् (१ आ० जेपते) १ जाना.
जेह् (१ आ० जेहते) १ उत्कठासे यत्न करना २ जाना.
जै (१ प० जायति) १ क्षीण होना, ह्रास होना, कम होना.
ज्ञप् (१० उ० ज्ञपयति–ते) १ जानना, समझना. २ सिखाना, समझाना. ३ आनदित करना, खुश करना. ४ मारना, ठोंकना. ५ तीक्ष्ण करना, पैना करना, पैनाना. ६ देखना.
ज्ञा (९ उ० जानाति–जानीते) १ जानना, समझना. अनु–१ अनुमोदन देना, आज्ञा करना, हुक्म देना. २ कबूल करना. मान्य करना. अप–१ छिपाना, आच्छादित करना, छुकाना. अव–१ नहीं जानना अव–१ अपमान करना, मानखडन करना. उप–१ प्रथम जानना, पहिले समझना. परि–१ जान लेना.

समझ लेना, परिज्ञान कर लेना. प्र-१ अच्छी तरह जानना. सम्-१ प्रतिज्ञा करना, प्रण करना, वचन देना. २ अंगीकार करना. स्वीकार करना, लेना. ३ अनुमोदन देना, आज्ञा करना. प्रत्यभि-१ पहचानना. वि-१ साफ समझना, स्पष्ट जानना. सम्-१ उत्कंठापूर्वक स्मरण या याद करना. २ अच्छीतरह जानना, समझना. (१० उ० आज्ञापयति-ते) १ आज्ञा करना, हुक्म करना. (१० प० ज्ञपयति) १ मार डालना. २ आनंदित करना, खुश करना. ३ तीक्ष्ण करना, पैना करना, पैनाना. ४ स्पष्ट करना, साफ २ दिखाना. ५ स्तुति करना, प्रशंसा करना.

ज्या (९ प० जिनाति) १ जीर्ण होना, वृद्ध होना. २ पुराना होना.

ज्यु (१ आ० ज्यवते) १ नजदीक जाना या आना.

ज्युत् (१ उ० ज्योतति-ते) १ दीप्तिमान् होना, चमकना, प्रकाशित होना.

ज्यो (१ आ० ज्यवते) १ उपदेश देना, सिखाना. २ आज्ञा करना, हुक्म करना. ३ धर्माचरण करना.

ज्रि (१ प० ज्रयति) १ जीतना, जय पाना. २ कम होना, न्यून होना.

ज्री (९ प० ज्रिणाति, १ प० ज्रयति, १० उ० ज्राययति-ते) १ वृद्ध होना, जीर्ण होना.

ज्वर् (१ प० ज्वरति) १ ज्वर आना, बुखार आना.

ज्वल् (१ प० ज्वलति) १ प्रकाशित करना या होना. २ जलाना या जलना. (१० प० प्रज्वलयति) १ जलना या जलाना. २ प्रकाशित करना या होना.

झ.

झट् (१ प० झटति) १ जुड़ना, एकत्र होना.

झड् (१ प० झडति) १ जुड़ना, एकत्र होना.

झम् (१ प० झमति) १ खाना, भक्षण करना.

झर्च् (१ प० झर्चति) बोलना, कहना. २ निंदा करना, दोष लगाना.

झर्छ् (१ प० झर्छति) १ बोलना, कहना. २ निंदा करना, दोष लगाना.

झर्झ (१-६ प० झर्झति, १० प० झर्झयति) १ बोलना, कहना.

२ निंदा करना, दोष लगाना. (१ प० झर्झति) १ मार डालना, दु:ख देना.

झष् (१ प० झषति) १ मार डालना, दु:ख देना. २ ग्रहण करना. लेना ३ वस्त्रादि धारण करना, पहिनना, पहिरना.

झु (१ आ० झवते) १ जाना, स्थलांतर करना.

झूष् (१ प० झूषति) १ मार डालना, दु:ख देना

झॄ (९ प० झृणाति, ४ झीर्यति) १ वृद्ध होना, जीर्ण होना. २ नष्ट होना.

झ्यु (१ आ० झ्यवते) १ जाना, स्थलांतर करना.

ट.

टङ्क् (१ प० टङ्कति, १० टङ्कयति–ते) १ बांधना, जुटाना.

टल् (१ प०टलति) १विह्वल होना, दु:खित होना, हृद्रोगी होना.

टिक् (१ आ० टेकते) १ जाना २ टिकाना

टिप् (१० उ० टेपयति–ते) १ भेजना २ फेंकना, उडाना

टीक् (१ आ० टीकते) १ जाना. २ टिकना.

ट्वल् (१ प० ट्वलति) १ विह्वल होना, दु:खित होना.

टौक् (१ आ० टौकते) १ जाना २ विकना.

ड.

डप् (१० आ० डापयति) १एकत्र करना, बटोरना, राशि करना

डम्प् (१ प० डम्पति, १० आ० डम्पयते) १ एकत्र करना, बटोरना, राशि करना.

डम्ब् (१ उ०डम्बयति–ते) १ फेंकना. वि–१ छल करना, विडंबना करना.

डम्भ् (१ प० डम्भति, १० उ० डम्भयति–ते) १ एकत्र करना, बटोरना, राशी करना.

डिप् (४ प० डिप्यति, ६ प० डिपति १० उ० डिपयति–ते) १ भेजना. २ फेंकना, उडाना

डिम्प् (१ प० डिम्पति, १० आ० डिम्पयते) १ एकत्र करना, बटोरना, राशि करना.

डिम्ब् (१० उ० डिम्बयति–ते) १ फेंकना, उडाना.

डिम्भ् (१ प० डिम्भति, १० आ० डिम्भयते) १ फेंकना, उडाना.

डी (१ आ० डयते, ४ आ० डीयते) १ आकाशमें उड जाना, अंतरिक्षमें उडना. २ जाना. अव–१ आकाशमेंसे उतरना.

उत्–१ ऊपर उडना. परि–१ चक्राकार उडना. प्र–१ चपलतासे उडना. सम्–१ समूहके साथ उडना. समुत्–१ ठहर ठहरके धीरे धीरे उडना.

डुल् (१० उ० डोलयति–ते) १ ऊपर फेंकना.

ढ.

ढुण्ढ् (१ प० ढुण्ढति) १ ढूंढना.

ढौक् (१ आ० ढौकते) १ जाना, स्थलांतर करना. उप–१ आगे रखना.

त.

तक् (१ प० तकति) १ उपहास करना, ठट्ठा मारना, विटंबना करना. २ सहना, सहन करना. व्यति–१ उपहास करना, प्रत्युपहास करना.

तङ्क् (१ प० तङ्कति) १ दुःखसे दिन विताना. (१ आ० तङ्कते) १ जाना.

तङ्ग् (१ प० तङ्गति) १ जाना. २ कांपना, हिलना. ३ ठोकर लगके गिर पडना.

तञ्च् (१ प० तञ्चति) १ जाना. (७ प० तनक्ति) १ संकोचित होना.

तञ्ज् (७ प० तनक्ति) संकोचित होना.

तट् (१ प० तटति) १ ऊंचा होना, वृद्धिंगत होना. (१० प० ताटयति) १ मारना, ताडन करना.

तड् (१० उ० ताडयतिते) १ मारना, ताडन करना. २ चमकना.

तण्ड् (१ आ० तण्डते) १ मारना, ताडन करना.

तन् (८ उ० तनोति, तनुते) १ फैलाना. २ बढाना (१ प० तनति, १० उ० तानयति–ते) १ भरोसा करना. २ आश्रय देना, मदद देना, साहाय्य करकरना. ३ शब्द करना. ४ पीडा करना, दुःख देना. ५ बढाना, लंबा करना. ६ निरुपद्रवी होना, दुःख नही देना.

तन्त्र् (१० तन्त्रयति) १ फैलाना. कुटुंब पोषण करना.

तन्द् (१ आ० तन्दते) १ संतुष्ट होना, खुश होना.

तप् (१ उ० तपति–ते, ४ आ० तप्यते, १० उ० तापयति–ते) १ तप्त होना, जलना. २ जलाना, तप्त करना. ३ मनमें या शरीरमें जलाना. ४ अमानवी पराक्रम करना या होना. अनु–१ प० पश्चात्ताप करना. परि– सम्–१ प० पश्चात्ताप करना.

तम् (१ प० ताम्यति) १ इच्छा

करना, चाहना. २ मानसिक या शारीरिक व्यथासे दुःखित होना.

तम्ब्‌ (१ प० तम्बति) १ जाना.

तय्‌ (१ आ० तयते) १ जाना. २ संरक्षण करना, संभालना.

तर्क्‌ (१० उ० तर्कयति-ते) १ बोलना, कहना. २ प्रकाशित होना, चमकना. ३ तर्क करना, कल्पना करना, वाद करना. ४ शंका करना.

तर्ज्‌ (१ प० तर्जति, १० आ० तर्जयते) १ दोष लगाना, निंदा करना. २ डराना. ३ उपहास करना.

तर्द्‌ (१ तर्दति) १ मार डालना, दुःख देना.

तर्ब्‌ (१ प० तर्बति) १ जाना.

तल्‌ (१ तलति, १० उ० तालयति-ते) १ पूर्ण होना. २ स्थापन करना, बिठाना. ३ सिद्ध करना.

तस्‌ (४ प० तस्यति) १ फेंकना, उड़ा देना. २ भेजना. ३ खो देना. ४ कुम्हलाना.

तंस्‌ (१ प० तंसति, १० उ० तंसयति-ते) १ सजाना, अलंकृत करना. अव-१ सजाना, अलंकृत करना.

तक्ष्‌ (१ प० तक्षति) १ आच्छादित करना. २ छीलना. (५ प० तक्ष्णोति) १ छीलना. अनु-पैना करना, धार लगाना. सम्‌-१ तुकडे तुकडे करना, घाव करना.

ताय्‌ (१ आ० तायते) १ संरक्षण करना. २ फैलाना, लंबा करना.

तिक्‌ (१ आ० तेकते) १ जाना. (५ प० तिक्नोति) १ जाना. २ इच्छा करना, चाल करना. ३ मार डालने या दुःख देनेका प्रयत्न करना.

तिग्‌ (५ प० तिग्नोति) १ जाना. २ इच्छा करना, चाल करना. ३ मार डालने या दुःख देनेका प्रयत्न करना.

तिघ्‌ (५ प० तिघ्नोति) १ मार डालना, दुःख देना.

तिज्‌ (१ आ० तेजते, १० उ० तेजयति-ते) १ तीक्ष्ण करना, पैना करना, धार लगाना. २ चमकना. (१ आ० तितिक्षते) १ क्षमा करना, सहना.

तिप्‌ (१ आ० तेपते) १ प्रोक्षण करना, सींचना. २ झरना, चूना.

तिम्‌ (१ प० तेम्पति, ४ प० तिम्यति) १ आर्द्र होना, गीला होना या करना.

तिरस् (११ प० तिरस्यति) १ गुप्त होना.

तिल् (१ प० तेलति) १ जाना. (६ प० तिलति, १० उ० तेलयति–ते) १ तेल लगाना. २ स्निग्ध होना, तैलयुक्त होना.

तिल्ल् (१ प० तिल्लति) } १ जाना.
तीक् (१ आ० तेकते) }

तीम् (४ प० तीम्यति) १ आर्द्र होना, गीला होना.

तीर् (१० उ० तीरयति–ते) १ पूर्ण करना, समाप्त करना. २ पार लगाना.

तीव् (प० तीवति) १ मोटा स्थूल होना, तुंदिल होना.

तु (२ प० तौति, तवीति) १ जाना. २ बढना. ३ दुःख देना, मार डालना. ४ पूर्ण करना.

तुज् (१ प० तोजति), १ दुःख देना, मार डालना. (१० उ० तोजयति–ते) १ रहना, वसति करना, मुकाम करना, २ मजबूत या बलवान् होना. ३ ग्रहण करना, लेना. ४ चमकना, प्रकाशित होना. ५ मार डालना.

तुञ्ज् (१ प० तुञ्जति, १० उ० तुञ्जयति–ते) १ रहना, वसति करना, मुकाम करना. २ बलवान् होना. ३ ग्रहण करना, लेना. ४ चमकना, प्रकाशित होना. ५ मार डालना. (१ तुञ्जति) १ रक्षा करना, प्रतिपालन करना, सम्भालना.

तुट् (६ प० तुटति) १ झगडना, झगडा करना. २ दुःख देना.

तुड् (१ प० तोडति, ६ प० तुडति) १ तोडना, कतरना. २ दुःख देना.

तुड्ड् (१ प० तुड्डति) १ अपमान करना, अनादर करना.

तुण् (६ प० तुणति) १ टेढा होना, वक्र होना. २ बुरी रीतिसे वर्तना.

तुण्ड् (१ आ० तुण्टते) १ तोडना, कतरना. २ दुःख देना. ३ दबाना.

तुत्थ् (१० उ० तुत्थयति–ते) १ परदा डालना, आच्छादित करना. २ फैलाना. ३ स्तुति करना.

तुद् (६ उ० तुदति–ते) १ दुःख देना, पीडा करना, घाव करना.

तुन्द् (१ प० तुन्दति) १ ढूंढना.

तुप् (१ प० तोपति, ६ प० तुपति, १० प० तोपयति) १ मार डालना, दुःख देना.

तुफ् (१ प० तोफति, ६ प० तुफति, १० प० तोफयति) १ मार डालना, दुःख देना.

तुभ् (१ आ० तोभते, ४ प० तुभ्यति, ९ प० तुभ्नाति) १ मार डालना, दुःख देना.

तुम्प् (१-६ प० तुम्पति, १० प० तुम्पयति) १ मार डालना, दुःख देना.

तुम्फ् (१ प० तुम्फति) १ मार डालना, दुःख देना.

तुम्ब् (१ प० तुम्बति, १० उ० तुम्बयति-ते) १ मार डालना, दुःख देना. २ अंतर्हित होना, गुप्त होना, नष्ट होना.

तुर् (३ प० तुतोर्ति) १ जल्दी जाना २ त्वरा करना (६ उ० तुरति-ते) १ जल्दी करना. २ जिनना ३ हिंसा करना

तुरण् (११ प० तुरण्याति) १ जल्द जाना २ त्वरा करना.

तुर्व् (१ प० तू (तु) र्वति) १ मार डालना, दुःख देना २ श्रेष्ठ होना. ३ जीतना. ४ बचाना.

तुल् (१ प० तोलति, १० उ० तोलयति-ते) १ तौलना, वजन करना (१० आ० तोलयते), पूर्ण करना.

तुष् (४ प० तुष्यति) १ सतुष्ट होना, खुश होना.

तुस् (१ प० तोसति) १ शब्द करना, आवाज करना.

तुह् (१ प० तोहति) १ मार डालना, दुःख देना.

तूड् (१ प० तूडति) १ अनादर करना. २ तोडना, कतरना.

तूण् (१० आ० तूणयते) १ भरना, पूर्ण करना. (१० उ० तूणयति-ते) १ सकोचित होना, अकडना

तूर् (४ आ० तूर्यते) १ जल्द जाना. २ दुःख देना, सताना.

तूल् (१ प० तूलति, १० उ० तूलयति-ते) १ त्याग करना, निकाल देना २ तौलना.

तूष् (१ प० तूषति) १ तृप्त होना. २ तृप्त करना, आनंदित करना.

तृक्ष् (१ प० तृक्षति) १ जाना.

तृण् (८ उ० तृणोति, तृणुते, तर्णोति, तर्णुते) १ घास खाना. २ चरना.

तृद् (१ प० तर्दति, ७ उ० तृणत्ति, तृन्ते) मार डालना, दुःख देना. २ अवज्ञा करना, अनादर करना. ३ देना, दान करना. ४ खाना, भक्षण करना.

तृप् (१ प० तर्पति, ४ प० तृप्यति, ५ प० तृप्नोति, ६ प० तृपति, १० उ० तर्पयति-ते) १ तृप्त होना, खुश होना. २ तृप्त कर-

तृफ्-तृ	तेज्-त्रप्

ना, खुश करना (१ प० तर्पति, १० उ० तर्पयति-ते) १ प्रज्वलित करना, जलाना.

तृफ् (६ प० तृफति) १ तृप्त होना या करना २ दुःख देना, पीडा करना.

तृम्प् (६ प० तृम्पति) तृप्त होना या करना

तृम्फ् (६ प० तृम्फति) तृप्त होना या करना.

तृष् (४ प० तृष्यति) १ प्यास लगना २ इच्छा करना, उत्कंठित होना, चाहना

तृह् (६ प० तृहति, ७ प० तृणेढि १० तर्हय-ति-ते) १ मार डालना, दुःख देना

तृंह् (६ प० तृहति) १ बढना, वृद्धिगत होना २ मार डालना

तृ (१ प० तरति) १ पार जाना, परतीरको जाना २ जलपर तैरना ३ जीतना ४ नौकादि साधनसे जलके पार जाना अव-१ उतरना आ-१ भारा देकर नावपर चढ जाना उत्-१ ऊपरसे जाना २ जवाब देना, उत्तर देना ३ पार जाना दुस्-१ सकष्टसे पार जाना निस्-१ सुखसे तैर जाना २ मुक्ति पाना प्र-१ जीतना वि-१ जाना २ मुक्ति पाना. प्र-१ जीतना. वि-१ जाना २ देना, धर्म करना. सम्-१ तैरके जाना.

तेज् (१ प० तेजति) १ पालन करना, रक्षा करना, बचाना

तेप् (१ आ० तेपते) १ सींचना, प्रोक्षण करना २ प्रकाशित होना, चमकना ३ झरना, चूना. ४ हिलना, कांपना. ५ छानना.

तेव् (१ आ० तेवते) १ खेलना, क्रीडा करना २ रोना, शोक करना

तोड् (१ प० तोडति) १ उपहास करना, अपमान करना

तौक् (१ आ० तौकते) १ जाना.

त्यज् (१ प० त्यजति) १ छोडना त्याग करना.

त्रख् (१ प० त्रखति), त्रङ्क् (१ आ० त्रङ्कते), त्रङ्ख् (१ प० त्रङ्खति), त्रङ्ग् (१ प० त्रङ्गति) — १ जाना, स्थलांतर करना २ हिलना.

त्रन्द् (१ प० त्रन्दति) १ प्रयत्न करना २ उद्यम करना ३ उद्यममें निमग्न रहना

त्रप् (१ आ० त्रपते) १ लज्जित होना, शरमाना २ डराना.

त्रस् (१ प० त्रसति, ४ प० त्रस्यति) १ डरना. २ दौड जाना, जल्द जाना. (१० उ० त्रास यति-ते) १ पकडना. २ हरण करना, जबरन लेना. ३ मना करना, प्रतिबंध करना. ४ डराना.

त्रंस् (१ प० त्रसति, १० उ० त्रसयति-ते) १ बोलना, कहना. २ चमकना.

त्रा (२ प० त्राति) १ संरक्षण करना, पालन करना.

त्रिङ्ख् (१ प० त्रिङ्खति) १ जाना, चलना.

त्रुट् (४ प० त्रुट्यति, ६ प० त्रुटति, १० आ० त्रोट्यते) १ कत रना, तोडना. २ शका दूर करना, सशय निवारण करना.

त्रुप् (१ प० त्रोपति)
त्रुफ् (१ प० त्रोफति)
त्रुम्प् (१ प० त्रुम्पति)
त्रुम्फ् (१ प० त्रुम्फति) १ मार डालना, दुःख देना.

त्रै (१ आ० त्रायते) १ सरक्षण करना, पोषण करना.

त्रौक् (आ० त्रौकते) १ जाना.

त्वक्ष् (१ प० त्वक्षति) १ छीलना, रेतना, बारीक करना. २ कृश होना. ३ छाल निकालना.

त्वङ्ग् (१ प० त्वङ्गति) १ जाना.

त्वच् (६ प० त्वचति) १ आच्छादित करना, लपेटना, ढांकना.

त्वञ्च् (१ प० त्वञ्चति) १ जाना.

त्वर् (१ आ० त्वरते) १ जल्द करना, २ जल्द जाना.

त्विष् (१ उ० त्वेषति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना. अव- १ रहना. २ देना, दान करना.

त्सर् (१ प० त्सरति) १ टेढा जाना, कपटपूर्वक जाना.

थ.

थुड् (६ प० थुडति) १ आच्छादित करना, लपेटना, ढाँकना.

थुध् (४ उ० थुध्यति-ते) १ स्वच्छ करना, शुद्ध करना.

थुर्व् (१ प० थूर्वति) १ मार डालना, दुःख देना.

द.

दघ् (५ प० दघ्नोति) १ मारना, दुःख देना. २ सरक्षण करना, पोषण करना.

दङ्घ् (१ प० दङ्घति) १ त्याग करना, छोड देना. २ पालन करना, रक्षा करना.

दक्ष् (१ आ० दक्षते) १ जल्द करना. २ चढना, वृद्धिगत होना. ३ जाना. ४ मार टालना, दुःख देना.

दण्ड्–दरिद्रा	दल–दह्

दण्ड् (१० उ० दण्डयति–ते) १ शासन करना. २ धनदंड करना.
दद् (१ आ० ददते) १ दान करना, देना. २ त्याग करना, छोड देना.
दध् (१ आ० दधते) १ देना, अर्पण करना. २ धारण करना. ३ पालन करना.
दन्ध् (१ प० दन्धति) १ संरक्षण करना, पालन करना.
दम् (१० उ० दमयति–ते) १ आज्ञा करना, हुक्म करना.
दम्भ् (१० उ० दम्भयति–ते) १ आज्ञा करना. (५ दम्नोति) १ ठगना, वंचित करना. ढोंग करना. २ चीरना, फाडना, तोडना. (१० प० दम्भयति) १एकत्र करना, बटोरना, गूथना.
दम् (४ प० दाम्यति) १ शांत करना. २ दमन करना. ३ जीतना, स्वाधीन करना. ४ सुलह करना.
दय् (१ आ० दयते) दान देना, ईनाम देना, देना. २ लेना. ३ पालन करना, सभालना. ४ मार डालना, दुःख देना. ५ दया करना. ६ जाना.
दरिद्रा (२ प० दरिद्राति) १ दरिद्री होना. २ दुःखित होना. ३ कृश होना.
दल् (१ प० दलति, १० उ० दालयति–ते) १ चीरना, फाडना, तुकडे २ करना. २ स्पष्ट करके दिखाना. ३ कुम्हलाना. म्लान होना.
दव् (१ प० दवति) १ जाना, स्थलांतर करना.
दंश् (१ प० दशति, १० आ० दशयते) १ डंसना, काटना, दंश करना. २ देखना. ३ बख्तर पहरना. (१० उ० दशयति–ते) १ चमकना. उप–१ संकटमें पडना. सम्–१ नोचना.
दस् (४ प० दस्यति)१ नष्ट होना. २ उडा देना, प्रेरणा करना. उचकना. (१० उ० दासयते) १ देखना, २ काटना, डसना, दंश करना.
दंस् (१ प० दसति, १० उ० दसयति–ते)१ काटना. २ चमकना ३ देखना.
दह् (१ प० दहति)१ रक्षा करना. २ जलाना. ३ नष्ट करना. ४ दुःख देना. ५ दाग देना, गुल देना, दग्ध करना. परि–१ परिपूर्ण रीतिसे जल जाना.

दृंह् (१० प० दृहयति) १ चमकना. २ जलाना.

दा (१ प० यच्छति, ३ उ० ददाति, दत्ते) १ देना. २ सौंपना. ३ लौटाना. ४ रखना. आ–१ लेना, अंगीकार करना. परि–१ देना, सौंपना. २ ऋण देना. ३ ईनाम देना. प्र–१ देना. व्या–१ उघाडना. समा–१ पसंद करके लेना. (२ प० दाति) १ कतरना, तोडना.

दान् (१ उ० दानति–ते, इच्छार्थक उ० दीदांसति–ते) १ खंडन करना, तोडना. २ सीधा करना, सरल करना.

दाय् (१ आ० दायते) १ देना, दान देना, ईनाम देना.

दाश् (१ उ० दाशति–ते, ५ प० दाश्नोति, १० आ० दाशयते) १ मार डालना, दुःख देना. २ देना. ३ बलि देना.

दास् (१ उ० दासति–ते, ५ प० दास्नोति) १ मार डालना या दुःख देना. २ देना, सौंपना.

दिन्व् (१ प० दिन्वति) १ खुश होना या करना, आनंदित करना या होना.

दिम्प् (१ उ० दिम्पति–ते, १० आ० दिम्पयते) १ आज्ञा करना, हुक्म देना. २ एकत्र करना, बटोरना.

दिम्भ् (१० प० दिम्भयति) १ आज्ञा करना, हुक्म देना. २ एकत्र करना, बटोरना, जमा करना.

दिव् (४ प० दीव्यति) १ खेलना, क्रीडा करना. २ जीतनेकी इच्छा करना. ३ व्यापार करना, क्रयविक्रय करना, खरीदना बेंचना. ४ तेजस्वी होना, चमकना. ५ प्रशंसा करना, स्तुति करना. ६ आनंद करना, खुश करना. ७ भूल जाना, गर्व आदिक मनोविकारसे दिवाना होना. ८ चाहना, प्रीति करना. ९ सो जाना, निद्रित होना. १० जाना. (१ प० देवति, १० उ० देवयति–ते) १ पीडा सहन करना. २ याचना करना, मांगना. ३ जाना. (१ प० देवति, १० आ० देवयते) दुःख करना, शोक करना, रोना, आक्रोश करना.

दिश् (६ उ० दिशति–ते) १ दिखाना, समझाना. २ आज्ञा

करना, हुक्म देना. ३ कहना, बोलना. ४ देना, इनाम देना. अप–१ वेपांतर करना. आ–१ आज्ञा करना. २ दिखाना. ३ बुलाना. उत्–१प्रसिद्ध करना, जाहिर करना. २ दिखाना. उप–१ उपदेश करना. निर्–१ समझाना, विस्तारपूर्वक कहना. २ जोरसे बोलना. प्र–१ मुकरर करना, कायम करना. प्रतिसम्–१ पीछे लौटाना, पीछे देना. व्यप–१ बहाना करना. विनिर्–१ साफ २ कहना. सम्–१ स्पष्ट करना, दिखाना. २ खबर देना. समा–१ मान्य करना. समुप–दूरकी वस्तु उगलीसे दिखाना.

दिह् (२ उ० देग्धि, दिग्धे) १ बढाना, जमाना. २ लीपना, पोतना.

दी (४ आ० दीयते) १ ह्रास होना, झरना.

दीक्ष् (१ आ० दीक्षते) १ क्षौर करना, मुण्डन करना, हजामत बनाना. २ यज्ञ करना. ३ दीक्षा देना, उपदेश देना, उपनयन करना. ४ आत्मनिग्रह करना. ५ धर्म सिखाना.

दीधी (२ आ० दीधीते) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ खेलना, क्रीडा करना.

दीप् (४ आ० दीप्यते) १ प्रकाशित होना, चमकना.

दु (१ प० दवति) १ जाना. (५ प० दुनोति) १ दुःख भोगना. २ जलना. ३ तप्त करना, जलाना.

दुःख (१० उ० दुःखयति-ते, ११ दुःख्यति) १ दुःख देना, छल करना.

दुर्व् (१ प० दूर्वति) १ दुःख देना, सताना.

दुल् (१० प० दोलयति) १ उचकना, उठाना, फेंकना. २ चिताना. ३ डोलाना, हिलाना.

दुष् (४ प० दुष्यति) १ दुष्टाचरण करना, दुष्ट रीतिसे वर्तना. २ अशुद्ध होना. प्रा–१ पसिद्ध होना, जाहिर होना.

दुह् (२ उ० दोग्धि, दुग्धे) १ दूध निकालना, दोहना. (१ प० दोहति) १ पीडा करना, दुःख देना. २ हिंसा करना, मार डालना.

दू (४ आ० दूयते) १ दुःखसे जर्जर होना, दुःख सहन करना. २ दुःख देना, पीडा करना.

दूष् (४ प० दूष्यति) १ दूषित होना. २ दूषित करना.

दृ (६ आ० आद्रियते) १ सत्कार करना. (५ प० दृणोति) १

दुःख देना, मार डालना. (१ प० दराति, १० प० दारयति) १ डरना.

दृप् (४ प० दृप्यति) १ आनंदित होना, खुश होना. २ मोहित होना. ३ गर्वित होना. (६ प० दृपति) १ पीडा करना, दुःख देना. (१ प० दर्पति, १० उ० दर्पयति-ते) १ उजाला करना, जलाना.

दृफ् (६ प० दृफति) १ पीडा करना, दुःख देना

दृभ् (६ प० दृभति) १ पीडा करना, दुःख देना. २ रचना, गूथना (१ प० दर्भति, १० उ० दर्भयति-ते) १ डरना २ संबंध लगाना, संदर्भ लगाना.

दृम्प् (६ प० दृम्पति, १० आ० दृम्पयते) १ पीडा करना, दुःख देना.

दृम्फ् (६ प० दृम्फति) १ पीडा करना, दुःख देना.

दृश् (१ प० पश्यति) १ देखना. उत्-१ ऊपर देखना. २ माबे प्यादिचार करना. ३ संशय करना, शंका करना.

दृह् (१ प० दर्हति) १ बढना, वृद्धिगत होना.

दृंह् (१ प० दृंहति) १ बढना, वृद्धिगत होना.

दॄ (९ प० दृणाति) १ चीरना, फाडना, तुकडे २ करना. (१ प० दराति) १ डरना. (४ प० दीर्यति) १ विदारण करना, चीरना. (५ प० दृणोति) १ हिंसा करना.

दे (१ आ० दयते) १ संरक्षण करना, पोषण करना.

देव् (१ आ० देवते) १ खेलना, क्रीडा करना.

दै (प० दायति) १ शुद्ध करना.

दो (४ प० द्यति) १ कतरना, विभाग करना

द्यु (२ प० द्यौति) १ शत्रुपर हल्ला करना. २ आगे जाना, नजदीक जाना.

द्युत् (१ आ० द्योतते) १ चमकना, प्रकाशित होना.

द्यै (१ प० द्यायति) १ धिक्कार करना, तिरस्कार करना.

द्रम् (१ प० द्रमति) १ जाना.

द्रा (२ प० द्राति) १ भाग जाना २ लज्जित होना, शरमाना ३ निंदा करना, दोष लगाना. ४ उड जाना.

द्राक्ष् (१ प० द्राङ्क्षति) १ काव

काव शब्द करना. २ इच्छा करना, चाहना.

द्राख् (१ प० द्राखति) १ सूख-ना, शुष्क होना. २ संवारना, शोभित करना. ३ शक्तिमान् होना. ४ निषेध करना. मना करना. ५ तृप्त करना.

द्राघ् (१ आ० द्राघते) १ श-क्तिमान् होना. २ लंबा करना, तानना. ३ क्लांत होना, मुर्झाना.

द्राड् (१ आ० द्राडते) १ चीर-ना, फाडना, तुकडे २ करना.

द्राह् (१ आ० द्राहते) १ जगना, जागृत रहना. २ गिरौं रखना.

द्रु (१ प० द्रवति) १ जाना, अनुसरण करना. अभि-१ तैर-ना. आ-१ भाग जाना. उप-१ विध्वंस करना, नाश करना, जुल्म करना. प्र-१ भाग जाना, विमुख होना. वि-१ मार डा-लना. २ भाग जाना. समा-१ एकत्र होकर भागना. समुप-१ भेंटना, मिलाप होना. २ भाग जाना.

द्रुड् (१ प० द्रोडति, ६ प० द्रुड-ति) १ डूबना.

द्रुण् (६ प० द्रुणति) १ पीडा करना, दुःख देना. २ नजदीक जाना या आना. ३ टेढा करना, वक्र करना.

द्रुह् (४ प० द्रुह्यति) १ द्वेष कर-ना, मारनेके लिये देखना.

द्रू (९ उ० द्रूणाति, द्रूणीते) १ जाना, स्थलांतर करना. २ चोट पहुँचाना, मार डालना.

द्रेक् (१ आ० द्रेकते) १ शब्द करना. आवाज करना. २ बढ-ना, वृद्धिगत होना. ३ अपना बडप्पन या आनंद प्रकट करना.

द्रै (१ प० द्रायति, निद्रायति) १ सोना, नींद लेना.

द्विष् (१ प० द्विषति, २ उ० द्वेष्टि, द्विष्टे) १ मत्सर करना, द्वेष करना, शत्रुत्व करना.

द्वृ (१ प० द्वरति) १ कबूल कर-ना, स्वीकार करना, अपना-ना २ आच्छादित करना. ३ रोकना ४ अनादर करना.

ध.

धक्क् (१० उ० धक्कयति-त्ते) १ नष्ट होना.

धण् (१ प० धणति) १ शब्द करना.

धन् (१ प० धनति) १ शब्द करना. (३ उ० दधन्ति) १ उत्पन्न करना, पैदा करना, फल-ना, बौर लगना.

धन्व् (१ प० धन्वति) १ जाना, स्थलांतर करना

धा (३ उ० दधाति, धत्ते) १ धारण करना, पहरना २ पोषण करना, रक्षण करना. ३ देना, दान करना ४ पास रखना अनुसम्–१ अनुसधान करना. २ ढूंढना. अपि–१ आच्छादन करना, ढांकना. अभि–१ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना २ दिखाना ३ बोलना, कहना, सभाषण करना, अभिसम्–१ जीतना, पराजय करना सम्– अव–१ सावध रहना २ ध्यान देना आ–१ स्वीकार करना, अगीकार करना. २ करना ३ स्थापित करना उप–१ मदद करना, साहाय्य करना. २ समझना, जानना. उपा–१ मदद करना, साहाय्य करना नि–१ ऊपर लेना, ऊपर करना २ वांचमे या ऊपर स्थापन करना ३ उत्पन्न होना, पैदा होना ४ धरना, धारण करना. परि–१ वस्त्रादि धारण करना, पहिरना, परिधान करना. प्र–१ मुख्य होना, प्रथम होना २ प्रेरणा करना, भेज देना. प्रणि–१ धारण करना. २ कबूल करना, मान्य करना, स्वीकार करना ३ श्रेष्ठ पदवीपर चढना ४ गुप्त रहना, छिपकर रहना. प्रतिवि–१ प्रतीकार करना, निवारण करना वि–१ करना २ धर्मसबधी कर्म करना ३ पसद करना ४ पूरा करना, पूर्ण करना. ५ आज्ञा करना, हुक्म करना ६ वचन देना. ७ देना व्यव–१ छिपाना सम्–१ स्थापन करना, रखना. २ एकत्र करना, बटोरना ३ लक्ष्य भेद करना, निशान मारना सम्प्र–प्रतिसम्–१ चर्चा करना, वादविवाद करना समा–१ समाधान करना २ सिखाना. सनि–१ नजदीक रखना, नजदीक आना.

धाव् (१ उ० धावति–ते) १ जाना. २ भागना ३ स्वच्छ करना, मलरहित करना, धोना, ४ स्वच्छ होना अनु–१ जानना, समझना २ पीछे २ भागना. अभि–१ समीप आना या जाना आ–१ उतरना, नीचे उतरना परि–१ जरद भागना वि–१ प्रोक्षण करना, सींचना समुप–१ भेटनेके लिये दौडना

धि (६ प० धियति) १ पास रखना या होना, युक्त होना. (५

प० धिनोति) १ जाना, गमन करना २ संतुष्ट होना या करना, खुश होना या करना

धिव् (५ प० धिनोति) १ संतुष्ट होना या करना, खुश होना या करना २ समीप जाना या आना

धिक्ष् (१ आ० धिक्षते) १ प्रदीप्त करना, बारना, जलाना २ जीना, जीता रहना ३ श्रमित होना, थक जाना, नाकमें दम आना

धिष् (३ प० दिधेष्टि) १ शब्द करना, आवाज करना

धी (४ आ० धीयते) १ धारण करना, आधारभूत होना २ उपेक्षा करना अन्त-१ गुप्त होना, छिप जाना

धु (५ उ० धुनोति, धुनुते) १ कांपना, हिलना,

धुक्ष् (१ आ० धुक्षते) १ प्रदीप्त करना, बारना २ जीना ३ श्रान्त होना, थक जाना

धुर्व् (१ प० धूर्वति) १ मार डालना या दुःख देना

धू (१ उ० धुवति-ते, ५ उ० धूनोति-धुनुते, ६ प० धुवति, ९ उ० धुनाति धुनीते, १० उ० धावयति-ते, धूनयति) १ कंपाना, कंपित होना, हिलाना, क्षोभित करना अव-(धूनयति) १ देखना २ छोड देना, त्याग करना निर्-१ नष्ट करना २ जाना वि-१ प्रकंपित करना, क्षोभित करना

धूक्ष् (१ आ० धूक्षते) १ प्रदीप्त करना, जलाना २ जाना ३ श्रांत होना, थक जाना

धूप् (१ प० धूपायति) १ गरम करना, तपाना (१० उ० धूपयति ते) १ चमकना प्रकाशित होना २ बोलना, संभाषण करना

धूर् (४ आ० धूर्यते) १ मार डालना या दुःख देना २ समीप जाना या आना

धूश् (१० उ० धूशयति-ते) १ शोभित होना, शृंगारयुक्त होना, अलंकृत होना

धूष् (१० उ० धूषयति-ते) १ शोभित होना, शृंगारयुक्त होना, अलंकृत होना

धूस् (१० उ० धूसयति-ते) १ शोभित होना, शृंगारयुक्त होना, अलंकृत होना

धृ (१ आ० धरते) १ गिर पडना, पडना (६ आ० ध्रियते) १ रहना स्थिर रहना १ धारण करना, पास रखना, युक्त होना,

(१ उ० धरति-ते) १ धारण करना, युक्त होना. (१ प० धराति) १ प्रोक्षण करना, सींचना (१० प० धारयति) १ धारण करना. अव-, निर्-१ सत्य करके दिखाना

धृज् (१ प० धर्जति) १ जाना, स्थलांतर करना.

धृञ्ज् (१ प० धृञ्जति) १ जाना, स्थलांतर करना

धृष् (५ प० धृष्णोति) १ गर्व करना. अपने तई बडा समझना (१ प० धर्षति, १० उ० धर्षयति-ते) १ जीतना, पराभव करना. २ अधीर होना, घबर जाना. (१ प० धर्षति) १ एकत्र करना, बटोरना. २ मार डालना या दुःख देना. (१० आ० धर्षयते) १ शक्तिहीन होना, निर्जीव होना.

धॄ (९ प० धृणाति) १ जीर्ण होना, वृद्ध होना, बूढा होना.

धे (१ उ० धयति-ते) १ प्राशन करना, पीना

धोर् (१ प० धोरति) १ अच्छी रीतिसे गमन करना, चतुराईसे चलना, जल्द चलना.

ध्मा (१ प० धमति) १ फूकना, मुँहसे वशी आदि वाद्य बजाना. २ आग सुलगाना. ३ आग लगाना ४ प्रदीप्त करना, जलाना

ध्माङ्क्ष् (१ प० ध्माङ्क्षति) १ कौवेके समान कावकाव शब्द करना. २ इच्छा करना, चाहना

ध्यै (१ प० ध्यायति) १ ध्यान करना, चिंतन करना, मनन करना, विचार करना. नि-१ शोधना, ढूढना.

ध्रज् (१ प० ध्रजति) १ जाना, स्थलांतर करना.

ध्रञ्ज् (१ प० ध्रञ्जति) १ जाना, स्थलांतर करना.

ध्रण् (१ प० ध्रणति) १ बाजा दिकोंका शब्द करना, बाजा बजाना.

ध्रस् (१० उ० ध्रासयति-ते) १ ऊपर फेकना, उडा देना. (९ प० ध्रस्नाति) १ बिनना, एक २ करके बिनना.

ध्राख् (१ प० ध्राखति) १ शुष्क होना, सूखना. २ संवारना, सजाना, शृंगार करना, शोभित करना. ३ मना करना, निषेध करना, निवारण करना. ४ पूरा करना, पूर्ण करना.

ध्राघ् (१ आ० ध्राघते) १ योग्य होना, समर्थ होना, लायक होना.

ध्राड् (१ आ० ध्राडते) १ चीरना, तुकडे २ करना, फाडना.

ध्राङ्क्ष (१ प० ध्राङ्क्षति) १ कौवे के समान कावकाव शब्द करना. २ चाहना.

ध्रिज् (१ प० ध्रेजति) १ जाना, स्थलांतर करना.

ध्रु (१ प० ध्रवति) १ अचल होना, स्थिर होना. (६ प० ध्रुवति) १ अचल होना, स्थिर होना, २ जाना. गमन करना.

ध्रुव् (६ प० ध्रुवति) १ स्थिर रहना, खडा रहना. २ जाना.

ध्रू (६ प० ध्रुवति) १ स्थिर रहना. २ जाना.

ध्रेक् (१ आ० ध्रेकते) १ शब्द करना, आवाज करना. २ बढना, बहुत होना. ३ हर्षित होना, हँसना, आनंदित होना. ४ बडप्पनके विषयमें बढाई करना.

ध्रै (१ प० ध्रायति) १ तृप्त होना, संतुष्ट होना, खुश होना.

ध्वज् (१ प० ध्वजति) १ जाना, स्थलांतर करना.

ध्वञ्ज् (१ प० ध्वञ्जति) १ जाना, स्थलांतर करना.

ध्वण् (१ प० ध्वणति) १ शब्द करना, आवाज करना.

ध्वन् (१ प० ध्वनति,१० ध्वनयति-ते, ध्वानयति-ते १ शब्द करना, आवाज करना.

ध्वंस् (१ आ० ध्वसते) १ चूर्ण होना या करना. २ जाना. ३ नीचे गिरना. ४ नष्ट होना.

ध्वाङ्क्ष (१ प० ध्वाङ्क्षति) १ कावकाव शब्द करना. २ इच्छा करना, चाहना.

ध्वृ (१ प० ध्वरति) १ टेढा करना, नवाना, वक्र करना. २ मार डालना. ३ वर्णन करना.

न.

नक्क् (१० उ० नक्कयति-ते) १ उच्छेद करना, नष्ट करना.

नक्ष् (१ प० नक्षति, प्रणक्षति) १ जाना, समीप जाना या आना, पहुँचना.

नख् (१ प० नखति) १ जाना, स्थलांतर करना.

नङ्ख् (१ प० नङ्खति) १ जाना, स्थलांतर करना.

नज् (६ आ० नजते) १ लज्जित होना, शरमाना.

नञ्ज् (१ आ० नञ्जते) १ लज्जित होना, शरमाना.

नट् (प० नटति, १० उ० नाट्यति-ते) १ नृत्य करना, नाच

ना. २ नीचे गिरना, झरना, वहना. ३ दुःख देना, पीडा करना. ४ अभिनय करना, भाव दिखाना ५ कंपित होना, हिलना, धीरे २ सरकना. ६ चमकना.

नड् (१ प० नडति) १ भीर होना, एकत्र होना, (१० उ० नाडयति–ते) १ गिरना, पतन होना.

नद् (१० प० नदति, १० प० नादयति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ चमकना. (१० उ० नादयति–ते) १ बोलना. २ चमकना. प्रणदति–समुद्र, घंटा या पशुके समान आवाज करना. व्यनु–१ नादित करना, शब्दोंसे भर देना.

नन्द् (प० नन्दति) १ आनंद पाना, वृद्धि होना, बढती होना. आ–१ सुखी होना, आनंदी होना, खुश होना. अभि–१ इच्छा करना, चाहना. २ कबूल करना, पल्लेमें लेना, मान्य करना. ३ स्तुति करना. प्रति–१ उपकार मानना, धन्य मानना, शुकर करना, शुकर गुजारी करना.

नभ् (१ आ० नभते, प्रणभते, ४ प० नभ्यति, ९ प० नभ्नाति) १ नष्ट होना. २ दुःख देना या मार डालना.

नम् (१ प० नमति) १ नमस्कार करना, वंदन करना, सन्मान देना, नवना. २ शब्द करना. अव–, सम्–, आ–, प्र–१ नमस्कार करना. उत्–१ खडा करना. २ ऊपर उठाना. (१० प० नमयति, नामयति) १ नवना.

नम्ब् (१ प० नम्बति) १ जाना, स्थलांतर करना.

नय् (१ आ० नयते, प्रणयते) १ जाना, हिलना, पहुँचना. २ संरक्षण करना.

नर्द् (१ प० नर्दति, प्रन (ण) र्दति) १ शब्द करना, आवाज करना.

नर्ब् (१ प० नर्बति) १ जाना.

नल् (१ प० नलति, प्रणलति) १ सूघना, वास आना. २ बांधना. (१० उ० नाल्यति–ते) १ चमकना. २ बांधना. ३ अटकाना, अडाना. ४ बोलना.

नश् (४ प० नश्यति) १ खो जाना, नष्ट होना, दिखाई नहीं देना.

नस् (१ आ० नसते, प्रणसते) १ टेढा होना, वक्र होना, नव जाना.

नह् (४ उ०नह्यति-ते) १ बांधना. अडाना. सम्-१ शस्त्र धारण करना, बख्तर पहरना.

नाथ् (१ उ० नाथति-ते) १ याचना करना, मांगना. २ नष्ट करना. ३ रोगी होना, बीमार होना. ४ श्रीमान् होना. (१ आ० नाथते) १ आशीर्वाद देना, स्वस्तिवाचन करना.

नाध् (१ आ० नाधते) १ याचना करना. २ रोगी होना. ३ श्रीमान् होना. ४ आशीर्वाद देना.

नास् (१ आ० नासते, प्रणासते) १ खर्राटा मारना, घर्राटा मारना, नाक खरखराना.

निक्ष् (१ प० निक्षति, प्रणिक्षति) १ चुंबन लेना, चूमना.

निज् (३ उ०नेनेक्ति, नेनिक्ते) १ शुद्ध करना, स्वच्छ करना. २ पालन करना.

निञ्ज् (२ आ० निङ्क्ते, प्रणिङ्क्ते) १ स्वच्छ करना, निर्मल करना, साफ करना.

निद् (१ उ० नेदति-ते, प्रणेदति) १ समीप जाना. पहुँचना. २ दोष लगाना, निंदा करना.

निन्द् (१ प० निन्दति, प्रणिन्दति) १ निंदा करना, दोष लगाना, धिक्कार करना.

निल् (१ प० निलति) १ कुछका कुछ समझना. २ घना होना, दृढ होना, जमना.

निव् (१ प० निन्वति, प्रणिन्वति) १ भिगोना, गीला करना, सींचना. २ सेवन करना.

निवास् (१० उ० निवासयति-ते) १ आच्छादित करना, लपेटना.

निश् (१ प० नेशति, प्रणेशति) १ शांततासे विचार करना, मनन करना, ध्यान लगाना, समाधि लगाना.

निष् (१ प० नेषति) १ प्रोक्षण करना, सींचना.

निष्क् (१० आ० निष्कयते) १ मापना, तोलना, गिनना.

निंस् (२ आ० निंस्ते) १ चुंबन लेना, चूमना.

नी (१ उ० नयति-ते) १ पहुँचाना, प्राप्त होना. २ मार्ग दिखाना. ३ पाना, मिलना. ४ लेजाना. अनु-१ याचना करना, मांगना. २ नकल करना, अनुसार करना, यथाप्रति करना. ३ कृपा करना. अप-१ ले जाना, हरण करना. २ आकर्षण करना, खींचना. अभि-, आभि-१ चिह्नोंसे दिखाना, दर्शित करना, अभिनय करना. २ कृपालु होना. आ-१

लाना, ले आना. उत्-आ० १ ऊपर करना, ऊपर उठाना. उप-१ समीप ले जाना. आ० १ उपनयन संस्कार करना. २ मजदूरी देकर समीप ले जाना. दुर्-१ खराब रीतिसे वर्तना. निर्-१ प्राप्त होना, मिलना, पाना. २ ठहराना, निश्चय करना. परि-१ विवाह करना, ब्याहना. २ ढूंढना. प्र-१ शिक्षा करना. २ प्रीति करना, दुलारना, प्यार करना, पुत्रोत्पत्ति करना. वि-१ ले जाना. २ नम्र होना, विनय करना। आ० १ ऋण चुकाना, ऋण देना. आ० २ धर्मके लिये खर्च करना. व्यप-१ विरल होना, फैलना, अलग होना. विनिर्-१ न्यायसे विचार करना, न्याय करना. सम्-१ एकत्र करना, बटोरना. समनु-१ प्रार्थना करना. समा-१ एकत्र करना, बटोरना.

नीच् (११ प० नीच्यति) १ दास्यत्व करना, गुलामी करना.

नील् (१ प० नीलति, प्रणीलति) १ रंगना. २ रंगाना. ३ नीला रंग लगाना.

नीव् (१ प० नीवति, प्रणीवति) १ मोटा होना, स्थूल होना, तुंदिल होना.

नु (२ प० नौति, प्रणौति) १ प्रशंसा करना. स्तुति करना. आ-(नुते)-१ दुःखसे रोना.

नुड् (६ प० नुडति) १ मारना.

नुद् (६ उ० नुदति-ते) १ भेजना. प्रेरणा करना. २ जाना. अप-१ दूर करना. निर्-१ बाहर फेंकना, त्याग करना. २ कबूल करना, मान्य करना. वि-१ खुश करना. सम्-१ हांकना, चलाना.

नू (६ प० नुवति) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.

नृत् (४ प० नृत्यति) १ नाचना, नृत्य करना.

नॄ (१ प० नरति, ९ प० नृणाति) १ ले जाना.

नेद् (१ उ० नेदति-ते) १ दोष लगाना, निंदा करना. २ समीप जाना या आना.

नेष् (१ आ० नेषते) १ जाना, समीप जाना.

प.

पक्ष् (१ प० पक्षति, १० उ० पक्षयति-ते) १ ग्रहण करना, लेना, स्वीकार करना. २ एक पक्षका स्वीकार करना, एक पक्षका समर्थन करना, एक ओर होना.

पचु (१ उ० पचति-ते) १ प काना, पक्का करना.

पञ्च् (१ उ० पञ्चति-ते, १० प• ञ्चयति-ते) १ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना, विस्तारपूर्वक कहना २ फैलाना, पसारना.

पट् (१ प० पटति) १ जाना, स्थलांतर करना. (१०उ० पट्यति-ते) १ गूथना, लपेटना. २ विभाग करना, हिस्से करना. (१० प० पाट्यति) १ चमकना. २ बोलना. उद्-१ समूल नष्ट करना, जडसे उखाडना. वि-१ भाग जाना. २ विदारण करना, चीरना.

पठ् (१ पठति) १ पढना, सीखना. (१० पाठयति-ते) १ ग्रथरचना करना.

पण् (१ आ० पणते, १० प० पणयति) १ उद्योग धधा या व्यापार करना. (१ प० पणायति) १ प्रशसा करना, स्तुति करना.

पण्ड् (१ आ० पण्डते) १ जाना, स्थलांतर करना. (१ पण्डति, १० पण्डयति-ते) १ नष्ट करना. २ राशि करना, एकत्र करना, बटोर ढेर करना.

पत् (१ प० पतति) १ नीचे जाना या गिरना या उतरना. २ अमानवी पराक्रम करना, शक्तिमान होना अति-१ जीतना, श्रेष्ठ होना, वर्चस्वी होना. अभि- अव-१ उतरना. आ-१ आना, प्राप्त होना, उपस्थित होना. उत्-१ ऊपर चढना. नि-१ घटित होना, होना. २ मिलना, प्राप्त होना. निर्-१ भाग जाना, छिपना, मुँह काला करना. परि-१ जल्द जाना. २ मौल्यवान होना. प्रनि-१ साष्टांग नमस्कार करना. विनि-१ पीछे लौटना. सम्-१ साथ जाना. २ मिलना, पाना, प्राप्त होना. समा-१ शुद्ध करना, स्वच्छ करना. समुद्-१ भाग जाना, उड जाना. सनि-१ आगे या बाहर जाना. (४ आ० पत्यते) १ श्रीमान होना, शक्तिमान होना. (१० प० पतयति-पातयति) १ नीचे गिरना, जाना या उतरना. २ अमानवी पराक्रम करना.

पथ् (१ प० पथति) १ जाना. (१० उ० पाथयति-ते) १ उडाना, फेंकना, त्याग देना.

पद् (१ प० पदति) १ स्थिर खडा रहना. (१० आ० पदयते) १ जाना, स्थलांतर करना.

(४ आ० पद्यते) १ जाना, स्थलांतर करना. अभि–१ देखना, २ जानना, समझना. अनु–१ अनुसरण करना आ–१ होना २ मिलना, प्राप्त होना ३ दुर्दैवका अनुभव करना. ४ गुणाकार करना, गुणा करना. ५ आना ६ पैदा करना, उत्पन्न करना उप–१ उत्पन्न होना. २ मिलना, प्राप्त होना ३ समीप रहना, चपकके रहना उपसम्–१ देवके लिये उपहार देना, बलि देना प्र–१ प्राप्त करना, पैदा करना. २ प्रारंभ करना, शुरू करना प्रवि–१ ठहराना, स्थापन करना. प्रति–१ पाना २ अनुमोदन देना, कबूल करना ३ छोड देना, मुक्त करना वि–१ दुःखानुभव करना, विपत्तिग्रस्त होना व्या–१ मार डालना या दुःख देना व्युत्–१ मूलतत्वको ढूंढना, मनन करना सम्–१ वृद्धिको प्राप्त होना, बढना २ करना ३ ढूंढना, मनन करना. सम्–१ वृद्धिको प्राप्त होना, चढना. २ करना. ३ ढूंढना, ढूंढ लेना. समा–१ आ पहुँचना, आ उपस्थित होना. २ पूर्ण करना, समाप्त करना.

पन् (१ आ० पनते) १ क्रयविक्रय करना, व्यापार करना, खरीदना बेंचना (१ प० पनायति) प्रशंसा करना, स्तुति करना.

पन्थ् (१ प० पन्थति, १ उ० पन्थयति–ते) १ जाना, गमन करना, घूमना

पय् (१ आ० पयते) १ जाना, बहना

पयस् (११ प० पयस्यति) १ फैलाना, विस्तार करना

पर्ण् (१० प० पर्णयति) १ हरा करना, हरा होना

पर्द् (१ आ० पर्दते) १ अपान वायु छोडना

पर्प् १ प० पर्पति) १ जाना.

पर्ब् (१ पर्बति) १ जाना

पल (१ प० पलति) १ जाना. २ भागना

पल्युल (१० उ० पल्युलयति–ते) १ शुद्ध करना, स्वच्छ करना. २ कतरना.

पल्यूल (१० उ० पल्यूलयति–ते) १ शुद्ध करना, स्वच्छ करना २ कतरना

पल्ल् (१ प० पल्लति) १ जाना.

पश् (१ उ० पशति–ते, १० उ० पशयति, पाशयति–ते) १

बांधना, बेरी पडना. २ गांठ बांधना, फांस लगाना. ३ जाना. ४ छूना, स्पर्श करना. ५ हरकत करना.

पष् (१० उ० पषयाति-ते, पाषय ति-ते) १ जाना. २ छूना, स्पर्श करना. ३ हरकत करना. ४ बांधना, फांस लगाना.

पस् (१ उ० पसाति-ते, १० उ० पा (प) सयति-ते) १ छूना, स्पर्श करना. २ निषेध करना, हरकत करना. ३ जाना. ४ मार डालना या दुःख देना. ५ फांस लगाना, बांधना.

पंस् (१ प० पसाति, १० उ० पसयति-ते) १ नष्ट करना, तहस नहस करना.

पा (१ प० पिबाति) १ पीना, प्राशन करना. (२ प० पाति) संरक्षण करना.

पार् (१ उ० पारयाति-ते) १ समाप्त करना, पूर्ण करना.

पाल् (१० पालयाति-ते) १ पालन करना, संरक्षण करना.

पि (६ पियाति) १ जाना, स्थलांतर करना.

पिश् (१ प० पिच्चति, १० प० पिच्चयाति) १ कतरना, चीरना, फोडना.

पिच्छ् (६ प० पिच्छाति) १ बहुत दुःख देना, छल करना. २ विघ्न करना, हरकत करना. (१० प० पिच्छयति) १ कतरना, चीरना.

पिञ्ज् (१० प० पेजयाति) १ रहना.

पिञ्ज् (२ आ० पिङ्क्ते) १ रंगाना, चमकीला करना. २ स्पर्श करना, छूना. ३ खिणखिण, रुण झुण छनछन आवाज होना. ४ आराधन करना, पूजा करना. (१ प० पिञ्जाति, १० उ० पिञ्जयति-ते) १ मार डालना या दुःख देना. २ लेना, ग्रहण करना. ३ रहना, वसति करना. ४ बोलना, भाषण करना. ५ प्रकाशित करना, तपाना. ६ स्थूल होना, शक्तिमान् होना.

पिट् (१ प० पेटति) १ राशि करना, ढेर करना. २ शब्द करना, आवाज करना.

पिठ् (१ प० पेठति) १ मार डालना या दुःख देना. २ दुःख पाना, दुःखानुभव करना.

पिण्ड् (१ उ० पिण्डति-ते, १०उ० पिण्डयति-ते) १ राशि करना, ढेर करना.

पिल् (१ प० १० पेलयति) १ प्रेरणा करना, फेंकना, उडाना.

पिव् (१ प० पिन्वति) १ सेवा करना २ प्रोक्षण करना, सींचना, गीला करना, भिगोना. (१ आ० पेवते) १ सींचना, भिगोना.

पिश् (६ प० पिशति) १ तुकडे तुकडे करना, चीरना. २ व्यवस्था करना ३ प्रकाश करना, उज्ज्वल होना.

पिष् (७ प० पिनष्टि) १ चूर्ण करना, पीसना (१० प० पेषयति) १ दुःख देना, पीडा करना २ देना ३ स्थूल होना, मोटा होना ४ रहना, वसना. (१ प० पेषति, १० प० पेषयति) १ जाना.

पिष्ट् (१० उ० पिष्टयति-ते) १ चूर्ण करना, बुकनी करना, पीसना

पिस् (१ प० पेसति) १ जाना (१० उ० पेसयति-ते) १ जाना. २ रहना, वसति करना, वसना. ३ देना ४ पीडा करना, दुःख देना ५ मोटा स्थूल होना. शक्तिमान् होना, समर्थ होना.

पिंस् (१ प० पिंसति, १० उ० पिंसयति-ते) १ नष्ट करना. २ चमकना. ३ बोलना.

पी (४ आ० पीयते) १ पीना प्राशन करना.

पीड् (१० उ० पीडयति-ते) १ प्रतिकूल होना, हरकत करना. २ चेष्टित करना, चेताना. ३ दुःख देना, पीडा करना.

पील् (१ प० पीलति) १ मूर्ख होना. २ थमाना, गतिरोध करना, रोकना.

पीव् (१ प० पीवति) १ मोटा होना, स्थूल होना, पुष्ट होना.

पुच्छ् (१ प० पुच्छति) १ चूकना, गलती करना.

पुट् (६ प० पुटति) १ आलिंगन करना, गले लगाना, एकमें एक अटकाना, भेटना. (१० उ० पोटयति-ते) १ चूर्ण करना, बुकनी करना, पीसना. २ चमकना, प्रकाशित होना. ३ बोलना, भाषण करना. (१० उ० पुटयति-ते) १ एकमें एक अटकाना, गूथना, गाठ लगाना.

पुट्ट् (१० उ० पुट्टयति-ते) १ घटना, कम होना, न्यून होना, थाह होना

पुड् (१० प० पुडति) १ छोडना, त्याग करना २ आच्छादन करना, ढांकना.

पुण् (६ प० पुणति) १ पवित्र होना, शुद्ध होना, धर्मकृत्य करना. (१० उ० पुणयति-ते) १ वृद्धि होना, बढती होना. २ वृद्धि करना, बढती करना.

पुण्द् (१ प० पुण्यति, १० उ० पुण्ययति-ते) १ बोलना. २ प्रकाशित होना, चमकना.

पुण्ड् (१ प० पुण्डति) १ चूर्ण करना, मलना, पीसना.

पुथ् (४ प० पुथ्यति) १ दुःख देना, पीडा करना. (१० उ० पोथयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना. २ बोलना

पुन्थ् (१ प० पुन्थति) १ दुःख सहन करना. २ पीडा करना, दुःख देना.

पुर् (६ प० पुरति) १ अग्रभागमें जाना, आगे जाना, मुख्य होना, अग्रसर होना.

पुर्व् (१ प० पूर्वति) १ पूर्ण करना, भरना. (१० उ० पूर्वयति-ते) १ रहना, वसति करना. २ बुलाना, अमत्रण करना.

पुल् (१ प० पोलति, ६ प० पुलति, १० उ० पोलयति-ते) १ राशि होना, ढेर होना. २ बढना, ऊचा होना.

पुष् (१ प० पोषति, ४ प० पुष्यति, ९ प० पुष्णाति) १ पालन करना, पोषण करना. (४ प० पुष्यति) १ विभाग करना, हिस्सा करना. (१० प० पोषयति) १ धारण करना. परि-सम्-१ उत्कृष्ट पालन करना.

पुष्प् (४ प० पुष्प्यति) १ पुष्पयुक्त होना, फूलना.

पुंस् (१० उ० पुंसयति-ते) १ बढाना, वृद्धि करना २ दुःख देना. ३ बढना, वृद्धि होना.

पुस्त् (१० उ० पुस्तयति-ते) १ सत्कार करना, मान करना. २ तिरस्कार करना, अनादर करना. ३ बांधना ४ लेपन करना, विलेपन करना.

पू (१ आ० पवते, ९ उ० पुनाति, पुनीते) १ पवित्र करना, स्वच्छ करना (४ आ० १ पूयते) १ पवित्र होना, स्वच्छ होना.

पूज् (१० उ० पूजयति-ते) १ पूजा करना, अर्चा करना. २ सन्मान करना. सम्-१ उत्तम प्रकारसे आदरसत्कार करना

पूण् (१० प० पूणयति) १ एकत्र करना, ढेर करना, बटोरना

पूय् (१ आ० पूयते) १ तोडना.

चीरना. २ दुर्गंधि आना, बदबू आना.

पूर् (४ आ० पूर्यते) १ तृप्त करना, आनद करना. २ पूर्ण करना, भरना. ३ सतोष होना, आनद होना. ४ पूर्ण होना. (१० उ० पूरयति-ते) १ तृप्त करना.

पूर्ण् (१० उ० पूर्णयति-ते) १ एकत्र करना, ढेर करना, राशि करना.

पूर्व् (१० प० पूर्वयति) १ रहना, आश्चर्य करना २ बुलाना.

पूल् (१ प० पूलति, १० उ० पूलयति-ते)१ ढेर करना, बटोरना, संचित करना.

पूष् (१ प० पूषति) १ बढाना, अधिक होना. २ पोषण करना, पालन करना.

पृ (३ प० पिपर्ति)१ पालन करना, पोषण करना. २ पूर्ण करना, भरना. (५ प० पृणोति) १ तृप्त करना, सतुष्ट करना. (१ प० पराति, १० प० पारयति)१ पूर्ण करना, भरना. (६ आ० व्याप्रियते) १ किसी कृत्यमें आसक्त रहना.

पृच् (२ आ० पृक्ते, ७ प० पृणक्ति) १ स्पर्श करना, छूना, सघर्षण करना, सयोग करना (१ प० पर्चति, १० उ० पर्चयति-ते) १ स्पर्श करना, छूना. २ अटकाना, हरकत करना.

पृञ्ज् (२ आ० पृङ्क्ते) १ स्पर्श करना, सघर्षण करना.

पृड् (६ प० पृडति) }
पृण् (६ प० पृणति) } १ आनद करना, सतोष पाना.

पृथ् (१० उ० पर्थयति-ते) १ फेंकना, उडाना. २ प्रेरणा करना, भेजना.

पृष् (१ प० पर्षति) १ प्रोक्षण करना, सींचना. २ देना. ३ पीडा करना, दुःख देना. ४ थकना, थक जाना.

पॄ (३ प० पिपर्ति, ९ प० पृणाति, १ प० परति, १० उ० पारयति-ते) १ पालन करना, पोषण करना. २ पूर्ण करना, भरना.

पेण् (१ प० पेणति) १ जाना २ पीसना. ३ आलिंगन करना, गले लगाना.

पेल् (१ प० पेलति) १ जाना. २ हिलना.

पेव् (१ आ० पेवते) १ सेवा करना, नौकरी करना.

पेष् (१ आ० पेषते) १ ठहराना,

निश्चय करना. २ चपलतासे यत्न करना.

पेस् (१ प० पेसति) १ जाना.

पै (१ प० पायति) १ सूखना, कुम्हलाना.

पैण् (१ प० पैणति) १ आज्ञा करना. २ जाना. ३ स्पर्श करना. ४ पीसना. ५ आलिंगन करना.

प्याय् (१ आ० प्यायते) १ बढना, बडा होना, फूलना.

प्युष् (४ प० प्युष्यति) १ जलना, २ विभाग होना. (१० प० प्युषयति) १ छोडना, त्याग करना.

प्युस् (४ प० प्युस्यति) १ जलना. २ विभाग होना.

प्यै (१ आ० प्यायते) १ बढना, बडा होना. फूलना.

प्रच्छ् (६ प० पृच्छति) पूंछना.

प्रथ् (१ आ० प्रथते) १ प्रसिद्ध होना, जाहिर होना. (१० उ० प्रथयति–ते) १ फेंकना, उडाना. २ फैलाना, प्रसृत करना. ३ गाना. ४ स्तुति करना.

प्रस् (१ आ० प्रसते) १ फैलाना. २ जनना.

प्रा (२ प० प्राति) १ भरना.

प्री (१ उ० प्रियति–ते, ४ आ० प्रीयते, ९ उ० प्रीणाति–प्रीणीते, १० उ० प्रीणयति–ते, प्राययति–ते) १ प्रीति करना, हुलारना. २ तृप्त होना, संतुष्ट होना. ३ तृप्त करना, खुश करना.

प्रु (१ आ० प्रवते) १ जाना. २ हिलना.

प्रुद् (१ प० प्रोटति) १ घिसना, मर्दन करना.

प्रुष् (१ प० प्रोषति) १ जलाना, भर्जन करना, भूजना. (९ प० प्रुष्णाति) १ सौम्य होना, स्निग्ध होना, चिकनाहट होना. प्रोक्षण करना, सींचना. ३ पूर्ण करना. भरना. ४ मुक्त करना, छोडना. ५ प्यारा होना.

प्रेङ्खोल् (१० उ० प्रेङ्खोलयति–ते) १ झूलना. २ झुलाना.

प्रेष् (१ आ० प्रेषते) १ जाना, आना. २ चेताना, भेजना.

प्रोथ् (१ उ० प्रोथति–ते) १ शक्तिमान होना, लायक होना, २ पूर्ण होना, भरना. ३ नष्ट करना.

प्लुक्ष् (१ उ० प्लक्षति–ते) १ खाना.

प्लिह् (आ० प्लेहते) १ जाना.

प्ली (९ प० प्लिनाति) १ जाना.

प्लु (१ आ० प्लवते) १ जाना. २ उड उड जाना. ३ तैरना. उत्–१ ऊपर उडना या कूदना. वि–१ डूबना, मज्जन करना. २ जलमय होना.

प्लुष् (१ प० प्लोषति, ४ प० प्लुष्यति) १ जलाना, भूजना, भुनना. (९ प० प्लुष्णाति) २ स्निग्ध होना, चिकनाहट होना. ३ स्निग्ध करना ४ प्रोक्षण करना, सींचना. ५ पूर्ण करना, भरना, ६ मुक्त करना, छोडना. ७ चाहना. ८ दया करना.

प्लुस् (४ प० प्लुस्यति) १ जलना. २ भाग करना, हिस्सा करना, बाटना.

प्लेव् (१ आ० प्लेवते) १ सेवा करना, शुश्रूषा करना.

प्सा (२ प० प्साति) १ भक्षण करना. २ सरक्षण करना.

फ.

फक्क् (१ प० फक्कति) १ धीरे धीरे जाना, मदगमन करना. २ रेंगना. ३ अनाचरण करना, अयोग्य रीतिसे वर्तना.

फण् (१ प० फणति) १ जाना. २ उत्सुकतासे या स्वल्प रीतिसे उत्पन्न करना. ३ तेजोहीन करना, कम तेज करना. (१० प० फाणयति) १ सतेज वस्तुमें जल आदि डालके अल्प तेज करना. २ चमकना, प्रकाशित होना. (१० प० फणयति) १ चलाना, जाने देना.

फल् (१ प० फलति) १ उत्पन्न करना. २ सफल करना. ३ ३ जाना. ४ तोडना, चीरना, विभाग करना, तुकडे करना.

फुल्ल् (१ प० फुल्लति) १ प्रफुल्लित होना, फूलना, कल्याना.

फेल् (१ प० फेलति) १ जाना, स्थलांतर करना.

फ्वल् (१ प० फ्वलति) १ जीना, जीता रहना

ब.

बठ् (१ प० बठति) १ पराक्रमी होना, शक्तिमान् होना.

बण् (१ प० बणति) १ शब्द करना, आवाज करना.

बद् (१ प० बदति) १ निश्चल होना, स्थिर होना, स्वस्थ रहना. (१ उ० बदति-ते, १० उ० बादयति-ते) १ बोलना, कहना.

बध् (१ प० बधति, १० उ० बाधयति-ते) १ बांधना, बद्ध करना. २ हिंसा करना, मार डालना, वध करना. (१ आ० बीभत्सते) १ मानसिक दुःख होना २ द्वेष करना, तिरस्कार करना, घिन करना.

बन्ध् (९ प० बध्नाति, १० उ० बन्धयति-ते) १ बांधना, आ-

वन्-वल्	वस्त्-विल्

शंकित करना. आ-(९)१ चारों ओरसे बांधना. अनु-१ जोडना, चिपकाना, एकत्र करना. २ अनुसरण करना, यथाप्रति करना. नि-१ बंधमुक्त करना, बंधनरहित करना. सम्-१ मिलाप करना, एक करना, भेंटना.

वन् (८ आ० वनुते) १ मांगना, याचना करना.

वभ्र् (१ प० वभ्राति) १ जाना, स्थलांतर करना.

वर्ब् (१ प० वर्बति) १ जाना.

वर्ह् (१ आ० वर्हते) १ श्रेष्ठ होना. २ बोलना, कहना. ३ मार डालना या दुःख देना ४ आच्छादित करना, ढंकना ५ फैलाना. ६ याद करना, स्मरण करना. ७ देना. (१० उ० वर्हयति-ते) १ मार डालना या दुःख देना.

वल (१ प० वलति, १० प० वलयति) १ जीना, जीता रहना. २ धान्यसचय करना. ३ द्रव्यका अटकाव करना. (१ आ० वलते) १ जाना. २ मार डालना या दुःख देना. (१० आ० वाल्यते) १ स्पष्ट करके दिखाना, स्पष्ट करना. (१० आ० वाल्यति) १ लडकेके समान पालन या सरक्षण करना.

वस्त् (१ आ० वस्तयते) १ जाना. २ मांगना. ३ मार डालना या दुःख देना.

वंह् (१ आ० वहते) १ बढना.

वह्ल् (१ आ० वह्लते) १ मार डालना या दुःख देना. २ बोलना, कहना. ३ फैलाना ४ ४ देना, दान करना. ५ मुख्य होना, अग्रगण्य होना, श्रेष्ठ होना. ६ याद करना, स्मरण करना. (१० आ० वह्लयते) १ चमकना, प्रकाशित होना.

वाड् (१ वाडते) मज्जन करना, डूबना, स्नान करना, नहाना.

वाध् (१ आ० वाधते) १ रोकना, अटकाव करना. २ बाधा देना, दुःख देना.

वाह् (१ आ० वाहते) १ यत्न करना.

विट् (१ प० वेटति) १ शाप देना, आक्रोश करना, गारी देना.

विन्द् (१ प० विन्दति) १ अवयव होना, अंश होना.

विल् (६ प० विलति) १ छेद करना, चीरना (१० उ० वेलयति-ते) १ फेंकना, उडाना. २ छेदन करना, चीरना.

बिस् (४ प० बिस्यति) १ फेंक
ना, उडाना
बुक् (१ प० बुक्कति, १० उ०
बुक्कयति ते) १ कुत्तेके समान
पुकारना २ बोलना (१० उ०
बुक्कयति-ते) १ दूसरेको दु ख
देना
बुड् (६ प० बुडति) १ छोडना,
त्याग करना २ वस्त्रादिसे आ
च्छादित करना
बुद् (१ उ० बोदति-ते) १ विवे
चन करना, सारासार विचार
करना
बुध् (१ उ० बोधति-ते, ४ आ०
बुध्यते) १ जानना, समझना
प्रति-१ बाट जोहना, मार्ग
प्रतीक्षा करना प्रतिवि-१ जा
गना, जागृत रहना
बुन्द् (१ उ० बुन्दति-ते) १ जा
नना, समझना, बूझना
बुन्ध् (१ उ० बुन्धति-ते) १ जा
नना, समझना, बूझना
बुल् (१० प० बोलयति) १ डूबना,
मज्जन करना
बुस् (४ प० बुस्यति) १ छोडना,
त्याग करना,
बुस्त् (१० उ बुस्तयति-ते) १
आदर सत्कार करना, मान
देना २ अपमान करना, धि
क्कार करना
बृह् (१ प० बर्हति)
बृंह् (१ प० बृंहति) } १ बढना,
वृद्धि होना २ जगली पशुके
समान पुकारना
बॄ (९ उ० बृणाति, बृणीते) १
सरक्षण करना, पालन करना २
पसद करना, पसद करके लेना
३ गिनना
बेह् (१ आ० बेहते) १ प्रयत्न
करना, उद्योग करना
ब्युष् (४ प० ब्युष्यति)१ जलना
ब्युस् (४ प० ब्युस्यति) १ तुकडे२
करना, हिस्से करना
ब्रू (२ प० ब्रवीति-आह) १
कहना, बोलना
ब्रूस् (१० उ० ब्रूसयति-ते) १
मार डालना या दु ख देना

भ.

भज् (उ० भजति-ते) १ भजना,
भजन करना २ उपभोग करना,
विषयवासनासे अनुभव करना
(१० उ० भजयति-ते)१ देना,
दान करना २ पकाना, सिद्ध
करना, तैयार करना (अन्ना
दि) ३ पृथक् करना, अलग
करना

भञ्ज्–भर्भ्	भर्व्–भाज्

भञ्ज् (१० उ० भञ्जति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना २ बोलना, कहना वि-१ नापना प्रवि-१ बाद करना (७ प० भनक्ति) १ नष्ट करना.

भट् (१ प० भटति) १ धारण करना, पास रखना, २ बोलना, वादविवाद करना. ३ भारा देकर लेना, भारेपर लेना

भण् (१ प० भणति) १ स्पष्ट कहना, स्पष्ट बोलना प्रति-१ जवाब देना, उत्तर देना

भण्ट् (१० प० भण्टयति) १ फसाना, ठगना

भण्ड् (१ आ० भण्डते)१ उपहास करना २ ठट्ठा करना ३ बोलना ४ दोष लगाना, निंदा करना (१ प० भण्डति, १० उ० भण्डयति-ते) १ शुभकर्म करना

भन्द् (१ उ० भन्दति-ते, १० उ० भन्दयति-ते) १ शुभकर्म करना २ सुखी होना ३ चमकना

भर्त्स् (१० आ० भर्त्सयते) १ धिक्कार करना, निंदा करना २ डराना, घुडकना

भर्भ् (१ प० भर्भति) १ दुःख देना, पीडा करना

भर्व् (१ प० भर्वति)१ दुःख देना, पीडा करना.

भल् (१ आ० भलते) १ बोलना, व्याख्यान करना २ मारना, दुःख देना, ३ दान देना, देना (१० आ० भल्यते) १ वाद विवाद करना २ ऊपर फेंकना, उडाना.

भल्ल् (१ भल्लते) १ स्पष्ट कहना, व्याख्यान करना २ दुःख देना या मारना ३ देना, दान देना

भष् (१ प० भषति) १ भौंकना, कुत्तेके समान पुकारना २ दोष देना, निंदा करना

भस् (३ प० बभस्ति) १ चमकना २ दोष लगाना, निंदा करना.

भक्ष् (१ प० भक्षति, १० उ० भक्षयति-ते) १ खाना, भक्षण करना

भा (२ प० भाति) १ चमकना, प्रकाशित होना २ सुंदर दीखना ३ होना, रहना ४ फूकना, धौंकना ५ आनंदी सुखी रहना ६ घुस्सा करना, घुडकना आ-१ बिजुलीके समान चमकना वि-,प्र-१ विशेष करके चमकना

भाज् (१० उ० भाजयति-ते) १ तुकडे २ करना, हिस्सा करना.

भाम् (१ आ० भामते, १० उ० भामयति-ते) १ घुडकना घुस्सा करना

भाष् (१ आ० भाषते) १ बोलना परि-१ निंदायुक्त बोलना उपरोधिक बोलना सम्-१ दूसरेसे बोलना २ अच्छा रीतिसे बोलना

भास् (१ आ० भासते) १ चमकना, प्रकाशित करना प्रति-दृग्गोचर होना, दिखाई देना, दीख पडना, दीखना

भिक्ष (१ आ० भिक्षते) १ याचना करना, मागना २ प्राप्त करना, संपादन करना ३ नहीं संपादन करना ४ आशा या लोभसे किसी वस्तुकी याचना करना ५ कष्ट पाना, थकना

भिद् (७ उ० भिनत्ति, भिन्ते) १ फारना, तोडना, कतरना

भिन्द् (१ प० भिन्दति) १ भाग करना, हिस्सा करना

भिल् (१० प० भेलयति) १ विभाग करना, अलग करना

भिषज् (११ प० भिषज्यति) १ चिकित्सा करना, औषधोपचार करना

भिष्णज् (११ प० भिष्णज्यति) १) नौकरी करना

भी (३ प० बिभेति) १ डरना, घबरना (क्वचित् १ प० भयति, १० प० भाययति) डरना

भुज् (७ उ० भुनक्ति, भुङ्क्ते) १ संरक्षण करना, पालन करना २ खाना, भक्षण करना ३ अनुभव करना, उपभोग करना ४ सहन करना, सहना (१ प० भुजति) १ वक्र होना, टेढा होना

भुण्ड् (१ आ० भुण्डते) १ आश्रय देना, पालन करना

भुरण् (११ प० भुरण्यति) १ पालन करना २ धारण करना

भू (१ प० भवति) होना २ रहना ३ उत्पन्न होना, पैदा होना अधि-१ सत्ता चलाना, हुकूमत करना अनु-१ अनुभव करना २ समझना, जानना ३ करना ४ ढूंढना अभि-१ जीतना २ पीडा करना ३ दुःख देना उत्-१ उत्पन्न होना पैदा होना परा-१ पराभव करना, जीतना प्र-१ जाना २ दृग्गोचर होना, दिखाई देना ३ सत्ता चलाना हुकूमत करना ४ अधिक होना, बढना ५ द्वंद्वयुद्धमें समान होना प्रति-१ बदलेमें देना परि-१ अन्

मान करना, तिरस्कार करना. २ घेरना, घेर लेना. वि-१ आश्रय देना, पालन करना. २ देखना. ३ स्थापित करना, ठहराना. ४ अधिकारी होना. व्यति-१ परस्पर मिश्र होना. सम्-१ होना, उत्पन्न होना. २ समावेश होना. ३ जीतना, पराभव करना. ४ शक्तिमान होना, पराक्रमी होना. ५ एकत्र करना मिलाप करना. ६ पालन न करना. ७ होनेसरीसा होना, संभव होना. (१ उ० भवति-ते, १० आ० भावयते) १ प्राप्त होना, मिल जाना. (१० उ० भावयति-ते) १ एकत्र करना, बटोरना. २ चिंतन करना.

भूष् (१ प० भूषति, १० उ० भूषयति-ते) १ संवारना, अलङ्कृत करना.

भृ (१ उ० भरति-ते, ३ उ० बिभर्ति-बिभृते) १ आश्रय देना, धारण करना. २ पूर्ण करना, भरना. ३ पोषण करना.

भृज् (१ आ० भर्जते) १ भूजना. तलना.

भृश् (४ प० भृश्यति) १ शरीर योग्यतादिसे भ्रष्ट होना, च्युत होना, नीचे गिरना.

भृंश् (१० उ० भृंशयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना. २ बोलना, भाषण करना.

भॄ (९ प० भृणाति) १ संरक्षण करना, पालन करना. २ धारण करना, अवलम्बन करना, भरना, पकडना. ३ भूजना, तलना.

भेष् (१ उ० भेषति-ते) १ जाना. २ डरना.

भ्यस् (१ आ० भ्यसते) १ डरना.

भ्रण् (१ प० भ्रणति) १ शब्द करना, आवाज करना.

भ्रम् (प० भ्रम (भ्य) ति, ४ प० भ्राम्यति) १ चक्राकार घूमना. २ इधर उधर घूमना. भटकना. वि-१ क्रीडा करना, खेलना. सम्-१ सन्मान करना, सत्कार करना. २ गडबड होना.

भ्रश् (४ प० भ्रश्यति) १ भ्रष्ट होना, पतित होना, गिरना, नीचे गिरना.

भ्रंश् (१ आ० भ्रंशते, ४ प० भ्रश्यति) १ भ्रष्ट होना, पतित होना, गिरना, नीचे गिरना.

भ्रंस् (१ आ० भ्रंसते) १ भ्रष्ट होना, पतित होना, गिरना, नीचे गिरना.

भ्रस्ज् (६ उ० भृज्जति-ते) १ पकाना, भूजना.

भ्राज् (१ आ० भ्राजते) १ चमकना, प्रकाशित होना.

भ्राश् (१ आ० भ्राशते–भ्राश्यते) १ चमकना.

भ्री (९ प० भ्रीणाति–भ्रिणाति) १ धारण करना, पकडना, आश्रय देना. २ डरना. ३ पालन करना.

भ्रुड् (६ प० भ्रुडति) १ बटोरना, एकत्र करना. २ ढकना, आच्छादित करना.

भ्रूण् (१० आ० भ्रूणयते) १ आशा करना. २ भरोसा करना, विश्वास करना

भ्रेज् (१ आ० भ्रेजते) १ प्रकाशित होना, चमकना.

भ्रेप् (१ आ० भ्रेपते) १ जाना. २ डरना.

भ्लक्ष् (१उ० भ्लक्षति–ते) १ खाना.

भ्लाश् (१ आ० भ्लाशते–भ्लाश्यते) १ प्रकाशित होना, चमकना.

भ्लास् (१ आ० भ्लासते) १ प्रकाशित होना, चमकना.

भ्लेष् (१ उ० भ्लेषति–ते) १ जाना. २ डरना.

म.

मक् (१ आ० मकते) १ जाना, स्थलांतर करना.

मक्ष् (१ प० मक्षति) १ मिलना, मिश्रित होना. २ मिलाना, मिश्रित करना.

मख् (१ आ० मखति) १ जाना, स्थलांतर करना.

मगध् (११ प० मगध्यति) १ लपेटना, ढकना. २ पूछना.

मङ्क् (१ आ० मङ्कते) १ जाना. २ सवारना, अलङ्कृत करना.

मङ्ख् (१ प० मङ्खति) १ जाना.

मङ्ग् (मङ्गति) १ जाना.

मङ्घ् (१ आ० मङ्घते) १ जाना. २ जाने लगना. ३ प्रारंभ करना, शुरू करना. ४ जल्दी जाना. ५ दोष लगाना, निंदा करना. ६ ठगना, अप्रामाणिक रीतिसे वर्तना. ७ जूआ खेलना. (१ प० मङ्घति) १ सवारना, भूषित करना, अलङ्कृत करना.

मच् (आ० मचते) १ गर्व करना, गर्वील होना. २ दुष्ट दुराचारी होना. ३ बोलना. ४ पीसना, कूटना.

मज् (१ प० मजति) १ आवाज करना, २ मत्त होना. ३ कामातुर होना.

मञ्च् (१ आ० मञ्चते) १ धारण करना, पास रखना. २ ऊच

होना. ३ उपासना करना, अर्चा करना, पूजा करना. ४ चमकना. (१ प० मञ्चति) १ जाना.

मञ्ज् (१ प०मजति, १० प० मञ्ज यति) १ शब्द करना, आवाज करना. शुद्ध करना, मांजना.

मठ् (१ प० मठति) १ रहना, वसति करना. २ विचारमें मग्न होना, घबरना.

मण्ठ् (१ आ० मण्ठते) १ दुःख करना. २ उत्कंठित होना.

मण्ड् (१ प० मण्डति, १० मण्ड-यति–ते) १ सवारना, अलकृत करना. (१० प० मण्डति) १ आनंदित करना, हर्षित करना. (१ आ० मण्डते) १ घेरना, वाड लगाना २ अलग करना, दूक २ करना.

मण् (१ प० मणति) १ अस्पष्ट शब्द करना या कहना.

मथ् (१ प० मथति) १ मथना. २ विचार करना, मनन करना. ३ हिलना.

मद् (१ प० मदति, १० प० मद-यति) १ हर्षित होना. २ दरिद्री होना. (१० आ० मादयते) १ तृप्त करना, समाधान करना (४ माद्यति) १ थकना २ हर्षित होना

मन् (४ आ० मन्यते, ८ आ० मनुते) १ जाना, समझना. २ मान्य करना, कबूल करना. ३ विचार करना, चिंतन करना. (१ प० मनति, १० प० मान यति) १ आदर करना, सत्कार करना (१०आ०मानयते) १ वद करना, स्थिर रहना, मद होना. २ गर्वीला होना. ३ प्रतिकूल होना, रुकना. अनु–१ अनुमोदन देना, कबूल करना. अभि–१ अभिमान करना. २ इच्छा करना, चाहना. अव–१अपमान करना, निर्भत्सना करना सम्–१ अनुमोदन देना, कबूल करना.

मन्तु (११ उ० मन्तूयति–ते) १ अपराध करना, गुनाह करना. २ क्रोध करना, गुस्सा करना.

मन्त्र् (१० आ० मन्त्रयते, क्वचित् १ प० मन्त्राति) १ गुह्य भाषण करना, गुप्त बात करना. आ–१ सत्कार करना, सन्मान करना. नि–१ आमंत्रण करना, बुलाना.

मन्थ् (१ प० मन्थति, ९ प० मथ्ना-ति) १ घिसना, मर्दन करना, रगडना. २ दुःख करना, शोक करना, रोना ३ दुःख शोका-दिका सहन करना ४ मथन करना, मथना

मन्द् (१ आ० मन्दते) १ स्तुति करना, प्रशसा करना २ तुष्ट होना, आनद करना ३ उन्मत्त होना, गर्व करना ४ मद होना. ५ सोना ६ चाहना ७ जाना ८ चमकना, प्रकाशित होना (१ प० मन्दति, १० उ० मन्दयति–ते) १ हृष्ट होना, हर्षित होना २ थकना, श्रान्त होना

मभ्र् (१ प० मभ्रति) १ जाना, स्थलातर करना

मय् (१ आ० मयते) १ जाना, स्थलातर करना

मर्च (१० उ० मर्चयति–ते) १ जाना २ शब्द करना, आवाज करना

मर्व् (१ प० मर्वति) १ जाना,

मर्व् (१ प० मर्वति) १ जाना, चलना २ पूर्ण करना, भरना

मल् (१ आ० मलते, १० प० मलयति) १ पहिनना, पहिरना २ धारण करना, धरना, पकडना ३ चिपकाना, लटकाना

मल्ल् (१ आ० मल्लते) १ धरना, धारण करना, रखना

मव् (१ प० मवति) १ बाधना, रोकना,

मव्य् (१ प० मव्यति) १ बाधना, रोकना

मश् (१ प० मशति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ क्रोध करना, गुस्सा करना

मष् (१ प० मषति) १ मार डालना या दुःख देना

मस् (४ प० मस्यति) १ नापना. २ रूपातर करना, आकार बदलना

मस्क् (१ आ० मस्कते) १ जाना

मस्ज् (६ प० मज्जति) १ स्नान करना, नहाना. २ धोना स्वच्छ करना

मह् (१ प० महति, १० उ० महयति–ते) १ सन्मान करना, पूजा करना

मंह् (१ आ० मंहते) १ बढना, वर्धित होना (१ प० मंहयति) १ चमकना, प्रकाशित होना २ बोलना, कहना

महीं (११ आ० महीयते) १ पूजनीय होना

मा (२ प० माति, ३ आ० मिमीते, ४ आ० मायते) १ नापना, तोलना २ समाना अनु–१ अनुमान तर्कसे सिद्ध करना. उप–१ उपमा देना, तुलना कर·

ना, समानता करना. परि-१ नापना, गिनना, तोलना, परिमाण करना. प्र-१ प्रमाण होना.

मांक्ष् (१ प० मांक्षति) १ इच्छा करना, चाहना.

माड् (१ उ० माडति-ते) १ नापना, गिनना.

मात् (१ उ० मातति-ते) १ नापना.

मान् (१ आ० मीमांसते) १ ज्ञानप्राप्तिकी इच्छा करना, शोध करना. (१ प० मानति, १० १०उ० मानयति-ते) १ सत्कार करना, सन्मान करना, पूजा करना, मनाना. अप- अव-१ अपमान करना, तिरस्कार करना.

मार्ग् (१० उ० मार्गयति-ते) १ सिद्ध करना, तैयार करना. २ जाना. ३ मार्ग सिद्ध करना. ४ बाणमें पर लगाना. (१ प० मार्गति, १० उ० मार्गयति-ते) १ ढूंढना. २ स्वच्छ करना, शुद्ध करना.

मार्ज् (१० उ० मार्जयति-ते) १ शब्द करना, आवाज करना. २ स्वच्छ करना, शुद्ध करना.

माह् (१ उ० माहति-ते) १ नापना, गिनना, तोल्ना.

(५ उ० मिनोति-मिनुते) १ अलग करना, फैलाना, उडाना, फेंकना.

मिच्छ् (६ प० मिच्छति) १ पीडा करना, दुःख देना. २ रोकना, निषेध करना.

मिञ्ज् (१ प० मिञ्जति, १० उ० मिञ्जयति-ते) १ बोलना. २ चमकना.

मिथ् (१ उ० मेथति-ते) १ समझना, जानना. २ पीडा करना, दुःख देना. ३ एकत्र करना, जोटना, जुटाना.

मिद् (१ प० मेदति) १ गर्व करना, अभिमान करना. २ नम्र होना. (१ उ० मेदति-ते) १ समझना, जानना. २ पीडा करना, दुःख देना. ३ हानि करना, नुकसान करना. (१ आ० मेदते, ४ प० मेद्यति, १० प० मेदयति) १ स्निग्ध होना. २ पिघलना. ३ अभ्यञ्जन करना, आंजना, पोतना. ४ प्रीति करना, प्यार करना. ५ नरम होना, मृदु होना.

मिध् (१ उ० मेधति-ते) १ समझना, जानना. २ पीडा करना, दुःख देना. ३ एकत्र करना, जोटना, जुडाना, संयुक्त करना.

मिन्द् (१ प० मिन्दति, १० उ० मिन्दयति–ते) १ स्निग्ध होना २ पिघलना ३ अभ्यंजन करना, आंजना पोतना, ४ प्रीति करना, प्यार करना ५ नरम होना

मिल् (६ उ० मिलति–ते) १ संयुक्त होना, मिलना, जुड जाना

मिव् (१ प० मिन्वति) १ सींचना, प्रोक्षण करना, गीला करना २ सेवा करना, शुश्रूषा करना

मिश् (१ प० मेशति) १ शब्द करना, आवाज करना २ क्रोध करना, गुस्सा करना

मिश्र् (१० उ० मिश्रयति–ते) १ मिश्रित करना, एकत्र करना, समाहार करना .

मिष् (१ प० मेषति १ सेवा करना, शुश्रूषा करना २ सींचना, प्रोक्षण करना, गीला करना (६ प० मिषति) १ झगडना, कलह करना, कुस्ती करना

मिस्र् (१० उ० मिस्रयति–ते) १ मिश्रित करना, समाहार करना, मिलाना, एकत्र करना

मिह् (१ प० मेहति) १ गीला करना, सींचना, प्रोक्षण करना २ मूतना, पेशाब करना

मी (१ प० मयति, १० उ० माययति–ते) १ समझना, जानना २ जाना. (४ आ० मीयते) १ मरना, देहत्याग करना (९ उ० मीनाति–मीनीते) १ मार डालना या दुःख देना

मीम् (१ प० मीमति) १ जाना २ शब्द करना, आवाज करना

मील् (१ प० मीलति) १ आंखें मूदना, पलक मारना उत्–१ जगाना. २ खिलना ३ फैलना

मीव् (१ प० मीवति) १ मोटा होना, स्थूल होना

मुच् (६ उ० मुञ्चति–ते १ मुक्त करना, छोडना २ त्याग करना (१० मोचयति–ते) १ छोड देना, जाने देना २ द्रव्यादिक देना ३ तुष्ट करना, खुश करना (१ आ० मोचते) १ ठगना, मूसना, फँसाना

मुञ्च् (१ आ० मुञ्चते) १ बोलना, कहना २ पीसना, कूटना ३ ठगना, मूसना, फँसाना ४ दुराचरणी होना ५ गर्व करना (१ प० मुञ्चति) १ जाना, २ मुक्त होना प्र–१ अतिदान करना, बहुत देना वि–१ मुक्त करना, छोड देना २ समर्पण करना, देना ३ हराना

मुज्-मुण्ड्	मुद्-मुह्

मुज् (१ प० मोजति, १० प० मोजयति) १ शब्द करना, आवाज करना

मुञ्ज् (१ प० मुञ्जति, १० प० मुञ्जयति) १ शब्द करना, आवाज करना.

मुट् (१ प० मोटति, ६ प० मुटति १० उ० मोटयति-ते) १ घिसना, मर्दन करना. २ दवाना, मुक्की मारना, मलना. ३ निंदा करना, दोष देना. ४ बांधना, रोकना, गूथना.

मुड् (६ प० मुडति) १ त्याग करना, छोड देना. २ आच्छादित करना, वस्त्र पहिरना (१० उ० मोडयति-ते) १ मर्दन करना

मुण् (६ प० मुणति) १ प्रण करना, प्रतिज्ञा करना, वचन देना

मुण्ट् (१ प० मुण्टति) १ घिसना. २ दवाना, मुक्की मारना, मलना ३ निंदा करना, दोष देना ४ बांधना, गूथना, रोकना

मुण्ठ् (१ मुण्ठते) १ उडना, उड जाना, भाग जाना. २ पालन करना, रक्षा करना.

मुण्ड् (१ प० मुण्डति) १ चूर्ण करना. २ मुंडन करना, क्षौर करना, हजामत करना (१आ० मुण्डते) १ स्वच्छ करना. २ स्वच्छ होना. ३ डूबना, मज्जन करना. ४ मनमें बैठ जाना.

मुद् (१ आ० मोदते) १ आनंदित होना, खुश होना, हर्षित होना. (१० मोदयति-ते) १ मिश्रित करना, एकत्र करना

मुन्थ् (१ प० मुन्थति) १ मार डालना या पीडा करना. २ पीडा दुःख सहन करना.

मुर् (६ प० मुरति) १ घेरना, लपेटना.

मुर्च्छ् (१ प० मूर्च्छति) १ मुरझाना, मूर्च्छित होना २ बढना.

मुर्व् (१ प० मूर्वति) १ बांधना, रोकना.

मुल् (१० प० मोलयति) १ बोना, बीजारोपण करना.

मुष् (१ प० मोषति, ९ प० मुष्णाति) चुराना, मूसना, चोरी करना. (४मुष्यति) १ चुराना. २ कतरना. तोडना, चीरना.

मुस् (४ प० मुस्यति) १ तुकडे २ करना, कतरना, तोडना, चीरना.

मुस्त् (१० उ० मुस्तयति-ते) १ ढेर करना, बटोरना, एकत्र करना, राशि करना

मुह् (४ प० मुह्यति) १ पागल होना, बुद्धि भ्रष्ट होना.

मू (१ आ० मवते) १ बांधना, बद्ध करना, जकडना.

मूत्र् (१० उ० मूत्रयति-ते) १ मूतना, पेशाब करना.

मूर्च्छ् (१ प० मूर्च्छति)१ मूर्च्छित होना, मोहित होना, ज्ञानरहित होना. २ बढना, वृद्धिगत होना.

मूल् (१ उ० मूलति-ते) १ मूल पकडना, दृढ पैठ जाना. (१० मूलयति-ते) १ बीजारोपण करना, बोना, कलम करना. उत्-१ जडसे उखाडना.

मूष् (१ प० मूषति) १ चोरी करना, चुराना, मूसना.

मृ (६ आ० म्रियते) १ मरना, देह त्याग करना.

मृक्ष् (१ प० मृक्षति) १ ढेर करना, बटोरना, एकत्र करना. (१० मृक्षयति) १ अपशब्द बोलना. २ मिश्रित करना, मिलाना.

मृग् (४ प० मृग्यति, १० आ० मृगयते) १ मृगया करना, शिकार करना. २ ढूडना.

मृज् (१ प० मार्जति, ३ प० मार्ष्टि, १० उ० मार्जयति-ते) १ स्वच्छ करना, धोना. २ पवित्र होना. ३ सँवारना, अलंकृत करना. ४ शब्द करना, आवाज करना. अप- प्र-१ सफा करना, झाडना, बुहारना. २ स्वच्छ करना, पवित्र करना.

मृड् (६ प० मृडति, ९ प० मृड्णाति) १ सुख देना, तुष्ट करना, खुश करना. २ सुखी होना, खुश होना. ३ चूर्ण करना, कूटना, पीसना. (६ प० मृडति) १ डूबना.

मृण् (६ प० मृणति) १ दुःख देना, पीडा करना.

मृद् (९ प० मृद्नाति) १ पीसना, कूटना. २ चूर्ण करना.

मृध् (१ उ० मर्धति-ते) १ मार डालना या दुःख देना. २ आर्द्र करना या होना, गीला करना या होना.

मृश् (६ प० मृशति) १ स्पर्श करना, छूना. २ देखना. ३ विचार करना १ परा-१ बुद्धिवाद कहना, सलाह देना. वि-१ विचार करना, मनन करना.

मृष् (१ उ० मर्षति-ते, १० उ० मर्षयति-ते, ४ मृष्यति-ते) १ सहन करना. आ-१ गुस्सा करना. वि-विपत्तिमें पडना.

(१ प० मर्षति) प्रोक्षण करना, सींचना.

मृ (९ प० मृणाति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना.

मे (१ आ० मयते) १ बदलेमें देना. २ लौटाना, पीछे देना.

मेद् (प० मेदति) } १ पागल
मेड् (१ प० मेडति) } होना.

मेथ् (१ उ० मेथति–ते) १ समझना, जानना. २ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना. ३ संघट्टन करना.

मेदृ (१ उ० मेदृति–ते) समझना, जानना. २ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना.

मेधृ (१ उ० मेधति–ते) १ समझना, जानना. २ मार डालना या दुःख देना. ३ संघट्टन करना.

मेधा (११ प० मेधायति) १ शीघ्र समझना, जलदी जान लेना.

मेपृ (१ आ० मेपते) १ जाना. २ सेवा करना.

मेवृ (१ आ० मेबते) } १ सेवा
मेवृ (१ आ० मेवते) } करना.

मोक्ष् (१ प० मोक्षति, १० प० १० प० मोक्षयति) १ मुक्त करना, छोड देना.

म्ना (१ प० मनति) १ विचार करना, मनन करना.

म्रक्ष् (१ प० म्रक्षति) १ बटोरना, एकत्र करना, ढेर करना. २ लेपन करना, लीपना. (१० उ० म्रक्षयति–ते) १ मिश्रित करना. २ अशुद्ध बोलना.

म्रच् (१ प० म्रचति) १ जाना.

म्रद् (१ आ० म्रदते) १ मर्दन करना, पीसना, कूटना.

म्रुच् (१ प० म्रोचति) १ जाना, स्थलांतर करना.

म्रुञ्च् (१ प० म्रुञ्चति) १ जाना, स्थलांतर करना.

म्रेद् (१ प० म्रेदति) १ पागल होना.

म्रेड् (१ प० म्रेडति) १ पागल होना.

म्लक्ष् (१० प० म्लक्षयति) १ अशुद्ध बोलना, अबद्ध बोलना. २ मिश्र करना, एकत्र करना.

म्लुच् (१ प० म्लोचति) १ जाना अभिनि-१ नीचे जाना, अस्त होना.

म्लुञ्च् (१ प० म्लुञ्चति) १ जाना, स्थलांतर करना.

म्लेच्छ् (१ प० म्लेच्छति, १० उ० म्लेच्छयति–ते) १ अस्पष्ट या अशुद्ध बोलना. २ संभाषण करना, बोलना. ३ म्लेच्छभाषा बोलना, जंगली भाषा बोलना.

म्लेट् (१ प० म्लेटति)
म्लेड् (१प० म्लेडति) } १ पागल होना

म्लेव् (१ आ० म्लेवते) १ सेवा करना, शुश्रूषा करना, चाकरी करना

म्लै (१ प० म्लायति) १ थकना, *श्रांत होना* २ *निरुत्साह होना* ३ नष्ट होना ४ मुरझाना, कुम्हलाना

य.

यक्ष् (१० उ० यक्षयति-ते) १ आराधन करना, पूजा करना, सत्कार करना

यज् (१ उ० यजति-ते) १ यज्ञ करना, हवन करना २ देवपूजा करना ३ अर्पण करना, देना ४ संगति करना, संयोग करना

यत् (१ आ० यतते) १ निश्चय करना, ठहराना २ यत्न करना, उद्योग करना (१० उ० यातयति-ते) १ दुःख देना २ मारना, ठोंकना, पीसना ३ आज्ञा करना, हुकम करना ४ एकत्र करना, बटोरना ५ मिहनत करना, श्रम करना ६ मना करना, रोकना. ७ लौट देना, वापिस देना ८ बदलेमें देना ९ उत्कंठ करना, सना करना निर्-१ बदला चुका देना, वैरशुद्धि करना २ देना, दान देना. ३ अपने पास दूसरेकी जो वस्तु हो सो लौटा देना या वापिस देना वि-१ धृष्टता करना

यन्त्र् (१ प० यन्त्रति, १० उ० *यन्त्रयति-ते*) १ *स्वाधीन रखना* २ संकुचित करना.

यभ् (१ प० यभति) १ मैथुन करना, स्त्रीसंयोग करना

यम् (१ प० यच्छति) १ प्रतिबंध करना, रोकना, अवरोध करना. नि-१ दौडाना, भगाना २ कुराचार करना ३ आकलन करना, आकर्षण करना, खींचना, नियम बांधना उत्-उ० १ यत्न करना, उद्योग करना २ ऊपर उठाना ३ ऊपर चढना व्या-उ० १ कष्ट करना, मिहनत करना २ व्यवहार करना ३ अपना उद्योग करना संनि-प० १ प्रतिरोध करना, रोकना आ-आ० १ हाथ आदि आगे करना प० १ जाना २ जबरन लेना, बलात्कारसे लेना सम्-आ० १ अपनी वस्तुओंको एकत्र करना, ढेर करना प० १ संयोग करना, मेल करना उप-आ० १ विवाह

करना, व्याहना, शादी करना. २ मान्य करना, कबूल करना. ३ विद्यासे जीतना, विद्याके बलसे स्वाधीन रखना. (१० उ० यमयति–ते, यामयति) १ स्वाधीन रखना, तावेमें रखना, आकलन करना. २ पोषण करना, खानेको देना.

यस् (४ प० यस्यति, १ प० यसति) १ यत्न करना. आ–१ मिहनत करना, कष्ट करना. निर्–१ खोना.

या (२ प० याति) १ जाना. २ प्राप्त होना. ३ पहुँचना. अनु–१ अनुसरण करना, पीछे २ जाना. अभि–१ पहुँचना, पास जाना. आ–१ आना, प्रस्तुत होना, हजर होना. उप–१ छोडना, त्याग करना, हवाले करना. निर्–१ बाहर जाना, आगे जाना. २ शीघ्र गमन करना, जल्द जाना. प्र–१ जाना. प्रति–१ किसीकी ओर जाना. प्रत्युत्–१ सामने जाना. समभि–१ समीप जाना, नजदीक जाना. समा–१ आना, आ पहुँचना.

याच् (१ उ० याचति–ते) १ याचना करना, मांगना. २ देने को चाहना, देनेके लिये निकालना.

यु (२ प० यौति) १ मिश्रित करना, मिलाप करना, एकत्र करना. २ पृथक् २ करना, अलग २ करना. (१० उ० यावयति–ते) १ अपमान करना, दोष लगाना, निंदा करना. (९ उ० युनाति–युनीते) १ बांधना, बंधन करना, गूंथना.

युङ्ग् (१ प० युङ्गति) १ छोड देना, त्याग करना.

युच्छ् (१ प० युच्छति) १ दुर्लक्ष्य करना, असावधान रहना, गाफिल रहना.

युज् (४ आ० युज्यते) १ चित्त स्थिर करना, मनको रोकना. १० प० योजयति) १ बंधन करना, बांधना, तावेमें रखना. (७ उ० युनक्ति–युंक्ते) १ जुडना, मिलाप करना, एकत्र करना. अनु–१ प्रश्न करना, पूछना, चौकस करना. २ दोष लगाना. अभि–१ बांधना. २ दोष लगाना. ३ फिर्याद करना. ४ [illegible] प्रश्न करना. उप–१ [illegible], २ उपयोग करना, [illegible] करना. ३ [illegible]. नि–१ [illegible]

हुक्म करना २ मिलाप करना, एकत्र करना प्र-१ योग्य होना, फबना २ यत्न करना ३ मिलाप करना ४ ऋण देना, पैसा उधार देना वि-१ अलग करना, पृथक् करना २ प्रेरणा करना, भेजना विनि-१ व्यय करना, खर्च करना २ नियमित करना, मुकर्रर करना ३ भेजना, प्रेरणा करना ४ गूथना, एकत्र करना विप्र-१ अलग २ करना, विभक्त करना सम्-१ युक्त करना, मिलाप करना समा-१ बहुत विचार करना (१ प० योजति, १० उ० योजयति-ते) १ बधन करना, तावेमे रखना (१० आ० योजयते) १ निंदा करना, दोष लगाना

युट् (१० उ० युट्यति-ते) १ अल्प होना, कम होना

युत् (१ आ० योतते) १ चमकना, प्रकाशित होना

युध् (४ आ० युध्यते) १ युद्ध करना, लडाई करना, झगडना

युप् (४ प० युप्यति) १ चित्त वैक्लव्य होना, घबर जाना

युप् (१० उ० योपयति-ते) १ सेवा करना, चाकरी करना

युस् (४ प० युस्यति) १ त्याग करना, छोडना

यूथ् (४ प० यूथ्यति) १ मारना, दुःख देना, पीडा करना

यूप् (१ प० यूपति) १ मारना, दुःख देना, पीडा करना

येष् (१ आ० येषते) १ आग्रह करना, चिपटके रहना, निश्चयसे यत्न करना

यौट् (१ प० यौटति) } १ बांधना,
यौड् (१ प० यौडति) } तावेमे रखना

र.

रक् (१० उ० राकयति-ते) १ प्राप्त होना, मिल जाना २ स्वाद लेना, रुचि लेना

रक्ष् (१ प० रक्षति) १ रक्षण करना, पालन करना परि-१ रक्षण करना, बचाना

रख् (१ प० रखति) १ जाना

रग (१ प० रगति) १ शङ्का करना, संदिग्ध होना (१० उ० रागयति-ते) प्राप्त होना, मिल जाना २ स्वाद लेना, रुचि लेना

रङ्ग् (१ प० रङ्गति) १ जाना

रङ्घ् (१ आ० रङ्घते) १ जाना (१० उ० रङ्घयति-ते) १ चमकना, प्रकाशित होना

रच् (१० उ० रचयति-ते) १ रचना, रमना २ शिल्प कर्म करना ३ ग्रन्थ बनाना.

रञ्ज् (१ उ० रजति-ते, ४ उ० रज्यति-ते) १ रंग देना, रंगाना अनु-१ किसी वस्तुमें अनुरक्त होना, तत्पर होना, लीलीन होना, मोहित होना अप-वि-१ विरक्त होना, तिरस्कार करना

रट् (१ प० रटति, १० प० रटयति) १ बोलना, सभाषण करना

रठ् (१ प० रठति) १ बोलना, सभाषण करना.

रण् (१ प० रणति) १ शब्द करना, आवाज करना २ जाना

रद् (१ प० रदति) १ विदारण करना, चीरना २ खोदना

रध् (४ प० रध्यति) १ पूरा करना समाप्त करना २ अपकार करना, मार डालना या दुःख देना ३ पक होना, पकना ४ शुद्ध होना, निर्दोष होना, गल्ती नहीं करना

रप् (१ प० रपति) १ स्पष्ट बोलना

रफ् (प० रफति) १ जाना २ मार डालना या दुःख देना

रभ् (१ आ० रभते) १ आनंदित होना, खुश होना आ-१ आरम्भ करना, शुरू करना. २ आनन्दित होना, खुश होना.

रम् (१ आ० रमते) १ रमना, क्रीडा करना, खेलना. आ-प०, उप-उ०, वि-प० १ विराम करना, स्थिर रहना, आराम करना

रम्फ् (१ प० रम्फति) १ जाना. २ मार डालना या दुःख देना.

रम्ब् (१ आ० रम्बते) १ जाना. २ शब्द करना, आवाज करना.

रम्भ् (१ आ० रम्भते) १ शब्द करना, आवाज करना परि-१ आलिंगन करना, गले लगाना

रय (१ आ० रयते) १ जाना. २ हिलना

रव् (१ प० रवति) १ जाना

रस् (१ प० रसति) १ शब्द करना, आवाज करना (१० उ० रसयति-ते) १ स्वाद लेना, चखना. २ प्रीति करना, प्यार करना.

रह् (१ प० रहति, १० उ० रहयति-ते) १ छोडना, त्याग करना. वि-१ अलग होना, भिन्न होना

रंह् (१ प० रंहति,) बडे जोरसे जाना (१० उ० रंहयति-ते)

रा–राष्	रि–रव्

१ चमकना, प्रकाशित होना २ बोलना, सभाषण करना

रा (२ प० राति) १ प्राप्त होना, मिल जाना २ देना

राख् (१ प० राखति) १ सूखना, शुष्क होना, २ सवारना, भूषित करना अलकृत करना ३ कार्यक्षम होना, पूरा होना ४ रोकना, निषेध करना, विघ्न करना ५ समाप्त करना

राघ् (१ आ० राघते) १ समर्थ होना, शक्य होना, योग्य होना, लायक होना

राज् (१ आ० राजति–ते) १ चमकना, शोभित होना निर् (नी)– १ आरती करना वि–१ शोभित होना, प्रकाशित होना, चमकना. २ जीतना, मात करना

राध् (४ प० राध्यति, ५ प० राध्नोति) पूरा करना, सिद्ध करना, पूर्ण करना अप–१ अपराध करना, गुनाह करना आ– १ आराधना करना, उपासना करना

राश् (१ आ० राशते, ४ आ० राश्यते) १ शब्द करना, आवाज करना

रास् (१ आ० रासते) १ शब्द करना, आवाज करना

रि (५ प० रिणोति) १ दुःख देना, पीडा करना. (६ प० रियति) १ जाना

रिख् (१ प० रेखति)
रिङ्ख् (१ प० रिङ्खति) } १ जाना
रिङ्ग् (१ प० रिङ्गति)

रिच् (१ प० रेचति, १० उ० रेचयति–ते) १ एकत्र करना, जोडना, बांधना २ अलग २ करना, फैलाना ३ दस्त देना, पोटा साफ करना, रेचक दवा देना (७ उ० रिणक्ति रिङ्क्ते) १ मलशुद्धि होना, दस्त खुलकर होना, झाडा होना २ गर्भपात करना, गर्भ गिराना अति–१ अतिरिक्त होना, अतिक्रम करना वि–१ मलशुद्धि होना, दस्त खुलकर होना, झाडा साफ होना

रिज् (१ आ० रेजते) १ भूजना, तलना

रिफ् (६ प० रिफति) १ बोलना, कहना २ युद्ध करना, लडाई करना, झगडना ३ प्रशंसा करना, स्तुति करना, ४ दुःख देना, पीडा करना ५ देना, दान देना ६ दोष लगाना, निंदा करना

रिम्फ् (१ प० रिम्फति) १ मार डालना या दुःख देना

रिव् (प० रिण्वति) १ जान

रिश् (६ प० रिशति) १ मार डालना या दुःख देना. २ मार डालनेका यत्न करना.

रिष् (१ प० रेषति, ४ प० रिष्यति) १ मार डालना या दुःख देना, मार डालनेका यत्न करना. (९ प० रिष्णाति) १ जाना, सिधारना. २ अलग करना, भिन्न करना, संबध तोडना.

रिह् (१ प० रेहति, ६ रिहति) १ मार डालना या दुःख देना २ मार डालनेका यत्न करना.

री (४ आ० रीयते) १ झरना, चूना, टपकना. २ गिरना, नीचे आना. (२ प० रेति) १ गर्भवती होना, गर्भ धारण करना. (९ प० रिणाति) १ जाना. २ अरण्य पशुके माफिक पुकारना. २ पीटा करना, दुःख देना.

रीव् (१ आ० रीवते) १ लेना, ग्रहण करना. २ छिपाना, तिरोधान करना, रोककर रक्षण करना, परदेमे छिपाना.

रु (२ प० रौति) १ शब्द करना, आवाज करना (१ आ० रवते) १ जाना, चलना. २ मार डालना या दुःख देना. ३ बोलना, सभाषण करना. ४ क्रोध करना, गुस्सा करना.

रुच् (१ आ० रोचते) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ आनद करना, खुश होना, उत्साह करना. ३ रुचना.

रुज् (६ प० रुजति) १ दुःखसे या रोगसे पीडित होना. २ वक्र होना, बांका होना, टेढा होना, टूट जाना. (१० उ० रोजयति-ते) मारना, दुःख देना.

रुट् (१ आ० रोटते) १ प्रतिबंध करना, रोकना. २ पुनः २ झगडना. ३ कामवेगसे तलफना, जमीनपर लेटना (१० उ० रोटयति-ते) १ क्रोध करना, गुस्सा करना. २ चमकना, प्रकाशित होना. ३ बोलना, भाषण करना.

रुठ् (१ प० रोठति) १ मारना, नीचे गिरना. (१ आ० रोठते) १ रोकना, आड आना.

रुढ् (१० उ० रुढयति-ते) १ गुस्सा करना.

रुण्ट् (१ प० रुण्टति) चुराना, मूसना.

रुण्ठ् (१ प० रुण्ठति) १ चुराना, मूसना. २ जाना ३ आलस्य करना ४ लंगडना.

रुण्ड् (१ प० रुण्टति) १ चुराना, मूसना.

रुद् (२ प० रोदिति)१ रोना २ गेते २ कहना उत्-१ रो २ शांत करना, दूसरेके लिये रोना

रुध् (७ उ० रुणद्धि-रुन्धे) १ रोकना २ घेरना, घेर लेना अभिसम्-१ प्रतिरोध करना मना करना अव-१ सावधान रहना, दक्षतासे रखना उप-१ घेरना, घेर लेना, सेनाके द्वारा घेरना प्रति-१ रोकना सन्नि-१ बद करना, सैन्य आदिसे बद करना (४ प० अनुरुध्यते) १ कृपालु होना, दया करना अनुमोदन देना, सलाह देना ३ शोक करना,रोना ४ चाहना

रुप् (४ प० रुप्याति) १ विकल चित्त होना, भ्रांत होना, घबर जाना

रुश् (६ प० रुशति) १ मार डालना या दुःख देना

रुंश् (१ प० रुशति, १० उ० रुशयति-ते) १ चमकना, प्रका शित होना २ बोलना

रुष् (१ प० रोषति, ४ प० रुष्यति) १ मार डालना या दुःख देना, मार डालनेका यत्न करना (१० उ० रोषयति-ते) १ क्रोध करना, गुस्सा करना

रुह् (१ प० रोहति) १ बीजसे उत्पन्न होना, उगना २ उत्पन्न होना, पैदा होना, प्रकट होना ३ जन्म होना, जन्म लेना आधि-१ ऊपर चढना, चढना, आरोहण करना अव १उतरना, नीचे आना आ-१ आरूढ होना, ऊपर बैठना २ ऊपर चढना प्र-१ उगना, अंकुर उत्पन्न होना

रूक्ष् (१० उ० रूक्षयति-ते) १ कठिन होना, रूक्ष होना २ कठोर वचन बोलना ३ नीरस होना, शुष्क होना, सूखना

रूप् (१० उ० रूपयति-ते) १ बनाना, आकार बनाना, रचना करना २ मनमें स्वरूपाकृति लाना नि-१ स्पष्ट करना, सम झाके कहना २ वाद करना, वादविवाद करना, बहस करना

रूष् (१ प० रूषति) १ सवारना, अलंकृत करना, शृंगार करना.

रेक् (१ आ० रेकते)१शंका करना, अंदेशा करना, संदिग्ध होना आ-१ अधिक संदिग्ध होना अधिक अंदेशा करना

रेखा (११ प० रेखायति) १ स्तुति करना २ रेखा खीचना

रेज् (१ आ० रेजते) १ चमकना, प्रकाशित होना

रेट् (१ उ० रेटति-ते) १ याचना करना, मांगना. २ वोलना, सभापण करना.

रेपृ (१ आ० रेपते) १ जाना. २ शब्द करना, आवाज करना.

रेवृ (१ आ० रेवते) १ जाना.

रेभृ (१ आ० रेभते) १ शब्द करना, आवाज करना.

रेव् (१ आ० रेवते) १ उड २ जाना, चलना. २ नदीके समान वहना. ३ स्थलांतर करना.

रेषृ (१ आ० रेषते) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ हिनहिनाना. ३ जोरसे पुकारना.

रै (१ प० रायति) १ शब्द करना, आवाज करना.

रोड् (१ प० रोडति) १ उन्मत्त होना, पागल होना. २ अपमान करना, अनादर करना.

रौट् (१ प० रौटति) १ अपमान करना, तिरस्कार करना.

रौड् (१ प० रौडति) १ अपमान करना, तिरस्कार करना.

ल.

लक् (१० उ० लाकयति-ते) १ प्राप्त कर लेना, संपादन करना. २ स्वाद लेना, चखना.

लक्ष् (१० उ० लक्षयति-ते) १ देखना. २ दिलमें रखना, स्मरण रखना, याद रखना. ३ तारतम्य देखना, विवेचन करना, निरूपण करना. उप-१ अर्थके कहनेसे दूसरे अर्थका वोधन करना. सम्-१ अच्छी तरह जानना.

लख् (१ प० लखति) १ जाना, हिलना.

लग् (१ प० लगति) १ संयोग होना, मिलाप होना. २ स्पर्श होना, छूना. (१० प० लागयति) १ स्वाद लेना, चखना. २ प्राप्त कर लेना, संपादित करना.

लघ् (१० उ० लाघयति-ते) १ स्वाद लेना, चखना. २ प्राप्त कर लेना, सपादित करना.

लङ्ख् (१ प० लङ्खति) १ जाना, हिलना.

लङ्ग् (१ प० लङ्गति) १ जाना. २ लंगटना.

लङ्घ् (१ आ० लङ्घते) १ जाना. २ उपवास करना, भूखा रहना. (१ प० लङ्घति) १ कम होना, न्यून होना, अल्प होना. २ शुष्क होना, सूखना. (१ प० लङ्घति, १० उ० लङ्घयति-ते)

१ बोलना. उत्-वि-१ लांघना, मर्यादोत्क्रम करना.

लच्छ् (१ लंच्छति) १ चिह्न करना, निशान करना. २ ध्यानमें रखना, दिलमें धरना.

लज् (१ प० लजति) १ भूंजना, तलना, भूनना. २ अपमान करना, अप्रतिष्ठा करना. (६ उ० लजति-ते) १ लज्जित होना, शरमाना. (उ० १० लाजयति-ते) १ चमकना. २ छिपाना, परदेमें छिपाना.

लञ्ज (१ प० लञ्जति०) १ भूंजना, भूनना, तलना. २अपमान करना, अप्रतिष्ठा करना. (१० उ० लञ्जयति-ते, १ प० लञ्जति) १ प्रकट होना, स्पष्ट होना. २ चमकना (१० प० लञ्जयति) १ देना. २ रहना, वास करना. ३ दुःख देना, पीडा करना. ४ दृढ होना, मजबूत होना. ५ दोष लगाना, निंदा करना. ६ चमकना. ७ प्रकट करना, स्पष्ट करना.

लट् (१ प० लटति, १० प० लटयति) १ बालकके समान चेष्टा करना, बोलना. २ अल्प भाषण करना, थोडा बोलना.

लड् (१ प० लडति, १० प० लडयति) १ क्रीडा करना, मौज करना. २ जीभ बाहर निकालना. ३ जीभ हिलाना. ४ हिलाना, कंपित करना, झुलाना. ५ पीडा करना, दुःख देना. (१० उ० लाडयति-ते) १ पालन करना. २ हिलाना. ३ चाहना.

लण्ड् (१ प० लण्डति, १० उ० लण्डयति-ते) १ चमकना, प्रकाशित होना. २ ऊपर फेंकना, ऊपर उडाना. ३ बोलना, भाषण करना.

लप् (१ प० लपति) १ स्पष्ट बोलना. अनु-१ दूसरेके समान बोलना, यथामति बोलना. २ प्रत्युत्तर देना, उलट जवाब देना. अप-१ कबूल नहीं करना, मान्य नही करना. आ-१ विचार करना, पूछना. २ आलाप करना. प्र-१ बकना, बकवाद करना. प्रति-१ प्राप्त होना, मिलना. वि-१ रोना, शोक करना. विप्र-१ भाषणका खंडन करना, प्रतिषेध करना. सम्-१ बोलना, भाषण करना. २ कपट करना, वंचना करना, कृत्रिम करना.

[illegible] आ[illegible] १ प्राप्त

लम्ब् (१ आ० लम्बते) १ शब्द करना, आवाज करना. २ लट कना. ३ नीचे औंधा गिरना. अव-१ लटकाना, आश्रय कर ना. २ टिकाना, आश्रय देना. ३ टिकना. ४ शिर नीचे और पांव ऊपर करके लटकना. आ-१ विश्वास करना, भरोसा करना. वि-१ देर करना.

लम्भ् (१ आ० लम्भते) १ पीडा करना, अपकार करना. २ निंदा करना, तिरस्कार करना. ३ प्राप्त होना, मिलना. ४ शब्द करना, आवाज करना. उप-१ ज्ञानप्राप्ति होना. २ देर लगाना. उपा-१ निंदा करना, निर्भर्त्सना करना.

लय् (१ आ० लयते) १ जाना.

लर्व् (प० लर्वति) १ जाना.

लल् (१ प० ललति) १ क्रीडा करना, खेलना. २ जीभ बाहर निकालके हिलाना, लहलहाना. (१० आ० लालयते) १ इच्छा करना, चाहना. २ रखना, टिकाना, स्थापित करना. ३ रमण करना, खेलना, रतिक्रीडा करना.

लष् (१० प० लाषयति) १ चतुर होना, कौशल्य जानना.

लप् (१ उ० लपति-ते, ४ उ० लप्यति-ते) १ इच्छा करना. चाहना. अभि-१ चाहना. (१० लाषयति) १ चतुर होना, कौशल्य जानना.

लस् (१ प० लसति) १ आलिंगन करना, गले लगाना. २ क्रीडा करना, खेलना, रमण करना. उत्-१ चमकना, तेजोयुक्त होना. २ आनंदित होना, खुश होना. वि-१ विलास करना, रमण करना. (१० उ० लास यति-ते) १ चतुर होना, कुशल होना, कौशल्य जानना. २ मिहनत करना, कष्ट करना, उद्योग करना.

लस्ज् (१ आ० लज्जते) १ लज्जित होना, शरमाना. २ घबडाना

ला (२ प० लाति) १ लेना, ग्रहण करना. २ देना, दान देना

लाख् (१ प० लाखति) १ लायक होना, कार्यक्षम होना, समर्थ होना. २ भूषित करना, सजाना. ३ तृप्त होना, पुगना. ४ मना करना, निषेध करना.

लाघ् (१ आ० लाघते) १ लायक होना, कार्यक्षम होना, समर्थ होना.

लाञ् (१ प० लाञ्छति) १ भूषना. २ दोष लगाना, निंदा करना

लाञ्छ् (१ प० लाञ्छति) १ चिह्न करना, निशान करना
लाञ्ज् (१ प० लाञ्जति) १ भूनना २ दोष लगाना, निंदा करना
लाड् (११ प० लाड्यति) १ जीना
लाभ (१० प लाभयति) १ प्रेर णा करना, भेजना २ उडाना, फेकना
लिख् (१ प० लेखति) १ जाना (६ प० लिखति) १ लिखना
लिङ्ग् (१ प० लिङ्गति) १ जाना आ–१ आलिगन करना, गले लगाना (१ प० लिङ्गति, १० उ लिङ्गयति-ते) १ तरह २ का रग देना, लगाना
लिट् (११ प० लिट्यति) १ अल्प होना, कम होना २ दोष लगा ना, निंदा करना
लिप (६ उ० लिम्पति ते) १ लीपना, पोतना, विलेपन करना २ बढाना, अधिक करना, जि यादा करना
लिश (४ प० लिश्यति) १ कम करना, न्यून करना २ कम होना (६ प० लिशति) १ जाना २ आना
लिह् (२ उ० लेढि-लीढे) १ चाटना, चखना

ली (४ आ० लीयते, ९ प० लिनाति) १ युक्त होना २ प्राप्त होना, मिलना (१ प० लयति, १० उ० लाययति-ते, लापयति-ते लालयति-ते, लीनयति-ते) १ पतला करना, गलाना आ–१ खर्च करना प्रवि–१ प्राप्त करना, सपादित करना
लुञ्च् (१ प० लुञ्चति) १ कतरना, चीरना, तोडना २ छालना, छाल निकालना ३ बाल आदि को उखाडना
लुन्त (१० प० लुन्तयति) १ देना २ पीडा करना, दुख देना ३ माता होना, बली होना ४ चमकना, प्रकाशित होना ५ रहना, वास करना
लुट् (१ उ० लोटति-ते, ४ प० लुट्यति) १ सयोग करना, मिलाप करना, जोडना २ कांपना, हिलना ३ जमीनपर लोटना (१ प० लोटति) १ प्रतिबध करना, रोकना २ प्रकाशित होना, चमकना ३ टकराना, धक्का मारना (६ प० लुटति) १ आलिंगन करना, गले लगाना (१० प० लोटयति) १ बोलना, भाषण करना २ चमकना.
लुठ् (१ प० लोठति) १ नीचे

गिराना (१ आ० लोठते) १ रोकना. (६ प० लुठति) १ जमीनपर लोटना. २ झरना, बहना. (१० प० लोठयति) १ चुराना, मूसना.

लुड (१ प० लोटति) १ हिलना, कांपना, कंपित होना २ चक्राकार घूमना (६ प० लुडति) १ किसी पदार्थका आश्रय करना, टिकना २ आलिंगन करना, गले लगाना ३ आच्छादन करना, छिपाना

लुण्ट् (१ लुण्टति, १० प० लुण्टयति) चुराना, मूसना लूटना २ अपमान करना, अप्रतिष्ठा करना

लुण्ठ् (१ प० लुण्ठति) १ जाना २ चुराना, मूसना ३ रोकना ४ अलसाना ५ लगडाना

लुण्ड् (१ प० लुण्डति, १० प० लुण्डयति) १ कांपना, कंपित होना २ चुराना, मूसना.

लुन्थ् (१ प० लुन्थति) १ मार डालना, दुःख देना २ क्लेशित करना, श्रांत करना ३ नष्ट करना, श्रम करना ४ पीडा भोगना

लुप् (४ प० लुप्यति) १ [illegible] भ्रष्ट होना, चूकना २ मतिभ्रष्ट कराना, चूक कराना.

लुभ् (४ प० लुभ्यति) १ आशा करना, चाहना, लोभ करना प्र-सम्-१ लुभाना, आकर्षण करना, खींच लेना (६ प० लुभति) १ मतिभ्रष्ट होना, भ्रांत होना

लुम्प् (१ उ० लुम्पति-ते) १ कतरना, चीरना, टुकडे २ करना, नष्ट करना ३ घिसना.

लुम्ब् (१ प० लुम्बति, १० उ० लुम्बयति-ते) १ मार डालना २ दुःख देना, पीडा करना ३ गोदना, नोचना (१० प० लुम्बयति) १ नष्ट होना, गुप्त होना, अदृष्ट होना

लुल (१ प० लोलति) १ कंपित होना, कांपना २ मधुर [illegible], मिलाप होना

लूष (१ आ० [illegible], १० प० लोषयति) १ [illegible] या दुःख देना. २ [illegible], [illegible]

लृ (९ उ० [illegible]-[illegible]) १ [illegible], [illegible]

लूष (१० प० लूषयति) १ [illegible] [illegible], सुशोभित [illegible] १० उ० लूषयति-[illegible] [illegible] २ दुःख देना. [illegible]

लभ्र (१ प० लभ्राति) १ निवारण करना, दूर करना

लेख (११ प० लेख्याति) १ गिर पडना, गिरना

लेखा (११ प० लेखायाति) १ यति) १ गिरना, ठोकर लगना, टलना

लेट (११ प० लेट्याति) १ जूआ खेलना २ सोना ३ पहिले होना

लेप् (१ आ० लेपते) १ नजदीक जाना, समीप आना २ शब्द करना, आवाज करना

लेला (११ प० लेलायति) १ चमकना, प्रकाशित होना २ शोभित होना, शोभा पाना

लैण् (१ प० लैनति) १ जाना २ आज्ञा करना, हुकम करना २ आलिंगन करना गले लगाना ३ छूना ४ पीसना, चूर्ण करना

लोक् (१ आ० लोकते) १ देखना (१० उ० लोकयति-ते)१ भाषण करना, बोलना २ चमकना, प्रकाशित होना

लोच् (१ आ० लोचते)१ देखना (१० उ० लोचयति-ते) १ भाषण करना, बोलना २ चमकना, प्रकाशित होना. आ-१ विचार करना, मनन करना

लोट (११ प० लोट्याति)१ जूआ खेलना २ सोना ३ पहिले होना.

लोट् (१ प० लोटति)
लोड् (१ प० लोडति) १ मूर्ख होना, पागल होना, उन्मत्त होना.

लोष्ट् (१ आ० लोष्टते) १ एकत्र करना, ढेर करना, राशी करना

ल्हप् (१० उ० ल्हपयति-ते) १ अस्पष्ट कहना, संदिग्ध बोलना

ल्वी (९ प० ल्विनाति) १ संयोग करना, मिलाप करना ३ समीप जाना या आना ३ प्राप्त होना, मिलना

व.

वक् (१ आ० वक्ते) १ जाना.

वक्ष् (१ प० वक्षति) १ बटोरना, ढेर करना २ क्रोध करना, गुस्सा करना, गुस्सा होना

वख् (१ प० वखति) १ जाना.

वङ्क् (१ आ० वङ्कते)१ वक्र होना, टेढा होना, दुष्टता करना, नवना २ वक्र करना, टेढा करना, दुष्टता कराना, नवाना ३ जाना.

वङ्ख् (१ प० वङ्खति) १ जाना

वङ्ग् (१ प० वङ्गति) १ जाना २ लगडाना.

वङ्ख् (१ आ० वङ्खते) १ जाना. २ दोष लगाना, निंदा करना. ३ प्रारंभ करना, शुरू करना.

वच् (१ प० वचति, २ प० वक्ति, १० उ० वाचयति-ते)१ बोलना, कहना. २ समझाना, जताना. ३ पढना, अध्ययन करना. प्र- १ बोलनेका प्रारंभ करना.

वज् (१ प० वजति) १ जाना. (१० उ० वाजयति-ते) १ जाना. २ सिद्ध करना, तैयार करना. ४ बाणमें पंख लगाके तैयार करना.

वञ्च् १ प० वञ्चति) १ जाना. (१ आ० वञ्चते, १० आ० वञ्चयते) १ ठगना, फसाना, प्रतारणा करना.

वट् (१ प० वटति, १० उ० वटयति-ते) १ घेरना, घेर लेना. २ बांधना, गूथना, वटना, एकत्र करना. ३ अलग करना, विभाग करना. (१ प० वटति) १ बकना, बकवाद करना.

वठ् (१ प० वठति) १ शक्तिवान् होना, स्थूल होना, मोटा होना.

वण् (१ प० वणति) १ शब्द करना, आवाज करना.

वण्ट् (१० उ० वण्टयति-ते) १ पृथक् करना, अलग करना, हिस्सा करना, बांटना.

वण्ठ् (१ आ० वण्ठते) १ अकेला जाना.

वण्ड् (१ आ० वण्डते) १ पृथक् करना, अलग करना, हिस्सा करना. (१ प० वण्डति, १० उ० वण्डयति-ते) १ आच्छादन करना.

वद् (१ उ० वदति-ते, १० उ० वदयति-ते) १ कहना, स्पष्ट कहना. २ समझाना, जताना. ३ बाट जोहना, राह देखना. अनु- आ० १ अनंतर बोलना, साथ बोलना, पीछेसे बोलना. अप- उ० १ निंदा करना, अपकारकारक भाषण करना. अभि- प० १ सत्कारपूर्वक अभिवंदन करना. नमस्कार करना. उप- आ० १ समझाकर कहना. निर्- प० १ स्वच्छ बोलना, साफ कहना. परि-प० १ विरुद्ध बोलना. प्र-प० १ चार आदमियोंके सामने बोलना, पट्कर्णी करना. प्रति-प० १ उत्तर देना, जवाब देना. वि- आ० १ वादविवाद करना, विरुद्ध पक्षकी बात करना. बहस करना. विप्र- उ० १ विप्रलाप करना, बकवाद करना,

निष्ठुर बोलना. विसम्–प० १ सच नभग करना, कहनेके माफिक न करना. सम्प्र–आ० एकत्र होकर स्पष्ट कहना. प० एक समय सबोंने एक साथ स्पष्ट कहना.

वन् (१ प० वनति, १० प० वनयति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ सेवा करना, शुश्रूषा करना, चाकरी करना. ३ साह्य करना, मदद करना. ४ आपद्ग्रस्त होना, बुरी हालतमें होना. (८ उ० वनुते–वनोति) १ याचना करना, मांगना. (१ प० वनति, १० उ० वनयति–ते) १ दुःख देना. २ कोई धंधा करना, उद्योग करना.

वन्द् (१ आ० वन्दते) १ सत्कारपूर्वक कुशल प्रश्न पूछना. २ प्रशंसा करना, स्तुति करना. ३ वंदना, वंदन करना.

वप् (१ उ० वपति–ते) १ बीज बोना, बोना. २ उत्पन्न करना, पैदा करना. ३ वपन करना, हजामत करना. ४ बुनना, बट्ना.

वभ्र् (१ प० वभ्रति) १ जाना, स्थलांतर करना.

वम् (१ प० वमति) १ कै होना, मुखसे बाहर आना, वमन होना.

वय् (१ आ० वयते) १ जाना, स्थलांतर करना.

वर् (१० उ० वरयति–ते) १ इच्छा करना, चाहना, आशा करना.

वरण (११ प० वरण्यति) १ जाना.

वर्घ् (१ प० वर्घति) १ जाना.

वर्च् (१ आ० वर्चते) १ प्रकाशित होना, चमकना. (१० प० वर्चयति) १ कतरना, चीरना. २ भरना, पूरा करना, पूर्ण होना.

वर्ण् (१० उ० वर्णयति–ते) १ रंग देना, रंगाना. २ आज्ञा करना, प्रेरणा करना, भेजना. ३ वर्णन करना, बखानना. ४ प्रशंसा करना, स्तुति करना. ५ विस्तृत करना, फैलाना. ६ चमकना, प्रकाशित होना. ७ पीसना, चूर्ण करना. ८ यत्न करना, श्रम करना, मिहनत करना.

वर्ध् (१० उ० वर्धयति–ते) १ कतरना, चीरना. २ भरना, पूर्ण करना.

वर्फ् (१ प० वर्फति) १ जाना. २ हिंसा करना, मार डालना.

वर्ष् (१ आ० वर्षते) १ गीला होना, भीगना.

वर्ह् (१ उ० वर्हति–ते, १० उ० वर्हयति–ते) बोलना, कहना. २ मार डालना या दुःख देना.

३ चमकना, प्रकाशित होना. ४ स्मरण करना, याद करना. ५ श्रेष्ठ होना. ६ दान करना, देना. ७ आच्छादित करना, ढकना.

वल् (१ आ० वलते)१ आच्छादित करना, ढकना. २ घेरना. ३ जाना. (१० प० वालयति) १ पालन करना, पालना.

वल्क् (१० उ० वल्कयति-ते) १ बोलना.

वल्ग् (१ प० वल्गति) १ जाना. २ फुदकते चलना

वल्गू (११ प० वल्गूयति) १ पूजा करना, सन्मान करना. २ मीठा बोलना.

वल्भ् (१ आ० वल्भते) १ खाना, भक्षण करना.

वल्यूल (११ प० वल्यूलयति) १ कतरना, चीरना, तोडना. २ स्वच्छ करना, निर्मल करना.

वल्ल् (१ आ० वल्लते) १ जाना. २ आच्छादित करना, ढकना.

वल्ह् (१ आ० वल्हते, १० उ० वल्हयति-ते) १ बोलना, कहना. (१ आ० वल्हते) १ मार डालना या पीडा करना. २ श्रेष्ठ होना, सर्वोत्तम होना. ३ आच्छादित करना, ढकना. (१० प० वल्हयति) १ प्रकाशित होना, चमकना.

वश् (२ प० वष्टि) १ इच्छा करना, चाहना.

वष् (१ प० वषति) १ मार डालना, पीडा करना.

वष्क् (१ आ० वष्कते, १० उ० वष्कयति-ते) १ जाना. २ देखना.

वस् (१० उ० वसयति-ते) १ रहना, ठहरना, वास करना, बसना. (२ आ० वस्ते) १ वस्त्र पहिरना, ओढना, पोशाक करना. (१० उ० वासयति-ते) १ दया करना, प्रीति करना. २ मार डालना. ३ कतरना, चीरना. ४ मान्य करना, कबूल करना, स्वीकार करना. ५ नष्ट करना, छे लेना. (४ प० वस्यति) १ मनसे या शरीरसे सीधा होना. २ निश्चल होना. १ प० वसति) १ वस्ति करना, टिकना. अधि-१ ऊपर बैठना. २ उपभोग करना, काममें लगाना, उप-१ उपवास करना, भूखा रहना. नि-१ रहना, वास करना, बसना. २ वस्त्र पहिनना, ओढना. प्र-१ परदेश जाना, बाहर जाना. सम्-१ सहवास करना, साथ रहना, एकत्र रहना.

वस्क् (१ आ० वस्कते) १ जाना

वस्न् (१० आ० वस्नयते) १ जाना. २ मारना. ३ माँगना

वह् (१ उ० वहति-ते) १ बहना, झरना २ ढोना, ढो ले जाना.

वंह् (१ आ० वहते) १ बढना (१० उ० वहयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना

वा (२ प० वाति) १ जाना, पवनसा चलना. २ बहना, पवन चलना. नि-१ नष्ट होना, पवनसे बुझना २ पीडा करना, दुःख देना

वाङ्क्ष् (१ प० वाङ्क्षति) } १ इच्छा करना, चाहना.
वाञ्छ् (१ प० वांछति) }

वाह् (१ आ० वाहते) १ स्नान करना, नहाना, अंग धोना.

वात (१० उ० वातयति-ते) १ सुखी होना, आनंद करना. २ बटोरना, एकत्र करना. ३ सेवा करना.

वाध् (१ आ० वाधते) १ बाधा करना, पीडा करना. २ रोकना

वावृत् (४ आ० वावृत्यते) १ सेवा करना, शुश्रूषा करना, चाकरी करना २ ढूंढ निकालना, पसंद करना.

वाश् (४ आ० वाश्यते) १ शब्द करना, आवाज करना. २ पक्षीके समान पुकारना ३ बुलाना, पुकारना, आमन्त्रित करना, हाँक मारना.

वास् (१० उ० वासयति-ते) १ वासित करना, सुगंधित करना, धूपित करना, धूप देना (४ आ० वास्यते) १ पक्षीके समान शब्द करना.

वाह् (१ आ० वाहते) १ यत्न करना, श्रम करना, मिहनत करना

विच्छ् (६ प० विच्छति) १ समीप जाना या आना (१० उ० विच्छयति-ते) १ प्रकाशित होना, चमकना. २ बोलना, भाषण करना

विच् (७ उ० विनक्ति-विङ्क्ते) १ पृथक् करना, अलग करना. १ पृथक् होना, अलग होना ३ छूटना, टूटना. ४ विवेक करना, तारतम्य देखना.

विज् (३ प० वेवेक्ति) १ अलग करना या होना २ टूटना, छूटना. ३ विवेक करना, तारतम्य देखना. (६ आ० विजते, उद्विजते, ७ प० विनक्ति) १ डरना २ डरसे कांपित होना ३ कांपना ४ आपद्ग्रस्त होना, विपत्तिमें पडना.

विट् (१ प० वेटति) १ शब्द करना, आवाज करना २ शाप देना, सराप देना, सरापना.

विड् (१ प० वेडति) १ सराप देना, सरापना २ तोडना, चीरना.

विडम्ब (१० उ० विडम्बयति-ते) १ अनुकरण करना. २ स्वांग लेना ३ विडंबना करना, अप्रतिष्ठा करना

विच्छ् (१० प० विच्छयति) १ कम होना, क्षय होना, ह्रास होना.

वित्त् (१० वित्तयति) देना, दान करना, धर्म करना.

विथ् (१ आ० वेथते) १ याचना करना, मांगना.

विद् (२ प० वेत्ति-वेद) १ समझना, जानना. निर्-१ विपद्ग्रस्त होना, दु खी होना सम्-(स वित्ते) १ ध्यान करना, मनन करना, ईश्वरी ज्ञान प्राप्त करना, योगाभ्यास करना. (४ आ० विद्यते) १ जीना, विद्यमान होना, रहना, होना. निर्-१ विरक्त होना, निर्विण्ण होना (७ आ० विन्ते) १ मनन करना, विचार करना. (१ आ० वेदयते)१ शरीरकी सुध रखना. २ समझना, जानना. ३ समझाके कहना. ४ रहना, वास करना, बसना. ५ स्थिर रहना. ६ दुःख पीडा सहना नि- वि नि-१ समझाके कहना. प्रति-१ देना, अर्पण करना.

विध् (६ प० विधति) १ छिद्र करना, छेद करना, छेदना. २ हुकम चलाना, शासन करना.

विन्द् (१ उ० विन्दति-ते)१ प्राप्त करना, संपादित करना. परि-१ बडे भाईका विवाह होनेके पहि लेहीं छोटे भाईने विवाह करना.

विप् (१० प० वेपयति) १ उडाना, फेंकना

विल् (६ प० विलति) १ वस्त्र पहिनना, कपडा पहिनना, ओढना २ छिद्र करना, छेदना, चीरना (१० उ० वेलयति-ते) १ उडाना, फेंकना, प्रेरणा करना.

विला (११ प० विलायति) १ क्रीडा करना, खेलना, विलास करना.

विश् (६ प० विशति)१ घुसना, धसना, व्याप्त करना. आ-प्र-१ प्रवेश करना, घुसना, भीतर जाना, धसना २ चारों ओर फैलाना उप-१ बैठना २ पास जाना अभिनि-आ० १ समक्ष या सामने बैठना. २ आराम

करना, थमना ३ अभिमान करना, अभिनिवेश करना निर्-१ मूर्च्छित होना, २ बाहर जाना ३ भोग करना, भोगना परि-१ सामने धरना, उपहार देना, भेट देना सम्-१ करवट लेना, आराम करना सन्नि-१ पास जाना या रहना समा-१ प्रचारमें लाना, रूढिमें लाना नि-आ० १ निवेश करना, वास करना, वसना

विष् (६ प० विषति) १ व्यापना (९ प० विष्णाति) १ उपयोग न होनेसे अलग करना या निकाल देना (१ प० वेषति) १ सींचना, प्रोक्षण करना (३ उ० वेवेष्टि-वेविष्टे) १ व्यापना, फैलना, प्रसृत होना

विष्क् (१० उ० विष्कयति-ते) देखना (१० आ० विष्कयते) १ दु ख देना, मारना

विस् (४ प० विस्यति)१ उडाना, फेकना २ सामने रखना, सामने धरना

वी (२ प० वेति) १ जाना २ व्यापना, घेरना, आक्रमण करना ३ फेंकना, भेजना, दौडाना ४ इच्छा करना ५ खाना, भक्षण करना ६ गर्भिता होना, गाभिन होना. सम्-१ घेरना, घेर लेना, लपेटना

वीज् (१० प० वीजयति)१ पखा करना, पछोरना, बेना डुलाना, फटकना

वीभ् (१ आ० वीभते) १ प्रशसा करना, स्तुति करना

वीर् (१० उ० वीरयति-ते) शूरवीर होना, पराक्रमी होना, पराक्रम करना

वुङ्ग् (१ प० वुङ्गति) १ छोडना, त्याग करना, वर्जित करना

वुद् (१० उ० वोट्यति) १ मार डालना या दु ख देना.

वुन्ध् (१० उ० वुन्धयति-ते) १ मार डालना या दु ख देना

वुस् (४ प० वुस्यति) १ फेकना, उडाना २ टुकडे २ करना

वूष् (१० उ० वूषयति-ते) १ मार डालना या दु ख देना

वृ (९ उ० वृणोति-वृणुते, १० उ० वारयति-ते) १ पसद करना २ मुकर्रर करना, योजित करना ३ नियमित करना ४ आच्छादित करना, ढँकना अप-१ सरक्षण करना, आच्छादन करना आ-१ घेरना, लपेटना नि- निर्-१ पूरा करना, समाप्त

करना. २ निवारण करना. परि-१ घेरना, लपेटना, आच्छादन करना. २ भरोसा करना, विश्वास करना. वि-१ स्पष्ट करना या होना. सम्-१ छिपाना. समा-१ लपेटना, तहाना. (९ आ० वृणीते) सेवा करना, पूजा करना, भजना, आदरातिथ्य करना. (१ उ० वरति-ते) १ पसद करना. २ योजित करना, मुकर्रर करना ३ आच्छादन करना.

वृक् (१ आ० वर्कते) १ लेना, मान्य करना, कबूल करना.

वृक्ष् (१ आ० वृक्षते) १ योजित करना, मुकर्रर करना. २ पसद करना. ३ आच्छादन करना, ढकना.

वृच् (७ प० वृणक्ति) १ आच्छादन करना, उढाना. २ छोडना, वर्जित करना.

वृज् (१ प० वर्जति, २ आ० वृक्ते, ७ प० वृणक्ति, १० उ० वर्जयति-ते) १ छोडना, वर्जित करना. (७ प० वृणक्ति) १ आच्छादन करना, उढाना अप-१ छोडना. २ दान देना.

वृण् (६ प० वृणति) १ आनद करना, उत्साह करना. (८ प० वृणोति) १ खाना, भक्षण करना.

वृत् (१ आ० वर्तते) १ वर्तन करना, वर्ताव करना २ रहना, होना. (१० प० वर्तयति) १ बोलना. २ चमकना. अति-१ जीतना, मात करना. २ आज्ञाभग करना, हुक्म तोडना. ३ अतिक्रम करना, लांघना. अनु-अनुसरण करना, दूसरेके समान करना. २ पीछे २ जाना. अप-१ लौटना. आ-१ चक्राकार घूमना, प्रदक्षिणा करना, परिक्रमा करना, २ पुनः पुनः करना. नि-१ लौटना. २ कृत्रिमसे करना. निर्-१ थमना, पूरा करना परि-१ घेरना, लपेटना, आवृत करना. २ बदलना. ३ वर्चस्व करना, वर्चस्वी होना. ४ चक्राकार घूमना. ५ बढ जाना, आगे जाना ६ लौटना, पीछे लौटना. प्र-१ काममें लगना, उद्योग करने लगना, प्रवृत्त होना. प्रतिनि-१ जाना. वि-लौटना. २ चक्राकार घूमना. विनि-१ पीछे लौटना. विपरि-मनमें भ्रमण होना. समभि-१ कूदके जाना, उड जाना (४ आ० वृत्यते) १ पसद करना, ठहराना, मुकर्रर करना. २ सेवा करना, चाकरी करना. (१०

उ० वर्तयति-ते) १ बोलना २ चमकना.

वृध् (१ आ० वर्धते) १ बढना, अधिक होना १० उ० वर्धयति-ते) १ जाना २ बोलना ३ चमकना

वृश् (४ प० वृश्यति) १ पसंद करना २ आच्छादन करना, ढकना

वृष् (१ प० वर्षति) १ बरसना, सींचना, प्रोक्षण करना २ मार डालना या पीडा करना ३ दुःख देना, पीडित करना ४ देना, दान करना (१० आ० वर्षयते) १ गर्भवती होना, गाभिन होना २ अमानवी पराक्रम विशिष्ट होना, अमानवी पराक्रम करना ३ पराक्रमी होना ४ प्रजोत्पत्ति करनेको समर्थ होना

वृह् (१ प० वर्हति) १ बढना २ जंगली पशुके समान पुकारना (६ प० वृहति) १ यत्न करना

वृंह् (१ प० वृंहति) १ बढना २ जंगली पशुके समान पुकारना (१० उ० वृंहयति-ते) १ चमकना २ बोलना

वॄ (९ उ० वृणाति-वृणीते) १ पसंद करना २ आश्रय देना, सभालना.

वे (१ उ० वयति-ते) १ बुनना २ बटना

वेण् (१ उ० वेणति-ते) १ जाना २ समझना, जानना ३ स्मरण करना, याद करना ४ लेना, ग्रहण करना ५ सारासार विचार करना, तारतम्य देखना ६ वाद्ययंत्र बजाना ७ वाद्ययंत्र हाथमें लेना, बाजा हाथमें लेना

वेथ् (१ आ० वेथते) १ याचना करना, मांगना

वेद् (११ प० वेदयति) १ धूर्तता करना, ठगना २ सोना, सपना देखना, ख्वाब देखना

वेन् (१ उ० वेनति-ते) १ जाना २ समझना, जानना ३ स्मरण करना, याद करना ४ लेना ग्रहण करना ५ सारासार विचार करना, तारतम्य देखना ६ वाद्ययंत्र बजाना ७ वाद्ययंत्र हाथमें लेना, बाजा हाथमें लेना.

वेप् १ आ० वेपते) १ कांपना, थरथराना

वेल् (१ प० वेलति) १ जाना सरकना २ कांपना, थरथराना (१० उ० वेलयति-ते) १ कालगणना करना, वक्तकी गिनती करना

वेल्ल् (१ प० वेल्लति) १ जाना,

सरकना २ कांपना थरथराना
वेवी (२ आ० वेवीते) १ जाना, सरकना, चलना २ व्यापना, आक्रमण करना, फैलना ३ इच्छा करना, चाहना ४ गर्भवता होना. ५ भेजना ६ खाना ७ फेंकना, उड़ाना
वेष्ट् (१ आ० वेष्टते) १ लपेटना, घेरना
वेस् (१ प० वेसति) १ जाना
वेह् (१ आ० वेहते) १ यत्न करना २ निश्चय करना, ठहराना
वेल्ह् (१ प० वेल्हति) १ जाना, सरकना २ कांपना, थरथराना
वै (१ प० वायति) १ शुष्क होना, सूखना
व्यच् (६ प० विचति) १ ठगना, फंसाना
व्यथ् (१ आ० व्यथते) १ डरना २ दुःख भोगना ३ असुखी होना, क्षुब्ध होना, सतप्त होना
व्यध् (४ प० विध्यति) १ मारना, पीटना २ छेदना ३ दुःख देना, पीड़ा करना
व्यय् (१ प० व्ययति) १ जाना (१० प० व्याययति) प्रेरण करना, भेजना. २ कम होना, लघु होना, न्यून होना (१ आ० व्ययते, १० उ० व्ययति-ते) १ खर्च करना, व्यय करना.
व्युष् (४ प० व्युष्यति)
व्युस् (४ प० व्युस्यति) } १ जलाना, भूनना, दग्ध करना २ अलग करना, पृथक् करना, विभाग करना (१० प० व्योषयति) १ छोड़ना, त्याग करना, वर्जित करना
व्ये (१ उ० व्ययति-ते) आच्छादन करना, ढकना २ सीना
व्रज् (१ प० व्रजति, १० प० व्राजयति) १ घूमना, जाना, भटकना परि-१ सन्यासीके समान घूमना या भटकना, यात्रा करना (१० प० व्राजयति) १ पूर्ण करना, तैयार करना, सिद्ध करना.
व्रण (१ प० व्रणति) १ शब्द करना, आवाज करना (१० उ० व्रणयति-ते) १ क्षत करना, घाव करना, जख्मी करना.
व्रश्च् (६ प० वृश्चति) १ कतरना, छेदना, रेतना, छीलना
व्री (४ आ० व्रीयते, ९ प० व्रिणाति-व्रीणाति) १ ढूंढके निकालना, पसन्द करना, चिनना. २ आच्छादन करना, ढकना

व्रीड् (४ प० व्रीड्यति) १ लज्जित होना, शरमाना. २ भेजना.

व्रीस् (१ प० व्रीसति, १० प० व्रीसयति) १ पीडा करना, जखमी करना, क्षत करना, घाव करना.

व्रुड् (६ प० व्रुडति) १ डुबना. २ राशि करना, ढेर करना. ३ आच्छादन करना, ढकना.

व्रुस् (१ प० व्रुसति, १० उ० व्रुसयति-ते) १ मार डालना या पीडा करना.

व्ली (९ प० व्लिनाति-व्लीनाति) १ पसंद करना, दूढ निकालना, बिनना. २ आच्छादन करना, उढाना, ३ जाना, सरकना.

व्लेक्ष् (१० प० व्लेक्षयति)१देखना.

श.

शक् (४ उ० शक्यति-ते, ५ प० शक्नोति) १ सहना, सहन करना. २ शक्तिमान् होना. समर्थ होना, योग्य होना.

शङ्क् (१ आ० शङ्कते) १ शंका करना, संशय करना, संदेह करना २ डरना, घबरना. आ-१ डरना, घबरना.

शच् (१ आ० शचते) १ अस्पष्ट बोलना.

शश्व् (१ आ० शश्वते) जाना.

शट् (१ प० शटति) १ रोगी होना, बीमार होना. २ जाना, चलना. ३ थकना, श्रांत होना. ४ खिन्न होना, उदास होना. ५ छेद करना, छेदना. (१० उ० शाट्यति-ते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.

शठ् (१ प० शठति,) १ ठगना. २ मार डालना या दुःख देना. ३ क्लेश दुःखपीडा सहन करना. (१ उ० शाठयति-ते) १ पूरा करना, समाप्त करना. २ पूरा न करना, समाप्त न करना, आधा-ही छोडना. ३ जाना. (१० उ० शठयति-ते) १ दुर्भाषण करना, दुर्वचन कहना. २ सुवचन कहना. ३ मौन धारण करना, नहीं बोलना, चुपके रहना, चुप होना. (१० आ० शाठयते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.

शण् (१ प० शणति) १ देना, दान करना. २ जाना.

शण्ड् (१ आ० शण्डते) १ रोगी होना, बीमार होना. २ अपकार करना, दुःख देना. ३ बटोरना, एकत्र करना, ढेर करना.

शद् (१ आ० शीयते) १ जीर्ण होना, धीरे २ कम होना,

मुरझाना. २ गिरना. ३ जाना. ४ नीचे फेंकना, नीचे गिराना.

शप् (१ उ० शपति-ते, ४ उ० शप्यति-ते) १ शपथ करना, सौगद खाना, कसम खाना प्रतिज्ञा करना. २ सरापना, गाली देना.

शम् (१ प० शाम्यति)१ सांत्वन करना, शमन करना. २ शांत होना, ठंडा होना. ३ मन स्वाधीन रखना, स्वस्थ होना, क्षुब्ध नहीं होना. (१० आ० शामयते) १ सूक्ष्मतासे देखना. (१० प० शमयति) १ शांत करना, ठंडा करना. (१० आ० शामयते) १ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना, स्पष्टतासे दिखाना. उप-१ शांत करना. उपशमन करना. नि-१ सुनना. २ प्रतिबंध करना, रोकना. प्र-शांत होना, स्थिर होना. २ नष्ट करना.

शम्ब् (१ प० शम्बति)१ जाना. (१० उ० शम्बयति-ते) १ ढेर करना, राशि करना, बटोरना, एकत्र करना. २ जोडना.

शब्द् (१० उ० शब्दयति-ते) १ शब्द करना, अवाज करना. प्र-प्रति-वि-१ स्पष्ट करना.

२ बोलना. ३ वचन देना, वाग्दान करना, देनेका निश्चय करना.

शर्ब् (१ प० शर्बति) १ क्षत करना, जखम करना, घाव करना. २ मार डालना.

शर्व् (१ प० शर्वति) १ जाना.

शर्व् (१ प० शर्वति) २ पीडा करना, दुःख देना, मारना.

शल् (१ आ० शलते)१ आच्छादित करना, ढकना. २ चुभना, सलना. (१ प० शलति) १ जाना २ जल्दी जाना. (१० प० शालयति) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना.

शल्भ् (१ आ० शल्भते)१ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ आत्मश्लाघा करना, आत्मस्तुति करना, शेखी मारना.

शव् (१ प० शवति) १ जाना. २ समीप जाना या आना. ३ बदलना, फिरना. ४ बदलेमें देना.

शश् (१ प० शशति) १ कुदकते चलना, कूदते जाना.

शष् (१ प० शषति) १ मारना, बधना, दुःख देना, पीडा करना,

शस् (१ प० शसति) १ मारना, बधना, दुःख देना. अभि-१

विनाति करना, गिडगिडाना. (२ प० शस्ति) १ सोना.

शस् (१ प० शसति) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ दुःख देना, पीडा करना. ३ अभिशंसन करना, तुहमत लगाना, मिथ्यापवाद लगाना, झूठा कलंक लगाना. ४ इच्छा करना, चाहना. अभि-१ मिथ्यापवाद लगाना. आ-१ चाहना. २ बोलना. प्र-१ प्रशंसा करना, स्तुति करना. आ- आ० १ आशीर्वाद देना, कल्याण चाहना, शुभ चाहना. (२ प० शस्ति) १ सोना.

शाख् (१ प० शाखति) १ शाखा फैलना, डालें पैदा होना

शाड् (१ आ० शाडते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ बकवाद करना. शेखी मारना. ३ तैरना, तिरना, पैरना.

शान् (१ उ० शीशांसति-ते) १ तेज करना, पैना करना.

शान्त्व् (१० प० शान्त्वयति) १ सांत्वना करना, समाधान करना.

शार् (१० प० शारयति) १ निर्बल होना या करना, अशक्त होना या करना.

[श]ाल् (१ आ० शालते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ शेखी मारना, आत्मस्तुति करना. ३ कहना. ४ प्रकाशित होना, चमकना.

शास् (२ प० शास्ति) १ आज्ञा करना, हुक्म करना. २ कहना, सिखाना, बोध करना. ३ अधिकार करना, अमल चलाना, नियमन करना, शासन करना, शासक होना, प्रभु होना. आ- (आशास्ते) १ आशीर्वाद देना, भला चाहना.

शि (५ उ० शिनोति-शिनुते) १ तीक्ष्ण करना, पैना करना. २ छीलके बारीक करना

शिक्ष् (१ आ० शिक्षते) अभ्यास करना, अध्ययन करना, सीखना.

शिङ्घ् (१ प० शिङ्घति) १ जाना. २ सूघना, आघ्राण करना.

शिङ्घ् (१ प० शिङ्घति) १ सूघना, आघ्राण करना.

शिञ्ज् (२ आ० शिङ्क्ते) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ झुनझुनाना, ठनठनाना, खनखन आदि आवाज होना.

शिट् (१ प० शेटति) १ अपमान करना, तिरस्कार करना, तुच्छ मानना.

शिल् (६ प० शिलति) १ बिनना, उंछन करना.

शिष् (१ प० शेषति, १० उ० शेषयति–ते) १ शेष रखना, बचा रखना, पूरा खर्च न करना. वि–१ अधिक होना, जियादा होना. (७ प० विशिनष्टि) पृथक् करना, अलग करना. २ गुण दोष दिखाना, भिन्नता दिखाना. (१ प० शेषति) १ दुःख देना या मार डालना.

शी (२ आ० शेते) १ सोना, शयन करना. अति–१ अतिशय होना, अधिक होना. आधि–१ मुकाम करना, रहना. सम्–वि–१ शंका करना, संदेह करना.

शीक् (१ आ० शीकते) गीला करना, छींटा मारना. २ भिगोना. (१ प० शीकति, १० उ० शीकयति–ते) १ छूना, स्पर्श करना. २ शांत होना, शांततासे सहना. ३ चमकना, प्रकाशित होना. ४ बोलना, भाषण करना

शीभ् (१ आ० शीभते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना २ शेखी मारना, आत्मस्तुति करना,

शील् (१ प० शीलति) १ मनन करना, मनकी एकाग्र करना. २ पूजा करना, अर्चा करना. (१ प० शीलति, १० उ० शीलयति–ते) १ अभ्यास करना, आदत करना. (प० १० शील्यति) १ धारण करना, पहिरना, पहिनना. २ रखना, पास रखना.

शुक् (१ प० शोकति) १ जाना. २ छूना, स्पर्श करना.

शुच् (१ प० शोचति) १ दुःख करना, शोक करना. (४ उ० शुच्यति–ते) १ स्नान करना, शुद्ध होना. २ आर्द्र होना, गीला होना. ३ बदबू आना. ४ मर्दन करना, मथना. ५ क्षत करना, जख्म करना, घाव करना.

शुच्य् (१ प० शुच्यति) १ स्नान करना. २ सार निकालना, अर्क निकालना, निचोडना. ३ मथना. ४ छानना. ५ पीडा करना, दुःख देना, हैरान करना

शुट् (१ प० शोटति, १० उ० शोटयति–ते) १ रोकना, रोक रखना. २ गमनमें विघ्न होना, लंगडाना. ३ अटकाना, प्रतिबन्ध करना. ४ सूखना. ५ सुखाना.

शुन् (६ प० शुनति) १ [illegible]

शुम्भ् (१ प० शु[illegible]

शुण्ठयति-ते) १ रोकना, रोक रखना. २ जानेमें विघ्न होना, लगडाना. ३ अलसाना, आलस्य करना ४ सूखना. ५ सुखाना.

शुध् (-४ प० शुध्यति) १ शुद्ध होना, पवित्र होना.

शुन् (६ प० शुनति) १ जाना.

शुन्ध् (१ उ० शुन्धति-ते, १० उ० शुन्धयति-ते) १ शुद्ध होना, पवित्र होना २ शुद्ध करना, पवित्र करना

शुभ् (१ उ० शोभति-ते, ६ शुभति) १ चमकना, प्रकाशित होना, देदीप्यमान होना. २ सुंदर होना, शोभायमान होना, खूबसूरत होना (१ प० शोभति, ६ प० शुभति) १ मार डालना या दुःख देना (१ प० शोभति) १ भाषण करना, बोलना.

शुम्भ् (१-६ प० शुम्भति) १ चमकना, प्रकाशित होना, देदीप्यमान होना २ सुंदर होना, खूबसूरत होना. ३ मार डालना या दुःख देना. ४ भाषण करना, बोलना.

शुर् (४ आ० शूर्यते) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना. २ मूर्ख होना, पागल होना. ३ निश्चल होना.

शुल्क् (१० उ० शुल्कयति-ते) १ कहना. २ प्राप्त करना, मिलाना. ३ उत्पन्न करना, पैदा करना. ४ छोड देना.

शुल्व् (१० प० शुल्वयति) १ उत्पन्न करना, पैदा करना. २ गिनना, नापना.

शुष् (४ प० शुष्यति) १ शुष्क होना, सूखना.

शूर् (४ आ० शूर्यते) १ मार डालना, दुःख देना, पीडा करना. २ मूर्ख होना, पागल होना ३ निश्चल होना, स्तब्ध होना. (१० आ० शूरयते) १ पराक्रमी होना, शूरवीर होना. २ यत्न करना. (११ आ० शूर्यते) १ पराक्रम करना, शौर्य करना.

शूर्प् (१० उ० शूर्पयति-ते) १ नापना, गिनना.

शूल् (१ प० शूलति) १ पेट दुखना, बीमार होना. २ बडा आवाज करना. ३ शूलपर चढाना, सूली देना.

शूष् (१ प० शूषति) १ जनना, उत्पन्न करना, प्रसूत होना.

शृध् (१ प० शर्धति) अधोवायु छोडना. (१ उ० शर्धति-ते) १ गीला होना, आर्द्र होना.

शृ-श्च्युत्	श्मल्-श्रन्थ्

(१ प० शर्धति, १० उ० शर्धयति-ते) १ सहना, सहन करना. २ पराभव करना, जीतना ३ अपमान करना, अनादर करना

शृ (९ प० शृणाति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना वि-(विशीर्यते) १ दुःखी होना, पीडित होना, गलित होना, गिर पडना

शेल् (१ प० शेलति) १ जाना, सरकना. २ कांपना, थरथराना

शेव् (१ आ० शेवते) १ सेवा १ सेवा करना, नौकरी करना

शै (१ प० शायति) १ पक्व होना, पकना, २ पक्व करना, पकाना (१ प० शायते) १ जाना.

शो (४ प० श्यति) १ तीक्ष्ण करना, पैना करना, पैनाना, सान धरना २ छीलके बारीक करना, छालना

शोण् (१ प शोणति) १ जाना २ लाल होना

शौट् (१ प० शौटति) } १ गर्व
शौड् (१ प० शौडति) } करना
अभिमान करना, अहंकार करना

श्चुत् (१ प० श्चोतति) } १ झरना,
श्च्युत् (१ प० श्च्योतति) } झरना २ सींचना, प्रोक्षण करना, छांटा देना.

श्मील् (१ प० श्मीलति) १ पलक लगाना, आंखें मीचना २ नेत्र स्फुरण होना

श्यै (१ आ० श्यायते) १ जाना

श्रङ्क् (१ आ० श्रङ्कते) }
श्रङ्ग् (१ प० श्रङ्गति) } १ जाना

श्रण् (१ प० श्रणति, १० उ० श्राणयति-ते) १ देना, दान करना नि-देना.

श्रथ् (१ प० श्रथति, १० पं० श्रथयति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना २ मुक्त करना, छोडना ३ बंधन करना, बांधना, जकडना (१० प० श्राथयति) १ वडी उत्सुकतासे यत्न करना २ वारंवार क्षीण होना ३ जाना (१० उ० श्रथयति-ते) १ निर्बल होना, शक्तिहीन होना

श्रन्थ् (१ आ० श्रन्थते) १ शिथिल करना, ढीला करना. २ शिथिल होना, ढीला होना (९ प० श्रथ्नाति) १ मुक्त करना, छोडना २ आनंद करना ३ गूंथना, गुंफित करना. (१ प० श्रथति, १० उ०

श्रन्थयति-ते)१ रचना करना, रचना, क्रमसे रखना.

श्रम् (४ प० श्राम्यति)१थकना, श्रांत होना. २ पीडित होना, दुःखित होना. ३ तपश्चर्या करना, व्रत करना, चांद्रायणादि प्रायश्चित्त करना.

श्रम्भ् (१ आ० श्रम्भते) दुर्लक्ष्य करना, चूकना, गलती करना.

श्रा (२ प० श्राति) १ पकाना, पक्क करना, राधना, उबालना २ पसीजना, पसीना निकालना. (श्रपयति) १ पकाना. (श्रापयति) १ पसीजना.

श्राम् (१० प० श्रामयति)१ आवाहन करना, आमंत्रण करना, बुलाना २ उपदेश करना, बुद्धिवाद करना, सलाह देना.

श्रि (१ उ० श्रयति-ते) १ सेवा करना, चाकरी करना. आ-१ आश्रय करना. २ समीप जाना या रहना ३ उपयोग करना, काममें लाना. अपा-१ छोडना. उद्- समुद्-१ ऊंचा होना. व्यपा-१ साष्टांग नमस्कार करना, जमीनपर गिरना २ विश्वास करना, भरोसा रखना.

श्रिष् (१ प० श्रेषति)१ जलाना, भूनना, भूजना.

श्री (९ उ० श्रीणाति-श्रीणीते)१ पकाना, राधना. (१ उ० श्रयति-ते, १० उ० श्रायति-ते) १ संतुष्ट करना, खुश करना, मनोरथ पूरा करना.

श्रु (५ प० शृणोति) १ सुनना, श्रवण करना. २ जाना. (१ प० श्रवति) १ टपकना, झरना. प्रतिसंशृणुते-१ कबूल करना, मान्य करना. विशृणोति-१ कीर्तिमान् होना, प्रख्यात होना.

श्रै (१ प० श्रायति) १ पकाना, राधना. २ पसीना निकालना. ३ पिघलाना, पतला करना, द्रव करना.

श्रोण् (१ प० श्रोणति) १ एकत्र करना, संचय करना, बटोरना, ढेर करना.

श्लङ्क् (१ आ० श्लङ्कते) १ जाना.

श्लङ्ग् (१ प० श्लङ्गति) १ जाना.

श्लथ् (१० प० श्लथयति) १ शिथिल होना, ढीला होना.

श्लाख् (१प० श्लाखति) १व्यापना.

श्लाघ् (१ आ० श्लाघते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना, बखानना. २ फुसलाना. ३ आत्मस्तुति करना, शेखी मारना.

श्लिष् (४ प० श्लिष्यति, १ प० श्लेषति, १० उ० श्लेषयति-ते)

१ आलिंगन करना, गले लगाना. २ सटे रहना, चिपक रहना. ३ एका करना, मिलाप करना, सयोग करना. (१ प० श्लेषति) १ दग्ध करना, जलाना.

श्लोक् (१ आ० श्लोकते) १ श्लोक करना, कविता करना. २ रचना करना, रचना.

श्लोण् (१ प० श्लोणति) १ एकत्र करना, बटोरना, ढेर करना.

श्वङ्क् (१ आ० श्वङ्क्ते)
श्वङ्ग् (१ प० श्वङ्गति)
श्वच् (१ आ० श्वचते)
श्वञ्च् (१ आ० श्वञ्चते)
श्वच्छ् (१ आ० श्वच्छते)
श्वञ्ज् (१ आ० श्वञ्जते) } १ जाना, सरकना.

श्वठ् (१० उ० श्वठयति–ते) १ आशीर्वाद देना, शुभ बोलना, वर देना. २ अयोग्य वचन बोलना, अयथार्थ भाषण बोलना. ३ चुपके रहना, नहीं बोलना, मौन साधना. (१० उ० श्वाठयति–ते) १ पूरा करना, समाप्त करना, २ समाप्त न करना. ३ जाना, सरकना, चलना.

श्वण्ठ् (१० उ० श्वण्ठयति–ते) १ पूरा करना. २ पूरा न करना. ३ जाना

श्वभ्र् (१० उ० श्वभ्रयति–ते) १ दरिद्र दशामें रहना, विपत्तिमें रहना. २ जाना. छेदना.

श्वर्त् (१० उ० श्वर्तयति–ते) १ दरिद्र दशामें रहना. २ जाना.

श्वल् (१ प० श्वलति) १ दौडना, भागना.

श्वल्क् (१० उ० श्वल्कयति–ते) १ बोलना, भाषण करना.

श्वल्ल् (१ प० श्वल्लति) १ दौडना, भागना.

श्वस् (२ प० श्वसिति) १ श्वास लेना, श्वासोच्छ्वास करना. २ जीना, जीता रहना. आ–१ समाधान करना, आश्वासन करना. उद्–१ विकसित होना, प्रफुल्लित होना, खिलना. २ सांत्वन करना, समाधान करना. निर्–१ मरना, दम छोडना. २ सांस भरना. वि–१ विश्वास करना, भरोसा रखना.

श्वि (१ प० श्वयति) १ जाना, समीप जाना. २ बढना.

श्वित् (१ आ० श्वेतते) १ सफेद होना, शुभ्र होना.

श्विन्द् (१ आ० श्विन्दते) १ सफेद होना, शुभ्र होना.

शॄ (९ प० शृणाति) १ मार डालना या दु:ख देना, पीडा करना.

स.

सगृ (१ प० सगति) १ आच्छादन करना

सघ (५ प० सघ्नोति) १ मार डालना या दु ख देना, पीडा करना

सङ्केत् (१० उ० सङ्केतयति-ते) १ बुलाना, आमत्रण करना २ बुद्धिविचार कहना, सलाह देना ३ समय ठहराना, वक्त मुकर्र करना

संग्राम (१० उ० सग्रामयति-ते) १ युद्ध करना, लडाई करना

सच् (१ आ० सचते) आर्द्र करना, गीला करना, छींटा मारना, सींचना २ सेवा करना, सेवा करके सतुष्ट करना (१ उ० सचति-ते) १ पूरा समझना, अच्छी तरह जानना २ सबधी होना, ससगा होना

सश्र् (१ प० सश्चति) १ जाना

सञ्ज् (१ प० सञ्जति) १ आलिंगन करना, गले लगाना २ सटे रहना, चिपक रहना ३ सबधी होना, अव-१ लटकना, हिलना, लटक रहना आ-१ अनुरक्त होना, आसक्त होना व्या-१ झगडना, हाथा पाई करना

(१ उ० सञ्जति-ते) १ जाना १ प० सञ्जति) १ जाना २ जोडना

सट् (१ प० सटति) १ भाग होना, हिस्सा होना, अवयव होना. (१० प० सट्यति) १ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना, स्पष्ट करना

सट्ट् (१० उ० सट्टयति-ते) १ वास करना, रहना, बसना २ मार डालना या दु ख देना, पीडा करना ३ स्थूल होना, मोटा होना, बलाढ्य होना ४ देना, दान करना

सठ् (१० प० साठयति) १ पूर्ण करना २ जाना ३ पूरा न करना

सत्र (१० आ० सत्रयते) १ फैलाना, विस्तार करना २ सबध करना, ससर्गी होना ३ उदारतासे वर्तना

सद् (१-६ प० सीदति) १ जाना, चलना २ शक्तिहीन होना, म्लान होना, खिन्न होना ३ सूखना, शुष्क होना, मुर्झाना ४ भग्न करना, नष्ट करना (१ प० आसीदति, १० उ० आसादयति-ते) १ चढाई करना, हमला करना २ जाना अव-१ क्लांत होना,

थकना, नुकसान होना २ पूर्ण करना, पूरा करना, समाप्त करना समा-१ प्राप्त होना, मिलना, इच्छितार्थकी प्राप्ति होना उत्-१ ऊपर चढना २ नष्ट करना उप-१ पास जाना. नि-१ ऊपर या भीतर बैठना २ खडा रहना ३ पालन करना, सभालना प्र-१ आनंदी होना, सुखी होना, खुश होना २ प्रफुल्लित होना, खिलना ३ उत्तम दशा प्राप्त होना ४ खुश करना, सतुष्ट करना, खुश करना ५ स्वच्छ करना, शुद्ध करना ६ स्मित करना, मुसकुराना वि-१ शांतचित्त होना, खिन्न होना, दु खी होना, श्रांत होना, थकना सम्-१ इच्छितार्थकी प्राप्ति होना २ मडलीमें रहना

सध (५ प० सध्नोति) १ मार डालने या दु ख देनेकी इच्छा करना

सन् (८ उ० सनोति-सनुते) १ देना, दान करना २ सेवा करना, पूजा करना ३ सत्कार करना (१ प० सनति) १ सेवा करना, चाकरी करना

सप् (१ प० सपति) १ पूर्ण ज्ञान

होना, पूरा समझना, पूर्णतया जानना २ ससक्त होना, संलग्न होना, मिलाप होना

सभाज् (१० प० सभाजयति) १ सेवा करना २ तृप्त करना ३ देखना

सम् (१ प० समति) १ घबराना, हिचकिचाना २ घबराना नहीं, हिचकिचाना नहीं (१० प समयति) १ व्यग्रचित्त होना, पेच खाना, पेंच पडना (४ प सम्यति) १ परिणाम होना, रूपांतर होना

सम्ब् (१ सम्बति) १ जाना (१० उ० सम्बयति-ते) १ संयोग करना, मिलाप करना, जोडना

सम्भर (११ प सम्भरयति) १ पालन करना २ संभालना, यत्न करना

सम्भूयस (११ प सम्भूयस्यति) १ बहुत होना

सर्ज् (१ प सर्जति) १ उपार्जन करना, मिलाना, पाना, प्राप्त करना २ प्राप्त होना

सर्ज् (१ प० सर्जति) १ [illegible]

सर्ज् (१ प सर्जति) १ [illegible]

सर्ज् (१ प सर्जति) १ [illegible]

२ [illegible] देना, [illegible]

सल् (१ प० सलति) १ जाना, सरकना. २ कांपना, थरथराना.

सस् (१ प० सस्ति)
संस् (२ प० सास्ति) } १ सोना

सस्ज् (१ प० सज्जति) १ जाना. २ तैयार होना, सिद्ध होना.

सह् (१ उ० सहति-ते, ४ प० सह्यति, १० उ० साहयति-ते) १ सहना, सहन करना. २ शक्तिमान् होना. ३ संतुष्ट होना, तृप्त होना, खुश होना उद्-१ उत्साही होना, आनंदी होना २ उद्योग करना, यत्न करना. प्र-१ जुलम करना, जबरदस्ती करना. वि-१ दृढ निश्चय करना, निर्णय करना, ठहराना.

सान्त्व् (१ उ० सान्त्वयति-ते) १ सांत्वन करना, समाधान करना, विवेककी बातें कहना

साध् (४ प० साध्यति, ५ प० साध्नोति) १ पूर्ण करना, सिद्ध करना, हेतु पूर्ण करना २ जय पाना, जीतना, यशस्वी होना, सर करना, फत्ह करना, पार लगाना

साम् (१० प० सामयति) १ सांत्वन करना, समाधान करना, शांत करना.

साम्ब् (१० प० साम्बयति) १ एकत्र होना, संयुक्त होना, मिलना, संयोग करना, मिलाप करना.

सार (१० उ० सारयति-ते) १ दुर्बल होना.

सि (५ प० सिनोति-सिनुते, ९ उ० सिनाति-सिनीते) १ बांधना, गूथना २ फंदेसे गिरफ्तार करना अध्यव-१ निश्चय करना, ठहराना. २ सिद्ध करना, हेतु पूर्ण करना व्यव-१ उद्योग करना, धंधा करना वि-१ कारणीभूत होना.

सिच् (६ प० सिञ्चति-ते) १ प्रोक्षण करना, सींचना, छींटा देना अभि-१ अभ्यंजन करना, चुपडना, लीपना. २ प्रोक्षण करना, सींचना, छींटा देना

सिट् (१ प० सेटति) १ अपमान करना, तिरस्कार करना.

सिध् (१ प० सेधति) १ जाना, चलना २ आज्ञा करना, हुक्म करना. ३ धर्माधिकारकी दीक्षा देना, उपाध्याय करना. ४ मंगल कर्म करना. नि- प्रति-१ निषेध करना, मना करना. प्र-१ प्रसिद्ध होना, कीर्तिमान् होना. (४ प० सिध्यति) १ सिद्ध

होना, जीत होना. २ अमानवी पराक्रम (सिद्धि) की प्राप्तिके लिये आरंभ किये हुए जारण मारणादि कर्मकी समाप्ति करना, दीक्षित होना. ३ पूर्ण होना, समाप्त होना. ४ शुद्ध होना, गलती नहीं रहना.

सिभ् (१ प० सेभति) } सिम्भ् (१ प० सिम्भति) } १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना. २ प्रकाशित होना, चमकना. ३ भाषण करना, बोलना.

सिल् (६ प० सिलति) १ चिनना, चुनना.

सिव् (४ प० सीव्यति) १ सीना, सीवन करना. २ बीजारोपण करना, बोना, रोपना.

सिव् (१ प० सिन्वति) १ सींचना. २ सेवा करना, नौकरी करना.

सीक् (१ प० सीकते) १ प्रोक्षण करना, सींचना, बरसना. (१ प० सीकति, १० प० सीकयति) १ स्पर्श करना, छूना. २ सहन करना, सहना.

सु (१ प० सवति, २ प० सौति) १ उत्पन्न करना, पैदा करना, जनना. २ गर्भ धारण करना. ३ ऐश्वर्य, सामर्थ्य या अमानवी पराक्रम होना. प्र-१ उत्पन्न करना, प्रसूत होना, जनना. २ गर्भ धारण करना. (५ उ० सुनोति-सुनुते) १ यज्ञार्थ स्नान करना. २ मंथन करना, मथना. ३ स्नान करना, नहाना. ४ दबाना, हिलाना. ५ यंत्रादि द्वारा अर्क निकालना. ६ पीडा करना, दुःख देना, सताना, कष्ट देना. अभि-१ प्रोक्षण करना, मार्जन करना, सींचना. २ स्नान करना, नहाना.

सुख् (१० उ० सुखयति-ते) १ सुखी करना, आनंदी करना, खुश करना. (११ प० सुख्यति) १ सुखानुभव करना, आनंदानुभव करना.

सुट्ट् (१० उ० सुट्टयति-ते) १ अपमान करना, तिरस्कार करना. २ अल्प होना, थाह होना.

सुभ् (१ प० सोभति, ६ प० सुभति) १ दुःख देना, मारना. २ बोलना. ३ चमकना. ४ सुंदर होना, खूबसूरत होना.

सुम्भ् (१ प० सुम्भति) १ दुःख देना, मारना. २ बोलना. ३ चमकना. ४ सुंदर होना, खूबसूरत होना.

सुर् (६ प० सुरति) १ अद्भुत सा-

मर्थ्य या अमानवी पराक्रम होना. २ चमकना.

सुह् (४ प० सुह्यति) १ सहना, सहन करना. २ तृप्त होना, सन्तुष्ट होना, खुश होना. ३ पराक्रमी होना, शक्तिमान् होना, समर्थ होना.

सू (२ आ० सूते, ४ आ० सूयते) १ गर्भ धारण करना, जनना. २ उत्पन्न करना. (६ प० सुवति)१ भेजना, उडाना.

सूच् (१० उ० सूचयति-ते) १ सूचना करना, बात कहना, जताना. २ दूसरेको न्यूनता दिखाना.

सूत्र् (१० उ० सूत्रयति-ते) १ सूतसे लपेटना.

सूद् (१ आ० सूदते, १० उ० सूदयति-ते) १ टपकना, झरना. २ रखना, अमानत रखना. ३ पवित्र करना, शुद्ध करना. ४ कबूल करना, वचन देना. ५ पीडा करना, दुःख देना. ६ क्षत करना, घाव करना. ७ मार डालना या मार डालनेका यत्न करना.

सूर् (४ आ० सूर्यते) १ स्थिर करना, थमाना. २ दुःख देना, पीडा करना. ३ मंदबुद्धि होना.

सूर्क्ष् (१ उ० सूर्क्षति-ते) १ आदर सत्कार करना. २ आदर सत्कार नहीं करना.

सूर्क्ष्य् (१ प० सूर्क्ष्यति) १ मत्सर करना, परोत्कर्ष सहन नही करना. २ दूसरेका अपराध सहन नहीं करना. ३ अनादर करना, अपमान करना, तिरस्कार करना.

सूष् (१ प० सूषति) १ गर्भधारण करना, जनना.

सृ (१ प० सरति) १ जाना, सर कना. अनु-१ पश्चात् गमन करना, पीछे २ जाना. २ दूसरेका देखके वैसा करना. अप-१ लौटना, पीछे आना. अभि-१ चारों ओर फैलना. २ सहगमन करना, साथ जाना. उप-१ पास जाना. प्र-१ आगे जाना. २ आगे आना. ३ फैलना. वि-१ आना. २ अलग २ जाना. ३ छोडना, छोडके आगे जाना (३ प० ससर्ति) जाना.

सृज् (४ आ० सृज्यति, ६ प० सृजति) १ छोडना, त्याग करना. २ उत्पन्न करना, पैदा करना. उत्- वि- नि-१ वर्ज करना, छोड देना. सम्-१ मिलाप करना या होना, एकत्र करना या होना, संसर्ग करना या होना

सृप् (१ प० सर्पति) १ जाना. अप-१ पाछे होना, हटना

सृभ् (१ प० सर्भति) / सृम्भ (१ प० सृम्भति) } १ मार डालना या दुःख देना, पीड़ा करना

सॄ (९ सृणाति) १ मार डालना या दुःख देना

सेक (१ आ० सेकते) / सेल (१ प० सेलति) } १ जाना

सेव् (१ उ० सेवति-ते) १ सेवा करना, चाकरी करना, शुश्रूषा करना. २ विश्राम करना, भरोसा करना ३ पूजा करना, अर्चा करना ४ अनुसरण करना

सै (१ प० सायति) १ ह्रास होना, क्षय होना

सो (४ प० स्यति) १ विनाश करना, नष्ट करना २ नष्ट होना, भग्न होना

सौनृ (१ प० सौनति) १ जाना, सरकना २ गलित होना

स्कन्द् (१ आ० स्कन्दते) १ कूदना, फुदकना, उड़ना २ ऊपर लेना, चढ़ाना ३ सुखाना ४ बहाना (१ प० स्कन्दति) १ जाना २ सूखना, शुष्क होना ३ गिराना, टपकाना, फेंकना अव-१ चढ़ाई करना, हल्ला करना

स्तम्भ (१ आ० स्तम्भते, ५ प० स्तभ्नोति, ९ प० स्तभ्नाति) १ हरकत करना, रोकना, प्रतिबन्ध करना २ मूर्ख होना, पागल होना, मतिमन्द होना

स्तृ (५ उ० स्तृणोति-स्तृणुते, ९ उ० स्तृणाति-स्तृणीते) १ कूदना, फुदकना, उड़ना २ ऊपर उठाना ३ आच्छादित करना, ढकना

स्कुन्द् (१ आ० स्कुन्दते) १ कूदना, कूदना २ ऊपर उठाना.

स्तुम्भ (९ प० स्तुभ्नाति, ५ प० स्तुभ्नोति) १ प्रतिबन्ध करना, हरकत करना, रोकना २ धारण करना

स्खद् (१ आ० स्खदते) १ जीतना, पराजय करना, हटाना २ कतरना, तोड़ना. ३ स्थिर करना, दृढ करना ४ खाना, भक्षण करना ५ श्रान्त करना, कष्ट देना, थकाना ६ मार डालना या दुःख देना, पीड़ा करना, भंग करना

स्खल् (१ प० स्खलति) १ जाना २ गिरना, च्युत होना ३ बटोरना, एकत्र करना ४ ठोकर लगना

स्तक् (१ प० स्तकति, १० प० स्तकयति) १ रोकना, हरकत करना.

स्तग् (१ प० स्तगति, १० प० स्तगयति) १ आच्छादित करना.

स्तन् (१ प० स्तनति) १ शब्द करना, आवाज करना (१० उ० स्तनयति-ते) १ मेघकीसी गर्जना करना

स्तम् (१ प० स्तमति) १ भ्रांत होना, व्यग्रचित्त होना २ भ्रांत नहीं होना (१० प० स्तमयति) १ भ्रांत करना, भुलाना २ सताना, उपद्रव करना

स्तम्भ् (१ आ० स्तम्भते) १ बंद करना, रोकना, अवरोध करना २ जडबुद्धि होना, मूर्ख होना ३ दृढ होना, खंबेसा अचल होना ४ चकित होना, विस्मययुक्त होना ५ स्तब्ध होना, नष्टेंद्रिय होना, जडाभूत होना (५ प० स्तभ्नोति, ९ प० स्तभ्नाति) १ प्रतिबंध करना, रोकना २ जडबुद्धि होना, मूर्ख होना

स्तिघ् (५ आ० स्तिघ्नुते) १ हल्ला करना, घेर लेना.

स्तिप् (१ आ० स्तेपते) १ टपकना, झरना, चूना २ प्रोक्षण करना, सींचना

स्तिम् (४ प० स्तिम्यति) १ गीला होना, भीगना

स्तीम् (४ प० स्तीम्यति) १ गीला होना, भीगना

स्तु (२ उ० स्तौति-स्तुते, स्तवीति-स्तवीते) १ प्रशंसा करना, स्तुति करना २ पूजा करना, अर्चा करना ३ सेवा करना, भजन करना

स्तुच् (१ आ० स्तोचते) १ संतुष्ट होना, खुश होना, प्रसन्न होना २ प्रकाशित होना, चमकना, तेजस्वी होना

स्तुप् (१० प० स्तोपयति) १ ढेर लगाना, राशि करना

स्तुभ् (१ प० स्तोभति) १ अवरोध करना, रोकना २ मूर्ख होना, मंदमति होना

स्तुम्भ् (५ प० स्तुभ्नोति, ९ प० स्तुभ्नाति) १ अवरोध करना, रोकना २ मूर्ख होना, मंदमति होना

स्तूप् (४ प० स्तूप्यति, १० उ० स्तूपयति-ते) १ ढेर लगाना, राशि करना

स्तृ (५ उ० स्तृणोति-स्तृणुते) १ वस्त्रादिसे आच्छादित करना,

ढकना, वि-१ फैलना, विस्तार होना

स्वृक्ष् (१ प० स्वृक्षति) १ जाना

स्तृप् (१० उ० स्तर्पयति ते) १ ढेर लगाना, राशि करना

स्तृह् (६ प० स्तृहति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना

स्तृंह् (६ प० स्तृंहति) १ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना

स्तॄ (९ उ० स्तृणाति-स्तृणीते) १ वस्त्रादिसे आच्छादित करना, वस्त्र उढाना

स्तृह् (६ प० स्तृहति) १ मार डालना या दुःख देना

स्तेन् (१० उ० स्तेनयति-ते) १ चुराना, मूसना, लूटना

स्तेप् (१० प० स्तेपयति) १ फेंकना, उडाना (१ आ०स्तेपते) १ टपकना, चूना २ सींचना

स्तै (१ प० स्तायति) १ घेरना, लपेटना, वेष्टित करना, रोक रखना

स्तोम् (१० उ० स्तोमयति-ते) १ प्रशंसा करना स्तुति करना २ आत्मश्लाघा करना, शेखी मारना, बढाई करना ३ मुख स्तुति करना, मुँह देखके बोलना, खुशामद करना

स्त्यै (१ प० स्त्यायति) १ शब्द करना, आवाज करना २ भीर होना ३ घेरना, फैलना

स्थग् (१ प० स्थगति) १ आच्छादित करना, ढकना

स्थल् (१ प० स्थलति) १ स्थिर होना, थमना २ स्तब्ध होना, खडा रहना, ठहरना

स्थस् (४ प० स्थस्यति) १ रहना, मुकाम करना, वास करना, बसना

स्था (१ प० तिष्ठति) खडा रहना, ठहरना २ बाट जोहना, मार्ग प्रतीक्षा करना (१ आ० तिष्ठते) १ विनति करना, गिडगिडाना २ अपना अभिप्राय दूसरेको समझाना अधि-१ स्थानारूढ होना, पदारूढ होना, अधिकारारूढ होना २ ऊपर रहना, ऊपर बैठना ३ जीतना, चढना, अधिक होना अनु-१ यथा शास्त्र वर्तना २ काममें लाना, उपयोग करना ३ सटे रहना, लटकना, चिपट रहना अव-१ सेवा करना, शुश्रूषा करना, चाकरी करना २ थमना, स्थिर रहना आ-आ० १ निश्चयपूर्वक

बुलाना. २ योजना करना, नियमित करना, मुकर्रर करना. प० १ कबूल करना, मान्य करना. २ अधिरूढ होना, ऊपर बैठना. उत्–प० १ खडा रहना, आसनसे उठना. आ० १ प्राप्तिके वास्ते ढूंढना. खोजना. उप–१ प्रशंसा करना, स्तुति करना. २ पूजा करना, भजन करना. ३ देवको प्रसन्न करना. ४ मित्रकी नाईं आदरातिथ्य करना, सभाधना करना. ५ जाना या रहना. ६ पाससे जाना, होकर जाना. ७ आलिंगन करना, गले लगाना. आ० प्राप्तिकी इच्छा करना, मिलनेका हेतु रखना. नि–१ रखना, स्थापित करना. पर्यव–१ अचल होना, स्थिर होना. प्र–१ जाना. २ आगे जाना प्रोत्–१ आसनपरसे उठना, खडा रहना. प्रति–१ देवके साम्हने हाथ जोडके खडे रहना, परमेश्वरार्पित होना. वि–१ अलग खडा रहना, दूर खडा रहना. २ थमना, वाट जोहना. व्या–१ आज्ञा करना, हुकम करना. सम्–१ अच्छा होना, भरा होना. २ पास होना. ३ पूर्ण होना, पूरा होना. ४ एकमत होना. समा–१ करना, आचरण करना, वर्तना. समुत्–१ उठ खडा रहना. सप्र–१ प्रवास करना, परदेश जाना. २ आगे जाना

स्थुड् (१ प० स्थुडति) १ वस्त्र धारण करना, कपडा ओढना, पहिरना.

स्थूल् (१० आ० स्थूलयते) १ मोटा होना, स्थूल होना, शरीर पुष्ट होना.

स्नस् (४ प० स्नस्यति) १ थूकना.

स्ना (१ प० स्नाति) १ स्नान करना, नहाना, शुद्ध होना.

स्निट् (१ प० स्नेटयति) १ स्निग्ध होना, चिकना होना. २ पिघलना, पतला होना, चूना.

स्निह् (४ प० स्निह्यति) १ प्रीति करना, स्नेह करना, मित्रता करना. (१ उ० स्नेहयति–ते) स्निग्ध होना.

स्नु (२ प० स्नौति) १ भापसे टपकना, झरना, चूना.

स्नुच् (१ आ० स्नोचते) १ स्वच्छ करना, निर्मल करना.

स्नुस् (४ प० स्नुस्यति) १ खाना, निगलना. २ ग्रहण करना, लेना. ३ अदृश्य होना, नहीं दिखाई देना. ४ मुखसे बाहर फेंकना, थूकना.

स्तुह् (४ प० स्तुह्यति) १ कै करना, रद्द करना.

स्नै (१ प० स्नायति) १ घेरना.

स्पन्द् (१ आ० स्पन्दते) १ कांपना, थरथराना. २ जाना.

स्पर्धॅ (१ आ० स्पर्धते) १ मत्सर करना, दूसरेके अहितकी इच्छा करना, दूसरेका भय नहीं चाहना.

स्पर्श् (१० आ० स्पर्शयते)१ग्रहण करना, लेना. २ संयुक्त करना, जोटना.

स्पश (१ प० स्पशति-ते)१ अवरोध करना, रोकना. २ प्रसिद्ध करना, जाहिर करना. ३ एकत्र गूथना, गुंफित करना. ४ समझाना, जताना. ५ स्पर्श करना, छूना (१० आ० स्पाशयते) १ लेना. २ संयोग करना, जोटना.

स्पृ (५ प० स्पृणोति) १ संरक्षण करना, पालना. २ संतुष्टकरना, खुश करना. ३ जीना.

स्पृश् (६ प० स्पृशति) १ स्पर्श करना, छूना. २ संयोग करना, हाथमें लेना. उप-१ स्नान करना, आचमन करना, २ पानीमें डुबाना

स्पृह् (१० उ० स्पृहयति-ते) १ इच्छा करना, चाहना.

स्फट् (१० उ० स्फाटयति-ते) १ खुलना, खिलना. २ फटना.

स्फण्ट् (१ प० स्फण्टति) १ खुलना, खिलना. २ फटना.

स्फण्ड (१ प० स्फण्डति, १० प० स्फण्टयति) १ विनोद करना, ठट्ठा करना

स्फर् (६ प० स्फरति) १ कांपना, थरथराना, धकधकाना. २ प्रकट होना, प्रसिद्ध होना, जाहिर होना. ३ जाना, जाने लगना.

स्फाय (१ आ० स्फायते)१ मोटा होना, स्थूल होना.

स्फिट (१० उ० स्फेटयति-ते) १ आच्छादित करना, ढकना २ पकना या दुःख देना.

स्फिट्ट् (१० उ० स्फिट्टयति-ते)१ वडा होना, जोरदार होना. २ मार डालना या दुःख देना, पीडा करना ३ रहना, वास करना, वसना. ४ देना.

स्फुट (१ उ० स्फोटति-ते, ६ प०स्फुटति) १ खिलना, प्रफुल्लित होना (१ प० स्फोटति, १० उ० आस्फोटयति-ते) १ फटना, छेदना, तोडना, चीरना. २ मारना या दुःख देना

स्फुट्ट् (१० प० स्फुट्टयति) १ अपमान करना, अनादर करना.

स्फुड् (१ प० स्फुडति) १ वस्रादिसे वेष्टित करना, लपेटना, आच्छादित करना

स्फुण्ट् (१ प० स्फुण्टति)१ मारना या दुःख देना. २ छेदना, चीरना, तोडना (१० प० स्फुण्टयति) १ ठट्ठा करना, विनोद करना.

स्फुण्ड् (१ प० स्फुण्डति, १० उ० स्फुण्डयति-ते)१ विनोद करना, ठट्ठा करना

स्फुर् (६ प० स्फुरति)१ हिलना, स्फुरित होना. २ जाना ३ फैलना ४ सूजना.

स्फुर्च्छ् (१ प० स्फूर्च्छति) १ फैलना, विस्तृत होना. २ स्मरण नहीं रहना, भूलना

स्फुर्ज् (१ प० स्फूर्जति) १ मेघ गर्जना होना, गर्जना होना, गडगडाना.

स्फुल् (६ प० स्फुलति) १ स्पष्ट होना. प्रकट होना. २ ढेर करना, सचय करना ३ हिलना, कांपना, स्फुरित होना.

स्फूर्च्छ् (१ प० स्फूर्च्छति) १ फैलना, विस्तृत होना. २ भूलना, याद नहीं होना.

स्फूर्ज् (१ प० स्फूर्जति) १ मेघ गर्जना होना, गडगडाना.

स्वृ (९ उ० स्वृणाति-स्वृणीते)१ मार डालना या दुःख देना.

स्मि (१ आ० स्मयते) १ स्मित करना, मुसकुराना, मदहास्य करना. (१० आ० स्माययते) १ अनादर करना, तुच्छ मानना, तिरस्कार करना वि-१ आश्चर्य करना

स्मिट् (१० उ० स्मेटयति-ते) १ अनादर करना, तुच्छ मानना, तिरस्कृत करना.

स्मील् (१ प० स्मीलति)१ पलक लगाना, पलक मारना.

स्मृ (१ प० स्मरति) १ स्मरण करना, याद करना, २ दुःख या उत्सुकतासे स्मरण करना. वि-१ भूलना, विस्मृति होना (५ प० स्मृणोति) १ पालन करना, सरक्षण करना २ आनंदित करना, खुश करना ३ जीना

स्यन्द् (१ आ० स्यन्दते) १ टपकना, झरना, चूना. २ सींचना, छींट देना ३ जाना. अनु-१ टपकना, झरना, चूना.

स्यन् (१० आ० स्यनयते) १ चिन्तन करना, मनोव्यापार करना, मनमें लाना.

स्मम् (१ प० स्यमति) १ शब्द करना, आवाज करना. (१० प० स्यमयति, उ० स्मामयति–ते) १ चिंतन करना, मनन करना, विचार करना.

स्रङ्क् (१ आ० स्रङ्कते) १ जाना, सरकना.

स्रम्भ् (१ आ० स्रम्भते) १ विश्वास करना, भरोसा रखना. २ चूकना, भूलना.

स्रंस् (१ आ० स्रंसते)१ गिरना, नीचे गिर पडना, घिसकना, घिसक पडना.

स्रिम्भ् (१ प० स्रेभति) १ मार डालना या दुःख देना.

स्रिम्भ् (१ प० स्रिम्भति) १ मार डालना या दुःख देना.

स्रिव् (४ प० स्रीव्यति) १ शुष्क होना, सूखना. २ जाना, सरकना.

स्रु (१ प० स्रवति) १ जाना, सरकना. २ टपकना, झरना, चूना. ३ बहना.

स्रेक् (१ आ० स्रेकते) १ जाना.

स्रै (१ प० स्रायति) १ पक करना, पकाना. २ पिघालना.

स्वङ्ग् (१ आ० स्वङ्गते) } १जाना.
स्वङ्ग् (१ प० स्वङ्गति) }

स्वञ्ज् (१ आ० स्वजते)१ आलिंगन करना, गले लगाना.

स्वट् (१० प० स्वठयति) १ पूरा करना. २ पूरा नहीं करना.

स्वद् (१ आ० स्वदते, १० उ० स्वादयति–ते) १ स्वाद लेना, चखना. २ तुष्ट होना, खुश होना. ३ आच्छादन करना, ढकना.

स्वन् (१ प० स्वनति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ सवारना, सजाना, अलङ्कृत करना, सुशोभित करना. वि– (विष्वणति) अव–(अवष्वणति) १ सशब्द भोजन करना.

स्वप् (२ प० स्वपिति) १ सोना, निद्रा लेना.

स्वर् (१ प० स्वरति) १ शब्द करना, आवाज करना. २ दोष लगाना, निंदा करना.

स्वर्त् (१० प० स्वर्तयति) १ आपद्ग्रस्त होना, २ जाना.

स्वर्द् (१ आ० स्वर्दते) १ स्वाद लेना, चखना. २ आनंदी होना.

स्वल् (१ प० स्वलति) १ गाली देना, सरापना, निंदा करना.

स्वस्क् (१ आ० स्वस्कते) १ जाना.

स्वाद् (१ आ० स्वादते) १ स्वाद लेना, चखना (१ प० स्वादति, १० प० स्वादयति) १ मधुर होना, मीठा होना २ सुखदायक होना (१० स्वादयति) १ आच्छादित करना, ढकना.

स्विद् (१ आ० स्वेदते, ४ स्विद्यति) १ पसीना छूटना २ छोडना, त्याग करना ३ भूलना, भ्रांत होना ४ चिकना होना

स्वृ (१ प० स्वरति) १ शब्द करना, आवाज करना २ रोगी होना, बीमार होना ३ दुःख देना, पीडा करना, सताना सम् १ अच्छा शब्द करना

स्वॄ (९ उ० स्वृणाति-स्वृणीते) १ मार डालना या दुःख देना

ष.

ष्ठिव् (१ प० ष्ठीवति, ४ प० ष्ठीव्यति) १ थूकना

ष्ठीव् (१ प० ष्ठीवति) १ थूकना

ष्णै (१ प० ष्णोणति) १ बटोरना, एकत्र करना

ष्लोण् (१ प० ष्लोणति) १ बटोरना, एकत्र करना.

ष्वक्क् (१ आ० ष्वक्कते) १ जाना

ष्वर्त् (१० प ष्वर्तयति) १ जाना २ आपद्ग्रस्त होना

ष्वष्क् (१ आ० ष्वष्कते) १ जाना, चलना

ह.

हट् (१ प० हटति) १ प्रकाशित होना, चमकना

हठ् (१ प० हठति) १ फुदकना, फुदकते जाना, उड जाना २ दुष्ट होना, पातकी होना ३ खंभेमें बांधना, जकड बांधना ४ जुल्म करना, बलात्कार करना

हद् (१ आ० हदते) १ मलविसर्जन करना, शौच करना

हन् (२ प० हन्ति) १ मार डालना २ जाना ३ क्षत करना, आखिर करना, किसी प्रकार समाप्त करना अभि-१ मुखसे बजाना नि-परि-१ समूल नष्ट करना प्र-१ ऊपर रखना २ प्रहार करना, मारना, ठोंकना प्रति-१ विरुद्ध पक्षका खंडन करना व्या-१ प्रतिबंध करना, रोकना सम्-१ हिंसा करना, बधना २ एकत्र करना, बटोरना आ-(आहते) ठोंकना, मारना

हम्म् (१ प० हम्मति) १ जाना

हय् (१ प० हयति) १ जाना २ पूजा करना, सेवा करना

३ शब्द करना, आवाज करना. ४ थकना, श्रांत होना.

हर्य् (१ प० हर्यति) १ जाना. २ इच्छा करना, चाहना. ३ श्रांत होना, थकना ४ प्रकाशित होना, चमकना

हल् (१ प० हलति) १ जोतना, चासना, हल जोतना.

हस्-(१ प० हसति) १ हँसना. २ ठट्ठा करना, नर्म करना परि-१ परिहास करना, ठट्ठा मारना.

हा (३ प० जहाति) १ छोडना. २ भ्रमण करना, घूमना. (३ आ० जिहीते) १ जाना, चलना.

हि (५ प० हिनोति) १ जाना २ प्रेरणा करना, भेजना. ३ स्थूल होना, मोटा होना, चढना. ४ दुःखी होना.

हिक्क् (१ उ० हिक्कति-ते) १ अस्पष्ट शब्द करना. २ हिचकी आना, हिचकियें लेना. (१० प० हिक्कयति) १ दुःख देना, सताना.

हिद् (१ प० हेदति) १ गाली देना, निंदा करना, आक्रोश करना (९ प० हिद्णाति) १ योग्य कालके होनेके पश्चात् बहुत कालसे जन्म लेना, उत्पन्न होना, पैदा होना.

हिण्ड् (१ आ० हिण्डते) १ घूमना, भटकना. २ अपमान करना, अनादर करना, तिरस्कार करना

हिल् (६ प० हिलति) १ हावभाव करना, नखरा करना. २ लीला करना, क्रीडा करना.

हिव् (१ प० हिन्वति) १ तृप्त होना, शांत होना. २ तृप्त करना, शांत करना

हिष्क् (१० आ० हिष्कयते) १ मारना, दुःख देना

हिंस् (१ प० हिंसति, १० उ० हिंसयति-ते, ७ प० हिनस्ति) १ मारना, वधना, दुःख देना, सताना.

हु (३ प० जुहोति) १ यज्ञ करना. २ खाना, भक्षण करना. ३ तृप्त करना. ४ भेजना. ५ लेना, ग्रहण करना.

हुड् (६ प० हुडति) १ बटोरना, एकत्र करना. (१ प० होडति) १ जाना.

हुण्ड् (१ प० हुण्डते) १ बटोरना, एकत्र करना. २ मान्य करना, कबूल करना. ३ लेना

हुर्च्छ् (१ प० हूर्च्छति) १ मन तथा कृतिसे वक्र होना. २ टि

पना. ३ दवे पावों भाग जाना, हटना. ४ ठगना.

हुल (१ प० होलति) १ जाना. २ हिंसा करना, मार डालना, बधना. ३ आच्छादित करना, ढकना.

हूड (१ हूडति) १ जाना, सरकना.

हृ (१ उ० हरति-ते) १ ले जाना, पहुँचाना. २ लेना, ग्रहण करना, ३ नष्ट करना. ४ चोरी करना, चुराना, मूसना. अनु-१ अनुकरण करना, यथामति करना, दूसरेकासा करना. अप-१ ले जाना. २ पीछे फेंकना, हटाना. ३ चोरी करना, चुराना. अभि-१ हल्ला करना, मार पीट करना. अभ्या-१ तर्क वितर्क करना, वाद करना, शुद्धाशुद्धका विचार करना. अभ्युत्-१ देना, अर्पण करना. अभिव्या-१ उच्चारण करना. अव-१ पुनः संपादन करना, फिर प्राप्त करना. २ शासन करना, दंड देना. उत्-१ ऊपर लेना, उद्धार करना. २ देशसे निकाल देना. उदा-१ कहना, २ दृष्टांतपूर्वक स्पष्ट करना, उदाहरणपूर्वक कहना. उप-१ देना. २ समीप लाना. उपसम्-१ रखना, नही देना. २ सिकोडना, समेटना. ३ समाप्त करना, तमाम करना. नि-१ ठिठुरना, जमना. निर्-१ अपमान करना. निरा-१ उपवास करना, विना आहारके रहना, भूखा रहना. परि-१ गाली देना, सरापना, निंदा करना. २ छोडना, त्याग करना. ३ रोकना. ४ सार या तत्त्व निकालना. प्र-१ प्रहार करना, मारना, ठोंकना. प्रति-१ नजर रखना. प्रत्या-१ इंद्रियदमनपूर्वक ध्यान करना. प्रतिसम्-१ छोडना, त्यागना. २ अप्रतिष्ठा करना. वि-१ क्रीडा करना, विलास करना, खेलना. व्या-१ बोलना, कहना. व्यव-१ उद्योग करना, धंधा करना. २ वाद बखेडा आदि करना. सम्-१ मार डालना, जानसे मारना. २ समेटना, सिकोडना. ३ नष्ट करना. ४ बटोरना. समा-१ एकत्र करना, बटोरना. समभिव्या-१ एक मतसे या सम्मतिसे योजना करना या रचना, युक्ति निकालना, संयोजन करना. समुदा-१ कथन करना, कहना. समुप-१ एकत्र करना. १ देना. संप्र-आ० १ युद्ध करना, लडाई

करना, लूटना. व्याति- आ० एकमतसे चोरी करना. अनु-आ० १ परंपरागत व्यवहारका सेवन करना. (३ प० जहर्ति) १ बलात्कार करना, जुल्म करना.

हृणी (११ आ० हृणीयते) १ शरमाना, लज्जित होना. २ क्रोध करना, गुस्सा करना.

हृष् (४ प० हृष्यति) १ हृष्ट होना, संतुष्ट होना, खुश होना. (१ प० हर्षति) १ झूठ बोलना, मिथ्या बोलना.

हेट् (१ आ० हेटते) १ प्रतिरोध करना, रोकना.

हेठ् (१ प० हेठति) १ रोकना. २ निष्ठुर होना, क्रूर होना.

हेड् (१ प० हेडति) १ घेरना, वेष्टित करना, लपेटना. (१ प० हेडते) १ अवमान करना, तिरस्कार करना.

हेठ् (९ प० हेठ्णाति) १ जन्म देना, उत्पन्न करना, पैदा करना २ शुद्ध करना, पवित्र करना. योग्य काल होनेके बाद बहुत कालमें उत्पन्न होना

हेष् (१आ० हेषते) १ हिनहिनाना.

होड् (१ प० होडति) १ जाना. (१ होडते) १ अवमान करना, तिरस्कार करना.

ह्नु (२ आ० ह्नुते) १ छिपाना, छुकाना. २ चुराना, लेजाना, दबा लेना. आ-नि-१ छिपाना, छुकाना.

ह्मल् (१ प० ह्मलति) १ कांपना, थरथराना.

ह्मग् (१ प० ह्मगति) १ ढकना, आच्छादित करना, लपेटना.

ह्लप् (१० उ० ह्लापयति-ते) १ स्पष्ट बोलना.

ह्रस् (१ ह्रसति) १ शब्द करना. आवाज करना. २ कम होना, अल्प होना.

ह्राद् (१ आ० ह्रादते) १ अस्पष्ट शब्द करना.

ह्री (३ प० जिह्रेति) १ लज्जित होना, शरमाना.

ह्रीच्छ् (१ प० ह्रीच्छति) १ शरमाना, लज्जित होना

हुड् (१ प० हुडति) १ बगेरना.

हूड् (१ प० हूडति) १ बटोरना. २ जाना, सरकना.

हेष (१ आ० हेषते) १ हिनहिनाना.

होड् (१ प० होडति) १ जाना, सरकना

ह्रग् (१ प० ह्रगति) १ आच्छादित करना, ढकना, लपेटना

ह्रप् (१० प० ह्रापयति) १ स्पष्टोचारण करना २ बोलना

ह्रस् (१ प० ह्रसति) १ शब्द करना, आवाज करना

ह्राद् (१ आ० ह्रादते) १ सतुष्ट होना, खुश होना २सतुष्ट करना, खुश करना ३ वाद्यके सरीखा शब्द करना

ह्रल् (१ प० ह्रलति, १० प० ह्रलयति) १ कांपना, थरथराना २ भ्रांत होना, मोहित होना, घबराना

ह्वृ (१ प० ह्वरयति) १ वक्र होना, टेढा होना, बाका होना

ह्वे (१ उ० ह्वयति–ते) १ बुलाना, पुकारना २ नाम लेना, नाम लेके पुकारना, हाक मारना ३ मागना ४ युद्धके लिये बुलाना, लडाई मागना ५ बराबरी करना, स्पर्धा करना ६ लडाई करना. ७ शब्द करना, आवाज करना उप– नि– वि– सम्– आ– आ० युद्धके लिये बुलाना



इति
भाषार्थसहित
संस्कृत धातुकोश
समाप्त।

धातुरूपावलि।



क्रियाबोधक भू स्था आदि शब्दोंको धातु कहते हैं और धातुके उत्तर जो विभक्ति उसे तिङ् कहते हैं इसलिये क्रियाबोधक पदको तिङन्त कहते हैं क्रिया सामान्य रीतिसे छः प्रकारकी होती हैं. १ वर्त्तमान, २ परोक्ष अतीत भूत, ३ सामान्य भूत, ४ अनद्यतन वा चिरकालीन भविष्यत, ५ सामान्य भविष्यत् और ६ हेतुभविष्यत.

वर्त्तमान जो समय बीत रहा है. जैसे-अहम् पश्यामि-मैं देख रहा हू. परोक्ष अतीत भूत जो समय बिना देखे बीत गया. जैसे-सः बभूव-वह हुआ था पर देखा नही. सामान्य भूत जो होगया. जैसे-स एधिष्ट-वह बढा. अनद्यतनभविष्यत् जो देरसे होगा. जैसे-सः गन्ता-वह जायगा. हेतुभविष्यत यदि यह होगा तो यहभी होगा. जैसे-चेत् सुवृष्टिः अभवत् तदा सुभिक्षमभवत्-यदि अच्छी वर्षा होगी तो सस्ता होगा

प्रथम सब धातुओंसे नव लकार लट् लिट् लुट् लट् लोट् लङ् लिङ् लुङ् लृङ् ये आते हैं वर्त्तमान काल बोध करनेके लिये लट् लकार, भूत अनद्यतन परोक्ष काल बोध करनेके लिये लिट्, भविष्यत् अनद्यन काल बोध करनेके लिये लुट्, प्रेरणा अथवा आशीर्वाद अर्थ बोधके लिये लोट्, अनद्यतन भूत काल बोध करनेके लिये लङ्, प्रेरणा अथवा आशीर्वाद अर्थ बोध करनेके लिये लिङ्, केवल भूत काल बोध करनेके लिये लुङ् और हेतुभविष्यत् काल और क्रियाकी सिद्धि बोध करनेके लिये लृङ् लकार आता है.

उक्त लकारोंके स्थानमें परस्मैपद तथा आत्मनेपद नामके ति आदि प्रत्यय आते हैं अर्थात् परस्मैपदी धातुओंसे परस्मैपदके और आत्मनेपदी धातुओंसे आत्मनेपदके और उभयपदी धातुओंसे उभय पदके प्रत्यय आते है. दोनों पदोंमें ति आदि तीन २ विभक्तियोंकी क्रमसे प्रथम, मध्यम और उत्तम संज्ञा होती है.

युष्मद् अस्मद् शब्दको छोडकर यदि अन्य कर्त्ता रहे तो धातुसे प्रथमपुरुष होता है, युष्मद् कर्त्ता रहते मध्यम पुरुष और अस्मद् कर्त्ता रहते उत्तमपुरुष होता है. सः गच्छति-वह जाता है. त्वम् गच्छसि-

तू जाता है अहं गच्छामि-मैं जाता हूं जब धातुसे लङ् लुङ् लृङ् लकार आते हैं तो स्वरादि धातुओंके आदिमें आ और सामान्य धातुओंके आदिमें अ लगाया जाता है क्रिया दो प्रकारकी होती है सकर्मक और अकर्मक, जो क्रिया कर्मसहित रहे उसे सकर्मक कहते हैं जैसे-गुरु शिष्यमुपदिशति-गुरु शिष्यको उपदेश करता है जिन क्रियाओंमें कर्म पद नहीं रहता उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं यथा-शिशुः शेते-बालक सोता है अहं तिष्ठामि-मैं स्थित हूं अश्वो धावति-घोडा दौडता है धातुओंका वर्त्ताव दश गणोंमें है उनके नाम तथा व्यवस्था

भ्वाद्यदादी जुहोत्यादिर्दिवादिः स्वादिरेव च ॥
तुदादिश्च रुधादिश्च तनक्र्यादिचुरादयः ॥ १ ॥

१ पहिला गण भ्वादि, २ अदादि, ३ जुहोत्यादि, ४ दिवादि, ५ स्वादि, ६ तुदादि, ७ रुधादि, ८ तनादि, ९ क्र्यादि और १० चुरादि

धातु और तिङ्के बीचमें जो प्रत्यय आते हैं उन्हें विकरण कहते हैं यथा भ्वादिगणपठित धातुओंसे अ विकरण होता है, अदादि गणके धातु विकरणरहित हैं, जुहोत्यादिगणपठित धातु विकरणरहित हैं, पर धातुको द्वित्व हो जाता है, दिवादिगणपठित धातुसे य, स्वादिगणपठित धातुसे नु, तुदादिगणपठित धातुसे अ, रुधादिगणपठित धातुओंसे न, तनादिसे उ, क्र्यादिगणपठित धातुसे ना और चुरादिगणपठित धातुओंसे अय य विकरण होते हैं, उक्त सब विकरण लट् लोट् लङ् और विधिलिङ् लकार परमें रहते होते हैं और लकारोंमें नहीं सकर्मक धातुओंसे कर्म तथा कर्त्तामें लट् आदि प्रत्यय आते हैं, यदि कर्त्ता कारकमें प्रथमा विभक्ति और कर्म कारकमें द्वितीया विभक्ति रहे तो उस वाक्यको कर्तृवाच्य प्रयोग कहते हैं जैसे-कुम्भकार घटं करोति-कुह्मार घट बनाता है कर्तृवाच्य प्रयोगमें कर्त्ताका जो वचन होता है वही क्रियाकाभी होता है अर्थात् कर्त्ता एक वचनान्त होनेसे क्रियाभी एक वचनान्त होती है और कर्त्ता द्विवचनान्त होनेसे क्रियाभी द्विवचनान्त होती है, कर्त्ता बहुवचनान्त होनेसे क्रियाभी बहुवचनान्त होता है शिशुः पुस्तकं पठति-बालक पुस्तक पढता है शिशू पुस्तकं पठतः-दो बालक पुस्तक पढते हैं शिशवः पुस्तकं पठन्ति-बालक लोग पुस्तक पढते हैं कुम्भकारो घटं करोति-कुह्मार घट बनाता है कुम्भकारौ घटं कुरुतः-दो कुह्मार घट बनाते हैं कुम्भकाराः घटं कुर्वन्ति-कुह्मार लोग घट बनाते हैं.

लट् आदि लकारोंके स्थानमें होनेवाले परस्मैपदी और आत्मनेपदी प्रत्यय.

लट् (वर्तमानकाल).

परस्मैपदी प्रत्यय.				आत्मनेपदी प्रत्यय.			
पु.	ए	द्वि.	ब	पु	ए.	द्वि.	ब
प्र	ति	तस्	अन्ति	प्र	ते	आते	अन्ते, अते
म	सि	थस्	थ	म	से	आथे	ध्वे
उ	मि	वस्	मस्	उ	ए	वहे	महे

लङ् (अनद्यतनभूतकाल).

प्र	त्	ताम्	अन्	प्र	त	आताम्	अन्त, अत
म	स्	तम्	त	म	थास्	आथाम्	ध्वम्
उ	अम्	व	म	उ	इ	वहि	महि

लिट् (परोक्षानद्यतन भूतकाल).

प्र	अ	अतुस्	उस्	प्र.	ए	आते	इरे
म	थ	अथुस्	अ	म	से	आथे	ध्वे
उ	अ	व	म	उ	ए	वहे	महे

लुङ् (सामान्य भूतकाल).

प्र	त्	ताम्	अन्	प्र.	त	आताम्	अन्त, अत
म	स्	तम्	त	म	थास्	आथाम्	ध्वम्
उ	अम्	व	म	उ.	इ	वहि	महि

लुट् (अनद्यतन भविष्य).

प्र.	डा(आ)	रौ	रस्	प्र.	डा(आ)	रौ	रस्
म	सि	थस्	थ	म	से	आथे	ध्वे
उ	मि	वस्	मस्	उ.	ए	वहे	महे

लृट् (सामान्य भविष्य).

प्र	ति	तस्	अन्ति	प्र	ते	आते	अन्ते, अते
म	सि	थस्	थ	म	से	आथे	ध्वे
उ	मि	वस्	मस्	उ	ए	वहे	महे

लोट् (आज्ञार्थ).

प्र.	तु,तात्	ताम्	अन्तु	प्र.	ताम्	आताम्	अन्ताम्, अताम्
म.	हि,तात्	तम्	त	म.	स्व	आथाम्	ध्वम्
उ.	नि	व	म	उ.	ए	वहै	महै

लिङ् (शक्यार्थ आदि).

प्र.	त्	ताम्	उस्	प्र.	त	आताम्	रन्
म	स्	तम्	त	म.	थास्	आथाम्	ध्वम्
उ.	आम्	व	म	उ.	इ	वहि	महि

लङ् (संकेतार्थ).

प्र	त्	ताम्	अन्	प्र	त	आताम्	अन्त, अत
म.	स्	तम्	त	म.	थास्	आथाम्	ध्वम्
उ.	अम्	व	म	उ.	इ	वहि	महि

प्रथमगणस्थ परस्मैपदी गद् (बोलना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	पु.	एकवचन.	द्विवचन.	बहुवचन.
	प्र.	सः गदति	तौ गदतः	ते गदन्ति
लट्–	म	त्वं गदसि	युवां गदथः	यूयं गदथ
	उ.	अहं गदामि	आवां गदावः	वयं गदामः
	प्र	सः जगाद	तौ जगदतुः	ते जगदुः
लिट्–	म	त्वं जगदिथ	युवां जगदथुः	यूयं जगद
	उ.	अहं जगद,जगाद	आवां जगदिव	वयं जगदिम
	प्र.	सः गदिता	तौ गदितारौ	ते गदितारः
लुट्–	म	त्वं गदितासि	युवां गदितास्थः	यूयं गदितास्थ
	उ	अहं गदितास्मि	आवां गदितास्वः	वयं गदितास्मः
	प्र.	सः गदिष्यति	तौ गदिष्यतः	ते गदिष्यन्ति
लृट्–	म	त्वं गदिष्यसि	युवां गदिष्यथः	यूयं गदिष्यथ
	उ.	अहं गदिष्यामि	आवां गदिष्यावः	वयं गदिष्यामः

लोट्–	प्र. सः	गदतु, गदतात्	तौ गदताम्	ते गदन्तु
	म. त्वं	गद, गदतात्	युवां गदतम्	यूयं गदत
	उ. अहं	गदानि	आवां गदाव	वयं गदाम
लङ्–	प्र. सः	अगदत्	तौ अगदताम्	ते अगदन्
	म. त्वं	अगदः	युवां अगदतम्	यूयं अगदत
	उ. अहं	अगदम्	आवां अगदाव	वयं अगदाम
प्रे० लिङ्–	प्र. सः	गदेत्	तौ गदेताम्	ते गदेयुः
	म. त्वं	गदेः	युवां गदेतम्	यूयं गदेत
	उ. अहं	गदेयम्	आवां गदेव	वयं गदेम
आ० लिङ्–	प्र. सः	गद्यात्	तौ गद्यास्ताम्	ते गद्यासुः
	म. त्वं	गद्याः	युवां गद्यास्तम्	यूयं गद्यास्त
	उ. अहं	गद्यासम्	आवां गद्यास्व	वयं गद्यास्म
लुङ्–	प्र. सः	अगदीत्, अगादीत्	तौ अगदिष्टाम्, अगादिष्टाम्	ते अगदिषुः, अगादिषुः
	म. त्वं	अगदीः, अगादीः	युवां अगदिष्टम्, अगादिष्टम्	यूयं अगदिष्ट, अगादिष्ट
	उ. अहं	अगदिषम्, अगादिषम्	आवां अगदिष्व, अगादिष्व	वयं अगदिष्म, अगादिष्म
लृङ्–	प्र. सः	अगदिष्यत्	तौ अगदिष्यताम्	ते अगदिष्यन्
	म. त्वं	अगदिष्यः	युवां अगदिष्यतम्	यूयं अगदिष्यत
	उ. अहं	अगदिष्यम्	आवां अगदिष्याव	वयं अगदिष्याम

प्रथमगणस्थ आत्मनेपदी बाध् (बाधा करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

लट्–	प्र. सः	बाधते	तौ बाधेते	ते बाधन्ते
	म. त्वं	बाधसे	युवां बाधेथे	यूयं बाधध्वे
	उ. अहं	बाधे	आवां बाधावहे	वयं बाधामहे

	प्र. सः बबाधे	तौ बबाधाते	ते बबाधिरे
लिट्–	म. त्वं बबाधिषे	युवां बबाधाथे	यूयं बबाधिध्वे
	उ. अहं बबाधे	आवां बबाधिवहे	वयं बबाधिमहे
	प्र. सः बाधिता	तौ बाधितारौ	ते बाधितारः
लुट्–	म. त्वं बाधितासे	युवां बाधितासाथे	यूयं बाधिताध्वे
	उ. अहं बाधिताहे	आवां बाधितास्वहे	वयं बाधितास्महे
	प्र. सः बाधिष्यते	तौ बाधिष्येते	ते बाधिष्यन्ते
लृट्–	म. त्वं बाधिष्यसे	युवां बाधिष्येथे	यूयं बाधिष्यध्वे
	उ. अहं बाधिष्ये	आवां बाधिष्यावहे	वयं बाधिष्यामहे
	प्र. सः बाधतां	तौ बाधेतां	ते बाधन्ताम्
लोट्–	म. त्वं बाधस्व	युवां बाधेथां	यूयं बाधध्वं
	उ. अहं बाधै	आवां बाधावहै	वयं बाधामहै
	प्र. सः अबाधत	तौ अबाधेतां	ते अबाधन्त
लङ्–	म. त्वं अबाधेथाः	युवां अबाधेथां	यूयं अबाधध्वं
	उ. अहं अबाधे	आवां अबाधावहि	वयं अबाधामहि
प्रे०	प्र. सः बाधेत	तौ बाधेयातां	ते बाधेरन्
लिङ्–	म. त्वं बाधेथाः	युवां बाधेयाथां	यूयं बाधेध्वं
	उ. अहं बाधेय	आवां बाधेवहि	वयं बाधेमहि
	प्र. सः बाधिषीष्ट	तौ बाधिषीयास्तां	ते बाधिषीरन्
आशी-	म. त्वं बाधिषीष्ठाः	युवां बाधिषीयास्थां	यूयं बाधिषीध्वं
लिङ्–	उ. अहं बाधिषीय	आवां बाधिषीवहि	वयं बाधिषीमहि
	प्र. सः अबाधिष्ट	तौ अबाधिषातां	ते अबाधिषत
लुङ्–	म. त्वं अबाधिष्ठाः	युवां अबाधिषाथां	यूयं अबाधिढ्ढ्वं
	उ. अहं अबाधिषि	आवां अबाधिष्वहि	वयं अबाधिष्महि
	प्र. सः अबाधिष्यत	तौ अबाधिष्येतां	ते अबाधिष्यन्त
लृङ्–	म. त्वं अबाधिष्यथाः	युवां अबाधिष्येथां	यूयं अबाधिष्यध्वं
	उ. अहं अबाधिष्ये	आवां अबाधिष्यावहि	वयं अबाधिष्यामहि

प्रथमगणस्थ परस्मैपदी हृ (हरण करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र.	सः	हरति	तौ	हरतः	ते	हरन्ति
लट्–	म.	त्वं	हरसि	युवां	हरथः	यूयं	हरथ
	उ.	अहं	हरामि	आवां	हरावः	वयं	हरामः
	प्र.	सः	जहार	तौ	जह्रतुः	ते	जह्रुः
लिट्–	म.	त्वं	जहर्थ	युवां	जह्रथुः	यूयं	जह्र
	उ.	अहं	जहार, जहर	आवां	जह्रिव	वयं	जह्रिम
	प्र.	सः	हर्त्ता	तौ	हर्त्तारौ	ते	हर्त्तारः
लुट्–	म.	त्वं	हर्त्तासि	युवां	हर्त्तास्थः	यूयं	हर्त्तास्थ
	उ.	अहं	हर्त्तास्मि	आवां	हर्त्तास्वः	वयं	हर्त्तास्मः
	प्र.	सः	हरिष्यति	तौ	हरिष्यतः	ते	हरिष्यन्ति
लृट्–	म.	त्वं	हरिष्यसि	युवां	हरिष्यथः	यूयं	हरिष्यथ
	उ.	अहं	हरिष्यामि	आवां	हरिष्यावः	वयं	हरिष्यामः
	प्र.	सः	हरतु, हरतात्	तौ	हरताम्	ते	हरन्तु
लोट्–	म.	त्वं	हर, हरतात्	युवां	हरतम्	यूयं	हरत
	उ.	अहं	हराणि	आवां	हराव	वयं	हराम
	प्र.	सः	अहरत्	तौ	अहरताम्	ते	अहरन्
लङ्–	म.	त्वं	अहरः	युवां	अहरतम्	यूयं	अहरत
	उ.	अहं	अहरम्	आवां	अहराव	वयं	अहराम
प्रे०	प्र.	सः	हरेत्	तौ	हरेताम्	ते	हरेयुः
लिङ्–	म.	त्वं	हरेः	युवां	हरेतम्	यूयं	हरेत
	उ.	अहं	हरेयम्	आवां	हरेव	वयं	हरेम
आशी	प्र.	सः	ह्रियात्	तौ	ह्रियास्ताम्	ते	ह्रियासुः
लिङ्–	म.	त्वं	ह्रियाः	युवां	ह्रियास्तम्	यूयं	ह्रियास्त
	उ.	अहं	ह्रियासम्	आवां	ह्रियास्व	वयं	ह्रियास्म

	प्र स अहार्षीत्	तौ अहार्ष्टाम्	ते अहार्षुः
लुङ्–	म त्वं अहार्षीः	युवां अहार्ष्टम्	यूयं अहार्ष्ट
	उ अहं अहार्षम्	आवां अहार्ष्व	वयं अहार्ष्म
	प्र स अहरिष्यत्	तौ अहरिष्यताम्	ते अहरिष्यन्
लृङ्–	म त्वं अहरिष्यः	युवां अहरिष्यतम्	यूयं अहरिष्यत
	उ अहं अहरिष्यम्	आवां अहरिष्याव	वयं अहरिष्याम

प्रथमगणस्थ आत्मनेपदी हृ (हरण करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र स हरते	तौ हराते	ते हरन्ते
लट्–	म त्वं हरसे	युवां हराथे	यूयं हरध्वे
	उ अहं हरे	आवां हरावहे	वयं हरामहे
	प्र स जह्रे	तौ जह्राते	ते जह्रिरे
लिट्–	म त्वं जह्रिषे	युवां जह्राथे	यूयं जह्रिढ्वे
	उ अहं जह्रे	आवां जह्रिवहे	वयं जह्रिमहे
	प्र स हर्ता	तौ हर्तारौ	ते हर्तारः
लुट्–	म त्वं हर्तासे	युवां हर्तासाथे	यूयं हर्ताध्वे
	उ अहं हर्ताहे	आवां हर्तास्वहे	वयं हर्तास्महे
	प्र. स हरिष्यते	तौ हरिष्येते	ते हरिष्यन्ते
लृट्–	म त्वं हरिष्यसे	युवां हरिष्येते	यूयं हरिष्यध्वे
	उ अहं हरिष्ये	आवां हरिष्यावहे	वयं हरिष्यामहे
	प्र. स हरताम्	तौ हरेताम्	ते हरन्ताम्
लोट्–	म त्वं हरस्व	युवां हरेथाम्	यूयं हरध्वम्
	उ अहं हरिष्ये	आवां हरिष्यावहि	वयं हरिष्यामहि
	प्र स अहरत	तौ अहरेताम्	ते अहरन्त
लङ्–	म त्वं अहरथाः	युवां अहरेथाम्	यूयं अहरध्वम्
	उ अहं अहरे	आवां अहरावहि	वयं अहरामहि

प्रे० प्र.	सः हरेत	तौ हरेयाताम्	ते हरेरन्
लिङ्–म.	त्व हरेथाः	युवां हरेयाथाम्	यूय हरेध्वम्
उ.	अह हरेय	आवां हरेवहि	वय हरेमहि
आशी-प्र.	सः हृषीष्ट	तौ हृषीयास्ताम्	ते हृषीरन्
र्लिङ्–म	त्व हृषीष्ठाः	युवां हृषीयास्थाम्	यूय हृषीध्वम्
उ	अह हृषीय	आवां हृषीवहि	वय हृषीमहि
प्र.	स' अहृत	तौ अहृषाताम्	ते अहृषत
लुङ्– म.	त्व अहृथाः	युवां अहृषाथाम्	यूय अहृध्वम्
उ.	अह अहृषि	आवां अहृष्वहि	वय अहृष्महि
प्र	स' अहरिष्यत	तौ अहरिष्येताम्	ते अहरिष्यन्त
लृङ्–म	त्वं अहरिष्यथाः	युवां अहरिष्येथाम्	यूय अहरिष्यध्वम्
उ.	अह अहरिष्ये	आवां अहरिष्यावहि	वय अहरिष्यामहि

द्वितीयगणस्थ परस्मैपदी अद् (खाना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

प्र.	स. अत्ति	तौ अत्त	ते अदन्ति
लट्–म	त्व अत्सि	युवां अत्थः	यूय अत्थ
उ.	अह अद्मि	आवां अद्वः	वय अद्मः
प्र	सः जघास	तौ जक्षतु	ते जक्षुः
म	त्वं जघसिथ	युवां जक्षथुः	यूय जक्ष
लिट्–उ.	अह जघास,जघस	आवां जक्षिव	वय जक्षिम
प्र.	सः आद	तौ आदतु'	ते आदुः
म	त्व आदिथ	युवां आदथुः	यूय आद
उ	अह आद	आवां आदिव	वय आदिम
प्र.	सः अत्तु, अत्तात्	तौ अत्ताम्	ते अदन्तु
लोट्– म	त्वं अद्धि, अत्तात्	युवां अत्तम्	यूय अत्त
उ.	अह अदानि	आवां अदाव	वय अदाम

	प्र. स आदत्	तौ आत्ताम्	ते आदन्
लङ्-	म त्व आद	युवां आत्तम्	यूय आत्त
	उ अह आदम्	आवां आद्व	वय आद्म
	प्र स अद्यात्	तौ अद्याताम्	ते अद्युः
लिङ्-	म त्व अद्या	युवां अद्यातम्	यूय अद्यात
	उ अह अद्याम्	आवां अद्याव	वय अद्याम
	प्र स अत्ता	तौ अत्तारौ	ते अत्तारः
लुट्-	म त्व अत्तासि	युवां अत्तास्थ	यूय अत्तास्थ
	उ अह अत्तास्मि	आवां अत्तास्व	वय अत्तास्म
	प्र स अत्स्यति	तौ अत्स्यत	ते अत्स्यन्ति
लृट्-	म त्व अत्स्यसि	युवां अत्स्यथ	यूय अत्स्यथ
	उ अह अत्स्यामि	आवां अत्स्याव	वय अत्स्याम
	प्र स अद्यात्	तौ अद्यास्ताम्	ते अद्यासुः
आशी-	म त्व अद्या	युवां अद्यास्तम्	यूय अद्यास्त
लिङ्-	उ अह अद्यासम्	आवां अद्यास्व	वय अद्यास्म
	प्र स अघसत्	तौ अघसताम्	ते अघसन्
लुङ्-	म त्व अघस	युवां अघसतम्	यूय अघसत
	उ अह अघसम्	आवां अघसाव	वय अघसाम
	प्र स आत्स्यत्	तौ आत्स्यताम्	ते आत्स्यन्
लृङ्-	म त्व आत्स्य	युवां आत्स्यतम्	यूय आत्स्यत
	उ अह आत्स्यम्	आवां आत्स्याव	वय आत्स्याम

द्वितीयगणस्थ आत्मनेपदी शी (सोना) धातुके

लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. स शेते	तौ शयाते	ते शेरते
लट्-	म त्व शेषे	युवां शयाथे	यूय शेध्वे
	उ अह शये	आवां शेवहे	वय शेमहे

	प्र.	सः शिश्ये	तौ शिश्याते	ते शिश्यिरे
लिट्–	म.	त्वं शिशीषे	युवां शिश्याथे	यूयं शिशीढ्वे
	उ.	अहं शिश्ये	आवां शिशीवहे	वयं शिशीमहे
	प्र.	सः शयिता	तौ शयितारौ	ते शयितारः
लुट्–	म.	त्वं शयितासे	युवां शयितासाथे	यूयं शयिताध्वे
	उ.	अहं शयिताहे	आवां शयितास्वहे	वयं शयितास्महे
	प्र.	सः शयिष्यते	तौ शयिष्येते	ते शयिष्यन्ते
लृट्–	म.	त्वं शयिष्यसे	युवां शयिष्येथे	यूयं शयिष्यध्वे
	उ.	अहं शयिष्ये	आवां शयिष्यावहे	वयं शयिष्यामहे
	प्र.	सः शयताम्	तौ शयेताम्	ते शयन्ताम्
लोट्–	म.	त्वं शयस्व	युवां शयेथाम्	यूयं शयध्वम्
	उ.	अहं शयै	आवां शयावहे	वयं शयामहे
	प्र.	सः अशयत	तौ अशयेताम्	ते अशयन्त
लङ्–	म.	त्वं अशयथाः	युवां अशयेथाम्	यूयं अशयध्वम्
	उ.	अहं अशयि	आवां अशयावहि	वयं अशयामहि
	प्र.	सः शयेत	तौ शयेयाताम्	ते शयेरन्
प्रे०	म.	त्वं शयेथाः	युवां शयेयाथाम्	यूयं शयेध्वम्
लिङ्–	उ.	अहं शयेय	आवां शयेवहि	वयं शयेमहि
आ०	प्र.	सः शयिषीष्ट	तौ शयिषीयास्ताम्	ते शयिषीरन्
लिङ्–	म.	त्वं शयिषीष्ठाः	युवां शयिषीयास्थाम्	यूयं शयिषीध्वम्
	उ.	अहं शयिषीय	आवां शयिषीवहि	वयं शयिषीमहि
	प्र.	सः अशयिष्ट	तौ अशयिषाताम्	ते अशयिषत
लुङ्–	म.	त्वं अशयिष्ठाः	युवां अशयिषाथाम्	यूयं अशयिध्वम्
	उ.	अहं अशयिषि	आवां अशयिष्वहि	वयं अशयिष्महि
	प्र.	सः अशयिष्यत	तौ अशयिष्येताम्	ते अशयिष्यन्त
लृङ्–	म.	त्वं अशयिष्यथाः	युवां अशयिष्येथाम्	यूयं अशयिष्यध्वम्
	उ.	अहं अशयिष्ये	आवां अशयिष्यावहि	वयं अशयिष्यामहि

द्वितीयगणस्थ परस्मैपदी द्विष् (द्वेष करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	द्वेष्टि	तौ द्विष्टः	ते द्विषन्ति
लट्–	म. त्वं	द्वेक्षि	युवां द्विष्ठः	यूयं द्विष्ठ
	उ. अहं	द्वेष्मि	आवां द्विष्वः	वयं द्विष्मः
	प्र. सः	दिद्वेष	तौ दिद्विषतुः	ते दिद्विषुः
लिट्–	म. त्वं	दिद्वेषिथ	युवां दिद्विषथुः	यूयं दिद्विष
	उ. अहं	दिद्वेष	आवां दिद्विषिव	वयं दिद्विषिम
	प्र. सः	द्वेष्टा	तौ द्वेष्टारौ	ते द्वेष्टारः
लुट्–	म. त्वं	द्वेष्टासि	युवां द्वेष्टास्थः	यूयं द्वेष्टास्थ
	उ. अहं	द्वेष्टास्मि	आवां द्वेष्टास्वः	वयं द्वेष्टास्मः
	प्र. सः	द्वेक्ष्यति	तौ द्वेक्ष्यतः	ते द्वेक्ष्यंति
लृट्–	म. त्वं	द्वेक्ष्यसि	युवां द्वेक्ष्यथः	यूयं द्वेक्ष्यथ
	उ. अहं	द्वेक्ष्यामि	आवां द्वेक्ष्यावः	वयं द्वेक्ष्यामः
	प्र. सः	द्वेष्टु, द्विष्टात्	तौ द्विष्टां	ते द्विषन्तु
लोट्–	म. त्वं	द्विड्ढि, द्विष्टात्	युवां द्विष्टं	यूयं द्विष्ट
	उ. अहं	द्वेषाणि	आवां द्वेषाव	वयं द्वेषाम
	प्र. सः	अद्वेट्	तौ अद्विष्टां	ते अद्विषन्
लङ्–	म. त्वं	अद्वेट्	युवां अद्विष्टं	यूयं अद्विष्ट
	उ. अहं	अद्वेषं	आवां अद्विष्व	वयं अद्विष्म
प्रे०	प्र. सः	द्विष्यात्	तौ द्विष्यातां	ते द्विष्युः
लिङ्–	म. त्वं	द्विष्याः	युवां द्विष्यातं	यूयं द्विष्यात
	उ. अहं	द्विष्यां	आवां द्विष्याव	वयं द्विष्याम
आ०	प्र. सः	द्विष्यात्	तौ द्विष्यास्तां	ते द्विष्यासुः
लिङ्–	म. त्वं	द्विष्याः	युवां द्विष्यास्तं	यूयं द्विष्यास्त
	उ. अहं	द्विष्यासं	आवां द्विष्यास्व	वयं द्विष्यास्म

	प्र. स	अद्विक्षत्	तौ	अद्विक्षता	ते	अद्विक्षन्
लुङ्–	म त्व	अद्विक्षः	युवां	अद्विक्षत	यूय	अद्विक्षत
	उ अह	अद्विक्ष	आवा	अद्विक्षाव	वय	अद्विक्षाम
	प्र. स	अद्वेक्ष्यत्	तौ	अद्वेक्ष्यता	ते	अद्वेक्ष्यन्
लृङ्–	म त्व	अद्वेक्ष्य	युवां	अद्वेक्ष्यत	यूय	अद्वेक्ष्यत
	उ. अह	अद्वेक्ष्य	आवा	अद्वेक्ष्याव	वय	अद्वेक्ष्याम

द्वितीयगणस्थ आत्मनेपदी द्विष् (द्वेष करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. स	द्विष्टे	तौ	द्विषाते	ते	द्विषते
लट्–	म त्व	द्विक्षे	युवा	द्विषाथे	यूय	द्विड्ढ्वे
	उ. अह	द्विषे	आवां	द्विष्वहे	वय	द्विष्महे
	प्र स	दिद्विषे	तौ	दिद्विषाते	ते	दिद्विषिरे
लिट्–	म त्व	दिद्विषिषे	युवा	दिद्विषाथे	यूय	दिद्विषिध्वे
	उ अह	दिद्विषे	आवां	दिद्विषिवहे	वय	दिद्विषिमहे
	प्र स	द्वेष्टा	तौ	द्वेष्टारौ	ते	द्वेष्टारः
लुट्–	म त्व	द्वेष्टासे	युवां	द्वेष्टासाथे	यूय	द्वेष्टाध्वे
	उ अह	द्वेष्टाहे	आवा	द्वेष्टास्वहे	वय	द्वेष्टास्महे
	प्र स	द्वेक्ष्यते	तौ	द्वेक्ष्येते	ते	द्वेक्ष्यते
लृट्–	म त्व	द्वेक्ष्यसे	युवां	द्वेक्ष्येथे	यूय	द्वेक्ष्यध्वे
	उ अह	द्वेक्ष्ये	आवां	द्वेक्ष्यावहे	वय	द्वेक्ष्यामहे
	प्र. स	द्विष्टां	तौ	द्विषातां	ते	द्विषतां
लोट्–	म त्व	द्विक्ष्व	युवां	द्विषाथां	यूय	द्विड्ढ्वं
	उ अह	द्वेषै	आवां	द्वेषावहै	वय	द्वेषामहै
	प्र स	अद्विष्ट	तौ	अद्विषातां	ते	अद्विषत
लङ्–	म त्व	अद्विष्ठाः	युवां	अद्विषाथां	यूय	अद्विड्ढ्वं
	उ अह	अद्विषि	आवां	अद्विष्वहि	वय	अद्विष्महि

	प्र स	ह्रिपीत	तौ ह्रिपीयातां	ते ह्रिपीरन्
प्रे०	म त्वं	ह्रिपीथाः	युवां ह्रिपीयाथां	यूयं ह्रिपीध्वं
लिङ्–	उ अहं	ह्रिपीय	आवां ह्रिपीवहि	वयं ह्रिपीमहि
	प्र. स	ह्रिक्षीष्ट	तौ ह्रिक्षीयास्तां	ते ह्रिक्षीरन्
आ०	म त्वं	ह्रिक्षीष्ठाः	युवां ह्रिक्षीयास्थां	यूयं ह्रिक्षीध्वं
लिङ्–	उ अहं	ह्रिक्षीय	आवां ह्रिक्षीवहि	वयं ह्रिक्षीमहि
	प्र स	अह्रिक्षत	तौ अह्रिक्षातां	ते अह्रिक्षन्त
लुङ्–	म. त्वं	अह्रिक्षथाः	युवां अह्रिक्षाथां	यूयं अह्रिक्षध्वं
	उ अहं	अह्रिक्षि	आवां अह्रिक्षावहि	वयं अह्रिक्षामहि
	प्र. स	अह्रेक्ष्यत	तौ अह्रेक्ष्येतां	ते अह्रेक्ष्यन्त
लृङ्–	म त्वं	अह्रेक्ष्यथाः	युवां अह्रेक्ष्येथां	यूयं अह्रेक्ष्यध्वं
	उ. अहं	अह्रेक्ष्ये	आवां अह्रेक्ष्यावहि	वयं अह्रेक्ष्यामहि

तृतीयगणस्थ परस्मैपदी हा (त्यागना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र स	जहाति	तौ जहितः जहीतः	ते जहति
लट्–	म त्वं	जहासि	युवां जहिथः जहीथः	यूयं जहिथ
	उ अहं	जहामि	आवां जहिवः जहीवः	वयं जहिमः जहीमः
	प्र स	जहौ	तौ जहतुः	ते जहुः
लिट्–	म त्वं	जहिथ जहाथ	युवां जहथुः	यूयं जह
	उ अहं	जहौ	आवां जहिव	वयं जहिम

	प्र. सः	जहातु जहितात् जहीतात्	तौ जहिताम् जहीताम्	ते जहतु
लोट्—	म. त्व	जहाहि जहि (ही) हि जहि (ही) तात्	युवां जहितम् जहीतम्	यूय जहित जहीत
	उ. अह	जहानि	आवां जहाव	वय जहाम
	प्र स'	अजहात्	तौ अजहाताम्	ते अजहुः
लङ्—	म त्व	अजहाः	युवां अजहातम्	यूय अजहात
	उ. अह	अजहाम्	आवां अजहाव	वय अजहाम
	प्र सः	जह्यात्	तौ जह्याताम्	ते जह्युः
वि०	म. त्व	जह्याः	युवां जह्यातम्	यूय जह्यात
लिङ्—	उ. अह	जह्याम्	आवां जह्याव	वय जह्याम
	प्र स'	हाता	तौ हातारौ	ते हातारः
लुट्—	म त्व	हातासि	युवां हातास्थः	यूय हातास्थ
	उ. अह	हातास्मि	आवां हातास्वः	वय हातास्मः
	प्र. स·	हास्यति	तौ हास्यत·	ते हास्यन्ति
लृट्—	म. त्व	हास्यसि	युवां हास्यथ·	यूय हास्यथ
	उ. अह	हास्यामि	आवां हास्याव·	वय हास्यामः
	प्र. सः	हेयात्	तौ हेयास्तां	ते हेयासु
आशी-	म. त्व	हेया·	युवां हेयास्त	यूय हेयास्त
लिङ्	उ. अह	हेयास	आवां हेयास्व	वय हेयास्म
	प्र. सः	अहासीत्	तौ अहास्तां	ते अहासु·
लुङ्—	म. त्व	अहासीः	युवां अहास्त	यूय अहास्त
	उ अह	अहासिप	आवां अहास्व	वय अहास्म
	प्र सः	अहास्यत्	तौ अहास्यतां	ते अहास्यन्
लृङ्—	म त्व	अहास्यः	युवां अहास्यतां	यूय अहास्यत
	उ. अह	अहास्य	आवां अहास्याव	वय अहास्याम

तृतीयगणस्थ आत्मनेपदी हा (जाना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र.	स जिहीते	तौ जिहाते	ते जिहते
लट्–	म	त्व जिहीषे	युवां जिहाथे	यूय जिहीध्वे
	उ	अह जिहे	आवां जिहीवहे	वय जिहीमहे
	प्र.	स जहे	तौ जहाते	ते जहिरे
लिट्–	म	त्व जहिषे	युवां जहाथे	यूय जहिध्वे
	उ	अह जहे	आवां जहिवहे	वय. जहिमहे
	प्र.	स हाता	तौ हातारौ	ते हातार
लुट्–	म	त्व हातासे	युवां हातासाथे	यूय हाताध्वे
	उ	अह हाताहे	आवां हातास्वहे	वय हातास्महे
	प्र	स हास्यते	तौ हास्येते	ते हास्यन्ते
लृट्–	म	त्व हास्यसे	युवां हास्येथे	यूय हास्यध्वे
	उ	अह हास्ये	आवां हास्यावहे	वय हास्यामहे
	प्र.	स जिहीतां	तौ जिहाता	ते जिहतां
लोट्–	म	त्व जिहीष्व	युवां जिहाथां	यूय जिहीध्व
	उ.	अह जिहै	आवां जिहावहे	वय जिहामहै
	प्र	स अजिहीत	तौ अजिहीतां	ते अजिहत
लङ्–	म	त्व अजिहीथा	युवां अजिहाथां	यूय अजिहीध्व
	उ	अह अजिहे	आवां अजिहावहि	वय अजिहामहि
	प्र	स जिहीत	तौ जिहीयातां	ते जिहीरन्
प्रे०	म	त्व जिहीथा	युवां जिहीयाथां	यूय जिहीध्व
लिङ्–	उ	अह जिहीय	आवां जिहीवहि	वय जिहीमहि
	प्र.	स हासीष्ट	तौ हासीयास्तां	ते हासीरन्
आ०	म	त्व हासीष्ठा	युवां हासीयास्थां	यूय हासीध्व
लिङ्–	उ	अह हासीय	आवां हासीवहि	वय हासीमहि

	प्र	स	अहास्त	तौ	अहासातां	ते	अहासत
लुङ्–	म	त्व	अहास्था	युवां	अहासाथां	यूय	अहाध्व
	उ	अह	अहासि	आवां	अहास्वहि	वय	अहास्महि
	प्र	स	अहास्यत	तौ	अहास्यतां	ते	अहास्यन्त
लृङ्–	म	त्व	अहास्यथा	युवां	अहास्येथां	यूय	अहास्यध्व
	उ	अह	अहास्ये	आवां	अहास्यावहि	वय	अहास्यामहि

तृतीयगणस्थ परस्मैपदी भृ (धारण करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र	स	बिभर्ति	तौ	बिभृत	ते	बिभ्रति
लट्–	म	त्व	बिभर्षि	युवां	बिभृथ	यूय	बिभृथ
	उ	अह	बिभर्मि	आवां	बिभृव	वय	बिभृम
	प्र	स	बभार	तौ	बभ्रतु	ते	बभ्रु
	म	त्व	बभर्थ	युवां	बभ्रथु	यूय	बभ्र
	उ	अह	बभार, बभर	आवां	बभृव	वय	बभृम
	प्र	स	बिभरांचकार	तौ	बिभरांचक्रतु	ते	बिभरांचक्रु
	म	त्व	बिभरांचकर्थ	युवां	बिभरांचक्रथु	यूय	बिभरांचक्र
	उ	अह	बिभरांचकार बिभरांचकर	आवां	बिभरांचकृव	वय	बिभरांचकृम
लिट्–	प्र	स	बिभरांबभूव	तौ	बिभरांबभूवतु	ते	बिभरांबभूवु
	म	त्व	बिभरांबभूविथ	युवां	बिभरांबभूवथु	यूय	बिभरांबभूव
	उ	अह	बिभरांबभूव	आवां	बिभरांबभूविव	वय	बिभरांबभूविम
	प्र	स	बिभरामास	तौ	बिभरामासतु	ते	बिभरामासु
	म	त्व	बिभरामासिथ	युवां	बिभरामासथु	यूय	बिभरामास
	उ	अह	बिभरामास	आवां	बिभरामासिव	वय	बिभरामासिम
	प्र	स	भर्ता	तौ	भर्तारौ	ते	भर्तार
लुट्–	म	त्व	भर्तासि	युवां	भर्तास्थ	यूय	भर्तास्थ
	उ	अह	भर्तास्मि	आवां	भर्तास्व	वय	भर्तास्म

	प्र. सः	भरिष्यति	तौ भरिष्यतः	ते भरिष्यंति
लृट्–	म. त्व	भरिष्यसि	युवां भरिष्यथः	यूयं भरिष्यथ
	उ. अह	भरिष्यामि	आवां भरिष्यावः	वयं भरिष्यामः
	प्र. सः	बिभर्तु, बिभृतात्	तौ बिभृतां	ते बिभ्रतु
लोट्–	म. त्व	बिभृहि, बिभृतात्	युवां बिभृत	यूय बिभृत
	उ. अह	बिभराणि	आवां बिभराव	• वयं बिभराम
	प्र. सः	अबिभः	तौ अबिभृतां	ते अबिभरुः
लङ्–	म. त्व	अबिभः	युवां अबिभृत	यूयं अबिभृत
	उ. अह	अबिभर	आवां अबिभृव	वय अबिभृम
	प्र. सः	बिभृयात्	तौ बिभृयातां	ते बिभृयुः
वि०	म. त्व	बिभृयाः	युवां बिभृयातं	यूयं बिभृयात
लिङ्–	उ. अह	बिभृयां	आवां बिभृयाव	यूय बिभृयाम
	प्र. सः	भ्रियात्	तौ भ्रियास्तां	ते भ्रियासुः
आशी–	म. त्व	भ्रियाः	युवां भ्रियास्त	यूय भ्रियास्त
लिङ्–	उ. अह	भ्रियास	आवां भ्रियास्व	वयं भ्रियास्म
	प्र. सः	अभार्षीत्	तौ अभार्ष्टां	ते अभार्षुः
लुङ्–	म. त्व	अभार्षीः	युवां अभार्ष्ट	यूय अभार्ष्ट
	उ. अहं	अभार्षं	आवां अभार्ष्व	वयं अभार्ष्म
	प्र. सः	अभरिष्यत्	तौ अभरिष्यतां	ते अभरिष्यन्
लृङ्–	म. त्वं	अभरिष्यः	युवां अभरिष्यत	यूयं अभरिष्यत
	उ. अहं	अभरिष्य	आवां अभरिष्याव	वय अभरिष्याम

तृतीयगणस्य आत्मनेपदी भृ (धारण करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	बिभृते	तौ बिभ्राते	ते बिभ्रते
लट्–	म. त्वं	बिभृषे	युवां बिभ्राथे	यूय बिभृध्वे
	उ. अह	बिभ्रे	आवां बिभृवहे	वयं बिभृमहे

	प्र. सः बभ्रे	तौ बभ्राते	ते बभ्रिरे
	म. त्वं बभृषे	युवां बभ्राथे	यूयं बभृढ्वे
	उ. अहं बभ्रे	आवां बभृवहे	वयं बभृमहे
	प्र. सः बिभरांचक्रे	तौ बिभरांचक्राते	ते बिभरांचक्रिरे
	म. त्वं बिभरांचकृषे	युवां बिभरांचक्राथे	यूयं बिभरांचकृढ्वे
लिट्–	उ. अहं बिभरांचक्रे	आवां बिभरांचकृवहे	वयं बिभरांचकृमहे
	प्र. सः बिभरांबभूव	तौ बिभरांबभूवतुः	ते बिभरांबभूवुः
	म. त्वं बिभरांबभूविथ	युवां बिभरांबभूवथुः	यूयं बिभरांबभूव
	उ. अहं बिभरांबभूव	आवां बिभरांबभूविव	वयं बिभरांबभूविम
	प्र. सः बिभरामास	तौ बिभरामासतुः	ते बिभरामासुः
	म. त्वं बिभरामासिथ	युवां बिभरामासथुः	यूयं बिभरामास
	उ. अहं बिभरामास	आवां बिभरामासिव	वयं बिभरामासिम
	प्र. सः भर्ता	तौ भर्तारौ	ते भर्तारः
लुट्–	म. त्वं भर्तासे	युवां भर्तासाथे	यूयं भर्ताध्वे
	उ. अहं भर्ताहे	आवां भर्तास्वहे	वयं भर्तास्महे
	प्र. सः भरिष्यते	तौ भरिष्येते	ते भरिष्यंते
लृट्–	म. त्वं भरिष्यसे	युवां भरिष्येथे	यूयं भरिष्यध्वे
	उ. अहं भरिष्ये	आवां भरिष्यावहे	वयं भरिष्यामहे
	प्र. सः बिभृतां	तौ बिभ्रातां	ते बिभ्रतां
लोट्–	म. त्वं बिभृष्व	युवां बिभ्राथां	यूयं बिभृध्वं
	उ. अहं बिभरै	आवां बिभरावहै	वयं बिभरामहै
	प्र. सः अबिभृत	तौ अबिभ्रातां	ते अबिभ्रत
लङ्–	म. त्वं अबिभृथाः	युवां अबिभ्राथां	यूयं अबिभृध्वं
	उ. अहं अबिभ्रि	आवां अबिभृवहि	वयं अबिभृमहि
	प्र. सः बिभ्रीत	तौ बिभ्रीयातां	ते बिभ्रीरन्
प्रे०	म. त्वं बिभ्रीथाः	युवां बिभ्रीयाथां	यूयं बिभ्रीध्वं
लिङ्–	उ. अहं बिभ्रीय	आवां बिभ्रीवहि	वयं बिभ्रीमहि

	प्र. सः भूषीष्ट	तौ भूषीयास्तां	ते भूषीरन्
आशी-	म. त्वं भूषीष्ठाः	युवां भूषीयास्थां	यूय भूषीढ्वं
लिंङ्-	उ. अहं भूषीय	आवां भूषीवहि	वयं भूषीमहि
	प्र. सः अभूत	तौ अभूषातां	ते अभूषत
लुङ्-	म. त्वं अभूथाः	युवां अभूषाथां	यूय अभूढ्वं
	उ. अहं अभूषि	आवां अभूष्वहि	वयं अभूष्महि
	प्र. सः अभरिष्यत	तौ अभरिष्येतां	ते अभरिष्यंत
लृङ्-	म. त्व अभरिष्यथाः	युवां अभरिष्येथां	यूयं अभरिष्यध्वं
	उ. अहं अभरिष्ये	आवां अभरिष्यावहि	वयंअभरिष्यामहि

चतुर्थगणस्थ परस्मैपदी दिव् (खेलना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः दीव्यति	तौ दीव्यतः	ते दीव्यंति
लट्-	म. त्वं दीव्यसि	युवां दीव्यथः	यूयं दीव्यथ
	उ. अहं दीव्यामि	आवां दीव्यावः	वय दीव्यामः
	प्र. सः दिदेव	तौ दिदिवतुः	ते दिदिवुः
लिट्-	म. त्वं दिदेविथ	युवां दिदिवथुः	यूयं दिदिव
	उ. अह दिदेव	आवां दिदिविव	वय दिदिविम
	प्र. सः देविता	तौ देवितारौ	ते देवितारः
लुट्-	म. त्व देवितासि	युवां देवितास्थः	यूयं देवितास्थ
	उ. अहं देवितास्मि	आवां देवितास्वः	वयं देवितास्मः
	प्र. सः देविष्यति	तौ देविष्यतः	ते देविष्यंति
लृट्-	म. त्व देविष्यसि	युवां देविष्यथः	यूयं देविष्यथ
	उ. अहं देविष्यामि	आवां देविष्यावः	वयं देविष्यामः
	प्र. सः दीव्यतु,दीव्यतात्	तौ दीव्यतां	ते दीव्यंतु
लोट्-	म. त्वं दीव्य,दीव्यतात्	युवां दीव्यतं	यूयं दीव्यत
	उ. अह दीव्यानि	आवां दीव्याव	वयं दीव्याम

	प्र. स	अदीव्यत्	तौ अदीव्यतां	ते अदीव्यन्
लङ्-	म त्वं	अदीव्य	युवां अदीव्यत	यूयं अदीव्यत
	उ अहं	अदीव्य	आवां अदीव्याव	वयं अदीव्याम
	प्र स	दीव्येत्	तौ दीव्येतां	ते दीव्येयुः
प्रे०	म त्वं	दीव्येः	युवां दीव्येत	यूयं दीव्येत
लिङ्-	उ अहं	दीव्येय	आवां दीव्येव	वयं दीव्येम
	प्र. स	दीव्यात्	तौ दीव्यास्तां	ते दीव्यासुः
आशी-	म त्वं	दीव्याः	युवां दीव्यास्त	यूयं दीव्यास्त
लिङ्-	उ अहं	दीव्यासं	आवां दीव्यास्व	वयं दीव्यास्म
	प्र. स	अदेवीत्	तौ अदेविष्टां	ते अदेविषुः
लुङ्-	म त्वं	अदेवीः	युवां अदेविष्ट	यूयं अदेविष्ट
	उ अहं	अदेविषं	आवां अदेविष्व	वयं अदेविष्म
	प्र स	अदेविष्यत्	तौ अदेविष्यतां	ते अदेविष्यन्
लृङ्-	म त्वं	अदेविष्यः	युवां अदेविष्यत	यूयं अदेविष्यत
	उ अहं	अदेविष्यं	आवां अदेविष्याव	वयं अदेविष्याम

चतुर्थगणस्थ आत्मनेपदी प्री (खुश होना) धातुके लट आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. स	प्रीयते	तौ प्रीयेते	ते प्रीयन्ते
लट्-	म त्वं	प्रीयसे	युवां प्रीयेथे	यूयं प्रीयध्वे
	उ अहं	प्रीये	आवां प्रीयावहे	वयं प्रीयामहे
	प्र स	पिप्रिये	तौ पिप्रियाते	ते पिप्रियिरे
लिट्-	म त्वं	पिप्रियिषे	युवां पिप्रियाथे	यूयं पिप्रियिढ्वे (ध्वे)
	उ. अहं	पिप्रिये	आवां पिप्रियिवहे	वयं पिप्रियिमहे
	प्र स	प्रेता	तौ प्रेतारौ	ते प्रेतारः
लुट्-	म त्वं	प्रेतासे	युवां प्रेतासाथे	यूयं प्रेताध्वे
	उ. अहं	प्रेताहे	आवां प्रेतास्वहे	वयं प्रेतास्महे

लट्–	प्र. सः प्रेष्यते	तौ प्रेष्येते	ते प्रेष्यंते
	म. त्वं प्रेष्यसे	युवां प्रेष्येथे	यूयं प्रेष्यध्वे
	उ. अहं प्रेष्ये	आवां प्रेष्यावहे	वयं प्रेष्यामहे
लोट्–	प्र. सः प्रीयतां	तौ प्रीयेतां	ते प्रीयतां
	म. त्वं प्रीयस्व	युवां प्रीयेथां	यूयं प्रीयध्वं
	उ. अहं प्रीयै	आवां प्रीयावहै	वयं प्रीयामहै
लङ्–	प्र. सः अप्रीयत	तौ अप्रीयेतां	ते अप्रीयत
	म. त्वं अप्रीयथाः	युवां अप्रीयेथां	यूयं अप्रीयध्वं
	उ. अहं अप्रीये	आवां अप्रीयावहि	वयं अप्रीयामहि
	प्र. सः प्रीयेत	तौ प्रीयेयातां	ते प्रीयेरन्
प्रे०	म. त्वं प्रीयेथाः	युवां प्रीयेयाथां	यूयं प्रीयेध्वं
लिङ्–	उ. अहं प्रीयेय	आवां प्रीयेवहि	वयं प्रीयेमहि
	प्र. सः प्रेषीष्ट	तौ प्रेषीयास्तां	ते प्रेषीरन्
आशी–	म. त्वं प्रेषीष्ठाः	युवां प्रेषीयास्थां	यूयं प्रेषीढ्वं
लिङ्–	उ. अहं प्रेषीय	आवां प्रेषीवहि	वयं प्रेषीमहि
लुङ्–	प्र. सः अप्रेष्ट	तौ अप्रेषातां	ते अप्रेषत
	म. त्वं अप्रेष्ठाः	युवां अप्रेषाथां	यूयं अप्रेढ्वं
	उ. अहं अप्रेषि	आवां अप्रेष्वहि	वयं अप्रेष्महि
लृङ्–	प्र. सः अप्रेष्यत	तौ अप्रेष्येतां	ते अप्रेष्यत
	म. त्वं अप्रेष्यथाः	युवां अप्रेष्येथां	यूयं अप्रेष्यध्वं
	उ. अहं अप्रेष्ये	आवां अप्रेष्यावहि	वयं अप्रेष्यामहि

पंचमगणस्थ परस्मैपदी शक् (सकना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

लट्–	प्र. सः शक्नोति	तौ शक्नुतः	ते शक्नुवंति
	म. त्वं शक्नोषि	युवां शक्नुथः	यूयं शक्नुथ
	उ. अहं शक्नोमि	आवां शक्नुवः	वयं शक्नुमः

लिट्–	प्र. सः शशाक	तौ शेकतुः	ते शेकुः
	म. त्वं शेकिथ,शशक्थ	युवां शेकथुः	यूयं शेक
	उ. अहं शशाक,शशक	आवां शेकिव	वयं शेकिम
लुट्–	प्र. सः शक्ता	तौ शक्तारौ	ते शक्तारः
	म. त्वं शक्तासि	युवां शक्तास्थः	यूयं शक्तास्थ
	उ. अहं शक्तास्मि	आवां शक्तास्वः	वयं शक्तास्मः
लृट्–	प्र. सः शक्ष्यति	तौ शक्ष्यतः	ते शक्ष्यति
	म. त्वं शक्ष्यसि	युवां शक्ष्यथः	यूयं शक्ष्यथ
	उ. अहं शक्ष्यामि	आवां शक्ष्यावः	वयं शक्ष्यामः
लोट्–	प्र. सः शक्नोतु, शक्नुतात्,	तौ शक्नुतां	ते शक्नुवन्तु
	म. त्वं शक्नुहि, शक्नुतात्,	युवां शक्नुत	यूयं शक्नुत
	उ. अहं शक्नवानि	आवां शक्नवाव	वयं शक्नवाम
लङ्–	प्र. सः अशक्नोत्	तौ अशक्नुतां	ते अशक्नुवन्
	म. त्वं अशक्नोः	युवां अशक्नुतं	यूयं अशक्नुत
	उ. अहं अशक्नव	आवां अशक्नुव	वयं अशक्नुम
प्रे० लिङ्–	प्र. सः शक्नुयात्	तौ शक्नुयातां	ते शक्नुयुः
	म. त्वं शक्नुयाः	युवां शक्नुयात	यूयं शक्नुयात
	उ. अहं शक्नुयां	आवां शक्नुयाव	वयं शक्नुयाम
आशी-लिङ्–	प्र. सः शक्यात्	तौ शक्यास्तां	ते शक्यासुः
	म. त्वं शक्याः	युवां शक्यास्त	यूयं शक्यास्त
	उ. अहं शक्यास	आवां शक्यास्व	वयं शक्यास्म
लुङ्–	प्र. सः अशकत्	तौ अशकतां	ते अशकन्
	म. त्वं अशकः	युवां अशकत	यूयं अशकत
	उ. अहं अशक	आवां अशकाव	वयं अशकाम

	प्र. सः अशक्ष्यत्	तौ अशक्ष्यतां	ते अशक्ष्यन्
लृङ्–	म. त्वं अशक्ष्यः	युवां अशक्ष्यतं	यूयं अशक्ष्यत
	उ. अहं अशक्ष्य	आवां अशक्ष्याव	वयं अशक्ष्याम

पंचमगणस्थ सू (मंथन करना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः सुनुते	तौ सुन्वाते	ते सुन्वते
लट्–	म. त्वं सुनुषे	युवां सुन्वाथे	यूयं सुनुध्वे
	उ. अहं सुन्वे	आवां सुनुवहे, सुन्वहे	वयं सुनुमहे, सुन्महे
	प्र. सः सुषुवे	तौ सुषुवाते	ते सुषुविरे
लिट्–	म. त्वं सुषुविषे	युवां सुषुवाथे	यूयं सुषुविढ्वे (ध्वे)
	उ. अहं सुषुवे	आवां सुषुविवहे	वयं सुषुविमहे
	प्र. सः सोता	तौ सोतारौ	ते सोतारः
लुट्–	म. त्वं सोतासे	युवां सोतासाथे	यूयं सोताध्वे
	उ. अहं सोताहे	आवां सोतास्वहे	वयं सोतास्महे
	प्र. सः सोष्यते	तौ सोष्येते	ते सोष्यंते
लृट्–	म. त्वं सोष्यसे	युवां सोष्येथे	यूयं सोष्यध्वे
	उ. अहं सोष्ये	आवां सोष्यावहे	वयं सोष्यामहे
	प्र. सः सुनुतां	तौ सुन्वातां	ते सुन्वतां
लोट्–	म. त्वं सुनुष्व	युवां सुन्वाथां	यूयं सुनुध्वं
	उ. अहं सुनवै	आवां सुनवावहै	वयं सुनवामहै
	प्र. सः असुनुत	तौ असुन्वातां	ते असुन्वत
लङ्–	म. त्वं असुनुथाः	युवां असुन्वाथां	यूयं असुनुध्वं
	उ. अहं असुन्वि	आवां असुनुवहि असुन्वहि	वयं असुनुमहि असुन्महि
प्रे०	प्र. सः सुन्वीत	तौ सुन्वीयातां	ते सुन्वीरन्
लिङ्–	म. त्वं सुन्वीथाः	युवां सुन्वीयाथां	यूयं सुन्वीध्वं
	उ. अहं सुन्वीय	आवां सुन्वीवहि	वयं सुन्वीमहि

आशी-	प्र स सोपीष्ट	तौ सोपीयास्तां	ते सोपीरन्
र्लिङ्-	म त्व सोपीष्ठा	युवां सोपीयास्था	यूय सोपीढ्व
	उ अह सोपीय	आवां सोपीवहि	वय सोपीमहि
	प्र स असोष्ट	तौ असोपातां	ते असोपत
लुङ्-	म त्व असोष्ठा	युवा असोपाथा	यूय असोढ्व
	उ अह असोपि	आवां असोष्वहि	वय असोष्महि
	प्र. स असोष्यत	तौ असोष्येतां	ते असोष्यत
लृङ्-	म त्व असोष्यथा	युवा असोष्येथा	यूय असोष्यध्व
	उ अह असोष्ये	आवां असोष्यावहि	वय असोष्यामहि

षष्ठगणस्थ तुद् (दुःख देना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. स तुदति	तौ तुदत	ते तुदति
लट्-	म त्व तुदसि	युवां तुदथ	यूय तुदथ
	उ अह तुदामि	आवा तुदाव	वय तुदाम
	प्र स तुतोद	तौ तुतुदतु	ते तुतुदु
लिट्-	म त्व तुतोदिथ	युवां तुतुदथु	यूय तुतुद
	उ अह तुतोद	आवा तुतुदिव	वय तुतुदिम
	प्र स तोत्ता	तौ तोत्तारौ	ते तोत्तार
लुट्-	म त्व तोत्तासि	युवां तोत्तास्थ	यूय तोत्तास्थ
	उ अह तोत्तास्मि	आवां तोत्तास्व	वय तोत्तास्म
	प्र. स तोत्स्यति	तौ तोत्स्यत	ते तोत्स्यति
लृट्-	म त्व तोत्स्यसि	युवां तोत्स्यथ	यूय तोत्स्यथ
	उ अह तोत्स्यामि	आवां तोत्स्याव	वय तोत्स्याम
	प्र. स तुदतु, तुदतात्	तौ तुदतां	ते तुदतु
लोट्-	म त्व तुद, तुदतात्	युवां तुदत	यूय तुदत
	उ अह तुदानि	आवां तुदाव	वयं तुदाम

	प्र स	अतुदत्	तौ अतुदतां	ते अतुदन्
लङ्-	म त्व	अतुद	युवां अतुदत	यूय अतुदत
	उ अह	अतुद	आवां अतुदाव	वय अतुदाम
प्रे०	प्र. स	तुदेत्	तौ तुदेता	ते तुदेयु
लिङ्-	म त्व	तुदे	युवां तुदेत	यूय तुदेत
	उ अह	तुदेय	आवां तुदेव	वय तुदेम
आशी	प्र स	तुद्यात्	तौ तुद्यास्ता	ते तुद्यासु
र्लिङ्-	म त्व	तुद्या	युवा तुद्यास्त	यूय तुद्यास्त
	उ अह	तुद्यास	आवां तुद्यास्व	वय तुद्यास्म
	प्र स	अतौत्सीत्	तौ अतौत्ता	ते अतौत्सु
लुङ्-	म त्व	अतौत्सी	युवां अत्तौत्त	यूय अत्तौत्त
	उ अह	अतौत्स	आवां अतौत्स्व	वय अतौत्स्म
	प्र स	अतोत्स्यत्	तौ अतोत्स्यतां	ते अतोत्स्यन्
लृङ्-	म त्व	अतोत्स्य	युवां अतोत्स्यत	यूय अतोत्स्यत
	उ अह	अतोत्स्य	आवां अतोत्स्याव	वय अतोत्स्याम

षष्ठगणस्थ मृ (मरना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र स	म्रियते	तौ म्रियेते	ते म्रियते
लट्-	म त्व	म्रियसे	युवा म्रियेथे	यूय म्रियध्वे ।
	उ अह	म्रिये	आवां म्रियावहे	वय म्रियामहे
	प्र स	ममार	तौ मम्रतु	ते मम्रु
लिट्-	म त्व	ममर्थ	युवां मम्रथु	यूय मम्र
	उ अह	ममार, ममर	आवां मम्रिव	वय मम्रिम
	प्र स	मर्त्ता	तौ मर्त्तारौ	ते मर्त्तार
लुट्-	म त्व	मर्त्तासि	युवां मर्त्तास्थ	वय मर्त्तास्थ
	उ अह	मर्त्तास्मि	आवां मर्त्तास्व	वय मर्त्तास्म

	प्र. स मरिष्यति	तौ मरिष्यतः	ते मरिष्यन्ति
लृट्—	म. त्वं मरिष्यसि	युवां मरिष्यथः	यूयं मरिष्यथ
	उ. अहं मरिष्यामि	आवां मरिष्यावः	वयं मरिष्यामः
	प्र. स म्रियतां	तौ म्रियेतां	ते म्रियन्तां
लोट्—	म. त्वं म्रियस्व	युवां म्रियेथां	यूयं म्रियध्वं
	उ. अहं म्रियै	आवां म्रियावहै	वयं म्रियामहै
	प्र. स अम्रियत	तौ अम्रियेतां	ते अम्रियन्त
लङ्—	म. त्वं अम्रियथाः	युवां अम्रियेथां	यूयं अम्रियध्वं
	उ. अहं अम्रिये	आवां अम्रियावहि	वयं अम्रियामहि
प्रे०	प्र. स म्रियेत	तौ म्रियेयातां	ते म्रियेरन्
लिङ्—	म. त्वं म्रियेथाः	युवां म्रियेयाथां	यूयं म्रियेध्वं
	उ. अहं म्रियेय	आवां म्रियेवहि	वयं म्रियेमहि
आशी	प्र. स मृषीष्ट	तौ मृषीयास्तां	ते मृषीरन्
लिङ्—	म. त्वं मृषीष्ठाः	युवां मृषीयास्थां	यूयं मृषीढ्वं
	उ. अहं मृषीय	आवां मृषीवहि	वयं मृषीमहि
	प्र. स अमृत	तौ अमृषातां	ते अमृषत
लुङ्—	म. त्वं अमृथाः	युवां अमृषाथां	यूयं अमृढ्वं
	उ. अहं अमृषि	आवां अमृष्वहि	वयं अमृष्महि
	प्र. स अमरिष्यत्	तौ अमरिष्यतां	ते अमरिष्यन्
लृङ्—	म. त्वं अमरिष्यः	युवां अमरिष्यतं	यूयं अमरिष्यत
	उ. अहं अमरिष्यं	आवां अमरिष्याव	वयं अमरिष्याम

सप्तमगणस्थ रुध् (रोकना) धातुके लट्
आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. स रुणद्धि	तौ रुन्धः	ते रुन्धन्ति
लट्—	म. त्वं रुणत्सि	युवां रुन्धः	यूयं रुन्ध
	उ. अहं रुणध्मि	आवां रुन्ध्वः	वयं रुन्ध्मः

	प्र	स	रुरोध	तौ	रुरुधतु	ते	रुरुधु
लिट्-	म	त्व	रुरोधिथ	युवा	रुरुधथु	यूय	रुरुध
	उ	अह	रुरोध	आवा	रुरुधिव	वय	रुरुधिम
	प्र	स	रोद्धा	तौ	रोद्धारौ	ते	रोद्धार
लुट्-	म	त्व	रोद्धासि	युवा	रोद्धास्थ	यूय	रोद्धास्थ
	उ	अह	रोद्धास्मि	आवा	रोद्धास्व	वय	रोद्धास्म
	प्र	स	रोत्स्यति	तौ	रोत्स्यत	ते	रोत्स्यंति
लृट्-	म	त्व	रोत्स्यसि	युवा	रोत्स्यथ	यूय	रोत्स्यथ
	उ	अह	रोत्स्यामि	आवां	रोत्स्याव	वय	रात्स्याम
	प्र	स	रुणद्धु, रुधात्,	तौ	रुधां	ते	रुधतु
लोट्-	म	त्व	रुधि, रुधात्	युवां	रुध	यूय	रुध
	उ	अह	रुणधानि	आवा	रुणधाव	वय	रुणधाम
	प्र	स	अरुणत्	तौ	अरुधां	ते	अरुधन्
लङ्-	म	त्व	अरुणत्,अरुण	युवां	अरुध	यूय	अरुध
	उ	अह	अरुणध	आवां	अरुध्व	वयं	अरुध्म
	प्र	स	रुध्यात्	तौ	रुध्यातां	ते	रुंध्यु
प्रे०	म	त्व	रुध्या:	युवां	रुध्यात	यूय	रुध्यात
लिङ्-	उ	अह	रुध्यां	आवां	रुंध्याव	वय	रुध्याम
	प्र	स	रुध्यात्	तौ	रुध्यास्तां	ते	रुध्यासु
आ०	म	त्व	रुध्या	युवां	रुध्यास्त	यूय	रुध्यास्त
लिङ्-	उ	अह	रुध्यास	आवां	रुध्यास्व	वय	रुध्यास्म
	प्र	स	अरुधत्	तौ	अरुधतां	ते	अरुधन्
			अरौत्सीत्		अरौद्धां		अरौत्सु
लुङ्-	म	त्व	अरुध	युवां	अरुधत	यूय	अरुधत
			अरौत्सी		अरौद्ध		अरौद्ध
	उ	अह	अरुध	आवां	अरुधाव	वय	अरुधाम
			अरौत्स		अरौत्स्व		अरौत्स्म

	प्र. स अरोत्स्यत	तौ अरोत्स्यतां	ते अरोत्स्यन्
लृङ्—	म. त्वं अरोत्स्य	युवां अरोत्स्यतं	यूयं अरोत्स्यत
	उ अहं अरोत्स्यं	आवां अरोत्स्याव	वयं अरोत्स्याम

सप्तमगणस्थ रुध् (रोकना) धातुके लट्
आदि दश लकारोंके रूप

	प्र स रुधे	तौ रुधाते	ते रुधते
लट्—	म त्वं रुत्से	युवां रुधाथे	यूयं रुध्वे
	उ अहं रुधे	आवां रुध्वहे	वयं रुध्महे
	प्र. स रुरुधे	तौ रुरुधाते	ते रुरुधिरे
लिट्—	म त्वं रुरुधिषे	युवां रुरुधाथे	यूयं रुरुधिध्वे
	उ. अहं रुरुधे	आवां रुरुधिवहे	वयं रुरुधिमहे
	प्र स रोद्धा	तौ रोद्धारौ	ते रोद्धारः
लुट्—	म त्वं रोद्धासे	युवां रोद्धासाथे	यूयं रोद्धाध्वे
	उ अहं रोद्धाहे	आवां रोद्धास्वहे	वयं रोद्धास्महे
	प्र स रोत्स्यते	तौ रोत्स्येते	ते रोत्स्यन्ते
लृट्—	म त्वं रोत्स्यसे	युवां रोत्स्येथे	यूयं रोत्स्यध्वे
	उ अहं रोत्स्ये	आवां रोत्स्यावहे	वयं रोत्स्यामहे
	प्र. स रुधां	तौ रुधातां	ते रुधतां
लोट्—	म त्वं रुत्स्व	युवां रुधाथां	यूयं रुध्वं
	उ अहं रुणधै	आवां रुणधावहै	वयं रुणधामहै
	प्र स अरुध	तौ अरुधातां	ते अरुंधत
लङ्—	म त्वं अरुधाः	युवां अरुधाथां	यूयं अरुध्वं
	उ अहं अरुधि	आवां अरुध्वहि	वयं अरुध्महि
	प्र. स रुधीत	तौ रुधीयातां	ते रुधीरन्
प्रे०	म त्वं रुधीथाः	युवां रुधीयाथां	यूयं रुधीध्वं
लिङ्—	उ अहं रुधीय	आवां रुधीवहि	वयं रुधीमहि

	प्र सः रुत्सीष्ट	तौ रुत्सीयास्तां	ते रुत्सीरन्
आ०	म. त्वं रुत्सीष्ठाः	युवां रुत्सीयास्थां	यूयं रुत्सीध्वं
लिङ्–उ.	अहं रुत्सीय	आवां रुत्सीवहि	वयं रुत्सीमहि
	प्र. सः अरुद्ध	तौ अरुत्सातां	ते अरुत्सत
लुङ्–	म. त्वं अरुद्धाः	युवां अरुत्साथां	यूयं अरुध्वं
	उ. अहं अरुत्सि	आवां अरुत्स्वहि	वयं अरुत्स्महि
	प्र. सः अरोत्स्यत	तौ अरोत्स्येतां	ते अरोत्स्यन्त
लृङ्–	म. त्वं अरोत्स्यथाः	युवां अरोत्स्येथां	यूयं अरोत्स्यध्वं
	उ. अहं अरोत्स्ये	आवां अरोत्स्यावहि	वयं अरोत्स्यामहि

अष्टमगणस्थ तन् (फैलाना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र सः तनोति	तौ तनुतः	ते तन्वन्ति
लट्–	म. त्वं तनोषि	युवां तनुथः	यूयं तनुथ
	उ. अहं तनोमि	आवां तनुवः,तन्वः	वयं तनुमः,तन्मः
	प्र. सः ततान	तौ तेनतुः	ते तेनुः
लिट्–	म. त्वं तेनिथ	युवां तेनथुः	यूयं तेन
	उ. अहं ततान,ततन	आवां तेनिव	वयं तेनिम
	प्र सः तनिता	तौ तनितारौ	ते तनितारः
लुट्–	म. त्वं तनितासि	युवां तनितास्थः	यूयं तनितास्थ
	उ. अहं तनितास्मि	आवां तनितास्वः	वयं तनितास्मः
	प्र सः तनिष्यति	तौ तनिष्यतः	ते तनिष्यन्ति
लृट्–	म त्वं तनिष्यसि	युवां तनिष्यथः	यूयं तनिष्यथ
	उ. अहं तनिष्यामि	आवां तनिष्यावः	वयं तनिष्यामः
	प्र. सः तनोतु तनुतात्	तौ तनुतां	ते तन्वन्तु
लोट्–	म. त्वं तनु, तनुतात्	युवां तनुतं	यूयं तनुत
	उ. अहं तनवानि	आवां तनवाव	वयं तनवाम
	प्र. सः अतनोत्	तौ अतनुतां	ते अतन्वन्
लङ्–	म. त्वं अतनोः	युवां अतनुतं	यूयं अतनुत
	उ. अहं अतनवं	आवां अतनुव,अतन्व	वयं अतनुम,अतन्म

	प्र. सः तनुयात्	तौ तनुयातां	ते तनुयुः	
०	म. त्वं तनुयाः	युवां तनुयातं	यूयं तनुयात	
ङ्–	उ. अहं तनुयां	आवां तनुयाव	वयं तनुयाम	
	प्र. सः तन्यात्	तौ तन्यास्तां	ते तन्यासुः	
ना०	म. त्वं तन्याः	युवां तन्यास्तं	यूयं तन्यास्त	
ङ्–	उ. अहं तन्यास	आवां तन्यास्व	वयं तन्यास्म	
	प्र. सः अता(त)नीत्	तौ अता(त)निष्टां	ते अता(त)निषुः	
ङ्–	म. त्वं अता(त)नीः	युवां अता(त)निष्ट	यूयं अता(त)निष्ट	
	उ. अहं अता(त)निषं	आवां अता(त)निष्व	वयं अता(त)निष्म	
	प्र. सः अतनिष्यत्	तौ अतनिष्यतां	ते अतनिष्यन्	
ङ्	म. त्वं अतनिष्यः	युवां अतनिष्यत	यूयं अतनिष्यत	
	उ. अहं अतनिष्य	आवां अतनिष्याव	वयं अतनिष्याम	

अष्टमगणस्थ तन् (फैलाना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः तनुते	तौ तन्वाते	ते तन्वते
लट्–	म. त्वं तनुषे	युवां तन्वाथे	यूयं तनुध्वे
	उ. अहं तन्वे	आवां तनुवहे,तन्वहे	वयं तनुमहे तन्महे
	प्र. सः तेने	तौ तेनाते	ते तेनिरे
लिट्–	म. त्वं तेनिषे	युवां तेनाथे	यूयं तेनिध्वे
	उ. अहं तेने	आवां तेनिवहे	वयं तेनिमहे
	प्र. सः तनिता	तौ तनितारौ	ते तनितारः
लुट्–	म. त्वं तनितासे	युवां तनितासाथे	यूयं तनिताध्वे
	उ. अहं तनिताहे	आवां तनितास्वहे	वयं तनितास्महे
	प्र. सः तनिष्यते	तौ तनिष्येते	ते तनिष्यंते
लृट्–	म. त्वं तनिष्यसे	युवां तनिष्येथे	यूयं तनिष्यध्वे
	उ. अहं तनिष्ये	आवां तनिष्यावहे	वयं तनिष्यामहे
	प्र. सः तनुतां	तौ तन्वातां	ते तन्वतां
लोट्–	म. त्वं तनुष्व	युवां तन्वाथां	यूयं तनुध्वं
	उ. अहं तनवै	आवां तनवावहै	वयं तनवामहै

	प्र. सः	अतनुत	तौ	अतन्वता	ते	अतन्वत
लङ्—	म. त्व	अतनुथाः	युवां	अतन्वाथा	यूय	अतनुध्व
	उ. अह	अतन्वि	आवा	अतनुवहि अतन्वहि	वय	अतनुमहि अतन्महि
	प्र. सः	तन्वीत	तौ	तन्वीयातां	ते	तन्वीरन्
प्रे०	म. त्व	तन्वीथाः	युवा	तन्वीयाथा	यूय	तन्वीध्व
लिङ्—	उ. अह	तन्वीय	आवा	तन्वीवहि	वयं	तन्वीमहि
	प्र. सः	तनिषीष्ट	तौ	तनिषीयास्ता	ते	तनिषीरन्
आ०	म. त्व	तनिषीष्ठा.	युवां	तनिषीयास्थां	यूय	तनिषीध्व
लिङ्—	उ. अह	तनिषीय	आवां	तनिषीवहि	वय	तनिषीमहि
	प्र सः	अतत,अतनिष्ट	तौ	अतनिषातां	ते	अतनिषत
लुङ्—	म. त्व	अतथाः, अतनिष्ठाः	युवां	अतनिषाथां	यूय	अतनिध्व, अतनिड्ढ
	उ. अह	अतनिषि	आवां	अतनिष्वहि	वय	अतनिष्महि
	प्र. सः	अतनिष्यत	तौ	अतनिष्येतां	ते	अतनिष्यत
लृङ्—	म. त्व	अतनिष्यथाः	युवा	अतनिष्येथां	यूय	अतनिष्यध्व
	उ. अह	अतनिष्ये	आवा	अतनिष्यावहि	वय	अतनिष्यामहि

नवमगणस्थ क्री (खरीदना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र. सः	क्रीणाति	तौ	क्रीणीतः	ते	क्रीणति
लट्—	म. त्व	क्रीणासि	युवा	क्रीणीथः	यूय	क्रीणीथ
	उ. अह	क्रीणामि	आवा	क्रीणीवः	वय	क्रीणीमः
	प्र. स	चिक्राय	तौ	चिक्रियतुः	ते	चिक्रियुः
लिट्—	म. त्व	चिक्रयिथ, चिक्रेथ	युवां	चिक्रियथुः	यूय	चिक्रिय
	उ. अह	चिक्राय,चिक्रय	आवा	चिक्रियिव	वय	चिक्रियिम
	प्र. सः	क्रेता	तौ	क्रेतारौ	ते	क्रेतारः
लुट्—	म त्व	क्रेतासि	युवां	क्रेतास्थः	यूय	क्रेतास्थ
	उ. अह	क्रेतास्मि	आवां	क्रेतास्वः	वय	क्रेतास्मः

	प्र. स क्रेष्यति	तौ क्रेष्यतः	ते क्रेष्यन्ति
लृट्–	म त्वं क्रेष्यसि	युवां क्रेष्यथः	यूयं क्रेष्यथ
	उ. अहं क्रेष्यामि	आवां क्रेष्यावः	वयं क्रेष्यामः
	प्र सः क्रीणातु क्रीणातात्	तौ क्रीणीतां	ते क्रीणन्तु
लोट्–	म त्वं क्रीणीहि- क्रीणीतात्	युवां क्रीणीतं	यूयं क्रीणीत
	उ अहं क्रीणानि	आवां क्रीणाव	वयं क्रीणाम
	प्र स अक्रीणात्	तौ अक्रीणीतां	ते अक्रीणन्
लङ्–	म त्वं अक्रीणाः	युवां अक्रीणीतं	यूयं अक्रीणीत
	उ अहं अक्रीणां	आवां अक्रीणीव	वयं अक्रीणीम
	प्र स क्रीणीयात्	तौ क्रीणीयातां	ते क्रीणीयुः
प्रे०	म त्वं क्रीणीयाः	युवां क्रीणीयातं	यूयं क्रीणीयात
लिङ्–	उ अहं क्रीणीयां	आवां क्रीणीयाव	वयं क्रीणीयाम
	प्र. स क्रीयात्	तौ क्रीयास्तां	ते क्रीयासुः
आशी-	म त्वं क्रीयाः	युवां क्रीयास्तं	यूयं क्रीयास्त
लिङ्–	उ अहं क्रीयासं	आवां क्रीयास्व	वयं क्रीयास्म
	प्र. स अक्रैषीत्	तौ अक्रैष्टां	ते अक्रैषुः
लुङ्–	म त्वं अक्रैषीः	युवां अक्रैष्टं	यूयं अक्रैष्ट
	उ. अहं अक्रैषं	आवां अक्रैष्व	वयं अक्रैष्म
	प्र स अक्रेष्यत्	तौ अक्रेष्यतां	ते अक्रेष्यन्
लृङ्–	म त्वं अक्रेष्यः	युवां अक्रेष्यतं	यूयं अक्रेष्यत
	उ अहं अक्रेष्यं	आवां अक्रेष्याव	वयं अक्रेष्याम

नवमगणस्थ आत्मनेपदी पू (पवित्र करना) धातुके
लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र सः पुनीते	तौ पुनाते	ते पुनते
लट्–	म त्वं पुनीषे	युवां पुनाथे	यूयं पुनीध्वे
	उ अहं पुने	आवां पुनीवहे	वयं पुनीमहे

	प्र. सः पुपुवे	तौ पुपुवाते	ते पुपुविरे
लिट्–	म. त्व पुपुविषे	युवां पुपुवाथे	यूयं पुपुविढ्वे(ध्वे)
	उ. अह पुपुवे	आवां पुपुविवहे	वय पुपुविमहे
	प्र. स. पविता	तौ पवितारौ	ते पवितारः
लुट्–	म त्व पवितासे	युवां पवितासाथे	यूय पविताध्वे
	उ अह पविताहे	आवां पवितास्वहे	वय पवितास्महे
	प्र. सः पविष्यते	तौ पविष्येते	ते पविष्यते
लृट्–	म. त्व पविष्यसे	युवां पविष्येथे	यूय पविष्यध्वे
	उ. अहं पविष्ये	आवां पविष्यावहे	वय पविष्यामहे
	प्र. सः पुनीतां	तौ पुनातां	ते पुनतां
लोट्–	म. त्व पुनीष्व	युवां पुनाथां	यूय पुनीध्व
	उ. अह पुनै	आवां पुनावहै	वय पुनामहै
	प्र. सः अपुनीत	तौ अपुनातां	ते अपुनत
लङ्–	म त्व अपुनीथाः	युवां अपुनाथां	यूय अपुनीध्व
	उ. अह अपुनि	आवां अपुनीवहि	वय अपुनीमहि
	प्र स. पुनीत	तौ पुनीयातां	ते पुनीरन्
प्रे०	म. त्व पुनीयाः	युवां पुनीयाथां	यूय पुनीध्व
लिङ्–	उ. अह पुनीय	आवां पुनीवहि	वय पुनीमहि
	प्र. स' पविषीष्ट	तौ पविषीयास्तां	ते पविषीरन्
आशी	म. त्व पविषीष्ठाः	युवां पविषीयास्थां	यूय पविषीढ्ढ (ध्व)
लिंङ्–	उ. अह पविषीय	आवां पविषीवहि	वय पविषीमहि
	प्र स' अपविष्ट	तौ अपविषातां	ते अपविषत
लुङ्–	म. त्व अपविष्ठाः	युवां अपविषाथां	यूय अपविढ्ढ (ध्वं)
	उ. अह अपविषि	आवां अपविष्वहि	वयं अपविष्महि
	प्र सः अपविष्यत	तौ अपविष्येतां	ते अपविष्यत
लृङ्–	म. त्व अपविष्यथाः	युवां अपविष्येथां	यूय अपविष्यध्व
	उ अह अपविष्ये	आवां अपविष्यावहि	वयं अपविष्यामहि

दशमगणस्थ चुर् (चोरना) धातुके लट् आदि
दश लकारोंके रूप.

	प्र. स	चोरयति	तौ	चोरयतः	ते	चोरयन्ति
लट्-	म त्वं	चोरयसि	युवां	चोरयथः	यूयं	चोरयथ
	उ अहं	चोरयामि	आवां	चोरयावः	वयं	चोरयामः
	प्र. स	चोरयामास	तौ	चोरयामासतुः	ते	चोरयामासुः
लिट्-	म त्वं	चोरयामासिथ	युवां	चोरयामासथुः	यूयं	चोरयामास
	उ अहं	चोरयामास	आवां	चोरयामासिव	वयं	चोरयामासिम
	प्र स	चोरयिता	तौ	चोरयितारौ	ते	चोरयितारः
लुट्-	म त्वं	चोरयितासि	युवां	चोरयितास्थः	यूयं	चोरयितास्थ
	उ अहं	चोरयितास्मि	आवां	चोरयितास्वः	वयं	चोरयितास्मः
	प्र स	चोरयिष्यति	तौ	चोरयिष्यतः	ते	चोरयिष्यन्ति
लृट्-	म त्वं	चोरयिष्यसि	युवां	चोरयिष्यथः	यूयं	चोरयिष्यथ
	उ अहं	चोरयिष्यामि	आवां	चोरयिष्यावः	वयं	चोरयिष्यामः
	प्र स	चोरयतु चोरयतात्	तौ	चोरयतां	ते	चोरयन्तु
लोट्-	म त्वं	चोरय चोरयतात्	युवां	चोरयतं	यूयं	चोरयत
	उ अहं	चोरयाणि	आवां	चोरयाव	वयं	चोरयाम
	प्र स	अचोरयत्	तौ	अचोरयतां	ते	अचोरयन्
लङ्-	म त्वं	अचोरयः	युवां	अचोरयतं	यूयं	अचोरयत
	उ अहं	अचोरयं	आवां	अचोरयाव	वयं	अचोरयाम
	प्र स	चोरयेत्	तौ	चोरयेतां	ते	चोरयेयुः
प्रे०	म त्वं	चोरयेः	युवां	चोरयेतं	यूयं	चोरयेत
लिङ्-	उ अहं	चोरयेयं	आवां	चोरयेव	वयं	चोरयेम
	प्र स	चोर्यात्	तौ	चोर्यास्तां	ते	चोर्यासुः
आशी	म त्वं	चोर्याः	युवां	चोर्यास्तं	यूयं	चोर्यास्त
लिङ्-	उ अहं	चोर्यासं	आवां	चोर्यास्व	वयं	चोर्यास्म

	प्र	स	अचूचुरत्	तौ	अचूचुरतां	ते	अचूचुरन्
लुङ्–	म	त्व	अचूचुर	युवां	अचूचुरत	यूय	अचूचुरत
	उ	अह	अचूचुर	आवां	अचूचुराव	वय	अचूचुराम

	प्र.	स	अचोरयिष्यत्	तौ	अचोरयिष्यतां	ते	अचोरयिष्यन्
लृङ्–	म	त्व	अचोरयिष्य	युवां	अचोरयिष्यत	यूय	अचोरयिष्यत
	उ	अहं	अचोरयिष्य	आवां	अचोरयिष्याव	वय	अचोरयिष्याम

दशमगणस्य ताड् (मारना) धातुके लट् आदि दश लकारोंके रूप.

	प्र	स	ताडयते	तौ	ताडयेते	ते	ताडयंते
लट्–	म	त्व	ताडयसे	युवां	ताडयेथे	यूय	ताडयध्वे
	उ	अह	ताडये	आवां	ताडयावहे	वय	ताडयामहे

	प्र	स	ताडयांचक्रे	तौ	ताडयांचक्राते	ते	ताडयांचक्रिरे
लिट्–	म	त्व	ताडयाचकृपे	युवां	ताडयांचक्राथे	यूय	ताडयांचकृढ्वे
	उ	अह	ताडयांचक्रे	आवां	ताडयांचकृवहे	वय	ताडयांचकृमहे

	प्र.	स	ताडयिता	तौ	ताडयितारौ	ते	ताडयितार
लुट्–	म	त्व	ताडयितासे	युवां	ताडयितासाथे	यूय	ताडयिताध्वे
	उ	अह	ताडयिताहे	आवां	ताडयितास्वहे	वय	ताडयितास्महे

	प्र	स	ताडयिष्यते	तौ	ताडयिष्येते	ते	ताडयिष्यते
लृट्–	म	त्व	ताडयिष्यसे	युवां	ताडयिष्येथे	यूय	ताडयिष्यध्वे
	उ	अह	ताडयिष्ये	आवां	ताडयिष्यावहे	वय	ताडयिष्यामहे

	प्र	स.	ताडयतां	तौ	ताडयेतां	ते	ताडयतां
लोट्–	म	त्व	ताडयस्व	युवां	ताडयेथां	यूय	ताडयध्व
	उ	अह	ताडयै	आवां	ताडयावहै	वय	ताडयामहै

	प्र.	स	अताडयत	तौ	अताडयेतां	ते	अताडयत
लङ्–	म	त्व	अताडयथा	युवां	अताडयेथां	यूय	अताडयध्व
	उ	अह	अताडये	आवां	अताडयावहि	वय	अताडयामहि

	प्र० स	ताडयेत	तौ ताडयेयातां	ते ताडयेरन्
वि०	म त्व	ताडयेथा	युवां ताडयेयाथां	यूय ताडयेध्व
लिङ्-	उ अह	ताडयेय	आवां ताडयेवहि	वय ताडयेमहि
	प्र. स	ताडयिषीष्ट	तौ ताडयिषीयास्तां	ते ताडयिषीरन्
आशी	म त्व	ताडयिषीष्ठा	युवां ताडयिषीयास्थां	यूय ताडयिषीढ्वं ध्व
र्लिङ्-	उ अह	ताडयिषीय	आवां ताडयिषीवहि	वय ताडयिषीमही
	प्र स	अतीतडत	तौ अतीतडेतां	ते अतीतडत
लुङ्-	म त्व	अतीतडथा	युवां अतीतडेथां	यूय अतीतडध्व
	उ अह	अतीतडे	आवां अतीतडावहि	वय अतीतडामहि
	प्र स	अताडयिष्यत	तौ अताडयिष्येतां	ते अताडयिष्यत
लृङ्-	म त्व	अताडयिष्यथा	युवां अताडयिष्येथां	यूय अताडयिष्यध्वं
	उ अह	अताडयिष्ये	आवां अताडयिष्यावहि	वय अताडयिष्यामहि

प्रथमगणस्थ उपयुक्त धातुओंके प्रथमपुरुषके एक वचनके रूप.

अङ्क् (चिह्न करना) धातुके रूप.

लट्-अङ्कते लङ्-आङ्कत लिट्-आनङ्के लुङ्-आङ्किष्ट लुट्-अङ्किता लृट्-अङ्किष्यते लोट्-अङ्कताम् विधिलिङ्-अङ्केत आशीर्लिङ्-आङ्किषीष्ट लृङ्-आङ्किष्यत कर्मणि लट्-अङ्क्यते णिच् लट्-अङ्कयति-ते सन्नन्त-अञ्चिकिषते

अक्ष् (फैलना) धातुके रूप.

लट्-अक्षति लङ्-आक्षत लिट्-आनक्ष लुङ्-आक्षीत, आक्षीत लुट्-अक्षिता, अष्टा लृट्-अक्षिष्यति, अक्ष्यति लोट्-अक्षतु वि० लिङ्-अक्षेत आ० लिङ्-अक्ष्यात् लृङ्-आक्षिष्यत, आक्ष्यत क लट्-अक्ष्यते णि० लट्-अक्षयति णिच् लुङ्-आचिक्षत स०-अचिक्षिपति.

अज् (जाना) धातुके रूप.

लट्-अजति लङ्-आजत लिट्-विवाय लुङ्-अवैषीत, आजीत लुट्-वेता, अजिता लृट्-वेष्यति, अजिष्यति लोट्-अजतु वि० लिङ्-

अजेत्. आ० लिङ्-वीयात् लृङ्-अवेष्यत्, आजिष्यत् क० लट्-वीयते णि० लट्-वाययति स०-अजिजिषति, विवीषति यङन्तलट्-वेवीयते

अद् (जाना) धातुके रूप.

लट्-अटति लङ्-आटत् लिट्-आट लुङ्-आटीत् लुट्-अटिता लृट्-अटिष्यति लोट्-अटतु. वि० लिङ्-अटेत् आ० लिङ्-अट्यात्. लृङ्-आटिष्यत् क० लट्-अट्यते णि० लट्-आटयति-ते स० लट्-अटिटिषति यङ् लट्-अटाट्यते, आट्टि, आटीति

अर्ह् (योग्य होना) धातुके रूप.

लट्-अर्हति लङ्-आर्हत् लिट्-आनर्ह लुङ्-आर्हीत् लुट्-अर्हिता. लृट्-अर्हिष्यति लोट्-अर्हतु वि० लिङ्-अर्हेत् लृङ्-आर्हिष्यत् क० लट्-अर्ह्यते णि० लट्-अर्हयति-ते स० लट्-अर्जिहिषति यङ् लट्-अर्हार्ह्यते

इ (जाना) धातुके रूप.

लट्-अयति लङ्-आयत् लिट्-इयाय लुङ्-ऐषीत् लुट्-एता लृट्-एष्यति लोट्-अयतु वि० लिङ्-अयेत् आ० लिङ्-ईयात् लृङ्-ऐष्यत्

ईक्ष् (देखना) धातुके रूप.

लट्-ईक्षते लङ्-ऐक्षत लिट्-ईक्षाञ्चकार लुङ्- ऐक्षिष्ट लुट्-ईक्षिता लृट्-ईक्षिष्यते लोट्-ईक्षताम् वि० लिङ्-ईक्षेत आ० लिङ्-ईक्षिषीष्ट, लृङ्-ऐक्षिष्यत क० लट्-ईक्ष्यते. णि० लट्-ईक्षयति स० लट्-ईचिक्षिषते.

ईर्ष्य् (ईर्ष्या करना) धातुके रूप.

लट्-ईर्ष्यति लङ्-ऐर्ष्यत् लिट्-ईर्ष्याञ्चके लुङ्-ऐर्ष्यीत् लुट्-ईर्ष्यिता. लृट्-ईर्ष्यिष्यति लोट्-ईर्ष्यतु वि० लिङ्-ईर्ष्येत् आ० लिङ्-ईर्ष्यात्. लृङ्-ऐर्ष्यिष्यत् क० लट्-ईर्ष्यते. णि० लट्-ईर्ष्ययति णि० लुङ्-ऐर्ष्ययत्, ऐर्षिष्यत. स० लट्-ईर्ष्यिषिषति, ईर्ष्यिषिषति

उ (शब्द करना) धातुके रूप.

लट्-अवते लङ्-आवत लिट्-ऊवे. लुङ् औष्ट. लुट्-ओता. लृट्-ओष्यते. लोट्-अवताम् वि० लिङ्-अवेत. आ० लिङ्-ओषीष्ट. लृङ्-औष्यत क० लट्-ऊयते. णि० लट्-आवयते स० लट्-ऊषिषते यङ् लट्-अवूयते.

उख् (जाना) धातुके रूप.

लट्-ओखति. लङ्-औखत्. लिट्-उवोख. लुङ्-औखीत्. लुट्-ओखिता. लृट्-ओखिष्यति. लोट्-ओखतु. वि० लिङ्-ओखेत्. आ० लिङ्-उख्यात्. लृङ्-औखिष्यत्. क० लट्-उख्यते. णि० लट्-ओखयति. स० लट्-ओचिखिषति.

ऊह् (कल्पना करना) धातुके रूप.

लट्-ऊहते. लङ्-औहत. लिट्-ऊहाञ्चक्रे. लुङ्-औहिष्ट. लुट्-ऊहिता. लृट्-ऊहिष्यते. लोट्-ऊहताम्. वि० लिङ्-ऊहेत. आ० लिङ्-ऊहिषीष्ट. लृङ्-औहिष्यत. क० लट्-ऊह्यते. णि० लट्-ऊहयते. स० लट्-ऊजिहिषते.

ऋ (जाना) धातुके रूप.

लट्-ऋच्छति. लङ्-आर्च्छत्. लिट्-आर. लुङ्-आर्षीत्. लुट्-अर्ता. लृट्-अरिष्यति. लोट्-ऋच्छतु. वि० लिङ्-ऋच्छेत्. आ० लिङ्-अर्यात्. लृङ्-आरिष्यत्. क० लट्-अर्यते. णि० लट्-अर्पयति. स० लट्-अरिरिषति. यङ् लट्-अरार्यते. अरर्ति, अरियर्ति, अरार्ति, अरर्यर्ति.

कमिष्यते. लोट्–कामयताम्. वि० लिङ्–कामयेत. आ० लिङ्–कामयिषीष्ट, कामिषीष्ट. लङ्–अकामयिष्यत, अकमिष्यत. क० लट्–काम्यते. क० लुङ्–अकामि. णि० लट्–कामयति. स० लट्–चिकामयिषते.

कित् (रोग दूर होना) धातुके रूप.

लट्–चिकित्सति. लङ्–अचिकित्सत. लिट्–चिकित्साञ्चकार. लुङ्–अचिकित्सीत. लुट्–चिकित्सिता. लृट्–चिकित्सिष्यति. लोट्–चिकित्सतु. वि० लिङ्–चिकित्सेत आ० लिङ्–चिकित्स्यात. लृङ्–अचिकित्सिष्यत.

कृप् (समर्थ होना) धातुके रूप.

लट्–कल्पते. लङ्–अकल्पत. लिट्–चक्लृपे. लुङ्–अक्लृपत, अकल्पिष्ट, अक्लृप्त. लुट्–कल्प्ता, कल्पिता. लृट्– कल्प्स्यते, कल्पिष्यते, कल्प्स्यति, कल्पिष्यति. लोट्–कल्पताम्. वि० लिङ्–कल्पेत. आ० लिङ्–कल्पिषीष्ट, क्लृप्सीष्ट. लृङ्–अकल्प्स्यत, अकल्प्स्यत, अकल्पिष्यत, अकल्पिष्यत. क० लट्–क्लृप्यते. णि० लट्–कल्पयति. स० लट्–चिकल्पिषते, चिक्लृप्सते.

क्रम् (जाना) धातुके रूप.

लट्–क्रामति, क्राम्यति, क्रमते, क्रम्यते. लङ्–अक्रामत, अक्राम्यत, अक्रमत, अक्रम्यत. लिट्–चक्राम, चक्रमे. लुङ्–अक्रमीत, अक्रंस्त. लुट्–क्रमिता, क्रन्ता. लृट्–क्रमिष्यति, क्रंस्यते. लोट्–क्रामतु, क्राम्यतु, क्रमताम्, क्रम्यताम्. वि० लिङ्–क्रामेत, क्राम्येत; क्रमेत, क्रम्येत. आ० लिङ्–क्रम्यात. क्रंसीष्ट. लृङ्–अक्रमिष्यत. अक्रंस्यत. क० लट्–क्रम्यते. णि० लट्–क्रमयति. णि० लुङ्–अचिक्रमत. स० लट्–चिक्रमिषति. यङ् लट्–चंक्रम्यते, चंक्रमीति, चंक्रन्ति.

क्रुश् (पुकारना) धातुके रूप.

लट्–क्रोशति. लङ्–अक्रोशत. लिट्–चुक्रोश. लुङ्–अक्रुक्षत. लुट्–क्रोष्टा. लृट्–क्रोक्ष्यति. लोट्–क्रोशतु. वि० लिङ्–क्रोशेत. आ० लिङ्–क्रुश्यात. लृङ्–अक्रोक्ष्यत. क० लट्–क्रुश्यते. णि०. लट्–क्रोशयति. णि० लुङ्–अचुक्रुशत. स० लट्–चुक्रुक्षति. यङ् लट्–चोक्रुश्यते, चोक्रोशीति, चोक्रोष्टि.

घ्रा (सूंघना) धातुके रूप.

लट्-जिघ्रति. लङ्-अजिघ्रत. लिट्-जघ्रौ. लुङ्-अघ्रात, अघ्रासीत. लुट्-घ्राता. लट्-घ्रास्यति लोट्-जिघ्रतु. वि० लिङ्-जिघ्रेत. आ० लिङ्-घ्रायात, घ्रेयात लङ्-अघ्रास्यत. क० लट्-घ्रायते. णि० लट्-घ्रापयति. णि० लुङ्-अजिघ्रपत, अजिघ्रिपत. स० लट्-जिघ्रासति य० लट्-जेघ्रीयते. जेघ्रीति, जेघ्रयीति.

चम् (खाना) धातुके रूप.

लट्-चमति. लङ्-अचमत लिट्-चचाम लुङ्-अचमीत लुट्-चमिता. लृट्-चमिष्यति लोट्-चमतु वि० लिङ्-चमेत. आ० लिङ्-चम्यात. लृङ्-अचमिष्यत. क० लट्-चम्यते णि० लट्-चामयति स० लट्-आचामिषति य० लट्-चञ्चम्यते.

चर् (जाना) धातुके रूप.

लट्-चरति. लङ्-अचरत लिट्-चचार. लुङ्-अचारीत. लुट्-चरिता. लृट्-चरिष्यति लोट्-चरतु वि० लिङ्-चरेत आ० लिङ्-चर्यात. लृङ्-अचरिष्यत क० लट्-चर्यते णि० लट्-चारयति स० लट्-चिचरिषति य० लट्-चञ्चूर्यते, चञ्चुरीति, चञ्चूर्ति.

च्युत् (चूना) धातुके रूप.

लट्-च्योतति लङ्-अच्योतत. लिट्-चुच्योत. लुङ्-अच्युतत, अच्योतीत. लुट्-च्योतिता. लृट्-च्योतिष्यति लोट्-च्योततु वि० लिङ्-च्योतेत. आ० लिङ्-च्युत्यात. लृङ्-अच्योतिष्यत. क० लट्-च्युत्यते णि० लट्-च्योतयति-ते. णि० लुङ्-अचुच्युतत, अचुच्यतत स० लट्-चुच्युतिषति, चुच्योतिषति य० लट्-चोच्युत्यते, चोच्युतीति, चोच्योत्ति.

जम्भ् (जम्हाई लेना) धातुके रूप.

लट्-जम्भते लङ्-अजम्भत. लिट्-जजम्भे. लुङ्-अजम्भिष्ट. लुट्-जम्भिता. लृट्-जम्भिष्यते. लोट्-जम्भताम् वि० लिङ्-जम्भेत आ० लिङ्-जम्भिषीष्ट. लृङ्-अजम्भिष्यत. क० लट्-जम्भ्यते णि० लट्-जम्भयति. स० लट्-जिजम्भिषते. य० लट्-जजम्भ्यते, जजम्भीति, जजम्भि.

जीव् (जीना) धातुके रूप.

लट्-जीवति लङ्-अजीवत. लिट्-जिजीव. लुङ्-अजीवीत. लुट्-

गाह् (जलमें धसना) धातुके रूप.

लट्-गाहते. लङ्-अगाहत. लिट्-जगाहे. लुङ्-अगाढ, अगाहिष्ट. लुट्-गाढा, गाहिता. लृट् घाक्ष्यते, गाहिष्यते लोट्-गाहताम्. वि० लिङ्-गाहेत. आ०लिङ्-घाक्षीष्ट, गाहिषीष्ट. लृङ्-अघाक्ष्यत, अगाहिष्यत. क० लट्-गाह्यते. णि० लट्-गाहयते. स० लट्-जगाहिषते. य० लट्-जागाह्यते

गुप् (रक्षण करना) धातुके रूप.

लट्-गोपायति. लङ्-अगोपायत. लिट्-गोपायाञ्चकार, जुगोप लुङ्-अगोपायीत, अगोपीत, अगौप्सीत. लुट्-गोपायिता, गोपिता, गोप्ता. लृट्-गोपायिष्यति, गोपिष्यति, गोप्स्यति. लोट्-गोपायतु. वि० लिङ्-गोपायेत आ० लिङ्-गोपाय्यात गोप्यात. लृङ्-अगोपायिष्यत, अगोपिष्यत, अगोप्स्यत. क० लट्-गुप्यते. णि० लट्-गोपाययति, गोपयति. णि० लुङ्-अजुगोपायत, अजूगुपत स० लट्-जुगोपायिषति, जुगुप्सति, जुगोपिषति. य० लट्-जोगुप्यते

गुप् (दोष लगाना) धातुके रूप.

लट्-जुगुप्सते लङ्-अजुगुप्सत. लिट्-जुगुप्साञ्चक्रे. लुङ्-अजुगुप्सिष्ट. लुट्-जुगुप्सिता. लृट्-जुगुप्सिष्यते. लोट्-जुगुप्सताम्. वि० लिङ्-जुगुप्सेत. आ० लिङ्-जुगुप्सिषीष्ट लृङ्-अजुगुप्सिष्यत क० लट्-जुगुप्स्यते. स० लट्-जुगुप्सिषते.

गृह (लेना) धातुके रूप.

लट्-गर्हते. लङ्-अगर्हत. लिट्-जगृहे. लुङ्-अगर्हिष्ट, अघृक्षत लुट्-गर्हिता, गर्ढा. लृट्-गर्हिष्यते, घृक्ष्यते. लोट्-गर्हताम्. वि० लिङ्-गर्हेत. आ० लिङ्-गर्हिषीष्ट. घृक्षीष्ट. लृङ्-अगर्हिष्यत, अघर्क्ष्यत क० लट्-गृह्यते णि० लट्-गर्हयति. स० लट्-जिगर्हिषते, जिघृक्षते य० लट्-जरीगृह्यते, जरीगर्हीति, जरीगर्ढि.'

घस् (खाना) धातुके रूप.

लट्-घसति लङ्-अघसत. लिट्-जघास लुट्-घस्ता. लृट्-घत्स्यति. लोट्-घसतु वि० लिङ्-घसेत. आ० लिङ्-घस्यात. लृङ्-अघत्स्यत. क० लट्-घस्यते क० लुट्-घस्ता. क० लृट्-घत्स्यते क० लृङ्-अघत्स्यत.

त्यज्यात्. लृङ्–अत्यक्षत्. क० लट्–त्यज्यते. णि० लट्–त्याजयति. स० लट्–तित्यक्षति. य० लट्–तात्यज्यते, तात्यजीति, तात्यक्ति.

दद् (देना) धातुके रूप.

लट्–ददते. लङ्–अददत. लिट्–ददते. लुङ्–अददिष्ट. लुट्–ददिता. लृट्–ददिष्यते. लोट्–ददताम्. वि० लिङ्–ददेत. आ० लिङ्–ददिषीष्ट. लृङ्–अददिष्यत. क० लट्–दद्यते. णि० लट्–दादयति–ते. स० लट्–दिददिषते. य० लट्–दादद्यते, दाददीति, दादत्ति.

दध् (धारण करना) धातुके रूप.

लट्–दधते. लङ्–अदधत. लिट्–देधे. लुङ्–अदधिष्ट. लुट्–दधिता. लृट्–दधिष्यते. लोट्–दधताम्. वि० लिङ्–दधेत. आ० लिङ्–दधिषीष्ट. लृङ्–अदधिष्यत. क० लट्–दध्यते णि० लट्–दाधयति–ते स० लट्–दिदधिषते, य० लट्–दादध्यते, दादधीति, दादद्धि.

दश् (डसना) धातुके रूप.

लट्–दशति लङ्–अदशत् लिट्–ददश. लुङ्–अदांक्षीत्. लुट्–दंष्टा. लृट्–दंक्ष्यति लोट्–दशतु. वि० लिङ्–दशेत् आ० लिङ्–दश्यात्. लृङ्–अदंक्ष्यत्. क० लट्–दश्यते णि०लट्–दंशयति. स० लट्–दिदंक्षति य० लट्–दंदश्यते दंदशीति, दंदष्टि.

दह (जलाना) धातुके रूप.

लट्–दहति लङ् अदहत्. लिट्–ददाह. लुङ्–अधाक्षीत्. लुट्–दग्धा. लृट्–धक्ष्यति. लोट्–दहतु. वि० लिङ्–दहेत्. आ० लिङ्–दह्यात्. लृङ्–अधक्ष्यत्. क० लट्–दह्यते. णि० लट्–दाहयति–ते. स० लट्–दिधक्षति य० लट्–दंदह्यते, दंदहीति, दंदग्धि.

दा (देना) धातुके रूप.

लट्–यच्छति. लङ्–अयच्छत्. लिट्–ददौ. लुङ्–अदात्. लुट्–दाता, लृट्–दास्यति. लोट्–यच्छतु. वि० लिङ्–यच्छेत्. आ० लिङ्–देयात्. लृङ्–अदास्यत्. क० लट्–दीयते. णि०लट्–दापयति. स० लट्–दित्सति. य० लट्–देदीयते, दादाति, दादेति.

दु (भागना) धातुके रूप.

लट्–दवति. लङ्–अदवत्. लिट्–दुदाव. लुङ्–अदावीत्, अदोषीत्.

जीविता. लट्–जीविष्यति. लोट्–जीवतु. वि० लिङ्–जीवेत्. आ० लिङ्–जीव्यात्. लङ्–अजीविष्यत्. क० लट्–जीव्यते. णि० लट्–जीवयति. णि० लुङ्–अजिजीवत्, अजीजिवत्. स० लट्–जिजीविषति. य० लट्–जेजीव्यते.

ज्वर् (ज्वर आना) धातुके रूप.

लट्–ज्वरति. लङ्–अज्वरत्. लिट्–जज्वार. लुङ्–अज्वारीत् लुट्–ज्वरिता. लट्–ज्वरिष्यति. लोट्–ज्वरतु. वि० लिङ्–ज्वरेत्. आ० लिङ्–ज्वर्य्यात् लङ्–अज्वरिष्यत्. क० लट्–ज्वर्य्यते. णि० लट्–ज्वरयति णि० लुङ्–अजिज्वरत् स० लट्–जिज्वरिषति. य० लट्–जाज्वर्य्यते, जाज्वरीति, जाज्वर्त्ति.

ढौक् (जाना) धातुके रूप.

लट्–ढौकते. लङ्–अढौकत. लिट्–डुढौके. लुङ्–अढौकिष्ट. लुट्–ढौकिता. लट्–ढौकिष्यते. लोट्–ढौकताम्. वि० लिङ् ढौकेत. आ० लिङ्–ढौकिषीष्ट. लङ्–अढौकिष्यत. क० लट्–ढौक्यते णि० लट्–ढौकयति. स० लट्–डुढौकिषते. य० लट्–डोढौक्यते.

तिज् (क्षमा करना) धातुके रूप.

लट्–तितिक्षते. लङ्–अतितिक्षत. लिट्–तितिक्षाञ्चक्रे. लुङ्–अतितिक्षिष्ट. लुट्–तितिक्षिता. लट्–तितिक्षिष्यते. लोट्–तितिक्षताम्. वि०लिङ्–तितिक्षेत. आ० लिङ्–तितिक्षिषीष्ट. लङ्–अतितिक्षिष्यत.

तॄ (तैरना) धातुके रूप.

लट्–तरति–ते. लङ्–अतरत्, अतरत. लिट्–ततार, तेरे लुङ्–अतारीत्, अतीर्ष्ट, अतरिष्ट, अतरीष्ट. लुट्– तरिता, तरीता. लट्–तरिष्यति–ते. तरीष्यति–ते. लोट्–तरतु, तरताम् वि० लिङ्–तरेत्, तरेत आ० लिङ्–तीर्यात्, तारिषीष्ट, तरीषीष्ट, तीर्षीष्ट. लङ्–अतरिष्यत्–त, अतरीष्यत्–त. क० लट्–तीर्य्यते. णि० लट्–तारयति. स० लट्–तितरिषति, तितरीषति, तितीर्षति. य० लट्–तेतीर्यते, तातरीति, तातर्त्ति.

त्यज् (छोडना) धातुके रूप.

लट्–त्यजति. लङ्–अत्यजत्. लिट्–तत्याज लुङ्–अत्याक्षीत्. लुट्–त्यक्ता. लट्–त्यक्षति. लोट्–त्यजतु. वि० लिङ्–त्यजेत्. आ० लिङ्–

धोर्य्यात्. लृङ्–अचोरिष्यत्. क० लट्–चोर्य्यते. णि० लट्–चोरयति. णि० लुङ्–अचूचोरत्. स० लट्–चुचोरिषति. य० लट्–चोचोर्य्यते, चोचोरीति, चोचोर्त्ति.

ध्मा (फूंकना) धातुके रूप.

लट्–धमति. लङ्–अधमत्. लिट्–दध्मौ. लुङ्–अध्मासीत्. लुट्–ध्माता. लृट्–ध्मास्यति. लोट्–धमतु. वि० लिङ्–धमेत्. आ० लिङ्–ध्मेयात्, ध्मायात्. लृङ्–अध्मास्यत्. क० लट्–ध्मायते. णि० लट्–ध्मापयति. स० लट्–दिध्मासति. य० लट्–देध्मीयते, दाध्मेति, दाध्माति.

नम् (नमस्कार करना) धातुके रूप.

लट्–नमति. लङ्–अनमत्. लिट्–ननाम. लुङ्–अनंसीत्. लुट्–नन्ता. लृट्–नंस्यति. लोट्–नमतु. वि० लिङ्–नमेत्. आ० लिङ्–नम्यात्. लृङ्–अनंस्यत्. क० लट्–नम्यते. णि० लट्–नमयति, नामयति. स० लट्–निनंसति. य० लट्–नंनम्यते, ननमीति, नंनन्ति.

निन्द् (निंदा करना) धातुके रूप.

लट्–निन्दति. लङ्–अनिन्दत्. लिट्–निनिन्द. लुङ्–अनिन्दीत्. लुट्–निन्दिता. लृट्–निन्दिष्यति. लोट्–निन्दतु. वि० लिङ्–निन्देत्. आ० लिङ्–निन्द्यात्. लृङ्–अनिन्दिष्यत्. क० लट्–निन्द्यते. णि० लट्–निन्दयति. स० लट्–निनिन्दिषति. य० लट्–नेनिन्द्यते.

नी (ले जाना) धातुके रूप.

लट्–नयति–ते. लङ्–अनयत्. अनयत. लिट्–निनाय. लुङ्–अनैषीत्, अनैष्ट. लुट्–नेता. लृट्–नेष्यति–ते. लोट्–नयतु, नयताम्. वि० लिङ्–नयेत्, नयेत. आ० लिङ्–नीयात्, नेषीष्ट. लृङ्–अनेष्यत्–त. क० लट्–नीयते. णि० लट्–नाययति–ते. स० लट्–निनीषति–ते. य० लट्–नेनीयते, नेनयीति, नेनेति.

पच् (पकाना) धातुके रूप.

लट्–पचति–ते. लङ्–अपचत्–त. लिट्–पपाच, पेचे. लुङ्–अपाक्षीत्, अपक्त. लुट्–पक्ता. लृट्–पक्ष्यति–ते. लोट्–पचतु–ताम्. वि० लिङ्–पचेत्–त. आ० लिङ्–पच्यात्, पक्षीष्ट. लृङ्–अपक्ष्यत्–त. क० लट्–

लुट्-दोता. लट्-दोष्यति. लोट्-दवतु. वि० लिङ्-दवेत्. आ० लिङ्-दूयात्. लङ्-अदोष्यत्. क० लट्-दूयते. णि० लट्-दावयति. स० लट्-दुदूषति. य० लट्-दोदूयते, दोदवीति, दोदोति.

दृश् (देखना) धातुके रूप.

लट्-पश्यति. लङ्-अपश्यत्. लिट्-ददर्श. लुङ्-अदर्शत्, अद्राक्षीत् लुट्-द्रष्टा. लृट्-द्रक्ष्यति. लोट्-पश्यतु. वि० लिङ्-पश्येत्. आ० लिङ्-दृश्यात्. लृङ्-अद्रक्ष्यत्. क० लट्-दृश्यते. णि० लट्-दर्शयति. णि० लुङ्-अदीदृशत्, अददर्शत्. स० लट्-दिदृक्षते. य० लट्-दरीदृश्यते, दरिदृशीति, दर्दर्ष्टि.

द्युत् (चमकना) धातुके रूप.

लट्-द्योतते. लङ्-अद्योतत. लिट्-दिद्युते, लुङ्-अद्युतत्, अद्योतिष्ट लुट्-द्योतिता. लृट्-द्योतिष्यते. लोट्-द्योतताम्. वि० लिङ्-द्योतेत. आ० लिङ्-द्योतिषीष्ट. लृङ्-अद्योतिष्यत. क० लट्-द्युत्यते. णि० लट्-द्योतयति. स० लट्-दिद्युतिषते, दिद्योतिषते. य० लट्-देद्युत्यते, देद्युतीति, देद्योत्ति.

द्रु (भागना धातुके रूप.

लट्-द्रवति. लङ्-अद्रवत्. लिट्-दुद्राव. लुङ्-अदुद्रुवत्. लुट्-द्रोता. लृट्-द्रोष्यति. लोट्-द्रवतु. वि० लिङ्-द्रवेत्. आ० लिङ्-द्रूयात्. लृङ्-अद्रोष्यत् क० लट्-द्रूयते. णि० लट्-द्रावयति. णि० लुङ्-अदुद्रवत्, अदुद्रुवत्. स० लट्-दुद्रूषति. य० लट्-दोद्रूयते, दोद्रवीति, दोद्रोति.

धा (पीना) धातुके रूप.

लट्-धयति. लङ् अधयत्. लिट्-दधौ. लुङ्-अदधत्, अधात्, अधासीत्. लुट्-धाता. लृट्-धास्यति. लोट्-धयतु. वि० लिङ्-धयेत्. आ० लिङ्-धेयात्. लृङ्-अधास्यत्. क० लट्-धीयते. णि० लट्-धापयति-ते. णि० लुङ्-अदीधपत्-त. स० लट्-धित्सति. य० लट्-देधीयते, दाधेति, दाधाति.

धोर् (दौडना) धातुके रूप.

लट्-धोरति. लङ्-अधोरत्. लिट्-दुधोर. लुङ्-अधोरीत्. लुट्-धोरिता. लृट्-धोरिष्यति. लोट्-धोरतु. वि० लिङ्-धोरेत्. आ० लिङ्-

बीभत्सेत. आ० लिङ्-बीभत्सिषीष्ट. लृङ्-अबीभत्सिष्यत. क० लट्-बीभत्स्यते. णि० लट्-बीभत्सयते.

बुध् (जानना) धातुके रूप.

लट्-बोधति-ते. लङ्-अबोधत्-त. लिट्-बुबोध, बुबुधे. लुङ्-(बुध् धातुका) अबोधीत्. (बुधिर् धातुका) अबोधीत्, अबुधत्, अबोधि, अबोधिष्ट. लुट्-बोधिता. लृट्-बोधिष्यति-ते. लोट्-बोधतु. बोधताम्. वि० लिङ्-बोधेत्-त. आ० लिङ्-बुध्यात्, बोधिष्ट. लृङ्-अबोधिष्यत्-त. क० लट्-बुध्यते. णि० लट्-बोधयति. (बुधिर् धातुका) बोधयति-ते. स० लट्-बुबुत्सति. य० लट्-बोबुध्यते, बोबुधीति, बोबोद्धि.

भृ (भरना) धातुके रूप.

लट्-भरति-ते. लङ्-अभरत्-त. लिट्-बभार, बभ्रे. लुङ्-अभार्षीत्, अभृत. लुट्-भर्त्ता. लृट्-भरिष्यति-ते. लोट्-भरतु-ताम्. वि० लिङ्-भरेत्-त आ० लिङ्-भ्रियात्, भृषीष्ट. लृङ्-अभरिष्यत्-त. क० लट्-भ्रियते. णि० लट्-भारयति. णि० लुङ्-अबीभरत्. स० लट्-बिभरिषति-ते, बुभूर्षति-ते. य० लट्-बेभ्रीयते, बर्भर्ति, बरिभर्ति, बरीभर्ति.

भ्रम (घूमना) धातुके रूप.

लट्-भ्रमति, भ्राम्यति. लङ्-अभ्रमत्, अभ्राम्यत्. लिट्-बभ्राम. लुङ्-अभ्रमीत्. लुट्-भ्रमिता. लृट्-भ्रमिष्यति लोट्-भ्रमतु, भ्राम्यतु. वि० लिङ्-भ्रमेत्, भ्राम्येत्. आ० लिङ्-भ्रम्यात्. लृङ्-अभ्रमिष्यत्. क० लट्-भ्रम्यते. णि० लट्-भ्रमयति णि० लुङ्-अबिभ्रमत्. स० लट्-बिभ्रमिषति. य० लट्-बंभ्रम्यते, बंभ्रमीति, बभ्रन्ति.

मन्थ् (मथना) धातुके रूप.

लट्-मन्थति. लङ्-अमन्थत् लिट्-ममन्थ. लुङ्-अमन्थीत्. लुट्-मन्थिता. लृट्-मन्थिष्यति. लोट्-मन्थतु. वि० लिङ्-मन्थेत्. आ० लिङ्-मथ्यात् लृङ्-अमन्थिष्यत्. क० लट्-मथ्यते. णि० लट्-मन्थयति-ते. स० लट्-मिमन्थिषति. य० लट्-मामथ्यते, मामन्थीति, मामन्ति.

मच्य् (बांधना) धातुके रूप.

लट्-मच्यति. लङ्-अमच्यत्. लिट्-ममच्य. लुङ्-अमच्यीत्. लुट्-मच्यिता. लृट्-मच्यिष्यति लोट्-मच्यतु वि० लिङ्-मच्येत् आ० लिङ्-

पच्यते. णि० लट्-पाचयति-ते. णि० लुङ्-अपीपचत्. स० लट्-पिपक्षति-ते य० लट्-पापच्यते, पापचीति, पापक्ति.

पत् (गिरना) धातुके रूप.

लट्-पतति. लङ्-अपतत्. लिट्-पपात. लुङ्-अपप्तत्. लुट्-पतिता. लृट्-पतिष्यति. लोट्-पततु. वि० लिङ्-पतेत्. आ० लिङ्-पत्यात्. लृङ्-अपतिष्यत्. क० लट्-पत्यते. णि० लट्-पातयति. स० लट्-पिपतिषति. पित्सति. य० लट्-पनीपत्यते, पनीपतीति, पनीपत्ति.

पा (पीना) धातुके रूप.

लट्-पिबति. लङ्-अपिबत्. लिट्-पपौ. लुङ्-अपात्. लुट्-पाता. लृट्-पास्यति लोट्-पिबतु. वि० लिङ्-पिबेत्. आ० लिङ्-पेयात्. लृङ्-अपास्यत्. क०/लट्-पीयते. णि० लट्-पाययति-ते. स० लट्-पिपासति. य० लट्-पेपीयते, पापेति, पापाति.

प्याय् (बढना) धातुके रूप.

लट्-प्यायते. लङ्-अप्यायत. लिट्-पिप्ये. लुङ्-अप्यायि, अप्यायिष्ट. लुट्-प्यायिता. लृट्-प्यायिष्यते. लोट्-प्यायताम्. वि० लिङ्-प्यायेत. आ० लिङ्-प्यायिषीष्ट. लृङ्-अप्यायिष्यत. क० लट्-प्याय्यते. णि० लट्-प्याययते.

फण् (पहुँचना) धातुके रूप.

लट्-फणति. लङ्-अफणत्. लिट्-पफाण. लुङ्-अफणीत्, अफाणीत्. लुट्-फणिता. लृट्-फणिष्यति. लोट्-फणतु. वि० लिङ्-फणेत्. आ० लिङ्-फण्यात्. लृङ्-अफणिष्यत्. क० लट्-फण्यते, णि० लट्-फणयति. स० लट्-पिफणिषति. य० लट्-पंफण्यते, पफणीति, पंफण्टि.

फल् (फलना) धातुके रूप.

लट्-फलति. लङ्-अफलत्.. लिट्-पफाल. लुङ्-अफालीत्. लुट्-फलिता. लृट्-फलिष्यति. लोट्-फलतु. वि० लिङ्-फलेत्. आ० लिङ्-फल्यात्. लृङ्-अफलिष्यत्. क० लट्-फल्यते. णि० लट्-फालयति. स० लट्-पिफलिषति य० लट्-पंफुल्यते, पफुलीति, पफुल्ति.

बंध् (निंदा करना) धातुके रूप.

लट्-बीभत्सते लङ्-अबीभत्सत. लिट्-बीभत्साञ्चक्रे. लुङ्-अबीभत्सिष्ट. लुट्-बीभत्सिता. लृट्-बीभत्सिष्यते. लोट्-बीभत्सताम्. वि० लिङ्-

यम् (नियमन करना) धातुके रूप.

लट्-यच्छति. लङ्-अयच्छत्. लिट्-ययाम. लुङ्-अयसीत्. लुट्-यन्ता. लृट्-यंस्यति. लोट्-यच्छतु वि० लिङ्-यच्छेत्. आ० लिङ्-यम्यात्. लृङ्-अयस्यत्. क० लट्-यम्यते णि० लट्-यामयति, यमयति. स० लट्-यियंसति. य० लट्-यंयम्यते, यंयमीति, यंयन्ति.

रञ्ज् (रंगाना) धातुके रूप.

लट्-रजति-ते लङ्-अरजत्-त. लिट्-रराज, ररञ्जे. लुङ्-अराङ्क्षीत्, अरङ्क्त. लुट्-रङ्क्ता. लृट्-रङ्क्ष्यति-ते लोट्-रजतु-ताम्. वि० लिङ्-रजेत्-त आ० लिङ्-रज्यात्, रङ्क्षीष्ट. लृङ्-अरङ्क्ष्यत्-त. क० लट्-रज्यते. णि० लट्-रञ्जयति, रजयति. स० लट्-रिरङ्क्षति-ते. य० लट्-रारज्यते, रारजीति.

रभ् (आरंभ करना) धातुके रूप.

लट्-आरभते. लङ्-आरभत. लिट्-आरेभे. लुङ्-आरब्ध. लुट्-आरब्धा. लृट्-आरप्स्यते. लोट्-आरभताम्. वि० लिङ्-आरभेत. आ० लिङ्-आरप्सीष्ट. लृङ्-आरप्स्यत. क० लट्-आरभ्यते. णि० लट्-आरम्भयति णि० लुङ्-आररम्भत. स० लट्-आरिप्सते. य० लट्-आरारभ्यते आरारभीति, आरारब्धि.

रम् (क्रीडा करना) धातुके रूप.

लट्-रमते. लङ्-अरमत. लिट्-रेमे. लुङ्-अरस्त. लुट्-रन्ता. लृट्-रंस्यते. लोट्-रमताम्. वि० लिङ्-रमेत. आ० लिङ्-रंसीष्ट. लृङ्-अरंस्यत. क० लट्-रम्यते णि० लट्-रमयति. णि० लुङ्-अरीरमत. स० लट्-रिरंसते. य० लट्-रंरम्यते, रंरमीति, रंरन्ति.

रुह् (बढना) धातुके रूप.

लट्-रोहति. लङ्-अरोहत. लिट्-रुरोह. लुङ्-अरुक्षत. लुट्-रोढा. लृट्-रोक्ष्यति. लोट्-रोहतु. वि० लिङ्-रोहेत्. आ० लिङ्-रुह्यात्. लृङ्-अरोक्ष्यत्, क० लट्-रुह्यते. णि० लट्-रोहयति, रोपयति. णि० लुङ्-अरूरुहत्, अरूरुपत्. स० लट्-रुरुक्षति. य० लट्-रोरुह्यते, रोरुहीति, रोरोढि.

लभ् (पाना) धातुके रूप.

लट्-लभते. लङ्-अलभत. लिट्-लेभे. लुङ्-अलब्ध. लुट्-लब्धा. लृट्-

मव्यात्, मव्यात्, लृङ्–अमव्यिष्यत्. क० लट्–मव्यते, मव्यते. णि० लट्–मव्ययति. स० लट्–मामव्यिषति. य० लट्–मामव्यते, मामव्यीति, मामाति.

मान् (विचार करना) धातुके रूप.

लट्–मीमांसते लङ्–अमीमांसत. लिट्–मीमांसाञ्चक्रे. लुङ्–अमीमांसिष्ट. लुट्–मीमांसिता. लृट्–मीमांसिष्यते. लोट्–मीमांसताम्. वि० लिङ्–मीमांसेत. आ० लिङ्–मीमांसिषीष्ट. लृङ्–अमीमांसिष्यत. क० लट्–मीमांस्यते. णि० लट्–मीमांसयते

मे (मुवादला करना) धातुके रूप.

लट्–मयते. लङ्–अमयत. लिट्–ममे. लुङ्–अमास्त लुट्–माता. लृट्–मास्यते. लोट्–मयताम्. वि० लिङ्–मयेत. आ० लिङ्–मासीष्ट. लृङ्–अमास्यत क० लट्–मीयते णि० लट्–मापयते. स० लट्० मित्सते. य० लट्–मेमीयते, मेमयीति, मामेति, मामाति.

म्ना (मनन करना) धातुके रूप.

लट्–मनति. लङ्–अमनत् लिट्–मम्नौ. लुङ्–अम्नासीत् लुट्–म्नाता. लृट्–म्नास्यति. लोट्–मनतु वि० लिङ्–मनेत् आ० लिङ्–म्नायात्, म्नेयात्. लृङ्–अम्नास्यत्. क० लट्–म्नायते णि० लट्–म्नापयति. णि० लुङ्–अमिम्नपत्. स० लट्–मिम्नासति. य० लट्–माम्नायते, माम्नाति, माम्नेति.

यज् (पूजना) धातुके रूप.

लट्–यजति–ते. लङ्–अयजत्–त लिट्–इयाज, ईजे. लुङ्–अयाक्षीत्, अयष्ट. लुट्–यष्टा. लृट्–यक्ष्यति–ते लोट्–यजतु–ताम्. वि० लिङ्–यजेत्–त. आ० लिङ्–इज्यात, यक्षीष्ट. लृङ्–अयक्ष्यत्–त. क० लट्–इज्यते क० लङ्–ऐज्यत. णि० लट्–याजयति–ते. णि० लुङ्–अयीयजत्. स० लट्–यियक्षति–ते. य० लट्–यायज्यते, यायष्टि.

यत् (यत्न करना) धातुके रूप.

लट्–यतते. लङ्–अयतत लिट्–येते. लुङ्–अयतिष्ट. लुट्–यतिता. लृट्–यतिष्यते. लोट्–यतताम्. वि० लिङ्–यतेत. आ० लिङ्–यतिषीष्ट. लृङ्–अयतिष्यत. क० लट्–यत्यते णि० लट्–यातयति–ते. णि० लुङ्–अयीयतत्. स० लट्–यियतिषते. य० लट्–यायत्यते, यायतीति, यायत्ति.

लुङ्-अवाहि. णि० लट्-वाहयति-ते. स० लट्-विक्षति-ते. य० लट्-वावह्यते, वावोढि.

वृक् (लेना) धातुके रूप.

लट्-वर्कते. लङ्-अवर्कत. लिट्-ववृके. लुङ्-अवर्किष्ट. लुट्-वर्किता. लृट्-वर्किष्यते. लोट्-वर्कताम्. वि० लिङ्-वर्केत. आ० लिङ्-वर्किषीष्ट. लृङ्-अवर्किष्यत. क० लट्-वृक्यते. णि० लट्-वर्कयति. णि० लुङ्-अववर्कत, अवीवृकत. स० लट्-विवर्किषते. य० लट्-वरीवृक्यते, वरिवर्क्ति, वरीवर्क्ति, वर्वर्क्ति, वर्वृकीति, वरिवृकीति, वरीवृकीति.

वृत् (होना) धातुके रूप.

लट्-वर्त्तते. लङ्-अवर्त्तत. लिट्-ववृते. लुङ्-अवृतत, अवर्त्तिष्ट. लुट्-वर्त्तिता. लृट्-वर्त्तिष्यते, वर्त्स्यति. लोट्-वर्त्तताम्. वि० लिङ्-वर्त्तेत. आ० लिङ्-वर्त्तिषीष्ट. लृङ्-अवर्त्तिष्यत, अवर्त्स्यत्. क० लट्-वृत्यते. णि० लट्-वर्त्तयति. स० लट्-विवर्त्तिषते, विवृत्सति. य० लट्-वरीवृत्यते, वरिवृतीति, वरिवर्त्ति, वरीवृतीति आदि.

वे (बुनना) धातुके रूप.

लट्-वयति-ते. लङ्-अवयत्-त. लिट्-ववाय, ववौ, ऊये. लुङ्-अवासीत्, अवास्त. लुट्-वाता. लृट्-वास्यति-ते. लोट्-वयतु-ताम्. वि० लिङ्-वयेत्-त. आ० लिङ्-ऊयात्, वासीष्ट. लृङ्-अवास्यत्-त. क० लट्-ऊयते, णि० लट्-वाययति-ते. स० लट्-विवासति-ते. य० लट्-वावायते, वावाति, वावेति.

व्ये (ढँकना) धातुके रूप.

लट्-व्ययति-ते. लङ्-अव्ययत्-त. लिट्-विव्याय, विव्ये. लुङ्-अव्यासीत्, अव्यास्त. लुट्-व्याता. लृट्-व्यास्यति-ते. लोट्-व्ययतु-ताम्. वि० लिङ्-व्ययेत्-त. आ० लिङ्-वीयात्, व्यासीष्ट. लृङ्-अव्यास्यत्-त. क० लट्-वीयते. णि० लट्-व्याययति. स० लट्-विव्यासति-ते. य० लट्-वेवीयते, वेव्यीति, वेव्येति.

शद् (जाना) धातुके रूप.

लट्-शीयते. लङ्-अशीयत. लिट्-शशाद. लुङ्-अशदत्. लुट्-शत्ता. लृट्-शत्स्यति. लोट्-शीयताम्. वि० लिङ्-शीयेत. आ० लिङ्-शद्यात्.

लप्स्यते. लोट्-लभताम्. वि० लिङ्-लभेय. आ० लिङ्-लप्सीष्ट. लृङ्-अलप्स्यत क० लट्-लभ्यते. णि० लट्-लम्भयति. स० लट्-लिप्सते. य० लट्-लालभ्यते, लालभीति, लालम्भीति.

लोच् (देखना) धातुके रूप.

लट्-लोचते. लङ्-अलोचत. लिट्-लुलोचे. लुङ्-अलोचिष्ट. लुट्-लोचिता. लृट्-लोचिष्यते. लोट्-लोचताम्. वि० लिङ्-लोचेत आ० लिङ्-लोचिषीष्ट. लृङ्-अलोचिष्यत. क० लट्-लोच्यते. णि० लट्-लोचयति. स० लट्-लुलोचिषते. य० लट्-लोलोच्यते, लोलोचीति, लोलोक्ति.

वद् (बोलना) धातुके रूप.

लट्-वदति. लङ्-अवदत्. लिट्-उवाद. लुङ्-अवादीत्. लुट्-वादिता. लृट्-वदिष्यति. लोट्-वदतु. वि० लिङ्-वदेत्. आ० लिङ्-उद्यात्. लृङ्-अवदिष्यत्. क० लट्-उद्यते. णि० लट्-वादयति. णि० लुङ्-अवीवदत्. स० लट्-विवदिषति. य० लट्-वावद्यते, वावदीति, वावत्ति.

वप् (बोना) धातुके रूप.

लट्-वपति-ते. लङ्-अवपत्-त० लिट्-उवाप, ऊपे. लुङ्-अवाप्सीत्, अवप्त. लुट्-वप्ता. लृट्-वप्स्यति-ते. लोट्-वपतु-ताम्. वि. लिङ्-वपेत्-त. आ० लिङ्-उप्यात्, वप्सीष्ट. लृङ्-अवप्स्यत्-त. क० लट्-उप्यते. णि० लट्-वापयति-ते. स० लट्-विवप्सति-ते. य० लट्-वावप्यते, वावपीति, वावप्ति.

वस् (रहना) धातुके रूप.

लट्-वसति. लङ्-अवसत्. लिट्-उवास. लुङ्-अवात्सीत्. लुट्-वस्ता लृट्-वत्स्यति. लोट्-वसतु. वि० लिङ्-वसेत्. आ० लिङ्-उष्यात्. लृङ्-अवत्स्यत्. क० लट्-उष्यते. णि० लट्-वासयति-ते. स० लट्-विवत्सति य० लट्-वावस्यते, वावसीति, वावस्ति.

वह् (वहना) धातुके रूप.

लट्-वहति-ते. लङ्-अवहत्-त. लिट्-उवाह, ऊहे. लुङ्-अवाक्षीत्, अवोढ. लोट्-वहतु-ताम्. वि० लिङ्-वहेत्-त. आ० लिङ्-उह्यात्, वक्षीष्ट. लृङ्-अवक्ष्यत्-त. क० लट्-उह्यते. क० लुङ्-औह्यत. क०

लुङ्-अवाहि. णि० लट्-वाहयति-ते. स० लट्-विक्षति-ते. य० लट्-वावह्यते, वावोढि.

वृक् (लेना) धातुके रूप.

लट्-वर्कते. लङ्-अवर्कत. लिट्-ववृके. लुङ्-अवर्किष्ट. लुट्-वर्किता. लृट्-वर्किष्यते. लोट्-वर्कताम्. वि० लिङ्-वर्केत. आ० लिङ्-वर्किषीष्ट लृङ्-अवर्किष्यत. क० लट्-वृक्यते. णि० लट्-वर्कयति. णि० लुङ्-अववर्कत, अवीवृकत. स० लट्-विवर्किषते. य० लट्-वरीवृक्यते, वरिवर्क्ति, वरीवर्क्ति, वर्वर्क्ति, वर्वृकीति, वरिवृकीति, वरीवृकीति.

वृत् (होना) धातुके रूप.

लट्-वर्त्तते. लङ्-अवर्त्तत. लिट्-ववृते. लुङ्-अवृतत, अवर्त्तिष्ट. लुट्-वर्त्तिता. लृट्-वर्त्तिष्यते, वर्त्स्यति. लोट्-वर्त्तताम्. वि० लिङ्-वर्त्तेत. आ० लिङ्-वर्त्तिषीष्ट. लृङ्-अवर्त्तिष्यत, अवर्त्स्यत्. क० लट्-वृत्यते. णि० लट्-वर्त्तयति. स० लट्-विवर्त्तिषते, विवृत्सति. य० लट्-वरीवृत्यते, वरिवृतीति, वरिवर्त्ति, वरीवृतीति आदि.

वे (बुनना) धातुके रूप.

लट्-वयति-ते. लङ्-अवयत्-त. लिट्-उवाय, ववौ, ऊये. लुङ्-अवासीत्, अवास्त. लुट्-वाता. लृट्-वास्यति-ते. लोट्-वयतु-ताम्. वि० लिङ्-वयेत्-त. आ० लिङ्-ऊयात्, वासीष्ट. लृङ्-अवास्यत्-त. क० लट्-ऊयते, णि० लट्-वाययति-ते. स० लट्-विवासति-ते. य० लट्-वावायते, वावाति, वावेति.

व्ये (ढँकना) धातुके रूप.

लट्-व्ययति-ते. लङ्-अव्ययत्-त. लिट्-विव्याय, विव्ये. लुङ्-अव्यासीत्, अव्यास्त. लुट्-व्याता. लृट्-व्यास्यति-ते. लोट्-व्ययतु-ताम्. वि० लिङ्-व्ययेत्-त. आ० लिङ्-वीयात्, व्यासीष्ट. लृङ्-अव्यास्यत्-त. क० लट्-वीयते. णि० लट्-व्याययति. स० लट्-विव्यासति-ते. य० लट्-वेवीयते, वेव्याति, वेवेति

शद् (जाना) धातुके रूप.

लट्-शीयते. लङ्-अशीयत. लिट्-शशाद. लुङ्-अशदत्. लुट्-शत्ता. लृट्-शत्स्यति. लोट्-शीयताम्. वि० लिङ्-शीयेत. आ० लिङ्-शद्यात्.

श्रूयात्. लृङ्-अश्रोष्यत्. णि० लट्-श्रावयति. णि० लुङ्-अशुश्रवत्, अशिश्रवत्. स० लट्-शुश्रूषते. य० लट्-शोश्रूयते, शोश्रवीति, शोश्रोति

श्वि (बढना) धातुके रूप.

लट्-श्वयति. लङ्-अश्वयत्. लिट्-शिश्वाय, शुशाव. लुङ्-अश्वयीत्, अशिश्वयत्, अश्वत्. लुट्-श्वयिता. लृट्-श्वयिष्यति लोट्-श्वयतु वि० लिङ्-श्वयेत्. आ० लिङ्-शूयात् लृङ्-अश्वयिष्यत्. क० लट्-शूयते णि० लट्-श्वाययति. णि० लुङ्-अशिश्वत्, अशूशवत्. स० लट्-शिश्वयिषति. य० लट्-शेश्वीयते, शोशूयते, शेश्वयीति, शेश्वेति.

सञ्ज् (गले लगाना) धातुके रूप.

लट्-सजति. लङ्-असजत्. लिट्-ससञ्ज. लुङ्-असांक्षीत्. लुट्-सक्ता. लृट्-संक्ष्यति. लोट्-सजतु. वि० लिङ्-सजेत्. आ०लिङ्-सज्यात्. लृङ्-असंक्ष्यत्. क० लट्-सज्यते. णि० लट्-सञ्जयति. स० लट्-सिसक्षति. य० लट्-सासज्यते, सासञ्जीति, सासक्ति.

सद् (गिर पडना) धातुके रूप.

लट्-सीदति. लङ्-असीदत्. लिट्-ससाद. लुङ्-असदत्. लुट्-सत्ता. लृट्-सत्स्यति. लोट्-सीदतु. वि० लिङ्-सीदेत्. आ०लिङ्-सद्यात्. लृङ्-असत्स्यत्. क० लट्-सद्यते. णि० लट्-सादयति. णि० लुङ्-असीषदत्. स० लट्-सिषत्सति. य० लट्-सासद्यते, सासदीति, सासत्ति.

सस्ज् (जाना) धातुके रूप.

लट्-सज्जति-ते. लङ्-असज्जत्-त. लिट्-ससज्ज, ससज्जे. लुङ्-असज्जीत्, असज्जिष्ट. लुट्-सज्जिता. लृट्-सज्जिष्यति-ते. लोट्-सज्जतु-ताम्. वि० लिङ्-सज्जेत्-त. आ० लिङ्-सज्ज्यात्, सज्जिषीष्ट. लृङ्-असज्जिष्यत्-त. क० लट्-सज्ज्यते. णि० लट्-सज्जयति-ते. स० लट्-सिसज्जिषति-ते य० लट्-सासज्ज्यते, सासज्जीति, सासक्ति.

सह् (सहना) धातुके रूप.

लट्-सहते. लङ्-असहत. लिट्-सेहे. लुङ्-असहिष्ट लुट्-सहिता, सोढा. लृट्-सहिष्यते. लोट्-सहताम्. वि० लिङ्-सहेत. आ० लिङ्-सहिषीष्ट. लृङ्-असहिष्यत. क० लट् सह्यते. णि० लट्-साहयति. णि० लुङ्-असीषहत्. स० लट्-सिसहिषते. य० लट्-सासह्यते, सासहीति, सासोढि.

त्-त क० लट्-स्मर्य्यते. णि० लट्-स्मारयति-ते. स० लट्-सुस्मूर्षते. य० लट्-सास्मर्य्यते, सास्मरीति, सास्मर्त्ति.

हृ (हरण करना) धातुके रूप.

लट्-हरति-ते. लङ्-अहरत्-त. लिट्-जहार, जह्रे, लुङ्-अहार्षीत्, अहृत. लुट्-हर्ता. लृट्-हरिष्यति-ते. लोट्-हरतु-ताम्. वि० लिङ्-हरेत्-त. आ० लिङ्-ह्रियात्, हृषीष्ट. लृङ्-अहरिष्यत्-त. क० लट्-ह्रियते. णि० लट्-हारयति-ते. स० लट्-जिहीर्षति-ते. य० लट्-जेह्रियते, जर्हरीति, जरिहरीति, जरीहरीति, जरिहर्त्ति, जरीहर्ति.

ह्लाद् (आनंद करना) धातुके रूप.

लट्-ह्लादते. लङ्-अह्लादत. लिट्-जह्लादे. लुङ्-अह्लादिष्ट. लुट्-ह्लादिता. लृट्-ह्लादिष्यते. लोट्-ह्लादताम्. वि० लिङ्-ह्लादेत. आ० लिङ्-ह्लादिषीष्ट. लृङ्-अह्लादिष्यत. क० लट्-ह्लाद्यते. णि० लट्-ह्लादयति-ते. स० लट्-जिह्लादिषते. य० लट्-जाह्लाद्यते, जाह्लादीति, जाह्लात्ति.

ह्वे (पुकारना) धातुके रूप.

लट्-ह्वयति-ते लङ्-अह्वयत्-त. लिट्-जुहाव, जुहुवे. लुङ्-अह्वत्, अह्वत, अह्वास्त. लुट्-ह्वाता. लृट्-ह्वास्यति-ते. लोट्-ह्वयतु-ताम्. वि० लिङ्-ह्वयेत्-त. आ० लिङ्-हूयात्, ह्वासीष्ट. लृङ्-अह्वास्यत्-त. क० लट्-हूयते. क० लुङ्-अह्वायि, अह्वायिष्ट, अह्वत, अह्वास्त. क० लृट्-ह्वास्यते, ह्वायिष्यते. क० लृङ्-अह्वास्यत, अह्वायिष्यत. णि० लट्-ह्वाययति णि० लुङ्-अजूहवत्. स० लट्-जुहूषति-ते. य० लट्-जोहूयते, जोहवीति, जोहोति.

द्वितीयगणस्थ उपयुक्त धातुओंके रूप.

आस् (बैठना) धातुके रूप.

लट्-आस्ते, आस्स्ते. लङ्-आस्त. लिट्-आसाञ्चक्रे. लुङ्-आसिष्ट. लुट्-आसिता. लृट्-आसिष्यते. लोट्-आ ० लि आ० लिङ्-आसिषीष्ट. लृङ्-आसिष्यत. आसयति. स० लट्-आसिसिषते.

इ (जाना) धातुके रूप.

लट्–एति. लङ्–ऐत्. लिट्–इयाय. लुङ्–अगात् लुट्–एता. लृट्–एष्यति. लोट्–एतु वि० लिङ्–इयात् आ० लिङ्–ईयात्. लृङ्–ऐष्यत्. क० लट्–ईयते. क० लुङ्–अगायि. णि० लट्–गमयति. स० लट्–जिगमिषति.

ईड् (प्रशंसा करना) धातुके रूप.

लट्–ईट्टे. लङ्–ऐट्ट. लिट्–ईडाञ्चक्रे. लुङ्–ऐडिष्ट. लुट्–ईडिता. लृट्–ईडिष्यते. लोट्–ईट्टाम् वि० लिङ्–ईडीत. आ० लिङ्–ईडिषीष्ट लृङ्–ऐडिष्यत. क० लट्–ईड्यते. णि० लट्–ईडयति. स० लट्–ईडिडिषते.

जागृ (जागना) धातुके रूप.

लट्–जागर्त्ति. लङ्–अजागः. लिट्–जागराञ्चकार, जजागार. लुङ्–अजागरीत् लुट्–जागरिता. लृट्–जागरिष्यति. लोट्–जागर्त्तु. वि० लिङ्–जागृयात्. आ० लिङ्–जागर्य्यात्. क० लट्–जागर्य्यते. णि० लट्–जागरयति स० लट्–जिजागरिषति.

दा (कतरना) धातुके रूप.

लट्–दाति. लङ्–अदात्. लिट्–ददौ. लुङ्–अदासीत्. लुट्–दाता. लृट्–दास्यति. लोट्–दातु. वि० लिङ्–दायात्. आ० लिङ्–दायात्. लृङ्–अदास्यत्. क० लट्–दायते णि० लट्–दापयति. स० लट्–दिदासति य० लट्–दादायते, दादाति, दादेति.

यु (मिलना) धातुके रूप.

लट्–यौति. लङ्–अयौत्. लिट्–युयाव. लुङ्–अयावीत्. लुट्–यविता. लृट्–यविष्यति लोट्–यौतु. वि० लिङ्–युयात् आ० लिङ्–यूयात्. लृङ्–अयविष्यत् क० लट्–यूयते. णि० लट्–यावयति स० लट्–युयूषति, युयविषति य० लट्–योयूयते, योयवीति, योयोति.

वच् (बोलना) धातुके रूप.

लट्–वक्ति लङ्–अवक्, अवग्. लिट्–उवाच, ऊचे लुङ्–अवोचत्, अवोचत लुट्–वक्ता. लृट्–वक्ष्यति-ते. लोट्–वक्तु. वि० लिङ्–वच्यात्. आ० लिङ्–उच्यात्, वक्षीष्ट. लृङ्–अवक्ष्यत्-त. क० लट्–उच्यते णि० लट्–वाचयति. स० लट्–विवक्षति-ते. य० लट्–वावच्यते, वावक्ति.

शी (सोना) धातुके रूप.

लट्-शेते. लङ्-अशेत. लिट्-शिश्ये. लुङ्-अशयिष्ट. लुट्-शयिता. लृट्-शयिष्यते. लोट्-शेताम्. वि० लिङ्-शयीत. आ० लिङ्-शयिषीष्ट. क० लट्-शय्यते. णि० लट्-शाययति. स० लट्-शिशयिषते. य० लट्-शाशय्यते, शेशयीति, शेशेति.

श्वस् (श्वास लेना) धातुके रूप.

लट्-श्वसिति लङ्-अश्वसीत्, अश्वसत्. लिट्-शश्वास. लुङ्-अश्वसीत्. लुट्-श्वसिता. लृट्-श्वसिष्यति लोट्-श्वसितु वि० लिङ्-श्वस्यात्. आ० लिङ्-श्वस्यात्. लृङ्-अश्वसिष्यत्. क० लट्-श्वस्यते

सू (प्रसूत होना) धातुके रूप.

लट्-सूते लङ्-असूत. लिट्-सुषुवे. लुङ्-असविष्ट, असोष्ट. लुट्-सोता, सविता. लृट्-सोष्यते, सविष्यते लोट्-सूताम्. वि० लिङ्-सुवीत. आ० लिङ्-सोषीष्ट, सविषीष्ट. लृङ्-असोष्यत, असविष्यत क० लट्-सूयते. क० लुङ्-असावि. णि० लट्-सावयति णि० लुङ्-असीषवत् स० लट्-सुसूषते. य० लट्-सोषूयते, सोषवीति, सोषोति



पुस्तक मिलनेका ठिकाना—
गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
"लक्ष्मीवेंकटेश्वर" छापाखाना,
कल्याण-मुंबई.